



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 8, 1984 (भाद्रपद 17, 1906)
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 8, 1984 (BHADRA 17, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निपटंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० ए० 32013/1/83-प्रशा०-II—इस कार्यालय का निम्नलिखित अधिसूचना दिनांक 27 अप्रैल, 1984 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाय: इज नियर थ्र प्रदोप सहता को 1-7-1984 से 31-7-1984 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ इज नियर (ग्रप "क") के पद पर नियुक्त करते हैं।

2 वरिष्ठ इज नियर के पद पर थ्र प्रदोप सहता का उक्त नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन के अधीन है।

3 उनको यह नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ आधार पर है और इससे इनको वरिष्ठ इज नियर के पद पर नियमित नियुक्ति, वरिष्ठता इत्यादि का कोई प्रभाव नहीं मिलेगा।

दिनांक 19 जुलाई 1984

सं० ए० 35014-2-80-प्रशा० II (1)—इस कार्यालय का समसूचक अधिसूचना दिनांक 18-6-84 के अनु-
1—226GI/84

क्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में क० लेखा अधिकारी आर०म०पा० माथुर को 16-7-84 से 31-8-84 तक तान माम की अग्रतर अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-35014/2/80-प्रशा० II (1)—इस कार्यालय का समसूचक अधिसूचना दिनांक 18-6-84 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को 16-7-1984 से 31-8-84 के अग्रतर अवधि तक अथवा नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के सर्वोच्च बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

क्र० नाम व पदनाम

सं०

- 1 श्री सुदर्शन कुमार, अनुभाग अधिकारी (के०स०से० सर्वोच्च)
- 2 श्री वी०सी० काजला, अनुभाग अधिकारी (के०स० से० संवर्ग)

3. श्री ए० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी (के०स०से० संवर्ग)

2. उपर्युक्त अधिकारी लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का०ज्ञा० सं० एफ० 1(II)ई० III(ख)/75 दिनांक 7-11-75 में सन्नहित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित रहेगा।

दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० ए० 32013/2/84-प्रशा०-1—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-84 के अनुक्रम में राष्ट्रपति निम्नलिखित के०स०से० के स्थायी ग्रेड 1 अधिकारियों को मंच लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियमित/तदर्थ आधार पर महर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं० अधिकारी का नाम	नियुक्ति का तिथि/अवधि
1. श्री बी० एस० जगपोता	(1) 5-4-84 से 1-5-84 तक तदर्थ आधार पर
2. श्री एम०बी० सितादे	(2) 2-5-84 से नियमित आधार पर 20-6-84 से तीन महीने के लिये तदर्थ आधार पर अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
मंच लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं०पो० 1583/प्रशा० II—साहित्य अकादमी के भारतीय साहित्य विश्व ज्ञान कोष एकक में सहायक संपादक के पद पर विदेश सेवा शर्तों के आधार पर उनके चयन और उक्त पद की उनका रबीकृति के परिणामस्वरूप मंच लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (भाषा) और तदर्थ आधार पर पर्याप्त अनुसंधान अधिकारी (प०मु०) श्री एम०एल० बरादपांडे को एतद्द्वारा आयोग के कार्यालय से 31 जुलाई 1984 (अपग्राह्य) से कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

श्री बरादपांडे को एतद्द्वारा निदेश दिया जाता है कि वह सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, को रिपोर्ट करें।

मुहाम बनर्जी,
अवर सचिव
मंच लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1984

सं० ए० 32014/1/81-प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20 दिसम्बर 1983 के

अनुक्रम में सचिव, मंच लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा राष्ट्रीय भवन निर्माण समिती के वरिष्ठ अन्वेषक श्री एस० राम-कुण्ठन को आयोग के कार्यालय में 11-7-1984 से 10-10-1984 तक आगामी तीन महीने के लिये अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (विश्लेषण अनुसंधान) के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. प्रतिनियुक्ति को अवधि विभागाध्यक्ष अध्यक्ष, मंच लोक सेवा आयोग के अनुमोदन से बढ़ाई गई है।

3. श्री एस० रामाकुण्ठन का वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का०ज्ञा० सं०एफ० I (I) III (बी)/75 दिनांक 7-11-1975 में उल्लिखित अनुदेशों के अनुसार विनियमित होता रहेगा।

विजय भल्ला
अनुभाग अधिकारी (प्रशा० II)
मंच लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1984

सं० 2/22/83-प्रशासन—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21 मई, 1984 के प्रतिस्थापन में, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ब्रह्म दत्त को इस आयोग में स्थानापन्न रूप से अवर सचिव के पद पर रु० 1200-1600 के वेतनमान में दिनांक 31 जुलाई, 1984 पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० 2/1/83-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक श्री जगदीश चन्द्र कपूर को तदर्थ अनुभाग अधिकारी के पद पर रु० 650(710)-1200/- के वेतनमान में दिनांक 31-7-84 से 28-10-84 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कुल्ल लाल मल्होत्रा

अवर सचिव

कुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

कामिक एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण द्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० ए०-19021/6/81-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री पी०के०बी० चक्रवर्ती, भा०पु० सेवा (महाराष्ट्र-1971), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण द्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सा०अ०स्कंध, बम्बई शाखा का सेवापत्र, दिनांक 2 अगस्त, 1984 के अपग्राह्य में महाराष्ट्र सरकार को सौंपा जाता है।

सं० ए०-19014/8/84-प्रशासन-5—राष्ट्रपति केन्द्रीय अन्वेषण द्यूरो, नई दिल्ली के पुलिस उपाधीक्षक श्री बी०

आर० पुरी को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में दिनांक 31 जुलाई, 1984 के पूर्वानुमान से प्रतिनियुक्ति कोटा में रिक्त पद पर छः महानि की अवधि के लिए पुलिस अधीक्षक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० ई-31013(2)/2/82-सा० प्रशा०-I--राष्ट्रपति, श्री टी०के० चौधरी को 11 अक्टूबर, 1983 के पूर्वानुमान से नियमित आधार पर सहायक कमांडेंट के रैंक में स्थानापन्न रूप से प्रोन्नत करते हैं।

सं० ई-31013(2)/6/84-सा० प्रशा०-I--राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों (तदर्थ-सहायक कमांडेंटों) को 28-7-84 से, अन्य सहायक कमांडेंटों--तदर्थ निरीक्षकों (कार्यपालक), जिनके सहायक कमांडेंट के में नियमित/प्रोन्नति आदेश अलग से जारी किए जा रहे हैं, के दावों पर बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, नियमित आधार पर सहायक कमांडेंट के रैंक में स्थानापन्न रूप में प्रोन्नत करते हैं। इन अधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता के बारे में आदेश उचित समय पर जारी कर दिए जाएंगे :

1. श्री कश्मीर सिंह
2. श्री आर०सी० शर्मा
3. श्री सी०एस० सैनी
4. श्री सुदर्शन सिंह पठानिया
5. श्री एम०के० राय
6. श्री वी०के० झा
7. श्री एम०जी० दास
8. श्री ए०वी० नम्बूवरीपाद
9. श्री जे०एम० पिल्लै
10. श्री आर०एन० बनर्जी
11. श्री जे०के० पहाड़ी
12. श्री रिसाल सिंह
13. श्री ए० पालानिय्यपन
14. श्री ए०के० घोष
15. श्री एन०सी० विश्वास
16. श्री एस०सी० राय
17. श्री एस०एल० नागरकर
18. श्री डी०के० पाटिल
19. श्री बालकृष्ण

20. श्री के०के० सिंह
21. श्री सेमुअल सैम्पसन
22. श्री ए०एम० शेखावत
23. श्री ईश्वर सिंह
24. श्री विनय सिंह
25. श्री जी० एम० स्वामी
26. श्री उन्नीयन चन्द्रन
27. श्री जी०एस० रीन
28. श्री एस०सी० मेहरा
29. श्री आर०पी० चड्ढा
30. श्री एन०के० तलवार
31. श्री जे० ओसफ
32. श्री डी०एस० लाम्बा
33. श्री जे०पी० ठाकुर
34. श्री शीतल सिंह
35. श्री एम०एल० गोवर
36. श्री वी०बी० राव मगादम
37. श्री के०पी० दोनाकरन
38. श्री उत्तम सिंह
39. श्री एन०आर० राव
40. श्री एम०आर० देव
41. श्री पी० चौधरी
42. श्री एन०के० बनर्जी
43. श्री एस०के० मंडल
44. श्री आई०आर० उप्पल
45. श्री एस०के० दत्ता
46. श्री एस०के० पाल
47. श्री वाई०पी० एम० बलियान
48. श्री आर०बी० शर्मा
49. श्री बैरागी राम
50. श्री डी०बी० राज

दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० ई०-32015(4)/78/84-कार्मिक--राष्ट्रपति, श्री एस० एन० एल० भटनागर को, प्रोन्नति पर, 23 जून 1984 के पूर्वानुमान से पूर्णतया तदर्थ आधार पर और अस्थाई रूप से 6 माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले हो, के० ओ० सु० ब० यूनिट पी० टी० पी० पी० परीक्षा का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक -- अपने राज्य कांडर को प्रत्यावर्तित होने के फलस्वरूप, श्री आर०बी० श्रीकुमार, भा०पु०से० (गुजरात : 71) ने 3 जुलाई, 1984 के पूर्वानुमान से के०ओ०सु०ब० यूनिट, बी०एस०एस०सी०; युम्बा के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-32015(4)/53/84-कार्मिक-राष्ट्रपति, श्री वाई०पी०एम० बालयन को प्रोन्नति पर, 14 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न में 6 माह की अवधि के लिए नियमित नियुक्ति प्राप्त होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थाई आधार पर के०ओ०मु०ब० यूनिट, बैंक नोट प्रेस, देवास में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० आनन्द राम
महानिदेशक, के०ओ०मु०ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 अगस्त 1984

सं० 10/35/81-प्रशा० 1-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के मानचित्र अधिकारी डा० आर०आर० त्रिपाठी को उसी कार्यालय में तारीख 23 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न में आने आदेशों तक पदोन्नति द्वारा अस्थाई रूप में नियमित आधार पर सहायक महारजिस्ट्रार (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

2. डा० त्रिपाठी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/26/83-प्रशा० 1-विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति निम्नलिखित अन्वेषकों को, जो इस समय उनके नाम के सामने दर्शाये गए पद पर कार्य कर रहे हैं, आने आदेशों तक 24 जुलाई, 1984 पूर्वाह्न में अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं:-

क्र०सं० नाम वर्तमान पद तथा कार्यालय जहां कार्य कर रहे हैं

1. श्री व० वा० वेल्सिंग्टन

सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन)
(प्रतिनियुक्ति एवं तदर्थ आधार पर) निदेशक जनगणना कार्य, तमिलनाडु, मद्रास।

2. श्री एस०एस० बाहरी

सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) (तदर्थ आधार पर), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।

3. श्री एस०एस० सरदार

सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) (तदर्थ आधार पर), निदेशक जनगणना कार्य पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।

वी० एस० वर्मा
भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1984

सं० प्रशा० 1/का०आ० सं० 192-ईस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री रामनाथ शर्मा, वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 अगस्त, 1984 अपराह्न से भारत सरकार की सेवा में सेवा-निवृत्त हो जाएंगे।

ह० अपठनीय

उप-निदेशक, ले०प० (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय केरल

तिरुवनंतपुरम, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० महालेखाकार लेखापरीक्षा/हकदारी रोकड़/1/10-3/84-85-महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा) केरल के निम्नलिखित लेखापरीक्षा अधिकारी, अधिवर्षिता के कारण उनके नाम के सामने निखित तारीख में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

1. श्री पी० माधवन नायर—31-7-1984 अपराह्न।

2. श्री ए० चन्द्रशेखरन—31-7-1984 अपराह्न।

श्री टी०एल० वर्की, लेखापरीक्षा अधिकारी स्वेच्छा से 1-7-1984 पूर्वाह्न में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

वि० लक्ष्मीनारायणन
महालेखाकार

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 30 मई 1984

सं० प्रशासन-1-(ले०प०)-17-2-1 (नि०स्था०)-1186-महालेखाकार (लेखा परीक्षा) उड़ीसा, भुवनेश्वर ने सहर्ष सूची में दर्शाए गए अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा) को उनके नाम के साथ दर्शाए गए तिथियों से आगामी आदेश तक कार्यवाही सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में केन्द्रीय सेवा के वर्ग "ख" में तथा रु० 650-30-740-35-880-द० अ०-40-1040 के वेतनमान पर पदोन्नत किया है।

अनुलग्नक—1

अनुभाग अधिकारियों की सूची जिन्हें सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया।

क्रम सं०	सहायक ले०प० अधिकारियों के नाम	पदोन्नतिपरान्त कार्ययोग की तिथि
1	2	3
1	श्री के० सी० पटजोशी	1-3-1984
2	श्री एस०एस० आहूद	"
3	श्री एस० एस० प्रकाश राव	"
4	श्री एस० एस० काशीनाथ	"

1	2	3	1	2	3
5. श्री एम० सी० दे		1-3-84	52. श्री एस० रावव राव		1-3-84
6. श्री बी० बी० रामाराव		"	53. श्री आर०के० सिंह		"
7. श्री डी० सूर्यनारायण		"	54. श्री एस० भुवनेश्वर राव		"
8. श्री एम०एस०एन० मूर्ति		"	55. श्री आर०एस० दास		"
9. श्री एन० सूर्यनारायण		"	56. श्री एस० पटनायक		"
10. श्री पी०सी० मामन्त		"	57. श्री टी०बी० रामास्वामी		"
11. श्री एच० खेमका		"	58. श्री यू० पाटी		"
12. श्री ए०के० मुखर्जी		"	59. श्री के०सी० आचार्य		"
13. श्री जी०एस०एन० मूर्ति		"	60. श्री पी० दास		"
14. श्री एन०पी० पात्र		"	61. श्री जी० महापात्र		"
15. श्री एस०के०सी० साहु		"	62. श्री बी०एम० त्रिपाठी		"
16. श्री आर०के० दास		"	63. श्री ए० राय		"
17. श्री बी०एस० शास्त्री		"	64. श्री भी० भी० आर० जे० राव		"
18. श्री एस०एस० मिश्र-I		"	65. श्री आर०बी० लाल		"
19. श्री बी०एस०एन० मूर्ति		"	66. श्री बी० बी० दास		"
20. श्री टी०एस० प्रकाश राव		"	67. श्री ए०के० दास		"
21. श्री बी०एन० मूर्ति		"	68. श्री एस०भो० राजु		"
22. श्री जे०एम० मोहन		"	69. श्री एन०जी० मित्र		"
23. श्री एन०के० महापात्र		"	70. श्री एल० एम० पण्डा		"
24. श्री बी०एस० नारायण		"	71. श्री एस०के० महान्ती		"
25. श्री एम० भाण्कर राव		"	72. श्री के०सी० दे		"
26. श्री के० नटराजन		"	73. श्री डी०एन० दास		"
27. श्री एम०एम० स्वामी		"	74. श्री एन० दास-II		"
28. श्री बी०एम० दास		"	75. श्री जी० के० मूर्ति		"
29. श्री टी०एस०आर० मूर्ति		"	76. श्री के०सी० साहु		"
30. श्री आर०ए०आर० शर्मा		"	77. श्री बी० प्रधान		"
31. श्री एम० रमणा राव		"	78. श्री बी० महान्ती		"
32. श्री डी०वा०एन० मूर्ति		"	79. श्री एस०के०एच० रहमान		"
33. श्री एस० भट्टाचार्य		"	80. श्री ए० महान्ती		"
34. श्री क०डी० मण्डल		"	81. श्री पी०के० रावनायडु		"
35. श्री एस० एस० देवपुरकायस्थ		"	82. श्री डी० पुहाण		"
36. श्री एस० सी० दास		"	83. श्री एम० पण्डा		"
37. श्री आर०सी० महान्ता		"	84. श्री जी०एन० महापात्र		"
38. श्री बी०सी० मिश्र		"	85. श्री जे०बी० बासु		"
39. श्री एस०एल० मिस्त्री		"	86. श्री एम० सरवर		"
40. श्री पी० अनन्त राव		"	87. श्री पी० के० भुटिया		"
41. श्री पी०सा० दास		"	88. श्री एस०सी० मिश्र		"
42. श्री बी०पी० स्वाई		"	89. श्री जी०जे० नेहरू		"
43. श्री के० राजा राव-I		"	90. श्री ए०एन० गिरी		"
44. श्री के० राजा राव-II		"	91. श्री एस० पण्डा		"
45. श्री जे०एन० पाणीग्राही		"	92. श्री बी०के० चौधुरी		"
46. श्री पी० बंकट राव		"	93. श्री एम० कामेश्वर राव-II		"
47. श्री के० मुकुन्द राव		"	94. श्री ए० के० राय		"
48. श्री एन०एस० प्रकाश राव		"	95. श्री के०सी० नन्वी		"
49. श्री जी०भी०एन० सुबाराव		"	96. श्री बी०सी० पटनायक		"
50. श्री जे० रामाराव		"	97. श्री बी० होता		"
51. श्री ए०के० नन्द		"	98. श्री के० प्रभाकर राव		"

1	2	3	1	2	3
99.	श्री जे०एन० दास	1-3-84	146.	श्री एस० मुदर्शन राव	1-3-84
100.	श्री जी०सी० महापात्र	"	147.	श्री भी०भी० रमणराव	"
101.	श्री एस०के० दास	"	148.	श्री पी०सी० मिश्र	"
102.	श्री जे०टी० राव	"	149.	श्री एन०के० बेहरा	"
103.	श्री एस०के० महान्ती	"	150.	श्री सी०एस०पो० राव	"
104.	श्री एस० भगीरथी	"	151.	श्री जी०एस०सी० बोस	"
105.	श्री आर० चंपती	"	152.	श्री के०आर०के० शास्त्री	12-3-84 (पूर्वाह्न)
106.	श्री टी०आर० विश्वास	"	153.	श्री दिनबन्धु महापात्र	13-3-84
107.	श्री एस०सी० बेहरा	"	154.	श्री मणी मुखर्जी	1-3-84 (पूर्वाह्न)
108.	श्री जी०ए० सोतारमैया	"	155.	श्री लोकनाथ महापात्र	"
109.	श्री एम० कामेश्वर राव-I	"	156.	श्री एच०बाइ० डोरा	"
110.	श्री एस० महांती	"	157.	श्री जी० कोटेश्वर राव	"
111.	श्री आर०सी० जेना	"	158.	श्री विश्वनाथ मिश्र	"
112.	श्री बी०सी० दास	"	159.	श्री चक्रधर बराल	"
113.	श्री बी०सी० मण्डल	"	160.	श्री जे० विठ्ठल राव	"
114.	श्री एन०एन० दास	"	161.	श्री मो० शमशुल हज़	"
115.	श्री ए०के० दास-I	"	162.	श्री के०एस० राव	"
116.	श्री एल०के० पण्डा	"	163.	श्री ब्रजकिशोर दास	"
117.	श्री एन० साहु	"	163.	श्री शशी शेखर महापात्र	"
118.	श्री एम० एस० सुतार	"	165.	श्री राधा कृष्ण पटनायक	"
119.	श्री जे० भी० कृष्ण राव	"	166.	श्री जी० नागायण शास्त्री	"
120.	श्री जे० महापात्र	"	167.	श्री प्रवीरकुमार साहु	"
121.	श्री एन० बाला	"	168.	श्री वेंणोव महान्ती	11-4-84
122.	श्री आर० परमाणिक	"	169.	श्री कालीचरण पटनायक	1-5-84
123.	श्री आर०के० साहु	"	170.	श्री दुर्योधन साहु	1-5-84
124.	श्री एन० राउत	"	171.	श्री एस०सी० रमण	2-4-84
125.	श्री ए० साहु	"			
126.	श्री बी० चक्रवर्ती	"			
127.	श्री एम० आनन्द राव	"			
128.	श्री जी०एन० मूर्ति-II	"			
129.	श्री के०सी० महापात्र	"			
130.	श्री बी०बी० पटनायक	"			
131.	श्री एच०के० स्वाई	"			
132.	श्री एम० कृष्ण मूर्ति	"			
133.	श्री टी० नागेश्वर राव	"			
134.	श्री आर०पी० सरकार	"			
135.	श्री वाई०भी०आर० पात्र	3-4-84			
136.	श्री ए०के० पाल	19-3-84 (पूर्वाह्न)			
137.	श्री ए०भी० नरसिंहम	31-3-84 (मध्याह्न)			
138.	श्री बी० सन्यासी राव	31-3-84 (मध्याह्न)			
139.	श्री डी० चटोपध्याय	2-4-84 (पूर्वाह्न)			
140.	श्री एस०बी० बेहरा	31-3-84 (मध्याह्न)			
141.	श्री ए०के० महान्ती	31-3-84 (मध्याह्न)			
142.	श्री ए०के० सेनगुप्त	31-3-84 (मध्याह्न)			
143.	श्री भी० सत्यनारायण-II	2-4-84 (पूर्वाह्न)			
144.	श्री वंशीधर नायक	1-3-84			
145.	श्री विश्वनाथ बोस	"			

सं० प्रशासन-1 (ले०प०)-17-2-1-1187--महालेखाकार ने दिनांक 1-3-84 में आगामी आदेश होने तक अनुलग्नक में दर्शाए गए अनुभाग अधिकारियों को जो कि प्रतिनियुक्ति अथवा विदेश सेवा में मुख्य कार्यालय को छोड़ कर कार्यरत हैं नेक्स्ट बिलों नियमावली के अधीन साधारण केन्द्रीय सेवा के वर्ग "ख" के अन्तर्गत र० 650-30-740-35-880-द०अ०-40-1040 के वेतनमान पर कार्यवाही सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया है।

एम० एस० मान
वरिष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)

अनुलग्नक-II

अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा) की सूची जिन्होंने दिनांक 1-3-84 से लेकर त्रिलो नियम के अनुसार पदोन्नत किया गया—

सर्वश्री

1. एम० सी० मुखर्जी
2. ए० एस० एन० मूर्ति
3. आर० के० राय
4. एस० के० राय चौधरी
5. एम० एम० दास
6. चन्द्रमोहन पटनायक
7. बी० के० दासगुप्ता
8. सरोज कुमार भट्टाचार्य
9. ए० के० सेनगुप्त
10. परमानन्द रथ
11. शरत मुधाशर पटनायक
12. एम० सत्यनारायण
13. भी० बी० राजू
14. के० भी० एस० एम० प्रकाश राव
15. एल० एस० शास्त्र
16. पी० अप्पा राव
17. के० एम० आर० मूर्ति पटनायक
18. बी० जे० गंगुली
19. सी० इलियाम खान
20. डॉ० एस० गाम्बे
21. भी० बिठूल राव
22. एन० सी० बिस्वाल
23. मत्स्य प्रसाद मुखर्जी
24. चारु चन्द्र महान्ती
25. वारेन्द्र कुमार पाल
26. संजय कुमार भट्टाचार्य
27. अज किशोर महान्ती
28. जी० चित्तरंजन
29. पी० एम० एन० मूर्ति
30. बी० ए० सूर्यनारायण
31. जी० सी० राव-1
32. पी० रामाराव-1
33. डॉ० एस० एन० मूर्ति
34. कु० माधना दास
35. मन्तोय कु० मुखर्जी
36. कमल लोचन दास
37. पी० आर० राजगोपालका
38. दुर्गोदन भोल
39. किशोर मोहन पराड़ा
40. डॉ० बी० रमण मूर्ति
41. नारायण चन्द्र सामन्त
42. विजय किशोर पासु
43. दिनेश कुमार राय
44. जगदाश चन्द्र दास
45. भी० रामा कुण्ठन
46. ए० विजयध्वज राव
47. जी० आर० एन० शास्त्र
48. चन्द्रनेश भट्टाचार्य
49. जी० आर० एम० राव-1
50. दीपक कु० राव-1
51. एस० जी० पाल
52. आर० जे० के० नायर
53. अरुण चन्द्र भट्ट
54. भी० एस० राव-1
55. एम० भट्टाचार्य
56. डॉ० पी० कर्मकार
57. तुलसीदास मण्डल
58. आर० भी० जे० दास
59. डॉ० जे० के० मूर्ति
60. समरेन्द्र नाथ सेठी
61. चन्द्रकांत पाल
62. गोपाल दास बनर्जी
63. दासरथी महापात्र
64. बी० बी० घटक
65. के० एस० कुण्ठमूर्ति
66. जी० एल० भी० के० मूर्ति
67. रत्नाश मुखोपाध्याय
68. इ० एच० राव
69. के० एस० स्वामी
70. बी० एस० दास
71. जी० सी० मिश्र-II
72. जयदेव साहू
73. जी० सी० रथ
74. आई० बी० रत्नम
75. एम० रथ
76. एम० आर० गुहा
77. पितराम पार्ण
78. मनातन साहू
79. सी० एच० एम० राव
80. एस० के० घोषाल
81. अधार दास गुप्त
82. पी० के० महान्ती
83. एम० वासु
84. माखन लाल धर
85. निर्मलेन्दु राय
86. पद्मनाभ महापात्र
87. एल० एन० जगदेव
88. आर० एम० आर० ए० शर्मा
89. एच० एन० विर्गोई
90. पी० के० मिश्र-II
91. एस० के० वासु
92. नितार् चन्द्र शाह
93. प्रियनाथ मजूमदार

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा)-I, उत्तर प्रदेश
इलाहाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1984

सं० प्रशा०/०० ज० (लेखा परीक्षा) 1/13-7/519—
निम्नलिखित लेखा परीक्षा अधिकारी निवर्तन का आयु प्राप्त
कर दिनांक 31 जुलाई 1984 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त
हो गए हैं:—

1. श्री हर किशन लाल, कार्यालय महालेखाकार (लेखा
परीक्षा)-I, उ० प्र०।

2. श्री राम बेनी प्रसाद तिवारी, कार्यालय महालेखाकार
(लेखा परीक्षा)-II, उ० प्र०।

3. श्री ध्याम लाल श्रीवास्तव-II, कार्यालय महालेखाकार-II
उ० प्र०।

ब० के० लक्ष्मोपाध्याय,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-1) तमिलनाडु एवं
पांडिचेरी,

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

सं० म० ले० (ले० प०-1)/प्रशा०-1/जी० बी०/84-
85/209—श्रमतां सा० एस० जगदाम्बाल (जन्म तारीख
12-05-1928) लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महालेखा-
कार (लेखापरीक्षा-1) तमिलनाडु एवं पांडिचेरी, मद्रास,
दिनांक 24-7-1984 में देहांत हुई।

एम० बी० स्वामोत्तम,
महालेखाकार (लेखापरीक्षा-1)

श्रम एवं पुनर्वासि संचालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 1 सितम्बर 1984

सं० 23/3/84-सी. पी. आई.—जुलाई, 1984 में
औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
(आधार वर्ष 1960=100) जून, 1984 के स्तर से ग्यारह
अंक बढ़ कर 585 (पांच सौ पच्चासी) रहा। जुलाई, 1984
माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित
किए जाने पर 711 (सात सौ ग्यारह) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निदेशक

श्रम विभाग

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(1)—क्षेत्रीय श्रमायुक्त
(के०), धनबाद कार्यालय के उक्त श्रेणी लिपिक श्री बी०
पाण्डे को 3-1-84 (पूर्वाह्न) से ऐवजांती पर विजयवाड़ा

के श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) के पद पर नियुक्त किया
गया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(2)—मुख्य श्रमायुक्त
(के०) द्वारा इस संगठन में अस्थायी तौर पर नियुक्त किये
जाने पर श्री दीपक जैन ने 21-1-1984 (अपराह्न) को
नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), भीलवाड़ा
कैम्प का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(3)—मुख्य श्रमायुक्त (के०)
द्वारा इस संगठन में अस्थायी तौर पर नियुक्त किये जाने पर
श्री बाबू लाल ने 21-1-84 (अपराह्न) को नई दिल्ली
में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) जालन्धर कैम्प का कार्यभार
संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(4)—मेवा-निवृत्ति की
आयु प्राप्त होने पर श्री के० डी० श्रीवास्तव ने 31-1-84
(अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कानपुर कार्या-
लय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(5)—मेवा-निवृत्ति की आयु
प्राप्त होने पर श्री सुन्दर लाल ने 31-1-84 (अपराह्न)
को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), नीमतपुर कार्यालय का
कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(6)—मुख्य श्रमायुक्त (के०)
द्वारा इस संगठन में अस्थायी रूप से नियुक्त किये
जाने पर श्री राधाकृष्ण मोणा ने 28-1-84 (अपराह्न)
को नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), राजकोट
कैम्प का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(7)—मुख्य श्रमायुक्त
(केन्द्रीय) द्वारा इस संगठन में अस्थायी रूप से नियुक्त किये
जाने पर श्री ललित कुमार शर्मा ने 30-1-84 (पूर्वाह्न)
को नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) अजमेर
कैम्प का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(8)—स्थानान्तरण होने
पर श्री जे० वैकटरमण ने 27-12-1983 (अपराह्न)
को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) संगलौर कार्यालय का
कार्यभार छोड़ दिया और छुट्टी इत्यादि बताकर 22-2-84
(पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से पोर्ट ब्लेयर का कार्यभार
संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(9)—मुख्य श्रमायुक्त
(के०) द्वारा इस संगठन में अस्थायी तौर पर नियुक्त किये जाने
पर श्री सुदर्शन पारीख ने 15-2-84 (पूर्वाह्न) को अजमेर
में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) जोधपुर कैम्प का कार्यभार
संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(10)—उच्च श्रेणी लिपिक
के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री आर० एस० ओझा ने
31-1-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०)
अजमेर का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(11)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री टी० पी० राजवार ने 31-1-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), चण्डीगढ़ का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(12)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री आर० एस० अग्रवाल ने 15-2-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), जोधपुर का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(13)—इलाहाबाद से स्थानान्तरण होने पर श्री एच० आर० कुरील ने 14-2-84 (अपराह्न) में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कानपुर कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(14)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री मनोहर लाल ने 31-1-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(15)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री आनन्द कुमार ने 15-2-84 (पूर्वाह्न) को कानपुर कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) इलाहाबाद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(16)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री बी० सूर्यनारायण ने 5-3-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(17)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री प्रियंका सिंह ने 29-2-84 (पूर्वाह्न) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), बर्मा कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(18)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई तौर पर नियुक्त किये जाने पर श्री नरेन्द्र सिंह पंवार ने धनबाद में 16-3-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) सर्गिया का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(19)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री रघुनाथ सिंह ने 12-3-84 (पूर्वाह्न) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), रांची कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(20)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री सतीश कुमार वर्मा ने 12-3-84 (पूर्वाह्न) को

को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), आसनसोल कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(21)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री के० गोपीकृष्ण ने 26-3-84 (अपराह्न) को हैदराबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), गुंटकल कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(22)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री कु० वासुदेवी श्रीचन्द्रानो, ने 16-3-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) जबलपुर कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(23)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एन० गनपति ने 26-3-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) गुन्टाकल कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(24)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री एल० एन० सिन्हा ने 31-3-84 (अपराह्न) को मुख्य श्रमायुक्त के मुख्यालय नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(25)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री पी० एस० फोगट ने 29-3-84 (पूर्वाह्न) को आसनसोल कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) नीमतपुर कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(26)—तहायक श्रमायुक्त (कें०) के पद पर नियुक्त होने पर श्री बी० आर० एस० रेड्डी ने 9-4-84 (पूर्वाह्न) को मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय, नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(27)—श्रम अधिकारी (सी० पी०) के पद पर नियुक्त होने पर श्री बी० मुरली ने 6-1-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(28)—श्रम अधिकारी (सी० पी०) के पद पर नियुक्त किये जाने पर श्री मो० जा० विजयलक्ष्मी ने 16-1-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(29)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री ए० के० दत्ता ने 31-1-84 (अपराह्न) को कलकत्ता स्थित श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(30)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये

जाने पर श्री पी० के० वशिष्ठ ने 7-4-84 (पूर्वाह्न) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) हजारबाग कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(31)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री आर० बी० कुलकर्णी ने 2-4-84 (पूर्वाह्न) को जबलपुर कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), भोपाल कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(32)—स्थानांतरण होने पर श्री एम० आर० दास ने 31-3-84 (अपराह्न) को गोहाटी स्थित श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 19-4-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से बरबोले में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(33)—स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर श्री एम० रामाराव ने 31-3-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(33)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री के० कण्डास्वामी ने 4-4-84 (पूर्वाह्न) को मद्रास कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) निरखी का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(35)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री पी० के० जादिया ने 16-4-84 (पूर्वाह्न) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बाघमारा कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(36)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एम० एस० वर्मा ने 16-4-84 (अप०) को गोहाटी कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) तेजपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(37)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एस० बी० चौधरी-II ने 17-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) तेजपुर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(38)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री बी० बी० पाण्डे ने 30-4-84 (अपराह्न) को नई दिल्ली मुख्यालय में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(39)—स्थानांतरण होने पर श्री ए० बी० बसु ने 30-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), दिल्ली-II कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 30-4-84 (पूर्वाह्न) को मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय में उसी हैसियत से कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(40)—स्थानांतरण होने पर श्री एस० एन० पाण्डे ने 18-4-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बागबिल कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 3-5-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से गोहाटी में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(41)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री के० नारायणन ने 3-4-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) तिरुची कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(42)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ने 23-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बम्बई कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(43)—सहायक श्रमायुक्त (कें०) के पद पर नियुक्त किये जाने पर श्री एल० एन० पाठक ने 24-4-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), धनबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(44)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एम० जगन्नाथ राव ने 26-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(45)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एस० के० झा ने 30-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), धनबाद कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(46)—सहायक श्रमायुक्त (कें०) के पद पर नियुक्त किये जाने पर श्री बी० एस० दुग्गल ने 30-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), चिरीमिरी कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(47)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री सी० आर० साहा ने 30-4-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कलकत्ता कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रशा०-1/4(12)/84(48)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एल० जे० बब्राडे ने 3-5-84 (पूर्वाह्न) को बंगलौर कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) संगलौर कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(49)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री अमरकांत ने 2-5-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(50)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई तौर पर नियुक्त किये जाने पर श्री रूपचन्द ने 2-5-84 (पूर्वाह्न) को चण्डीगढ़ कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), शिमला कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(51)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री ए० के० कपूर ने 30-4-84 (पूर्वाह्न) को कानपुर कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) दिल्ली कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(52)—स्थानांतरण होने पर श्री मनोहर लाल ने 30-4-84 (अपराह्न) को श्रम-प्रवर्तन अधिकार (कें०), चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 11-5-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैमियथ से देहरादून में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(53)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एन० मरिअप्पा ने 4-5-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) मद्रास कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(54) मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किए जाने पर श्री एस० सरोज कुमार ने 7-5-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) मद्रास कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(55)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री गेख बसीर अहमद ने 28-5-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), मंचेरियल कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(56)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एम० शिवरामा ञ्णा ने 28-5-84 (पूर्वाह्न) को हैदराबाद में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), मंचेरियल कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(57)—सेवा निवृत्ति का आयु प्राप्त होने पर श्री आर०बी० पोखरे ने 31-5-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), बम्बई कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(58)—उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने के पर श्री पी०एन० द्विवेदी ने 27-4-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), अगरतला कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

एम० एल० मेहता
प्रशासन अधिकारी

वाणिज्य मंत्रालय
(वस्त्र विभाग)

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० पटसन (प्र०)/147/58-वा०-V—पटसन आयुक्त ने श्री कल्याण कुमार दास (निरीक्षक तकनीकी) श्रेणी-1 को इस कार्यालय में सहायक निदेशक (पटसन प्रौद्योगिकी) वर्ग "ख" राजपत्रित के रूप में, रु०-650-30-740-35-810-२०-रो०-35-880-40-1000-३० रो०-1200/-के वेतनमान पर स्थानापन्न सामर्थ्य पर पटसन आयुक्त के कार्यालय में 12 दिसम्बर, 1983 (वोपहर के पूर्व) से नियुक्त किया है। जब तक अगला आदेश जारी नहीं किया जाता है।

सं० पटसन (प्र०)/147/58-वा० V—पटसन आयुक्त ने श्री विलिप कुमार बत्ता, सहायक निदेशक (पटसन प्रौद्योगिकी) को इस कार्यालय में सहायक निदेशक (पटसन विनिर्माण) वर्ग "क" राजपत्रित के रूप में, रु० 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान पर स्थानापन्न सामर्थ्य पर पटसन आयुक्त के कार्यालय में 12 दिसम्बर, 1983 (वोपहर के पूर्व) से नियुक्त किया है। जब तक अगला आदेश जारी नहीं किया जाता है।

डी० के० गोस्वामी
कार्यपालिका अधिकारी
पटसन आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1984

सं० 1(38)/2-83-उ०वि०का०—भारत सरकार, इसको द्वारा भारतीय प्रबन्ध संस्थान, ग्रहमदाबाद के भूतपूर्व प्रोफेसर श्री एच०एन० पाठक को, विद्यमान सदस्यों के अलावा, राष्ट्रीय उद्यमिता विकास बोर्ड का सदस्य तत्काल से नियुक्त करती है। उनकी यह सदस्यता, बोर्ड की वर्तमान अवधि तक के लिए है।

एस०के० पुरकायस्थ
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1984

सं० प्र०-1/2(440)—निरीक्षण निवेशक, बम्बई के कार्यालय के अधीक्षक श्री पी०सी० बर्गीज को दिनांक 2-7-1984 के पूर्वाह्न से सहायक निवेशक (प्रशा०)(ग्रेड-II) श्री ई०आई० देवासी की अवकाश रिक्ति में उसी कार्यालय

में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थापना सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० प्र-1/1(1189)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक सर्वथा आर०सा० गार्ग और एन० राय को दिनांक 27-7-1984 के पूर्वाह्न में 2 महीने की अवधि के लिये अथवा नियमित आधार पर अधिकारियों के उल्लेख हो जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, इसी महानिदेशालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थापना सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-IV) के पद पर नियुक्त करते हैं।

राजवीर सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० ई०।-2(3)/75(०) —अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद्-द्वारा श्री कार्तिक दत्त, अधीक्षक को 13-8-1984 (पूर्वाह्न) से रथानापत्र रूप में अवकाश रिक्ति के स्थान पर सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर अगल आदेश तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दीपक कुमार घोष
लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1984

सं० 5650-बी०/ए-19012 (प्रस आपरेटर-एस० आर०)/75-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रस आपरेटर श्री सुजित राय ने प्रस आपरेटर के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 30-6-1983 के अपराह्न से त्यागपत्र पर छोड़ दिया।

अमित कुमारी
निदेशक (कार्मिक)
महानिदेशक
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 110011, दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० 10/5/84-स्मारक —प्राचीन संस्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम 6 के अधीन

प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, जगत पति जोशी, अपर महानिदेशक यह निवेश जारी करता हूँ कि पुरातत्वीय क्षेत्र लाल किला, दिल्ली पर्यटकों के लिए 14 अगस्त, 1984 और 15 अगस्त, 1984 को 12 00 बजे अपराह्न तक बंद रहेगा।

जगत पति जोशी
अपर महानिदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० फा० 8-9-83-स्थापना —इस विभाग के दिनांक 14 जून की सम मुख्य अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए, श्री शूरवीर सिंह, अस्थायी सहायक रसायनज्ञ (ग्रेड-1) की 28 जून 1984 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश होने तक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, भोपाल में 650-30-740-35-810-द०-रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से, वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति की जाती है।

श्री शूरवीर सिंह का वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर, राष्ट्रीय अभिलेखागार भोपाल में यह नियुक्ति उनसे वरिष्ठ अधिकारी श्री बी०एल० राजदान, स्थायी सहायक रसायनज्ञ ग्रेड-1 जो इस समय अमान सलतनत भस्फट, में प्रतिनियुक्ति पर हैं, के स विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी के पद के हक के प्रति बिना किसी भद भाव के की गई है।

राजेश परती
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० 17-7-84-एम०चार—यद्यपि होने पर निम्न-लिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से विभिन्न आकाशवाणी/दूरदर्शन केन्द्रों पर तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार सभाल लिया है :—

क्रम सं०	नाम	केन्द्र	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री सी० दयानन्द रेड्डी	एल०पी०टी०बी०, निजामाबाद	25-4-84 (पूर्वाह्न)
2.	श्री गजेन्द्र सिंह	एल०पी०टी०बी०, श्री गंगानगर	30-4-84 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)
3. श्री सी०के० दास	मुख्य अभियंता (पूर्वी क्षेत्र) आकाशवाणी, कलकत्ता	18-5-84 (पूर्वाह्न)	
4. श्री जे० एल० नरायण	एल०पी०टी०, करीमनगर	29-5-84 (पूर्वाह्न)	
5. श्री एन०ए० मिहकी	मुख्य अभियंता, (उत्तरी क्षेत्र) आकाशवाणी, दिल्ली	31-5-84 (पूर्वाह्न)	
6. श्री श्रृषि राम	आकाशवाणी नजीबाबाद	6-6-84 (पूर्वाह्न)	
7. श्री पी० मजूमदार	यू०डी०के०, नई दिल्ली	7-6-84 (पूर्वाह्न)	
8. श्री आर०एम० राय	मुख्य अभियंता (उत्तरी क्षेत्र) आकाशवाणी, दिल्ली	6-6-84 (पूर्वाह्न)	
9. श्री एन० कानन	मुख्य अभियंता (दक्षिणी क्षेत्र) आकाशवाणी, मद्रास	7-6-84 (पूर्वाह्न)	
10. श्री सी०पी० सिंह	आकाशवाणी, दिल्ली	11-6-84 (पूर्वाह्न)	
11. श्री के० नाशायण	मुख्य अभियंता (दक्षिणी क्षेत्र) आकाशवाणी मद्रास	11-6-84 (पूर्वाह्न)	
12. एस०के० सेनगुप्ता	आकाशवाणी, एजल	11-6-84 (पूर्वाह्न)	
13. श्री जी०एस० पाटील	एल०पी०टी०वी०, एम०सी० बेलगाम	12-6-84 (अपराह्न)	
14. श्री पी० पांडिया राज	एल०पी०टी०, टी०वी० कुरनुन	16-6-84 (पूर्वाह्न)	
15. श्री एम०आर० भमबैक	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	20-6-84 (पूर्वाह्न)	
16. श्री ए०एस० तूर	आकाशवाणी, नई दिल्ली	20-6-84 (पूर्वाह्न)	
17. श्री एल० बालान	एल०पी०टी०वी०, गदाग बेतगेरी	22-6-84 (पूर्वाह्न)	
18. श्री वलदेव कस्तूरिया	मुख्य अभियंता (आर एण्ड डी) आकाशवाणी, नई दिल्ली	29-6-84 (पूर्वाह्न)	
19. श्री एम०एल० यादव	एल०पी०वी०, जोधपुर	27-6-84 (पूर्वाह्न)	

दिनांक 2 अगस्त 1984

सं० 3/61/83-एस-तीन/चार—पदोन्नति होने पर निम्न-लिखित अर्थात् इंजीनियरी सहायकों ने प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से विभिन्न आकाशवाणी/दूरदर्शन केन्द्रों

पर तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है :—

क्रम सं०	नाम	केन्द्र	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
(1)	श्री चगन लाल गोयल	एम०सी०, दूरदर्शन केन्द्र, भीलवाडा	13-6-84 (पूर्वाह्न)
(2)	श्री शशी पास	आकाशवाणी, रीवां	30-4-84 (पूर्वाह्न)
(3)	श्री एम०ए० मोदक	टी०वी०आर०सी०, पुणे	24-3-84 (पूर्वाह्न)
(4)	श्री बी० पटनायक	टी०वी०आर०सी०, भुवनेश्वर	7-5-84 (पूर्वाह्न)
(5)	श्री आर०के० नायर	मुख्य अभियंता (नार्थ जोन) आकाशवाणी, नई दिल्ली।	10-4-84 (पूर्वाह्न)
(6)	श्री एल०आर० जयरामन्	एल०पी०टी०वी० एम०सी०, होसपत	22-3-84 (पूर्वाह्न)
(7)	श्री प्रेम सादरनगनी	एम०सी० नासिक	25-4-84 (पूर्वाह्न)
(8)	श्री बी० श्रीनिवासन	आकाशवाणी, कुडप्पा	4-5-84 (पूर्वाह्न)
(9)	श्री गंगा सिंह	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, श्रीलङ्का	17-4-84 (पूर्वाह्न)
(10)	श्री एस०सी० रैना	दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर	25-1-84 (पूर्वाह्न)
(11)	श्री तोम के० जोश	टी०वी०आर०सी०, इम्फाल	21-3-84 (पूर्वाह्न)
(12)	श्री ए०आर० पोरानिक	एम०सी०, अकोला	20-2-84 (पूर्वाह्न)

मार्क्स एन० ईनियास
प्रशासन उपनिदेशक (ई)
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली दिनांक अगस्त 1984

सं० 4(58)/84-एस-एक —महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री प्रसन्नजित मोहन्ती को 650-30-740-35-810-व० रो० 35-880-40-1000 व० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, 27 जून, 1984 से अगले आदेशों तक, आकाशवाणी शिमला में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 अगस्त 1984

सं० 1(10)/84-एस-एक —महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती एम० कृष्णा कुमारी, को 5 जुलाई,

1984 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी, विजयवाड़ा में अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(12)/84-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आई०आर० दवे को 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, 26 जुलाई, 1984 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, अहमदाबाद में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(53)/84-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री कैलाश चन्द्र वर्मा को आकाशवाणी, रोहतक में, 4 जुलाई, 1984 से अगले आदेशों तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(59)/84-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी०सी० सक्कर को 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 12 जुलाई 1984 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, गुलर्बा में, अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(70)/84-एस-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आनन्द बसन्त राव पाटिल को 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, बंगलूर में 12 जुलाई 1984 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 32/1/84-एस II—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी०पी० पाठक, फील्ड रिपोर्टर, आकाशवाणी पूना को आकाशवाणी, नागपुर में दिनांक 27-7-84 (पूर्वाह्न) से विस्तार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न में नियुक्त करते हैं।

2. श्री पाठकने विस्तार अधिकारी का कार्यभार उसी दिन से आकाशवाणी नागपुर में ग्रहण कर लिया।

मोहन फ्रांसिस
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० ए०-12026/1/84-ई-1—श्री एन०बी०बी० चले-पाथा, आवामिका लेखा परीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) उडुसा को फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 25 जुलाई 1984 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति आधार पर लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 9 अगस्त 1984

सं० 5/24/69-ई-1—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों से सक्षम अधिकारी एतद्वारा फिल्म प्रभाग बम्बई के श्री डी०टी० रोकडे, स्थायी बैकग्राउण्ड आर्टिस्ट को उसी कार्यालय में स्थानापन्न ले-आउट आर्टिस्ट के पद पर दिनांक 3 जुलाई 1984 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं। वे रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान पर रु० 960/- प्रतिमाह वेतन पायेंगे।

सं० ए०-19012/1/82-ई-1—श्री बेजनाथ स्थानापन्न, कैमरामैन फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को दिनांक 23 जुलाई 1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 840/- प्रतिमाह पर फिल्म प्रभाग के श्रीनगर केन्द्र पर स्थानापन्न समाचार चित्र अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19012/1/82-ई-1—श्री सुंदर सिंह, स्थानापन्न, कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को दिनांक 5 अगस्त 1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 840/- प्रतिमाह पर फिल्म प्रभाग के चण्डीगढ़ केन्द्र पर स्थानापन्न समाचार-चित्र अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

नरेन्द्रनाथ शर्मा
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रशासन निदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जून 1984

सं० ए०-12011/6/82-प्र०(ए०)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित प्रदर्शनों सहायकों को उनके नामों के सामने दिखाए गए स्थानों पर व निम्न तारीखों

से तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप से इस निदेशालय में क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करने हैं—

क्रम० सं०	नाम	स्थान जहाँ से	स्थान जहाँ पर	दिनांक
1.	श्री एन० बैकटरमनअप्पा	बंगलूर	भद्रास	23-1-84
2.	श्री दाना राम	शिमला	हैदराबाद	30-4-84
3.	श्री स्वपन कुमार रे	अगरतला	कलकता	2-5-81
4.	श्री टेक चन्द्र	नई दिल्ली	लखनऊ	17-4-84
5.	श्री संजीव गांगुली	नई दिल्ली	इटावा	9-5-84
6.	श्री एस० सी० भम्भानी	लखनऊ	जबलपुर	4-5-84
7.	श्री ध्याल भटनागर	नई दिल्ली	नई दिल्ली	10-4-84

जा० पी० भट्टी
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1984

सं० ए०-12020/2/80-प्रशासन-1(एन) —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारो आर०बी० पोर को 12 मार्च, 1984 पूर्वाह्न से नियमित-अस्थायी आधार पर लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल, दिल्ली में अधीक्षक के पद पर नियुक्त कर दिया है।

टी० एम० राव
उप निदेशक प्रशासन (सी०जी०एच०एम०-1)

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० ए०-12025/7/83-(ए०आई०आई० एच० एंड०पी० एच०)/पी०एच० (सी०डी०एंड०एल०) —सेवा-निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप, इस निदेशालय के अधीन अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कनकता, के प्रोफेसर आफ मेनिटरी इजीनियरी श्री एम० सुबाराव 30 जून, 1984, अपराह्न से सरकारी सेवा से रिटायर हो गए।

दिनांक 21 अगस्त 1984

सं० ए० 12025/8/82 (सी० आर० आई०) प्रशासन-1/ई०पी०आई०-राष्ट्रपति ने श्री रोमेश चन्द्र को 16 मार्च 1984 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में उप सहायक निदेशक (नॉन मेडिकल) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

संख्या ए० 12025/8/82-(सी० आर० आई०) प्रशासन-1/ई० पी० आई०-राष्ट्रपति ने श्री दिनेश कुमार को 19 जून 1984 को पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान

कसौली में उप सहायक निदेशक नॉन मेडिकल के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

नाशायण सिंह
उप निदेशक प्रशासन (एन०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० ए०-19025/17/84-प्र०-II-संघ लोक सेवा आयोग को संस्तुतियों के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री एम० एन० रामाचन्द्रन को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 30-7-84 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

जे० कृष्णा
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 7 अगस्त 1984

सं० पीए/80(10)/82-आर०-III-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (एस जी) श्री तिलक राज हांडा को 1 जुलाई 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनांक 9 अगस्त 1984

सं० पीए/80(10) 82-आर०-III-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (एस० जी०) श्री एस एच महासुखकर को 1 अगस्त 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने हैं।

बी०सी० पाल
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नगौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर-202 389, दिनांक 18 अगस्त 1984

सं० न० प० वि० प०/भर्ती/12(3)/84 एम/7138 ---परिचालना, निदेशक, नगौरा परमाणु विद्युत परियोजना, स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री विजय पाल सिंह को दिनांक 20-06-1984 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए नगौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स० 650-30-740-35-880-द० री०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने हैं।

आर० के० बाली
प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

स० डीपीएस/41/1/83-प्रशा०/21491 ---परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री के० एन० एस० नायर को इस निदेशालय में दिनांक 6-6-84 (पूर्वाह्न) से 27-7-84 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक क्रय अधिकारी श्री आई० राम-कृष्णन के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

पी० गोपालन
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नयी दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० ए० 32014/2/83-ई० सो० ---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित मंचार सहायकों को, जो इस समय सहायक संचार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं; दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 से तथा अन्य आदेश होने तक सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है ---

क्रम सं० नाम

- 1 श्री बी०पी० विषवास
- 2 श्री जी० टाइटम
- 3 श्री सी०आर० कुट्टी

ओ०पी० अग्रवाल
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० ए० 32014-1 84-ई० सो० ---महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित अवधियों का उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छ मास को अवधि के लिए और तदर्थ दिनांक 14 अगस्त 1984 पर, स० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-10-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :--

क्रम नाम	प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी
	(तदर्थ) के पद पर नियुक्ति की तारीख	(तदर्थ) के रूप में तैनाती स्टेशन

- 1 श्री एम० डी० शर्मा 5-7-84 क्षेत्रीय निदेशक दिल्ली का कार्यालय।
- 2 श्री एम० एल० भसीन 14-6-84 यथोपरि
- 3 श्री एस० के० साहा 29-6-84 क्षेत्रीय निदेशक मद्रास का कार्यालय।

बि० भीमिक
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 1/158/84-स्था० ---विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा वि० सं० मे०, मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न अधीक्षक, श्री पी० आर० जी० मेनन को 30 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र० का० ठक्कर
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सामा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1984

स० 9/84 ---वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 20-7-84 के पत्र फा० सं० ए० 60011/10/84 प्रशा-11 ख तथा निदेशालय के दिनांक 31-7-84 के समबंधक आदेश के अनुसरण में, श्री आर० सी० गुप्ता, निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" (सेवा निवृत्त) ने इस निदेशालय में एक वर्ष के लिए अपने पुनर्नियोजन पर, उसी ग्रेड में 1-8-84

(पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 10/84—वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर श्री आर० सी० गुप्ता ने, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली, से दिनांक 31-7-84 (अपराह्न) में निरीक्षण अधिकारी, ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग दिया।

ए०सी० सल्लाना
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 अगस्त 1984

सं०-22/4/83-प्रशासन-1(ब०) —अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री एच०आर० मेहता, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (समूह "ख") सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में स्थानापन्न क्षमता में 12-7-1984 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

बी० एम० लाल
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

निर्माण और आवास मंत्रालय

संपदा निदेशालय

नई दिल्ली दिनांक अगस्त 1984

सं०ए० 12033/1/76-प्रशा० "ख" —राष्ट्रपति संपदा निवेशालय में स्थायी संपदा सहायक निदेशक (लेखा) श्री ए०पी० बहल को 13 जुलाई, 1984 (अपराह्न) से अगले आदेश तक संपदा निदेशालय में नियमित आधार पर संपदा उप निदेशक (किराया) के रूप में नियुक्त करते हैं।

बीना ब्रह्मा
संपदा उप निदेशक (स्थापना)

पूर्ति मंत्रालय

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० ज०-318/ए०—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री एम०के० देव, सहायक, पूर्ति विभाग, केन्द्रीय सचिवालय सेवा, को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, के बम्बई शाखा 3—226 GI/84

में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी-II के रूप में नियुक्त करते हैं जो कि 11-6-1984 (पूर्वाह्न) से कार्यरत होगा।

जी० सी० दास
सहायक निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, रा०प०गृ०, कलकत्ता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि रिटिज होटल

मद्रास लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1984

सं० 2267/560(3)/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि रिटिज होटलस् (मद्रास) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

(ह०) अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं
मै० मार्शल फायनेन्स प्राइवेट लि० के विषय में।

मालियर, दिनांक 8 अगस्त 1984

सं० 1119/पी०एस०/सी०पी०/3804 —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० मार्शल फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

मुद्रामोय करमाकर
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और अलिम प्रेस
ग्रंथ प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 27458/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवकाश पर अलिस प्रेस एंड प्रिन्टर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टेक्नोक्राफ्ट पब्लिकेशनस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 28848/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवकाश पर टेक्नोक्राफ्ट पब्लिकेशनस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आचाटेस कन्सल्टेन्स एंड सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30718/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आचाटेस कन्सल्टेन्स एंड सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिनि पम्पस एंड ईक्विपमेन्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 29197/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मिनि पम्पस एंड ईक्विपमेन्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एसोसियेटेड मोटर एंड इलेक्ट्रिकल वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 24447/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एसोसियेटेड मोटर एंड इलेक्ट्रिकल

वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्राईज चिट एंड सर्विस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30377/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि प्राईज चिट एंड सर्विस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एपेक्स सि फुड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30543/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एपेक्स सि फुड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एच० बनर्जी
कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और एयर कमप्रेसर नियुमाटिक टुलस् (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30300/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एयर कमप्रेसर नियुमाटिक टुलस् (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जनरल सेविंग्स एंड चिट फंडस् प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30193/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जनरल सेविंग्स एंड चिट फंडस् प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जोसेफ डारवार्ट्स एंड
कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 24972/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि जोसेफ डारवार्ट्स एंड कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टांगार्डिल उईमिकपोरेशन
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 25236/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि टांगार्डिल उईमिकपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जिउटेकनिक
(इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 29348/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि जिउटेकनिक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गोल्डेन स्लिपर
क्लब लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 14306/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि गोल्डेन स्लिपर क्लब लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कन्टाई मोटरवर्क्स
ट्रांसपोर्ट एंड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 21599/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि कन्टाई मोटरवर्क्स ट्रांसपोर्ट एंड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वीन एंड सन
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 9044/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि वीन एंड सन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमर्शियल पब्लिशर्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 23425/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि कमर्शियल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बोमिक फाईबर
ग्लास प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 27326/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नामीय से तीन नाम के अवसर पर बोमिक फाईबर ग्लास प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एच० बनर्जी
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इलेक्ट्रो केमीकल्स
एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० 2344/560/84-85---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन नाम के अवसान पर इलेक्ट्रो केमीकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और टेकनिकल एंड
मनेजमेन्ट कंसल्टेन्स प्राईवेट लिमिटेड

से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी
जाएगी।

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 2798/लिक/560(3)/8732/84—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन
मास के अवसान पर टेकनीकल एन्ड मनेजमेन्ट कंसल्टेन्स
प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न
किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त
कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एस पिच्चू अय्यर एन्ड
सन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 1034/लिक/560/(3) 8734/84—कम्पनी
अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के
अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख
से तीन मास के अवसान पर एस पिच्चू अय्यर एन्ड सन्स
प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त
कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नक्षीमा

ग्राफिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2627/लिक/560(3)/8736/84—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनु-
सार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर नक्षीमा ग्राफिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से
काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अरुर इन्डस्ट्रीस

प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 69/लिक/560(3)/8738/84—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार,
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर अरुर इन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर

कम्पनी अधिनियम 1956 और आरकोट लाबस
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 2809/लिक/560 (5)/8740/84—कम्पनी
अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के
अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आरकोट लाबस
प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से
काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई
है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमा चिट्स एन्ड
ट्रेड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 2239/लिक/560(5)/8742/84—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के
अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिमा चिट्स एन्ड
ट्रेड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर
से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई
है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री विहार
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 1953/लिक/560(5)/8759/84—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के
अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री विहार प्राईवेट
लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया
गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चीरन एन्ड कम्पनी
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 2802/लिक/560(5)/8757/84—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के

अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चोरन एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम० पी० सी०
एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 726/लिक्क/560(3)/8728/84—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० पी० सी० एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापाकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
केरल

आयकर अपीलार्थी अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 10 अगस्त 1984

सं० एफ०-48-एडा(एटा) 1984—श्री एन० सी० चतुर्वेदी जो आयकर अपील अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ में स्थायी हिन्दी अनुवादक थे जिन्हें आयकर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली में 16 मई, 1984 से तीन महीने

की कांसावधि तक अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक रजिस्ट्रार के पद पर कार्य करने रहने की अनुमति दी गयी थी अधिसूचना सं० एफ० 48-एडी जुलाई 1984) लोक सेवा आयोग चयन हो जाने पर उन्हें आयकर न्यायपीठ, नई दिल्ली में अस्थायी 10 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्न) से द०आ०-35-880-40-1000-द० पर अग्रेसर आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

वे 10 अगस्त, 1984 से परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 13 अग

सं० एफ० 48-एडी(एटी कृष्णन, स्थानापन्न अधीक्षक, बम्बई जो वर्तमान में सामा प्र (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, एफ प्रावधान के लिए यह प्रमाणित सामान्य श्रेणी के बाहर है, के में सहायक पंजीकार के पद प प्रति कोटा में से) दिनांक 2 वेतनमान रु० 650-30-730-3 1000-द० अ०-40-1200 में है।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० बल्लभगढ़/181/83-84—अतः मुझे आर०

के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप प्लॉट नं० 576, टाईप-बी (35 व०ग०) है तथा जो नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कर्म देवी पत्नी
श्री दिवान चन्द्र,
मि० 2 रु०/93 बी,
लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र
श्री शाम सुन्दर,
मि० 3जी/73,
एन०आई०टी०,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बल्लभगढ़

सम्पत्ति शाप प्लॉट नं० 576 टाईप बी (35 व०ग०)
नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 9999
दिनांक 9-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, रोहतक

तारीख : 8 अगस्त 1984
रोहटक

प्रारूप आई.टी.एन.एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, रोहतक

रोहतक, 8 अगस्त 1984

निदेश सं० बल्लभगढ़/182/83-84—अतः मुझे आर०

के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप प्लॉट नं० 577 टाईप बी (35 व०
ग०) है तथा जो नेहरू ग्राउंड, फरीदाबाद में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसम्बर 1983

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०में दृश्यमान प्रतिफल के
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कर्म देवी परनी
श्री दिवान चन्द्र,
नि० 2-ए/93 बी,
लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत कुमार पुत्र
श्री शाम सुन्दर,
नि० 3जी/73,
एन०आई०टी०,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति शाप प्लॉट नं० 577 टाईप बी, (35 व०
ग०) नेहरू ग्राउंड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री
संख्या 10000 दिनांक 9-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, रोहतक

तारीख : 8-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,

अर्जन रैंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० बल्लभगढ़/185/83-84—अतः मुझे आर०

के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 22, ब्लॉक जे० (5000-
व०ग०) है तथा जो डी०एल०एफ० माडल टाउन, सेक्टर
नं० 10 (सिही) फरीदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बाम्बविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुदी सिंह बल पुत्र
ले० कर्नल राजेन्द्र सिंह,
म०नं० 186-ऐ०,
सेक्टर नं० 16 ऐ०,
चन्डीगढ़ द्वारा

ले० कर्नल राजेन्द्र सिंह पुत्र
एम० लाल सिंह निवामी
मकान नं० 186 ऐ०,
सेक्टर नं० 16-ऐ०,
चन्डीगढ़ (यू०टी०)।

(2) श्रीमती शकुन्तला गुप्ता पत्नी
श्री जय प्रकाश गुप्ता,
निवामी 118-ऐ०,
अशुतोष मुकर्जी रोड,
कलकत्ता।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 22 ब्लॉक जे, 500 व०ग०, डी०
एल०एफ० माडल टाउन सेक्टर नं० 10 ((सिही) फरीदा-
बाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 10264 दिनांक
15-12-83 पर दिया है।

आर० के० भयाना

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, रोहतक

तारीख : 8-8-1984

मोहर :

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० बल्लभगढ़/194/83-84—अतः मुझे,

आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10-ए (881 व० ग०) है तथा
जो डी०एल०एफ० इन्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1, मेवला महा-
राजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वस्तुस्थिति रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शोला ठाकुर पत्नी
बसन्त ठाकुर,
निवासी पो० 25,
मालवीय नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुप्ता कन्स्ट्रक्शन कं०,
जो-3,
दीपाली-92,
नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली-110019।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 10-ए, (881 व० ग०) डी०एल०
एफ० इन्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1, मेवला महाराजपुर में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभ-
गढ़ में, रजिस्ट्ररी संख्या 10844 दिनांक 30-12-83 पर
दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-8-1984

मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन्.एच्.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० बल्लभगढ़/197/83-84—प्रतः मुझे, प्रार०

के० भयाना

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला प्लॉट नं० 3ई-20, का आधा भाग है तथा जो एन०आई०टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम प्यारी चावला पत्नी
डा० जी०एस० चावला,
निवासी 37 पृथ्वी राज रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष हंस पत्नी
श्री जगदीश हंस,
निवासी 3-जी-56,
एन०आई०टी०,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बंगला प्लॉट नं० 3-ई-20 का आधा भाग
एन०आई०टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 10864
दिनांक 30-12-83 पर दिया है।

प्रार०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-8-1984

माहुर :

प्रथम भाग टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेदन सं० हिमा/118/83-84—अतः मुझे, आर०के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 24 क० 21 म है तथा जो हिमा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिमा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध को बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत क वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तिया के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण ब, ग, उक्त अधिनियम की धारा 269-बकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1 श्री गुराया राम पुत्र
श्री मेवा राम
2 श्री हरि चन्द्र,
गिरधारी लाल,
कृष्ण कुमार पुत्राण
श्री गुराया राम,
निवासी बी-XVIII-430,
मोहल्ला डोगरान,
हिमा।

(अन्तरक)

(2) श्री महाबीर को-आपर्टिव हाउस बिाल्डिंग सोसायटी लि०
हिमा द्वारा
श्री राज नारायण चतुर्वेदी
मन्नेट्री कम-कैपियर,
श्री दलबीर सिंह फोगट (प्रेजिडेंट) 45,
पटेल नगर,
हिमा।

(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 24 क० 4 मरले हिमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिमा में रजिस्ट्री-संख्या 3648 दिनांक 12-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

तारीख 8-8-1984

मोहर

प्रमाण आर्डर, टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अगस्त 1984

निबन्धन नं. हिसार/112/83-84—अतः मुझे,
आर.के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. दुकान नं. 179 (ग्राउन्ड फ्लोर का पूर्वी भाग)
है तथा जो न्यू ग्रेन मार्केट, नई मण्डी, टाउनशिप हिसार में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में,
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरगत) पर अन्तर्गती
(अन्तर्गति) के बीच एस अन्तरण के लिए उक्त प्राप्त
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वर्णित रूप में स्थित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 2(4) ग के अनुसूची
में नई सम्पत्ति अधिनियम का धारा 2(4) ग के अनुसार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री दवी
विधवा श्री ईश्वर चन्द
गाय व जिला गोरखपुर,
त फतेहाबाद,
जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री मुन्शा राम पुत्र
श्री गिरधारी लाल गाव
डाकखाना सहरवा
तहसिल व जिला, हिसार।

(अन्तर्गती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 179 (ग्राउन्ड फ्लोर का पूर्वी
भाग) न्यू ग्रेन मार्केट, नई मण्डी टाउनशिप हिसार में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रिकर्ता के कार्यालय, हिसार
में रजिस्ट्रिकरण संख्या 3593 दिनांक 8-12-83 पर दिया
है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख 9-8-1984
मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० हिसार/120/83-84--अतः मुझे, आर०के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० दुकान नं० 179 (प्रथम मंजिल पूरा भाग व ग्राऊंड फ्लोर का पश्चिमी भाग) है तथा जो न्यू ग्रेन मार्केट, हिसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री देवी बिधवा
श्री ईश्वर चन्द्र अग्रवाल
निवासी गोरखपुर,
तहसील फतेहाबाद,
जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री मन्सो राम पुत्र
गिरधारी लाल,
दुकान नं० 179,
न्यू अनाज मण्डी,
हिसार।

गांव का पता—गांव और
डाकखाना सहरखा,
तहसील और
जिला हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 179 (प्रथम मंजिल का पूरा भाग व ग्राऊंड फ्लोर का पश्चिमी भाग) न्यू ग्रेन मार्केट हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 3682, दिनांक 15-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-8-84
मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० हिमार/126/83-84—अतः मुझे, आर०
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 45 क्षेत्रफल 60
फुट × 150 फुट है तथा जो इन्डस्ट्रियल डवलपमेंट
कालोनी, देहली रोड, हिमार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अधिकारियों के कार्यालय हिमार में रजिस्ट्रार अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अर्धन तारीख दिसम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वे श्री राधा कृष्ण अप्रवाल पुत्र
हरि राम,
निवासी मामले गुणाभा भवन,
मन्डा रोड,
हिमार।

(अन्तरक)

(2) श्री फूल चन्द पुत्र
श्री कुन्दन लाल,
मार्फत मैं० हरियाणा नट बोल्ड इन्डस्ट्रीज,
45 इन्डस्ट्रियल डवलपमेंट कालोनी,
हिमार।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 45, इन्डस्ट्रियल डवलप-
मेंट कालोनी देहली रोड हिमार में स्थित है, जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रार अधिकारियों के कार्यालय हिमार में, रजिस्ट्रार संख्या
3858 दिनांक 27-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-8-84
मोहर :

प्रत्यक्ष आई टी एन एम - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० सोनीपत/66/83-84 --अन० मुझे, आर०
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसको सं० इन्डस्ट्रियल शेड 170' x 150' व कृषि
भूमि 9571 वर्ग० (15 क० 16 म०) है तथा जो
फिरोजपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच गम्भीर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) सर्वश्री एम०के० चौधरी-कृपाण सिंह
चौधरी पुत्राण
नथा सिंह
ठाकुर सिंह पुत्र
कर्म सिंह,
सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र

सक्रिय मित्र--

ग० कृष्ण सिंह पुत्र

मन्ताख सिंह पार्टनर

मै० भारत नेशनल इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन,

बॉ-6,

मायापुरा,

फेज-II,

न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) मै० कोरल केमिकलम प्रा० लि०,

1008,

आकाशद्वीप बिल्डिंग,

बारा खम्बा रोड,

नई दिल्ली द्वारा

श्री विनय कुमार भुवानीया

डायरेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही का करणता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रियल रोड एवम् भूमि 9571 वर्ग० गांव
फिरोजपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 4596 दिनांक
13-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० करनाल/84/83-84 —अत. मुझे, आर०के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 182 है तथा जो शास्त्री
अनाज मन्डी, करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एतरे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित किया गया है, छिपाने में सुविधा
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—226GI/84

- (1) श्री अनिल कुमार पुत्र
श्री मन्त राम पुत्र
श्री प्यारे लाल,
नि० 1344,
एम०सी०/2ई,
खजियन मौहल्ला,
करनाल।

(अन्तरक)

- (2) श्री द्वारका दाम पुत्र
श्री निरन्जन लाल पुत्र
श्री सूरज मल,
निवासी पून्डरक,
तहसील और जिला
करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई भी प्रमाण —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-घ में परिभाषित
हैं, वही अर्थ है, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 182, शास्त्री अनाज मन्डी, करनाल
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,
करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 5012 दिनांक 9-12-82 पर
दिया है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० जगाधरी/92/83-84 —अतः मुझे, आर०
के० भयाना

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 4 कनाल है तथा जो 779-बी,
लक्ष्मी गार्डन, यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरिता रानी पत्नी
श्री अजीत कुमार
श्रीमती उमिला रानी पत्नी
श्री दलीप कुमार,
नि० 799-बी,
लक्ष्मी गार्डन,
यमुना नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ति सरूप पुत्र
श्री शिवराम,
निवासी शान्ति निवास,
रेलवे रोड,
यमुना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल, 799-बी, लक्ष्मी गार्डन, यमुना
नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या, 5590 दिनांक
29-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-8-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अम्बाला/80/83-84 —प्रतः मुझे, आर०के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 11 बाका बलदेव नगर अम्बाला
शहर है तथा जो अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीवन राम पुत्र
नत्थू राम,
रामनिवास,
सुरजन राम
निवासी मेरठ।
जिला—संगरूर

(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह पुत्र
श्री कृपाल सिंह,
निवासी 2181,
नई आबादी,
बलदेव नगर,
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
सर्वाधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 11 स्थित बलदेव नगर अम्बाला
शहर में है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
अम्बाला रजिस्ट्री संख्या 5416 दिनांक 8-12-83 पर दिया
है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-8-1984

मोहर :

प्रकाश नाम. डी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अम्बाला/8/84-83 ---अतः मुझे, आर०

के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 100 (400 ब०ग०) है तथा
जो अजीत नगर, अम्बाला छावनी में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप में अभिवृद्ध नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवरण से कमी करने या उसके बचन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
के. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जुन लाल कालड़ा पुत्र
श्री पोग्रर दास
ग्राम नन्योला,
तहसील अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) कैप्टन रणजीत सिंह पुत्र
श्री जोगिन्द्र सिंह,
श्रीमती नीलम धर्म पत्नी
रणजीत सिंह,
निवासी 100 मी,
अजीत नगर,
अम्बाला छावनी।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपादित होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 100, अजीत नगर, अम्बाला छावनी
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
अम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 5450 दिनांक 12-12-83 पर
दिया है।

आर०के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 10-8-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहता, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अम्बाला/82/83-84—अन. मुद्रा, आर०
के० भयाना

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मूल्यांकन नं० 1, 2, 36, 31 दयाल बाग
वालोनी है तथा जो महेश नगर, अम्बाला में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत जारी
दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक प्रत्यक्ष अन्तर
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
क्रिया में बाधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री देवेन्द्र नाथ मुकर्जी पुत्र
श्री नगेन्द्र नाथ,
निवासी अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) मै० रमेश नन्द लाल टूस्टी

एकम् अन्य

मार्फत दा वरलड रीनीवल स्प्रिंग्सुअल ट्रस्ट,
बोम्बे,

मार्फत 36-37,

दयाल बाग वालोनी,

महेश नगर,

अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
पंजीकृत नहीं किया जा सकता।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मूल्यांकन नं० 1, 2, 36 व 31 दयाल बाग
वालोनी, महेश नगर, अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण
संख्या 5487 दिनांक 12-12-83 पर दिया है।

आर०के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहताक

तारीख: 10-8-84

मोहर

वक्ष्य बाई. टी. एच. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० अम्बाला/84/83-84 —अतः मुझे, आर०
के० भयान)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 96 व 96 ए० बी० आई०
में रोड अम्बाला छावनी है तथा जो अम्बाला में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त अन्तरण में सूचना के लिए
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री पी०ए० रोसा अजीत रोसा,
रवि रोसा,
अशोक रोसा पुत्राभ
जे०पी० रोसा,
निवासी-82 मेंस फोर्ड रोड,
अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० डी० गुप्ता,
वर्ती एच०यू०एम० लक्ष्मनदाम एण्ड
सन्ज,
चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 96 व 96 ए० बी०, एंड आई०
में रोड अम्बाला छावनी में स्थित है जिसका अधिक
द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या
5527 तथा दिनांक 14-12-83 पर दिया है।

आर के भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-8-1984
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 168/डि० 83/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० साम्बूल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान अनुधर पालयम, कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट है, जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (पत्र सं० 5184/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती श्री कण्डनको पत्नी, राजलक्ष्मी और अन्य
(अन्तरक)

2. श्री वेलुस्वामी नायडू के पुत्र
श्री ए० बी० गोविंदराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—अनुधर पालयम कोयम्बतूर टाउन
लेख सं० 5184/83 कोयम्बतूर।

श्रीमती एम० साम्बूल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-1984

माहुर :

प्रकृप आर्क्ष, टी एन. एस.-----

1. श्री टी० सी० विश्वाशंकर

(अन्तरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सञ्चाल

2. मेपर्स मौली एण्ड सन्स

एन्विनिरोज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश नं० 299/डि०/रेंज-II—अत. पुणे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको नं० भूमि अरुणपुपानयम् गांव है, जो रंगनाथ
पुरम में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिशारी के कार्यालय,
कोयम्बतूर, पत्र सं० 4442/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उसने बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, उपार्जन में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टि-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जिनके अन्तर्गत के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि — अरुणपुपानयम् रंगनाथपुरम, कोयम्बतूर पत्र
सं० 4442/83, कोयम्बतूर।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 9-8-1984

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 293/डि० 83/रेंज-II-अत. मुने,
श्रीमती० एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान सेंगनूर ग्राम है जो सेंगनूर ग्राम
सर्वे नं० 375, 394, 395 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय गोधियाम पत्र सं० 4439/87 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

6-226 GI/84

1. टी० बी० चाको के पुत्र
टी० सी० माण
पावर एजेंट
एम० सी० इट्टिचैरिया।

(अन्तरक)

2. श्री गुणवन्ध राय
एम० डी०
और अन्यो।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

राजटीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

समस्त

भूमि और मकान सेंगनूर ग्राम सर्वे नं० 375, 394
395।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मद्रास

तारीख : 9-8-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्र टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1984

निर्देश सं० 309/डि० 83/रेंज-II—अनः मुझे, श्रीमती
एम० गामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पत्र सं० 2441/83 के शेड्यूल में दी
गई सम्पत्ति है, जो में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडनूर पत्र सं० 2441/83 में,
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंगल प्रोमिथर फटिलाइजर्स लिमिटेड

(अन्तरक)

2. मेगम इन्डग प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ड्राफ्ट सं० 2441/83 की शेड्यूल में लिखी हुई मर
बडलूर ।

श्रीमती एम० गामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मद्रास

तारीख : 9-8-1984

मोहर :

प्रकट भाई.टी.ए.ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माधुसूदन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1984

निर्देश सं० 282/दि० 83/रेज-II--यन, मुझे,
श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० मूमि नं० 2, पेरिय पल्लि स्ट्रीट राज
अण्णामलैपुरम है, तथा जो मद्रास-28 में स्थित है (और हममें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मलापुर (पत्र सं० 1596/83) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तित्व के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्रीमती जय मेरी अम्मायल
पत्नी श्री आर० मरिया जोसफ
और अन्य (अन्तरक)
- 2 श्री आर० एकाम्बरम्
पुत्र श्री पी० रामलिंगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि :--2, पेरिय पल्लि स्ट्रीट, राजा अण्णामलैपुरम्,
मद्रास-28 (पत्र सं० 1596/83, मलापुर।

श्रीमती एम० सामुबेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 9-6-84
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 233/डि-83/रेंज-II—अन: मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान डोर नं० 9, लिग गौडर स्ट्रीट
है, जो तिरुप्पुर ठीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पुर
पक्ष सं० 2063/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती पोन्नुस्वामी नायकर पत्नी अंगम्माल ।
(अन्तरक)
- (2) श्री पोन्नुस्वामी पुत्र,
श्री पी० शैलवराज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 14-बाई लिग गौडर स्ट्रीट, तिरुप्पुर
ठीन, पत्र सं० 2063/83, तिरुप्पुर ।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रार्जन रेंज-II, मद्रास-6 ।

तारीख : 9-8-1984.

मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रश्न रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 151/डि०-83/रेंज-II—प्रतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि कुमारपालयम गांव है, जो कोयम्बतूर
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर
पत्र सं० 100/84 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बाय को वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित न होने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एस० पलनियप्प मुवलियार पुत्र
श्री के० पी० मरुप्पायलम् ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सी० ब्राह्ममुगम्,
श्री ए० पाठियप्पन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अवसूची

भूमि कुमारपालयम् गांव, कोयम्बतूर पत्र सं० 100/84/
कोयम्बतूर ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रश्न रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-1984.

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 380/डि०-83/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9, I क्रॉस स्ट्रीट, राजा अण्णामलैपुरम् है, जो
मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ट्रिप्लिकेन पल्ल सं० 1578/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शिवभण्ड्यम् अम्माल,

(अन्तरक)

(2) श्री के० राजाराम और कनिमोवि,
श्री के० आर० रंगनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

महसूसी

भूमि और मकान नं० 9-I, क्रॉस स्ट्रीट, राजा अण्णामलैपुरम्
मद्रास, लेख सं० 1578/83 ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-1984.

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. इन. एस्.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त 1984

निर्देश सं० 281/डि०-83/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, देशिकाचारी रोड, आलवार पेठ, मद्रास है,
जो मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मैलापुर पत्र सं० 1599/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मेसर्स टी० के० एन० रैथेड लिमिटेड,
रेप्रेजेंटेटिव बाय मैनेजिंग डायरेक्टर,
श्री टी० के० नरसिम्हन,
(अन्तरक)

(2) श्री एम० गणेशचन्द्र और,
श्री एन० राजाराम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि —आलवारपेट, मैलापुर पत्र सं० 1599/83/मैलापुर ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख 9-8-1984
माहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 400/डि०-83/रेंज-I—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,
बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि सं० 10, परमेश्वरी नगर, ऊरुर ग्राम है,
जो अड्यार, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शीवापेट
पत्र सं० 3490/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्माणाधीन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाब, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल में कभी कभी या उक्त द्यमान में सूचना
के लिए; कोई/न

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती डी० कल्पना रामकृष्णन के०,
पावर आफ अटार्नी एजेंट पी० कौम्यामी ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती भातुमती अरमिन्दो ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वेकन्ट लैंड—प्लॉट नं० 10, परमेश्वरी नगर, ऊरुर गांव,
(भूमि) अड्यार, मद्रास पत्र सं० 3490/83/शीवापेट ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 9-8-1984.
मोहर :

प्रारूप आर्द्र. टी. एम. एस. - - - - -

- (1) श्री बेंकटरायलू नायडू पुत्र,
श्री जगन्नाथन और अन्यो ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

- (2) श्री के० बी० कुण्डस्वामी पत्नी
श्रीमती के० पद्मावती ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त, 1984

निवेश सं० 269/डि०-83/रेंज-II:—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सूलूर गांव, कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट है, जो कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपायद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूलूर पत्र सं० 1616/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि : प्लाट गांव, कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट पत्र सं० 1616/83
सूलूर ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—
7-226GJ/84

तारीख : 9-8-1984.
सोहृर ४

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० 41/जनवरी/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गांव सं० 161 (विलपट्टी) कोडैक्कानल है,
जो मधुरै जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल
दस्तावेज सं० 21/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० विस्वनाथन,
आयरेक्टर, मैसर्स पान्डस एक्सपोर्ट लिमिटेड।
(अन्तरक)

(2) श्री वी० नारायणन,
चैयरमैन और मैनेजिंग आयरेक्टर,
मैसर्स पान्डस इन्डिया लिमिटेड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण गांव सं० 16, (विलपट्टी) कोडैक्कानल,
मधुरै जिला, (दस्तावेज सं० 21/84)।

प्रेम मालिनि वासन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 14-8-1984
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 1/दिसम्बर/83:—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 273 और आर० एस० नं० 61, वेम्बाक्कम ग्राम,
चेंगलपेट डिस्ट्रिक्ट है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जे० एस० आर० मद्रास नार्थ पत्र सं० 4126/83 में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नात् ६—

(1) मैसर्स सिप इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) एयरो फाशन फासनर्स (प्रा०) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि :—273, वेम्बाक्कम ग्राम, चेंगलपेट डिस्ट्रिक्ट, पत्र सं०
4126/83 ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 12-7-1984.

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(i) श्रीमती बाक्यामाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी. चिन्नदुर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 2/दिसम्बर/83—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 398/4, टी० एस० नं० 64/1, पुलियूर
 ग्राम एमोर, मद्रास है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपानद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, जे० एस० आर० मद्रास, नार्थ-1, पत्र सं० 4207/83
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कटू देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
 नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

नमूना

भूमि सर्वे नं० 398/1, टी० एस० नं० 64/1, पुलियूर ग्राम,
 एमोर, मद्रास (पत्र सं० 4207/83) ।

एम० सामुवेल,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-7-1984.
 मोहर :

प्रक. जाह. टी. एन. ए. -----

(1) श्री पी० के० सुन्दरराजन ।

(अन्तरक)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एस० मुन्नियम् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई, 1984

निवेश सं० 91/दिसम्बर/83:—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 67, II क्रॉस स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-4 है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल प्लस सं० 368/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 6, क्रॉस स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-4, प्लस सं० 368/83।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-7-1984.
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइय सउकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 94/सितम्बर/1984—अतः मुझे, एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 3, सोतम्मा एक्सटेंशन 4, फ्रास स्ट्रीट,
है तथा जो मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल पक्ष सं० 340/83 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री बी० एम० मुहम्मद यूसुफ ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० पी० टी० नहीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति को, यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और मकान—3, सोतम्मा एक्सटेंशन 4, फ्रास
स्ट्रीट, मद्रास-18 । (लेख सं० 340/83) ।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

हस्त्य बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती आ० लक्ष्मी अम्माल

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० मोरनम

(अन्तरिती)

ब्राह्म सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 96/दिसम्बर /83---अतः, मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
काण्ड है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, मोबरेस फस्ट क्रास स्ट्रीट, श्री राम
नगर है, तथा जो अलवर पेठ, मद्रास-18 में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से अर्णित
है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल
सं० पत्र 334/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 5, मोबरेस फस्ट क्रास स्ट्रीट,
(फ्रंट पोरशन) श्रीराम नगर, आलवापेठ, मद्रास-18।
(पत्र सं० 334/81)

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख . 12-7-84
मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 97/दिसम्बर/83—अतः मूझ, श्रीमती एम०
सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

[और जिसकी सं० 241, मोन्नेस रोड, मद्रास-18 है तथा जो
मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मद्रास सेन्ट्रल पत्र सं० 9149/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाम्नाविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एस० राजशेखरन

(अन्तरक)

(2) श्री बी० वेकटरामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि और मकान ---241 मोन्नेस रोड, मद्रास-18
लेख सं० 9149/83

एम० सामुबेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख 12-7-84
माहुर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री पी० के० राजशेखरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० आनन्दवेलु

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 150/दिसम्बर/83/रेंज—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
15,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 61, टी० एस० 7/2, अड्यार
ग्राम है तथा जो अड्यार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ पत्र सं० 46/84 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 264-ग के अनुसरण
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—226 GI/84

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी:—कोटूरपुरम, अड्यार
पत्र सं० 46/84

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 12-7-84
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच. —

(1) श्री दलीप कुमार और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री एम० अबूबकर

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 124/दिसम्बर/83—अतः मुझे, एम० सामु-
वेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० 174, एलोडूम रोड तेनाम्पेट, मद्रास
है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-
कारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल प्लस सं० 406/83 में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि डोर नं० 174, एलोडूम रोड, मद्रास-4।
लेख सं० 406/83

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 12-7-84

मोहर :

प्रकाश वाई. टी. एन. एच. ----

(श्री श्री मदनलाल पुत्र श्री लाल चन्द
बासी मकान नं० 1414
सेक्टर 34-सी, चन्डीगढ़

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

(2) श्रीमती आशा रानी
पति श्री देस राज एवं
श्रीमती रेखा रानी
पति श्री सुभाष चन्द्र
बासी गृह बिल्डमार (नासाके)
तः गुरु हरसहाय जिला
फिरोजपुर

(अन्तरिती)

निदेश सं० चन्ड०/140/83-84—अतः मुझे, जोगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 8 है तथा जो सेक्टर 33-ए,
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसूची में हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व
में कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8 सेक्टर 33 ए०, चन्डीगढ़ (अर्थात् वह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के बिलेख
सं० 1071 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 13-8-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० चन्डीगढ़ 130/83-84—अत. मुझे,
जोगेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1563 है तथा जो सेक्टर
34 डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[क] अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कए देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य बातों
के, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, धियान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक बन्सल, एम० डी०
मेसर्स माडल बिल्डर्स प्राईवेट लि०
17/10ए० चन्डीगढ़
मार्फत मेजर जे० पी० विजयरजिया
(अन्तरक)

(2) राम सिंह और गुरवचन कौर
वासी 1563 सेक्टर 34—डी
चन्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1563 सेक्टर 34—डी चन्डीगढ़ (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
विवेक सं० 1010 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है)

जोगेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 13-8-84
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० चन्डी/124/83-84—अतः मुझे, जोगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान प्लॉट नं० 27 है तथा जो सेक्टर 27 ए० चन्डीगढ़ का आधा भाग में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारियों के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इसमें के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महासिंह मार्फत- मुख्तार
श्री अजय संधारी वासी
412, सेक्टर 22-ए चन्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री खुशी राम गुप्ता
एक्स एम एल० ए०
गांव यदल बजरिया अम्ब
जिला ऊना (हि० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27 सेक्टर 27-ए० चन्डीगढ़ का आधा भाग (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख 980 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-8-84

मोहर :

प्रारूप भा. टी. एन. ए. —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं. लुधि/183-193-83-84—अत; मुझे,
जोगिन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं. बी-20-1101/1 है तथा जो गुरदेव
नगर लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना रजिस्ट्रेशन अधिनियम में 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
साथत्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्रीमती कुलवत कौर
पत्नी सं. करतार सिंह
1090/4 गुरदेव नगर लुधियाना

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती तृष्णा देवी और
श्री अभय कुमार जैन
निवासी 7-सी सराभा नगर
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

जगदुषी

महान नं. बी-20-1101/1 गुरदेव नगर लुधियाना
अर्थात् जयवाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी लुधियाना
के विलेख सं. 10966 और 10804 माह दिसम्बर 1983
में है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख 14-8-1984

माहूर :-

प्रश्न नं०. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं. चण्डी./123/73-74—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं. 300 है तथा जो सेक्टर 33-ए, चण्डी-
गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गूलजार सिंह
पुत्र श्री हजारा सिंह
निवास 10 सेक्टर, 19-ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रामसरन दास
पुत्र श्री धूल चन्द
निवासी मकान नं. 212,
सेक्टर 18-ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्भाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त खंडों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 300 सेक्टर 33 ए० चण्डीगढ़
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के विलेख सं० नं० 979 दिसम्बर 1983 में दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 13-8-1984
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधि०/187 और 222 ए०/83-84—अतः
मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी० 23-666/3 ए० है तथा
जो टैक्सटाइल्स कालोनी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृत्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मुरारी प्रसाद पुन
श्री नवल किशोर द्वारा
श्री जोगिन्द्र सिंह पुन
श्री प्रताप सिंह,
निवासी बी०-8-566 नया मोहल्ला,
लुधियाना ।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुरेन्द्र मोहन भारद्वाज पुन
श्री गुरप्रकाश
निवासी 3/4, टैक्सटाइल्स कालोनी,
लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी० 23-666/ए० 3 टैक्सटाइल्स कालोनी,
लुधियाना (जायजाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के विलेख संख्या नं० 10882 माह दिसम्बर, 1983 में दर्ज
है ।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-8-1984
मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० चन्डी०/138/83-84—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 9 है तथा जो सेक्टर 33-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्तमें वर्णन में मूल्यांकन के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यांकन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—226 GI/84

1 श्री मतीश कुमार पुत श्री हरि प्रकाश बासी गांव मोहाना, जिला कुरुक्षेत्र ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमति वरुणीश कौर पति श्री धनदेव गांव तथा डाकखाना कर्नेध, जिला लुधियाना ।

(2) श्रीमति गुरचरण कौर विधवा कैप्टन रणजीत सिंह गांव पटारसी खुर्द, न० सरहिन्द ।

(अन्तरिती)

(3) श्री के० भास्करन

वासी मकान नं० 9, सेक्टर 33-ए, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

हस्ताक्षर

मकान नं० 9, सेक्टर 33 ए० चन्डीगढ़ (अर्थात् वह जाय-दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1062, माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है ।)

जोगिन्दर सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-1983

मोहर

रूप माह. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० चण्डी०/135/83-84—अतः मुझे, जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1730 है तथा जो सैक्टर 33-डी चण्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कर्नल हरसरन सिंह 10/2 सैनिक हस्पताल
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. सरदार मुखविन्दर सिंह किल्लों पुत्र सरदार करयाम सिंह
निवासी मकान नं० 1040, सैक्टर 36-सी० चण्डी-
गढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1730, सैक्टर 33-डी० चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
विलेख संख्या 1047, माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है ।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-1984
साहू :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० चण्डी०/122/83-84—अतः मुझे, जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 2-पी० गली नं० एच है तथा जो
नया नं० 214, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ का आधा भाग में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के दृष्टिकोण से
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री लुशी राम गुप्ता, ऐक्स एम० एल० ए०,
पुत्र श्री नेकी राम वासी गांव थथल बजरिया अम्ब,
जिला ऊना (हि० प्र०) ।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील भसीन पुत्र श्री रजिन्द्र कुमार वासी मकान
नं० 126, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा भाग प्लॉट नं० 2-पी, गली नं० एच जिसका
नया नं० 214 है तथा जो सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित
है ।

अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी-चण्डी-
गढ़ ने विलेख संख्या 971 माह दिसम्बर 1983 के तहत
दर्ज है ।

जोगिन्दर सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-8-84

मोहर :

इच्छा बाई. टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश नं० ऊना/1/83-84—अन मुझे, जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जमीन 32 कनाल है तथा जो ग्राम वामन जिला
ऊना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
शास्त्रीयक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण
में, भारतीय अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सम्पत्ति:-

1. महन्त सुगरीबा नन्द चेला आत्मा नन्द चेला महन्त
परमानन्द निवासी डेरा बाबा खानन्द ग्राम नारी थाना
तहसील ऊना (हि० प्र०)

(अन्तरक)

2. मै० स० हिमाचल खाड उद्योग प्राईवेट लिमिटेड
नाहर सिंह मन्दिर ग्राम और डाक घर वासल जिला
ऊना (हि० प्र०) द्वारा श्री सत्या प्रकाश डायरेक्टर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 32 कनाल ग्राम वासल जिला ऊना (हि० प्र०)
(जायदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ऊना के विवेक
संख्या नं० 1165 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है।)

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, लुधियाना।

दिनांक - 13-8-84
मोहर -

प्रकृष माह. टी. एन. एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० चन्डी०/134/83-84—प्रतः सुभे, जोगिन्दर
सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2381 है तथा जो सैक्टर 23
सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983।

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
1/3 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सोहना देवी पति श्री राम कुमार निवासी
2381 सैक्टर 23 सी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री बलवंत सिंह सुपुत्र सं० दिलीप सिंह निवासी 2381
सैक्टर 23 सी चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

2. मेजर गिल,

निवासी 2381 सैक्टर 23 सी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2381 सैक्टर 23 सी चन्डीगढ़।

(जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के जिलेख
संख्या 1043 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 13-8-1984

मोहर :-

पञ्चमः अध्यायः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधियाना/158.159/83-84—अतः मुझे,
जोगिन्दर सिंह।

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1/809/4 है तथा जो प्रेम नगर,
कुन्दन पुरी, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कारण से कमी करने या उक्त करने में सुविधा
को दिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विषयों में
सुविधा को दिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री दीनत राम पुत्र श्री गैडा राम वासी मकान नं०
बी-1/809/4 प्रेम नगर, कुन्दन पुरी, सिविल लाईन,
लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमति प्रतिभा रानी पति श्री कुलदीप कुमार एवं
श्रीमति मीना पति श्री अजय कुमार वासी मकान नं०
बी-4/202 पुराना बाजार, चौक डा० बिमला सयाल,
लुधियाना।

(अन्तरिणी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्देश

मकान नं० बी-1-809/4 प्रेम नगर, कुन्दन पुरी सिविल
लाईन, लुधियाना।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधि-
याना के विलेख संख्या 10349 और 10356, माह दिसम्बर
1983 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 14-8-84
मोहर

प्रकृष माह, टी. एम्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेदन सं० चन्डी०/125/83-84—प्रतः मुझे, जोगिन्दर

सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 4 है तथा जो सैक्टर
23 सी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रणजीत सिंह बिल्लों पुत्र श्री अकर सिंह वासी मकान
नं० 664, फेस 1 मोहाली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति कृष्णावन्ती पति श्री भगवान दास ।

(I) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री भगवान दास

(II) श्रीमति आशा रानी पति श्री प्रदीप कुमार वासी

एस० सी० एफ० नं० 7, सैक्टर 18 डी० चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. फ्रेन्ड्स फोटोग्राफर एस० सी० एफ० नं० 4, सैक्टर 23
सी० चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 4, सैक्टर 23 सी०, चन्डीगढ़ ।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डी-
गढ़ के विलेख संख्या 990 दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज
है ।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-1984

सोहर :

प्रकृष आइ.पी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० चन्डी०/133/83-84—प्रतः मुझे, जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3272 है तथा जो सैक्टर 35 डी०
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कट होने के अन्तर्गत की
वास्तव में कमी करने का उद्देश्य वर्णन में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० एस० डीगरा पुत्र श्री अमर सिंह वासी नं० 1
लाल बिल्डिंग देवी नजदीक सदर पुलिस स्टेशन,
अमृतसर द्वारा एस० पी० ए० श्री जोगिन्दर लाल
कुमरा मकान नं० 3272, सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमति शान्ती देवी पतिन श्री जोगिन्दर लाल कुमरा,
वासी मकान नं० 3272, सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री अजय कुमार

(2) तथा श्री देव दत्त शर्मा

वासी मकान नं० 3272/36 डी चन्डीगढ़।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3272, सैक्टर 35 डी०, चन्डीगढ़।

(अर्थात् यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1028, माह दिसम्बर 1983 के तहत
वर्ज है।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-84

मोहर

प्रमुख आई. टी. एच. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधियाना/251 से 256/83-84—अतः

मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19/94 है तथा जो लड़कियों के सरकारी कॉलेज लुधियाना के नजदीक में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भव या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10-226GI/84

1. (1) श्रीमति सवित्री देवी बनाम शांति देवी विधवा श्री ब्रह्मा नन्द वाला 1101/7 टैगोर नगर, लुधियाना।
- (2) श्रीमति बबली बनाम राधा
- (3) श्रीमति सीता बनाम सिक्ता
- (4) श्रीमति सुदा बनाम पूनम पुत्रियां श्री ब्रह्मा नन्द
- (5) श्री रविन्दर कुमार
- (6) श्री सुभाष कुमार पुत्र श्री ब्रह्मा नन्द वासी 1107 गोर नगर, लुधियाना

(अंतरक)

2. श्री सुभाष कुमार जैन पुत्र श्री तेलू राम जैन वासी मकान नं० बी-4/213 गेट गेज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19/94 जो कि लड़कियों के सरकारी कॉलेज, लुधियाना के निकट है।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना की विवेक संख्याएँ 12633, 12634, 12635, 12636, 12637 और 12638 माह जनवरी 1984 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-84

मोहर :

अध्याय 269-ग और एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार,

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

विवेक सं० शिमला/11/83-84—अतः मुझे जोगिन्दर सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में मुक्ति का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूरन चन्द, कृष्ण चन्द, गोकल चन्द और गोपाल दास ग्राम और डाकघर प्रागपुर जिला कांगड़ा (अंतरक)

2. श्री रजीव कुमार पुत्र श्री मोहन लाल वासी मुखसागर बिल्डिंग संजौली शिमला।

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट खसरा नं० 59/ए 480 वर्ग गज और 8 वर्ग फुट लकड़ बाजार शिमला।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के विवेक संख्या नं० 785 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधियाना/209/83-84—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/5 हिस्सा मकान नं० बी-12- है तथा जो 337 शाहपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जगदीश सिंह तुली पुत्र श्री हाजूर सिंह द्वारा अदानी श्रीमति प्रकाश कौर तुली निवासी बी-12-337 शाहपुर, रोड लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री तरसेम लाल पुत्र श्री अर्जन दास निवासी मकान नं० 12-337 शाहपुर रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 हिस्सा मकान नं० बी-12-337 शाहपुर रोड, लुधियाना (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 11450 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 14-8-84

मोहूर ५

दिनांक 14-8-1984
मोडर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधि०/203/83-84—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 भाग मकान नं० बी-12-337 है तथा जो शाहपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश सिंह तुली सुपुत्र सं० हजूर सिंह द्वारा श्रीमति प्रकाश कौर तुली निवासी बी-12-337, शाहपुर रोड, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री तरसेम लाल सुपुत्र श्री अरजुन दास निवासी मकान नं० बी-12-337 शाहपुर रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हुई हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/5 भाग मकान नं० बी-12-337, शाहपुर रोड, लुधियाना ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 10866 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है ।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 14-8-84

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अगस्त 1984

निवेश सं० लुधियाना/229/83-84—अतः मुझे जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मकान नं० बी-12/337 है तथा जो शाहपुर रोड
लुधियाना का 1/5 भाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अन्तरक
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा रहा था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति प्रकाश कीर बिधवा श्री हजूर सिंह तुली
वासी मकान नं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुधि-
याना ।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जन दास पुत्र श्री रीनक राम वासी मकान नं० बी
12/337 शाहपुर रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुधियाना
का 1/5 भाग (अर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी लुधियाना के विनेख संख्या 12072 माह जनवरी
1984 के तहत दर्ज है ।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, लुधियाना

दिनांक : 14-8-84
मोहर :

प्रमाण जाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधियाना/210/83-84--प्रत मुझे, जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-12/337 है तथा जो शाहपुर
रोड लुधियाना का 1/5 भाग में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्भूत की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
व्यापारिक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था निम्नलिखित में अधिनियम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अधिनियम :-

1. श्रीमति इन्द्रजीत कौर तुली पुत्री सं० हजूर सिंह तुली
वामी मकान सं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुधियाना।
(अन्तरक)
2. श्रीमति परमिती देवी पत्नि श्री अर्जन दास वामी मकान
नं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुधियाना का 1/5
भाग।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के विनिर्देश सं० 11451 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, लुधियाना

दिनांक 14-8-1984
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5548—अतः सूचे, जे० एल०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूल्य संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र गोपाल सिंह वासी कोठी कपूर प्रापर्टी डीलर, ग्रावर्ण नगर, नजदीक फुटबाल चौक, जालन्धर मुख्यार खास गोपाला सिंह पुत्र सुन्दर दास ।

(अन्तरक)

2 श्री बलवन्त सिंह तेजी पुत्र बाग सिंह वासी 9-गुरु नानक नगर, नजदीक माडल टाउन जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5683, दिनांक दिसम्बर-1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक :—9-8-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5549—अतः मुझे जे० एल०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में * तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

11—226 GI/84

1 श्रीमति निरमल कौर पति मोहिन्दर सिंह बामी कोटी कपूर प्रावरटी डीलरम, आदर्श नगर, नजदीक फुटबाल चौक, जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री हरजोत सिंह पुत्र बलवंत सिंह नेजी, बासी 9-गुरु नानक नगर, नजदीक माइन टाउन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरान्त 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विवरण जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5939 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 9-8-84

मोहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5550—अतः मुझे जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र गोपाल सिंह, वासी कोटी
कपूर प्रापरटी डीलरस, आदर्श नगर, नजदीक फुटबाल
चौक, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. कुमारी मुख्तार और पुत्री भगत सिंह वासी 9-गुरु नानक
नगर, नजदीक माडल टाउन, जालन्धर ।

(अन्तरिती).

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख गं० 6094 दिनांक
जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक 9-8-84

मोहूर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अगस्त 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5559:—प्रतः सुमे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में खिा है तथा जो भटिण्ड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
(बन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
धिकार के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री पाल सिंह पुत्र भगत सिंह बासो गांव बरियाना,
तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री भवतार सिंह, इकबाल, सिंह जसबिन्दर सिंह और
सरबजीत सिंह पुत्र गुरबखण सिंह, बासो गांव बरियाना,
तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 5798
दिनांक दिसम्बर 83 को रजिस्ट्रार अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 10-8-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० ऐ० पी० न० 5560—अतः मुझे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायल्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम महाय पुत्र किशन चन्द वासी 649 मोता
सिह, नगर जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र चरन सिंह वासी खोजेवाल, जिला
कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5753 दिनांक
दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रार अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज जालन्धर

दिनांक 10-8-84

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं. ए० पा० न० 5561--यत मुझे, ० [न]
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण का गर्ह है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपाबद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना वांछित था, दिनांक में मासिक
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निरमला डाबर पत्नी महाराज कृष्ण वासी मकान
न० 113 हरबस नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) राम चन्द पुत्र माछी राम, वासी 113, हरबस नगर
नजदीक आदर्श नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समर्थ व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
कार्यालय में दायर की जानी चाहिए ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5317, दिनांक
दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-8-84

माहौर :

प्रकृ. भाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5562—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारके अधिकांश के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि। ६—

1. श्री नरेश कुमार पुत्र राम किशन, वासी 113, हरबंस
नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री हरबंस लाल, व सुभाष चन्द्र पुत्र राम चन्द, वासी
113 हरबंस नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6247, दिनांक
जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर, ने लिखा
है।

जे० एल गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-8-84

मोहर ॥

प्रकृष जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5563—यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिपाद से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में क्षमता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणजीत सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह सन्धू वु. व. मुख्तार
ग्राम प्रीतम कौर विधवा, वासी 226-एल, माडल
टाउन, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदित सिंह पुत्र जवाला सिंह, वासी गांव केल्मान,
जिला अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में संचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5584, दिनांक
विसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है ।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-8-84

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
अर्जन रेंज, जालन्धर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जालन्धर दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5564—यतः, मुझे, जे० एल०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या तमसे करने में मूखिया
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूखिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गणजोत सिंह पुत्र गोजिन्दर सिंह मन्धू, सुखता आन
प्रोतम कौर विधवा गोजिन्दर सिंह व इन्द्रजित सिंह
मन्धू पुत्र मेजर गोजिन्दर सिंह, वासी सी-100,
अजित नगर, अम्बाला कैन्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री मुखदेव सिंहमान पुत्र गुरदिन सिंह, वासी गांव
व डाकखाना, फेरुमान जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6554 दिनांक
फरवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर लिखा
है।

जे एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख, 13-8-84

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन गेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5565—यतः मुझे, जे०
एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त संपत्ति निम्न में वास्तविक
रूप में अधिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बायन्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-266 GI/84

(1) मेजर रणजित सिंह मन्हाड़ा आर, पालम कौर
विधवा जोगिन्द्र सिंह
बासो 226-एन, माडल टाउन,
जालन्धर व
कैप्टन जी० एस० सम्भू
पुत्र मेजर जोगिन्द्र सिंह मन्हाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमजोत कौर
पुत्री कुंजन सिंह,
बासो फौजा कालोनी, बाजपुर,
जिला नैनीताल (यु० पी०)

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित माँ किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख सं० 6572,
दिनांक फरवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन गेंज, जालन्धर

तारीख . 13-8 84

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एच.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5566—अतः, मुझे, जे०
एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक, के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनान्तर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना सोचा था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधास (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम प्रकाश शर्मा पुत्र,
श्री लखन राम,
वासी केनाल कार्नेली
क्वार्टर नं० एम-3
कपूरथला रोड जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मस्तान सिंह पुत्र
श्री माधु सिंह,
वासी 32-गुरु नानक नगर,
जालन्धर मार्फत जसवंत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5567,
दिनांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने जालन्धर
लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

तारीख : 13-8-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5567—यतः मुझे, जे एल
गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से पूर्व किसी काय को प्राप्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री महा सिंह पुत्र भगत सिंह
बासी 661, माडल टाउन,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार अरोड़ा
पुत्र श्री प्रेम चन्द,
बासी, 491-आर माडल टाउन,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी में
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5663,
दिनांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर,
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, जालन्धर

तारीख . 13-8-84
मोहर :

प्रकरण नम्बर डी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश नं० ए० पी० नं० 5568—यत, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अर्जन, जनवरी 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पेयुक्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से करीबत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
इसमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् ---

(1) श्री महा सिंह पुत्र भगत सिंह
वासी 661-एल, माडल टाउन,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री प्रेम चन्द,
वासी 491-आर, माडल टाउन,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5855,
दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 13-8-84
मोहर

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5569—यतः मुझे,
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) रजिस्ट्रार/अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रार/अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिसम्बर 1988

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री प्रितपाल सिंह पुत्र
मेजर किरपाल सिंह
मुख्तार आम महाराजा
सुखजीत सिंह साहिब बहादुर,
कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरवीप कौर
पति श्री सतवंत सिंह बैस,
बासी माहिलपुर तह० गढ़शंकर,
जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5665, दिनांक
दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रार/अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख . 13-8-84

मोहर ॥

प्रकृष माह टी एन एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5572--यन मुझे,
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री महिगा सिंह
व करमजीत सिंह, हरविन्द सिंह,
हरपाल सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह
वासी ई. 32 इन्डस्ट्रीयल
एरिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतोष कुमारा
पति श्री शम्भु नाथ,
वासी डब्ल्यू० ए० 166,
चाक सुधा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5608,
दिनांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-8-84

मोहूर

सम्प. आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० /ए० पी० न० 5573—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व
प्रमोशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम सिंह
पुत्र वीर सिंह
बामा—ई० ए०—186, काजो मोहल्ला
गली, तेलीआं, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह पुत्र वीर सिंह,
वासी— ई० ए०—186 काजो मोहल्ला
गली, तेलीआं, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करुता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायी सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5494 दिनांक
दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-84
माहुर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5574—यतः मूमे, जे० एल०
गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बाँस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
में लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तरसेम जाल पुत्र सीता राम,
आसो बुटा मण्डी, जालन्धर।
मुख्यार खास, रामचन्द पुत्र गरीब चन्द,
आसो—मकान नं० 12—न्यू अम्बेदकर नकोबर रोड,
जालन्धर।
मुख्यार-आम मोहन कोर पुत्री महिगा सिंह ब
कुलवन्त सिंह पुत्र रखा सिंह, कारलयली प्रांऊड,
साउथ हाल मिडसैक्स (यू० के०)

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र भगताराम
आसो—बुटा मण्डी जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्तधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सूजी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5775, दिनांक
दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-84
मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० /ए० पी० न० 5571—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो होशियारपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 3—226GJ/84

(1) श्रीमती शालादेव विधवा राम प्रसाद,
प्रलाद नगर, होशियारपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नेमचन्द पुत्र धुलाराम,
वासी—नई आवादी, होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के दौरान उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विनियम सं० नं० 4158 दिनांक
दिसम्बर 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-84

मोहर :

प्रख्यात आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० /ए० पी० नं० 5570—यतः मुझे, जे० एल०

गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
15,000 - 25 से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो होशियारपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम दृश्यमान बाजार का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, दिखाने में सविधा
के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के तत्सम्बन्धी
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शाला देवी विधवा राम प्रसाद,
विनोद कुमार, जवाहरलाल पुत्र राम प्रसाद
त्रासों—प्रलाद नगर, होशियारपुर ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती मुखेशना जैन पत्नी विजय कुमार,
नई आबादी, होशियारपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं ।

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3987 दिनांक
दिसम्बर 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

माहूर :

अर्थ: आइ.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० /ए० पी० नं० 5575--यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा अनुसूचा में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा से और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अफ़िशर के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा मिले, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है, के लिए;

अथवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र माहया,
वासी--बंगा रोड, फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी लहम्बर सिंह
वासी--नगल माजा,
तहसील-- फगवाड़ा। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहसुधी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 2139 दिनांक दिसम्बर, 83 को रजिस्ट्रार अफ़िशर, फगवाड़ा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 14-8-1984
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० पी० न० 5576—यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी
1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र माहया
वासी— : मेहली गेट, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी लहम्वर सिंह,
वासी—तंगल माजा,
तहसिल—फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख न० 2277 दिनांक
जनवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

मोहर

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5577---यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० जैमा अनुसूची में लिखा है, तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र माहया
वासी—बंगा रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द कीर् पत्नी लहम्बर सिंह
वासी—नंगल माजा,
तहसील—फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2499 दिनांक
फरवरी 1984 को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं/ए० पी० न० 5578—यत, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसको स० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फग-
वाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र माहया,
बासा—मेहली गेट, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी लहम्बर सिंह,
बासा—नगल माजा
तहसील—फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
पास लिखित में किष्ट जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 2683 दिनांक
मार्च 1984 को रजिस्ट्रारकी अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

मोहर :

प्रकृष बाइ. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं/जे०पी० नं० 5583- - अतः, मुझे, जे०एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको में जमा अनुसूची में लिखा है

तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) में अर्जन दिनांक दिसम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल में, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में भविष्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
के विन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पर्यवेक्षण अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, विधान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्द्रावती पत्नी हुकमचन्द

वासी—53, राजेन्द्र नगर,
जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र रामलुभाया,

वासी—ई० एन० 181, चीक कावे शाह,
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5345 दिनांक
दिसम्बर, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा
है ।

जे०एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14-8-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 3 अगस्त 1984

निवेश सं० ए एस आर०/84-85/68—यत, मुझे, बी०
एस० डिल्लो आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट बटाला रोड, अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) कुन्दन चन्द पुत्र श्री नारायण दास, कुपर रोड
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स शास्त्री बुलन मिल्स बटाला रोड
द्वारा रामेश कुमार पार्टनर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कोई किरायेदार है । (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 533 वर्ग गज बटाला रोड, अमृतसर 10416
तिथि 5-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर ।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-8-1984
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1984

निवेश सं० ए० एस० आर०/84-85/69—यतः मुने.
बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें धारा
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक है
और जिसकी सं० भूमि कृषि गांव भरोली कलां पठानकोट है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरकृत हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इनके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उसके अन्तर्गत
के लिए; और/या

(ख) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—226 GI/84

(1) श्री नानकचन्द सुन्दर सिंह पुत्र मारूराम
गांव—भरोली कलां पठान कोट
जिला—गुरदासपुर ।

(अन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान बोटल स्टोर
गुरदासपुर रोड, पठानकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वाचकगृह्य कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितरक्षक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधापूर्वोक्त के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6 कनाल जमीन भरोली कलां पठानकोट 2627 दिनांक
16-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता पठानकोट ।

बी० एस० दिल्ली आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4-8-1984

मोहर :

प्रकल्प बार्ह. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/70—यतः मुझे, बी०
एस० दिल्ली आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद कचहरी रोड अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए०
आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
खचित्व में कमी करने या उससे बचने में सजिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सजिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के सम्पत्ति

(1) श्रीमती पूर्णकौर विधवा हरभजन सिंह
वासी—31, पंजाब रोडवेज कालोनी,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर विधवा श्री सुरिन्द्र सिंह
वासी—20 महिन्द्रा हाउस कोर्ट रोज अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा भाग 2 में (किरायेदार है)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकताएं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जाने भी आओगे --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्रापटी कचहरी रोड, अमृतसर 11134 तिथि
23-12-83 अमृतसर ।

बी० एस० दिल्ली आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 30-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/71—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद कचहरी रोड, अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए०
आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जो अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कच, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पूरन कौर विधवा हरभजन सिंह
वासी—31 पंजाब रोडवेज कालोनी
अमृतसर :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कौर विधवा नैन सिंह
वासी—फगवाड़ा
सतनाम पुरा द्वारा रविन्द्रपाल सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह
20 महिन्द्रा हाउस कालोनी कचहरी रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा 2 में कोई किरायेदार है
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

1/4 हिस्सा जायदाद कचहरी रोड अमृतसर सेलडीड नं०
12934 तिथि 10-2-84 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर है ।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 30-7-1984
माह ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/72—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद कचहरी रोड, अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०
आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1977 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पूर्णकौर विधवा हरभजन सिंह
बासी—31 पंजाब रोडवेज कालोनी, अमृतसर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर विधवा सुरिन्द्र सिंह
बासी—20 महिन्द्रा हाउस कालोनी कोर्ट रोड
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा 2 में कोई किरायेदार है ।
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा जायदाद कचहरी रोड अमृतसर 11835 तिथि
11-1-84 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर ।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 30-7-1984

मोहर :

प्रसू. आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/73—यत. मुद्दे,
बी० एस० डिल्लों आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद कचहरी रोड अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए०
आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था दिखाने में सक्षम
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:—

(1) श्रीमती पूर्णकौर बिधवा हरभजन सिंह
वासी—31 पंजाब रोडवेज कालोनी अमृतसर ।
(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री सुरिन्द्रसिंह
वासी—20 महिन्द्रा हाउस कोर्ट रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितवद्ध है)
(वह व्यक्ति, सिके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमृतसर

1/4 हिस्सा जायदाद कचहरी रोड, अमृतसर 12202
तिथि 20-1-84 में रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर ।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 30-7-1984

मोहर

प्रकाश भाई. टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भास्त सञ्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4-8-84

निदेश सं० ए०एस० आर०/84-85/74—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गुरु बाजार अमृतसर
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अधिनियम 2—

(1) श्री राम लाल पुत्र सालिग राम
कटड़ा ग्राहलुवाला अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस लाल सेठ पुत्र बिशन दास सेठ
कटड़ा भाई संत सिंह अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो श्री बिशन दास
सेठ—75/- महीना ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोसहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोसहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद जो गुरु बाजार अमृतसर में है जैसा
सेलडीड नं० 10633/8-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लो, (आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4-8-1984

माहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/75—यतः मुझे,

बी० एस० डिल्लो आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गुरु बाजार अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अध्यायार्थ अन्तरिती द्वारा कट नहीं किया गया
था या किया जाना आशङ्कित है, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम लाल पुत्रसालिगराम

कटड़ा आहुलावाला अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्राण नाथ पुत्र बिशन बास सेठ

कटड़ा भाई संत सिंह अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है श्री बिशनबास
सेठ—75/- महीना ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए गए दायित्वों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमस्ते

1/2 भाग जायदाद का जो गुरु बाजार अमृतसर में है जैसा
सेलडीड नं० 10877/16-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4-8-1984

मोहर

प्रारूप भाई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/76—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या 1961
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीलम कान्ता पत्नी विजय कुमार
वासी—शरीकपुरा द्वारा रजिन्द्र कुमार पुत्र साधूराम
वासी—शरीकपुरा और सुरजीत चन्द पुत्र किशन चन्द
वासी—तहसील पुरा अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लालचन्द मेहरा पुत्र जय राम दास मेहरा
महिन्द्रा कालोनी कोर्ट रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपात ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो मजीठा रोड निकट आई हस्पताल
अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 10920/19-12-83 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31-7-1984
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

पर्याप्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एम० आर०/84-85/77—यतः मुझे,
बी० एम० दिल्ली आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिणियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त
में कमी करने या उससे बढ़ने में भविष्य के लिए;
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-226 GI 84

- (1) श्रीमती नीलम कामता पत्नी विजय कुमार
वासी—शरीफपुरा द्वारा रजिन्द्रकुमार पुत्र
साधू राम वासी शरीफपुरा और सुरजीत चन्द
पुत्र किशन चन्द वासी तहसीलपुरा अमृतसर।
(अन्तरक)

- (2) श्री लालचन्द मेहरा पुत्र जय राम दाम मेहरा
वासी—महिन्द्रा कालोनी, कोर्ट रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में जोड़े दिए गये हैं।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो मजीठा रोड निकट आई हस्पताल
अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11360/28-12-83 रजिस्ट्री-
कर्ता अमृतसर में दर्ज है।

बी० एम० दिल्ली आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 31-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/78—यतः मुझे,
बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा खजाना अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरगिन्या) के बीच गमन अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भीम सेन पुत्र खुन्ती नाल
कुचा बाग चौधरी, कटड़ा खजाना अमृतसर ।
(अन्तरक)
- (2) श्री राजकुमार पुत्र हरी किशन
वासी—गुरु के महिल, गली भावड़िया
अमृतसर ।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद जो बाग चौधरी कटड़ा खजाना अमृतसर
में है जैसा सेलडीड नं० 11350/28-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक 3-8-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/79—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा खजाना अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थिता
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुरेष्ठा महाजन पत्नी भीमसेन
कूचा बाग चौधरी, कटड़ा खजाना,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता सोनी पत्नी राज कुमार
गुरुद्वारा गुरु के मोहन, गली भावड़ियां,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद जो बाग चौधरी कटड़ा खजाना अमृतसर
में है जैसा सेलडीड नं० 11349/28-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जुन रंज, अमृतसर ।

दिनांक : 3-8-1984

मोहूर 3

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० अमृतसर/84-85/80—यत. मुझे, बी० एस०

दिल्लो आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गिलवाली गेट अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवेक में वास्तविक रूप में उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी मनोहर लाल,
शक्ति नगर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनीतवास पुत्र इंगलशमान, सेठ
चौक, चिन्तपुरी, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद का जो अन्दरूनन गिलवाली गेट अमृतसर
में है जैसा सेलडीड नं० 11235/26-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० दिल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 3-8-1984

मोहर

प्रत्यक्ष बाई.टी.एच.एच.

- (1) श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी मनोहर लाल शक्तिनगर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुनील दास पुत्र इगलिशमान सेठ चौक चिन्तपुरी, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किराएदार है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं. ए० एस० आर०/84-85/81—यतः मुझे, बी० एस० डिल्लो आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो गिलवाली गेट अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पञ्चाजनाथ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद का जो अन्वहन गिलवाली गेट अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11168/23-12-84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक्ता है—

दिनांक : 3-8-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर/84-85/82—यतः मुझे, बी०

एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो प्रताप नगर, अमृतसर
में स्थित है (आर इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ए० एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति हरबंस कोर पत्नी बलवन्त सिंह,
488, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर ।
अब 96 हकीकत नगर पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री चसर सिंह पुत्र गजिन्द्र सिंह,
1, न्यू प्रताप नगर, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) (जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो प्रताप नगर अमृतसर में है जैसा सेलजीड
नं० 10986/20-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31-7-1984

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/83—यतः सुबे,
बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो रबीशकार गाह
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाखिल में कमी करने या समझे बचने में सुविधा
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विवेचना में
सुविधा को लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जरनैल सिंह पुत्र लाभ सिंह,
वासी गांव नगली, तहसील ब जिला, अमृतसर ।
(अन्तरक)
- (2) श्री मुधीर कुमार पुत्र चिमन लाल
63 लारेंस रोड, अमृतसर ।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवक्षित
था है (।)

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 800 वर्ग ग० जो रबीशकारगाह, बई
पास पर अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11462/30-12-
83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31-7-84
मोहर

श्री ८४.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० ए० एस० आर०/84-85/84—यतः मुझे,

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

क भूमि का प्लॉट है तथा जो वसंत एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या अपने बचने में लगी का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या विधानों में उल्लेख के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तोंवरजीत सिंह पुत्र गुरजन सिंह, वासी—चोक बाबा सहिव द्वारा श्रीमती चरणजीन की पत्नी ललोचन सिंह, 445—पीन एवेन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, 524, वसंत एवेन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 40 वर्ग गज जो वसंत एवेन्यू अमृतसर में जैसा सेक्सीड नं० 11407/24-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, अमृतसर

दिनांक : 31-7-1984

मोहर :

प्रारूप आर्षी टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/85—यतः मूले, बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो शक्ति नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु उसे सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम :—

16—226 GI/84

(1) श्री कन्हैयालाल पुत्र श्री रामचन्द,
वासी—बाजार लक्कड़ मण्डी,
ग्राम वसन्ती राम, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत्र श्री कृष्ण चन्द,
वासी—फारीकन नं० 1,
नमक मण्डी अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमे 2 में कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

एक जायदाद शक्ति नगर अमृतसर बदलेवाली (एकमर्चेंज)
11432 तिथि 30-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 6-8-1984

मोहर

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० एस० आर०/84-85/86-यतः मुझे,
बी० एस० किल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद रेलवे लिंक रोड, अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सीमा
के लिए; और/या

(ख) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का किन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, निर्दाने में
सीमा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लन्दन सिंह पुत्र बधाबा सिंह
51 रेलवे लिंक रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पद्मीप सिंह पुत्र सुरेन्द्र दाम
134 पक्की गली गोपाल नगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कोई 2 न० में किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्वध्वीकरण--इसमें पर्यक्त राज्यों और प्रदेशों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक जायदाद रेलवे लिंक रोड, अमृतसर 10600 निधि
8-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर ।

बी० एस० किल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक 6-8-1984

सोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० एम० आर०/84-85/87—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्लॉट सरदो लैल बाबा बकाला अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिक्त
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री धर्मसिंह
वासी भिडर तहसील अमृतसर।
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम सागर पुत्र श्री चुन्नीलाल
गली कलकट्टेयान में कटड़ा सफेद हाउस नं० 3790
अमृतसर।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कोई नं० 2 में हो (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट एक कनाल सेदोलेल तह० बाबा बकाला सेलडीड
नं० 2639 तिथि 23-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता बाबा बकाला।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 6-8-1984
माहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० एस० आर०/84-85/88—यतः मुझे,

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट बाबा बकाला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए० आर० आर० बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(1) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र धर्म सिंह
वासी भिण्डर तहसील अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सागर पुत्र श्री चुन्नीलाल
कलेक्ट्रीय भकान न० 3790 अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसे ऊपर कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

एक प्लॉट 1 के० 6 एम० 1-6 से० मी० है बाबा बकाला
अमृतसर 2635 तिथि 23-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता बाबा
बकाला ।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 6-8-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/89—यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज,
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिये;
बीर/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन बन्ध वास्तविकों
को, बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) श्रीमती शिव कौर पत्नी श्री तुलसा सिंह,
वासी—कोट, खालसा, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल जी। सिंह पुत्र श्री सुजान सिंह,
वासी—644/283 और 649/689, कोट खालसा,
सामने खालसा कालेज, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई
हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्रापटी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज के पास
स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड
नं० 11372 दिनांक 28-12-83 में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी टेलर रोड,

अमृतसर ।

दिनांक : 3-8-1984

मोहर ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/90—यतः सुझे०,
बी० एस० हिल्लो, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्रापटी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक जनवरी 1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्रह प्रोशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी तुलसा सिंह राही
श्रीमती शिव कौर बिधवा तुलसा सिंह,
वासी—खालसा कालेज, अमृतसर
(अन्तरक)
- (2) श्री निर्मल जीत सिंह, पुत्र श्री सुजान सिंह,
वासी—644/288 और 649/689, कोट
खालसा, सामने खालसा कालेज, अमृतसर ।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई
हो) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्रापटी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज के समीप
स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के सेलडीड
सं० 11824 दिनांक 9-1-84 में दर्ज है।

बी० एस० हिल्लो, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड,
अमृतसर ।

दिनांक : 3-8-1984

मोहर :

दृश्य बाई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निवेश सं० ए० एस० आर०/84-85/91—यतः मुझे,

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती परमजीत कौर पुत्री श्री तुलसा सिंह, राही श्रीमती शिव कौर विधवा तुलसा सिंह
वासी—कोट खालसा अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कश्मीर कौर पत्नि श्री निर्मल जीत सिंह
वासी नमूलपुरा, तहगील चबवाल,
जिला—अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 और किराएदार यदि कोई हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

1/4 हिस्सा प्रापटी जी० टी० रोड, खालसा कालेज के समीप स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड नं० 11373 दिनांक 28-12-83 में दर्ज है ।

बी० एम० दिल्ली, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड

अमृतसर

दिनांक 3-8-84

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० एस आर०/84-85/92—यतः मुझे, बी०

एम० छिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सुदर्शन कौर पुत्री तुलसा मित्र
नामी—कोट, खानगा, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मलजीत सिंह, पुत्र श्री सुजान सिंह
वासी—रसूलपुर, तहसील चम्बाल,
जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई
हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्रापटी, जी० टी० रोड खालसा कालेज के नजदीक
स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड
नं० 11832 दिनांक 9-1-84 में दर्ज है।

बी० एस० छिल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड

अमृतसर।

दिनांक : 3-8-1984

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/761/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, पांडुरंग वाडी, डोंबिवली (पूर्व)
है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश लक्ष्मण दामले
विमल स्मृति, पांडुरंग वाडी,
डोंबिवली (पूर्व), जिला ठाणे

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीकृष्ण ह्नी० कैतकर,
विमल स्मृति, फर्स्ट फ्लोर,
पांडुरंग वाडी, डोंबिवली (पूर्व),
जिला—ठाणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, फर्स्ट फ्लोर, न्यू बिल्डिंग आर० एस० नं०
57, हिस्सा नं० 1 ए (ग्रंथ) विलेज गजबन्धन पाथर्ली, आफ
मानापाडा रोड, पांडुरंग वाडी, डोंबिवली (पूर्व)
जिला ठाणे (क्षेत्र : 58.89 चौरस मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3710/83-84 ज
तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है ।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-8-1984

मोहर :

प्रारम्भ. भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/762/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, थर्ड फ्लोअर, बापू अपार्टमेंट,
सी० टी० एस० नं० 688, नाना पेठ है तथा जो पुणे में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
गारंटीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का निम्न भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिसेस विजया रमेश तावडे,
138, रास्ता पेठ, पुणे-411011

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षेश कोटुमल मिरवानी (मायनर),
श्रीर पिता श्री कोटुमल ग्यानचन्द मिरवानी,
688, नाना पेठ—
पुणे-411002 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, थर्ड फ्लोअर, बापू अपार्टमेंट, लि० टी० एस० नं०
688, नाना पेठ, पुणे ।

(क्षेत्र—992 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3282/83-84/पुणे
जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है ।)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-7-1984

माहुर :

प्रश्न आई. टी. एन. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/763/84-85—यतः

मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1, ग्राउंड फ्लोअर, नीलकंठ अपार्ट-
मेंट, रास्ता पेठ, पुणे-11 है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) मे० मकवाना कन्स्ट्रक्शन कं० (एस० एस० डब्ल्यू०),
डिह्लाइन टेरेस, 911-914, सिनेगांग स्ट्रीट,
पुणे कैम्प, पुणे—1

(अन्तरक)

(2) श्री कांतिलाल आनन्दराम शेलोट,
26, नाना पेठ, पुणे-411002

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

शाप नं० 1, ग्राउंड फ्लोअर, 'नीलकंठ' अपार्टमेंट, 60, रास्ता
पेठ, पुणे-411011।

(क्षेत्र—380 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2347/83-84/पुणे,
जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना।

दिनांक : 4-8-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/764/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, फोर्थ फ्लोअर, जीवन धर्माज,
अपाटमेंट, मौजे कोपरी, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) मे० रूप बिल्डर्स,
टेंमी नाका, ठाणे—400601।

(अन्तरक)

(2) मिसेस दीपाली राबिन दास,
क्वार्टर नं० जी-30, आर्जेन्स इस्टेट,
अम्बरनाथ, पी० ओ० ओ० ई० अम्बरनाथ,
जिला—ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपर्कित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, सं० नं० 81 और 90, मौजे कोपरी हिल्स,
ठाणे (जिला)

(क्षेत्र—51.65 चौ० मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4007/83-84/पुणे,
जो तारीख मार्च 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/765/84-85—यतः मुझे,

संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105 सं० नं० 291, घ० नं० 3, व्यंकटेश दर्शन, पं० दीन दयाल मार्ग, डोंबिवली (पश्चिम) है तथा जो ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मै० दीप्ति कन्स्ट्रक्शन कं०,

राधा सदन, सेकण्ड फ्लोअर,

तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-400077
(अन्तरक)

(2) कुमारी अनिता श्रीवास्तव

डिपार्टमेंट ग्राफ मेथेमैटिक्स,

सेंट जेवियर कालेज, बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्साबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 105, सं० नं० 291, घ० नं० 3, व्यंकटेश दर्शन,
पं० दीन दयाल मार्ग, डोंबिवली (पश्चिम), ठाणे।

(क्षेत्र—82.48 चौ० मीटर्स)

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4226/83-84/पुणे जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।]

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-7-1984

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/1166/84-85—यतः सुखे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 273 हाउस नं० 1 ठाकुराजी जिला ठाणा है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती सुगणती आर० पोतनीस
के/आफ मैसर्स एफ० अस्वीनी कुमार एडवोकेट
4-ए० करीम चेम्बर्स फोर्ट बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राजगुरु को० आ० हाउसिंग सोसायटी
जयहिन्द कालोनी डोम्बीवली
जिला—ठाणा।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या विधानों में सुविधा के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जमीन सर्वे नं० 273 हाउस नं० 1 ठाकुराजी जिला—
कल्याण।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2591/83 जो तारीख दिसम्बर 1983 को दुय्यम निबन्धक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 10-8-1984

मोहर

प्रथम भाई. टी. इन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/757/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19, सं० नं० 26, मौजे कोथरुड,
पुणे शहर है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें संपत्ति में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० साज एंटरप्राइजेस,
704, पुलाची वाडी,
डेकन जिमखाना, पुणे-411004।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुनाथ उखडु गारोले,
16, मिलन होनिथ स्टाफ कालोनी,
खोपोली, जिला—रायगड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 19, सर्वे नं० 26, मौजे, कोथरुड, जिला—पुणे।

(क्षेत्र—680 चौ० फुट)

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2607/83-84/पुणे
जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।]

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/758/84-85—

यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 11, प्रभाव को० आप० हाउसिंग सोसायटी 469-ए, सलिस्वरी पार्क है तथा जो पुणे—1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए]

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जिनेंद्र नथुलाल शाह,
शंकर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
प्लॉट नं० 23, 427/सी, गुलटेकडी, पुणे-37
(अन्तरक)

(2) मिसेस निमलाबाई, जेठानन्द लुल्ला की पत्नी,
21/22/23, रोटेक्स रिव्हर ह्यू,
जुना तोफखाना, शिवाजीनगर,
पुणे-411004 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 11, प्रभाव को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
469-ए, सलिस्वरी पार्क, पुणे—1 ।

(क्षेत्र—950 चौ० फुट कार्पेट एरिया)

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3069/83-84 /पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है ।]

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 26-7-1984

मोहर :

प्रथम आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 सी०/84-85—यन० मध्ये
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 में 5 सं० नं० 55 और 56, ग्राम
अकोले ता० बसई जि० ठाणा है तथा जो ठाणा में स्थित है (और
इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज बसई में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूर्खता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
18—226 GI/84

(1) श्री हरिचन्द्र विठ्ठल श्रीधरी,
तंडापाडा, गोम्बावरे, त० बसई
जिला—ठाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बसनाजी धारसी देटीया,
7/8, न्यू प्रभा कुटीर को० अप० हाउसिंग सोसायटी,
गणेश गल्ली, ललबाग,
मुंबई-400012 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एन० ए० प्लॉट नं० 1 में 5, सं० नं० 55 और 56, ग्राम
अकोले ता० बसई, जिला० ठाणा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रार नं० 1619/83 जो तारीख दिसम्बर
1983 को सब-रजिस्ट्रार बसई के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 8-8-1984

सोहर 3

प्रश्न बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश म० सी० ए० 5/37सी०/84-85—यत. मुझे,
संतोष दाता,
आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

प्रीर निगमी म० प्लॉट नं० 6 से 11, म० नं० 55 और 56 ग्राम
अकोले ता० वसई जिला ठाणा है तथा जो ठाणा में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज वसई में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1983,

को परोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, गिरानलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आम्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किटा जाना साट्टा था, रिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठल चौधरी,
तड़ापाडी, गोखीवरे, ग्राम अकोले,
ता० वसई, जिला ठाणा।

(अन्तरक)

(2) श्री केणवजी धारमी देवीया,
गुलाम हुसैन मंजिल,
तीसरा माला, कमरा नं० 26, ललबाग, मुंबई—12
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में यथार्थ होनी लगे, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में न लिखित व्यक्त द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्सहायरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट एंड स० नं० 55 और 56, ग्राम अकोले, ता० वसई
जि० ठाणा (क्षेत्रफल—2756 वर्ग मि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1620/83, जो तारीख दिसम्बर,
1983 को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दाता
मुख्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना।

दिनांक : 8-8-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37सी/84-85—यतः, मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० ए० प्लैट नं० 24 से 27 सं० नं० 55
और 56 है तथा जो ग्राम अकोले ता० वसई जि० ठाणा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज, वसई में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्याप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठल चौधरी
तंडापाड़ा, गोखीवरे, ता० वसई, जि० ठाणा।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती उषा गिरीष घरोड
'सीता-पार्वती' तीसरा माल, तेलंग रोड,
माटुंगा, मुंबई-400019।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

एन० ए० प्लैट नं० 24 से 27 सं० नं० 55 और 56 अकोले
ग्राम, ता० वसई, जिला-ठाणा।

(क्षेत्रफल—2848 वर्ग मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1623/83 जो तारीख दिसम्बर
1983 को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-8-1984
मोहर

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37सी०/84-85—यत मुझे
सतोष दत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 18 से 23 सं० न० 55 और 56
ग्राम अक्रोले ता० वसई जि० ठाणा है तथा जो ठाणा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कृत अधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेज. वसई में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण त हुआ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठल चौधरी
तडापाडा, गोखीवरे, ता० वसई, जिला-ठाणा ।
(अन्तरक)

(2) श्री भरतकुमार वसनाजी देडीया
213 पुरानी पोपटलाल मजिल,
रानडे रोड, दावर (प० रेनवे)
मुंबई-400028 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एन० ए० प्लॉट न० 18 से 23 सं० न० 55 और 56 ग्राम
अक्रोले, ता० वसई, जि० ठाणा ।

(क्षेत्रफल—2475 वर्ग मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 1622/83 जो तारीख दिसम्बर
1983, को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है) ।

सतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, पूना

दिनांक 8-8-1984
माहुर

रूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 सी०/84-85--यतः, मुझे
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एन० ए० प्लॉट नं० 12 से 17 सं० नं० 55
और 56 ग्राम अकोले ता० वसई है तथा जो ठाणा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज वसई में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि धातुप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पश्चिम प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठल चौधरी
तंडापाड़ा गोखीवरे वसई
जिला—ठाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री तरुण कुमार देहिया
251, डा० एस० एस० शम्भु रोड,
पारसी अग्र्यारी चाल लालबाग
मंबई-400012 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थायीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एन० ए० प्लॉट नं० 12 से 17 सं० नं० 55 और 56 ग्राम
अकोले ता० वसई जिला—ठाणा ।

(परिया)—क्षेत्रफल—2962 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1624/83 जो तारीख दिसम्बर
1983 को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है ।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 8-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37सी०/84-85--यतः मूले,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० ए० प्लॉट नं० 28 से 33 सर्वे सं०
55 तथा 56 ग्राम अकोले ता० वसई है तथा जो ठाणा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज, वसई में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरिचन्द्र विठ्ठल चौधरी
तंडा पाड़ा, गोखीवरे, ता० वसई
जिला--ठाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश शिवाजी घरोड
सीता-पार्वती निवास
तीसरा माला, तेलंग रोड, माटुंगा,
मंबई-400019 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एन० ए० प्लॉट नं० 28 से 33 म० नं० 55 और 56 ग्राम
अकोले, एरिया 3141 वर्ग मीटर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1624/83, जो तारीख दिसम्बर
1983 को सब-रजिस्ट्रार, वसई के दफ्तर में लिखा है ।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-8-1984

कोहर .

प्रमाण आर्डर टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37सी०/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी अ० सि० सं० नं० 8331/1ए और
8332/1बी, रेल्वे लाइन्स है तथा जो शोलापुर में स्थित है (और
इससे उभावय शत्रुचौ में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शोलापुर रेंज, शोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गोमतीमन जाडोमन राजाजी और इतर,
नवजीवन सोसायटी, ब्लाक नं० 2
शोलापुर ।
(अन्तरक)

(2) श्री अरुण व्यंकटराव जाधव,
एट तुगांव, जिला—शोलापुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लैण्ड एट सिटी शोलापुर विदिन द शोलापुर म्यूनिसिपल
एरिया, रेल्वे लाइन्स, म्यूनिसिपल नं० 77 ए, सि० सं० नं० 8331/
1ए और 8332/1बी, क्षेत्र 1528 चौ० फुट और 945 चौ०
फुट) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3660/83, जो तारीख दिसम्बर
1983 को सब-रजिस्ट्रार, शोलापुर के दफ्तर में लिखा है ।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 2-8-1984

मोहर *

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 19 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/759/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 408, प्लॉट नं० 53, सेक्टर नं० 17,
वासी है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री आर० जो० शिवत,
चोफ प्रमोटर आफ द प्रपोज्ड को-प्रोपर्टिज
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
51/1194, कन्मवार नगर, बम्बई-400083।
(अन्तरक)

(2) श्री शेख गौस मुहम्मद
द्वारा शेख हैबर,
गमाबाई कालोनी, चेन्नूर रेलवे स्टेशन के पास,
बम्बई-400 089।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 408, प्लॉट नं० 53, सेक्टर नं० 17, वाशी, नई
बम्बई।

(क्षेत्र 52.24 चौरस मीटर)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3988/ठाणे/83-84
जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 19-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/760/84-85—यतः मने,
सतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 6 औद्योगिक रोड, बी० पी० डी० है तथा
जो पुणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
19—226 GI/84

(1) मै० बसल एण्ड कंपनी
6, औद्योगिक रोड, पुणे-411003।

(अन्तरक)

(2) मिस्टर क्लेमेंट मैन्युअल डिमिल्ला,
481, मोर्लेविना रोड, खडकी,
पुणे-411 003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, सेकण्ड फ्लोअर, 6, औद्योगिक रोड, सर्वे नं० 46—
डी-1/1/ए-1, सि० टी० एस० नं० 2043, 2046, 2050,
पुणे-3।

(क्षेत्र 626 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2798/पुणे/83-84,
जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त,
(निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)।

सतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

दिनांक 4-8-1984

मोहर

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० /37ईई/1161/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सि० टी० एस० नं० 546 ए, और 546, बी
महाबलेश्वर, तालुका-वाई है तथा जो जि० सातारा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई दत्तात्रय रेगे,
बंगला आन प्लॉट नं० 546बी, मास्कम पेठ,
महाबलेश्वर, जिला—सातारा ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प्रकाश ह्री० फडाणीस
2. दिगम्बर एस० सालवी
3. बी० आर० आनन्द,,
पी० एम० रेगे,
3. बी० आर० आनन्द
पार्टनर्स—मे० शिल्पा कन्स्ट्रक्शन्स,
ए/3, यूनियन हाउस, मुनावाला अग्र्यारो मार्ग
माहिम, बम्बई-400016 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सि० टी० एम० नं० 546 ए और 546 बी, महाबलेश्वर,
तालुका-वाई, जिला—सातारा ।

(क्षेत्र—1936.40 चौ० मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 238/37जी/बम्बई जो तारीख
जनवरी 1984 को सब-रजिस्ट्रार, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-7-1984

मोहर :

प्रारूप आदेश. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37जो०/84-85—यतः मुझे,
सतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसको सं० सं० नं० 23/3, 23/32, प्लॉट नं० 2, 3, 4,
5, 6, 7, आगर-टाककी, है तथा जो नासिक में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवलिंग विश्वनाथ खादाडे,
आगर-टाककी, गांधीनगर, नासिक।

(अन्तरक)

(2) व चेअरमैन,
आराधन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
द्वारा एल० आई० सो० आफ इंडिया,
जीवन प्रकाश, नासिक।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लैण्ड एट सं० नं० 23/31, 23/32, प्लॉट नं० 2, 3, 4,
5, 6, 7 आगर-टाककी, नासिक।

(क्षेत्र—1934.79 चौ० मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर सी० ए० 3/480/नासिक/
83-84, जो तारीख दिसम्बर 1983 को सब-रजिस्ट्रार, नासिक
के दफ्तर में लिखा है।)

सतोष दत्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 2-8-1984

माहुर

प्रकृष जाई. टी. एम. एस. -----

बायकउ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश न० सी० ए० 5/37जी/84-85—यत मुझे,
संदोष दत्ता,बायकउ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० लेण्ड एंट न० 83, हिस्सा न० 10, अचोले
विलेज, हे तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के
कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, वसई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाधा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तित्वहीन द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधि-

- (1) श्रीमती कालुबाई नागो चौधरी और इतर,
(8) अचोले, तालुका वसई, जिला—ठाणे।
(अन्तरक)
(2) श्री महादेव भास्कर वर्तक और इतर (8)
एट तारखेड, तालुका वसई, जिला—ठाणे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लेण्ड एट सर्वे न० 83, हिस्सा न० 10, अचोले विलेज,
(क्षेत्र : 10 गुठे, याने 1210 औरस याई)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 288

जो तारीख दिसम्बर 1983 को सब-रजिस्ट्रार,
वसई के दफ्तर में लिखा है।)सतोष दत्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, पूनादिनांक 8-8-1984
मोहोर

प्रकरण आई टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37-जी/84-85—यत मुझे,

संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 83, हिस्सा न० 7 (अंशतः) अचोले विलेज, तालुका वसई है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा है और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार वसई में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को गड़ है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षम निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कोथन नहीं किया गया है। --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 1961 अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

(1) श्रीमती कालुबाई नागो चौधरी और इतर, (8), विलेज, अचोले, तालुका, वसई, जिला ठाणे।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेव भास्कर वर्तक और इतर (8) एट तारखेड, तालुका वसई, जिला ठाणे।

(अन्तरिता)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० लेंड एट सर्वे न० 83, हिस्सा न० 7 (अंशतः), अचोले विलेज, तालुका वसई, जिला --ठाणे,

(क्षेत्र - 10 गुंठे)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 619/83 जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सब-रजिस्ट्रार, को वसई के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

दिनांक 8-8-1984

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी०ए०/37-जो/84-85—यतः मुझे संतोष
दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० सर्वे नं० 83, हिस्सा नं० 7 (अंशतः) अचोले
विलेज, तालुका वसई, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, वसई में, रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, दिनांक दिसम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कालूबाई नागा चौधरी और इतर (8)
विलेज अचोले तालुका वसई, जिला ठाणे।
(अन्तरक)

(2) श्री महादेव भास्कर वतक और इतर (8)
एट : तारब्रेड, तालुका वसई, जिला—ठाणे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लैण्ड एट सर्वे नं० 83, हिस्सा नं० 7 (अंशतः), अचोले
विलेज, तालुका वसई, जिला—ठाणे

(क्षेत्र : 10 गुटे)

(जैसे कि रजिस्ट्रार नं० 287/37जो/जो तारीख दिसम्बर,
1983 को सब-रजिस्ट्रार, वसई के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-8-1984

मोहर :

प्रख्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/748/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 204, सेकण्ड फ्लोअर, साउथ माइड-
रेअर विंग आफ साई कुंज, 569, नारायण पेठ है तथा जो पुणे
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा पकड़ नहीं लिया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मे० कमल विल्डर्स (पुणे)

साई कुंज, 569, नारायण पेठ, पुणे -30

(अन्तरक)

(2) मिसेस बंदना अरुण कुलकर्णी,

'गुरुकुपा' विजयानगर कालोनी,

बम्बई-पुणे रोड, वडगांव मावल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 204, सेकण्ड फ्लोअर, साउथ साइड, रेअर विंग,
साई कुंज, 569, नारायण पेठ, पुणे-30

(क्षेत्र—633 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रार नं० 37ईई/2276/पुणे जो तारीख
दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 25-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 25 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/749/84-85—यतः मुझे
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रजिस्टर तपति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 403, चौथा फ्लोअर, रेअर विंग
साई कुंज, 569, नारायण पेठ है तथा जो पुणे-30 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० कसल बिल्डर्स (पुणे)

साई कुंज, 569 नारायण पेठ, पुणे-411030

(अन्तरक)

(2) श्री भवन हॉ० महाजन,

212, कस्बा पेठ, पुणे-99

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 43, चौथा फ्लोअर, रेअर साईड, माउथ ईस्ट
कान्तर, साई कुंज, 569, नारायण पेठ, पुणे-30

(क्षेत्र—451.625 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2293/83-84/पुणे
जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 25-7-1984

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/750/84-85—यतः मुझे,
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निम्नलिखित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, थर्ड फ्लोअर, एकात अपार्टमेंट,
कमला नेहरू पार्क के पास, है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण-के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यवाही में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—
20—226 GI/84

(1) श्री हर्षद कातिलाल वेसा,
23, बनगंगा क्रास लेन,
बालकेश्वर, बम्बई—400006

(अन्तरक)

(2) श्री फैन्सी कातिलाल वेसा
23, बनगंगा, क्रास लेन,
बालकेश्वर, बम्बई—400006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेषाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, थर्ड फ्लोअर, एकात अपार्टमेंट, एकात को०—
आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, कमला नेहरू पार्क के पास,
पुणे—411004।

(क्षेत्र—1180 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2556/83-84 जो
तारीख दिसम्बर 1983 को हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-7-1984

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एम. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ईई/84-85-751—यत.

मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 धनलक्ष्मी अपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 3025/6, सं० नं० 93-ए०-1, भाबुर्डा है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को दाखल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देग के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मि० के० एम० गुंजाक फैमिली,
द्वारा हिन्दुस्तान बिल्डर्स,
836, सदाशिव पेठ,
पुणे-411030।

(अन्तरक)

2. मिसेम अनुराधा अशोक गोखले और,
मिस्टर अशोक काशिनाथ गोखले,
15, अर्धजित सोसायटी,
कालेज लेन,
दादर, बम्बई-400028।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, धनलक्ष्मी अपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 3025/65, सं० 93-ए०-1, भाबुर्डा, पुणे।

(क्षेत्र—885 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2193/83-84/ पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 27-7-1984

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. दत्त. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 26 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ईई/84-85/752—यन-
मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नान-एग्रिकल्चरल लैंड, सं० नं० 140,
हिस्सा नं० 2, कार्ला, तालुका-मावल है तथा जो जिना-पुणे
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आय र आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रारकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री हरिभाऊ एन० डिवले,
श्री दत्तू एन० डिवले,
श्री शंकर एन० डिवले,
श्री कृष्णा एस० डिवले,
श्री मारुती एस० डिवले,

(अन्तरक)

2. (1) श्री भीमसेन डब्ल्यू० नागिया,
(2) मिसेस कांता भीमसेन नागिया,
(3) श्री इन्द्रसेन भीमसेन नागिया,
(4) मिसेस पूनम आय० नागिया,
(5) श्री चंद्रसेन बी० नागिया,
(6) मिसेस रेणु सी० नागिया,
कल्पना विडिंग प्लॉट नं० 546, टो० पी०
एस०-III, 33वां रोड, खार,
बम्बई-58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के रजिष्ट्रार में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नान एग्रिकल्चरल लैंड सं० नं० 140, हिस्सा नं०
2 कार्ला, तालुका-मावल, जिना-पुणे।

(क्षेत्र — 1 हेक्टर—80 6 आर०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/3093/83-84/
पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख 26-7-1984

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अगस्त 1984

निर्देश मठ० सी० ड०-5/37-ईई/84-85-753--यतः
मुझे, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, गीता अपार्टमेंट, नगर रोड़,
है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
पुणे, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अधिनियम से हुई किसी लाभ की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्फ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० डी० ओस्वाल (एच० यू० एफ०),
51, न्यू टिंबर मार्केट,
पुणे-2।

(अन्तरक)

2. मिसेस प्रोमिला एम० अग्रवाल,
गीता अपार्टमेंट,
फ्लैट नं० 1,
नगर रोड़,
पुणे-6 (थेरवडा)।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, गीता अपार्टमेंट, नगर रोड़, पुणे-6।

(क्षेत्र—1090 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/3110/83-84/
पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा
है)।

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 2-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जुलाई 1984

निदेश सं सी० ए० 5/37ईई/84-85/754-यतः मुझे,
संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, सेकंड फ्लोअर, कल्पना
अपार्टमेंट, 388, भवानी पेठ है तथा जो पुणे में स्थित है
(और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे, में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से उचित की किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी को वास्तविक उद्देश्य अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तविक से कम की
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती परी धरमदास मनवानी,
अभी का नाम,
श्रीमती रोमा किशनचंद समतानी,
कुमार कार्नेर,
कान्वेंट स्ट्रीट,
पुणे-1।

(अन्तरक)

1. श्रीमती ज्योति पारसराम वधवानी,
श्री पारसराम मंगनमल वधवानी,
णास्त्री अपार्टमेंट,
161/4, मोलेदिना रोड,
पुणे-411001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, सेकंड फ्लोअर, कल्पना अपार्टमेंट,
388, भवानी पेठ, पुणे-2।

(क्षेत्रफल 517 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2708/83-84/
पुणे जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 24-7-1984
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ईई/84-85/755—यतः

मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस प्रिमायसेस, ऑन फर्स्ट फ्लोअर गांधी काम्पलेक्स केलकर रोड, पुणे-30 है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रभावनाश्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मे० भाविन एंटरप्राइजेस,
212, नारायण पेठ,
केलकर रोड, पुणे-30।

(अन्तरक)

2. मै० दोसवर्षा ट्रस्ट,
92-ए, शांतिनगर,
98, नेपियन सी रोड,
बम्बई-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऑफिस प्रिमायसेस, फर्स्ट फ्लोअर, गांधी काम्पलेक्स,
केलकर रोड, नारायण पेठ, पुणे-30।

(क्षेत्र—4336 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2348/पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 24-7-1984

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ईई/84-85/756—यतः

मुझे, संतोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 मेफ्लावर अपार्टमेंट, 1155-
ए, सैफी स्ट्रीट, कैप, है तथा जो पुणे में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरा की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कोटित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिनमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा कर नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. में० बेहरे और राठी,
'कन्स्ट्रक्शन हाउस',
796/189-बी,
भाडारकर इन्स्टीट्यूट रोड,
पुणे-411004

(अन्तरक)

2. श्री शम्बीर ताहेरभाई
(लिमडीवाला),
1678, शुक्रवार पेठ,
नेहरू चौक,
फिश मार्केट के पास,
पुणे-411002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में द्रुतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, में फ्लावर अपार्टमेंट्स, 1155-ए, सैफी
स्ट्रीट, कैप, पुणे-1

(क्षेत्र—1184 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2436/83-84/
पुणे, जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा
है।)

संतोष दत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 28-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37जी०/460/84-85—यतः

मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सैंड और बिल्डिंग और मशीनरी और आर० एस० नं० 4 और रुकड़ी, तालुका : हातकणंगले, जिला : कोल्हापुर में है तथा जो जिला कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सबरजिस्ट्रार, हातकणंगले में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में। सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टी० पी० पाटिल,
मककाम और पोस्ट : रुकड़ी,
तालुका : हातकणंगले,
जिला : कोल्हापुर।

(अन्तरक)

2. श्री अण्णासाहेब पी० पाटिल,
अट तसूर तालुका : शिरोली,
जिला : कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लैंड और बिल्डिंग और मशीनरी अट आर० एस० नं० 240, प्लॉट नं० 4, अट रुकड़ी, तालुका हातकणंगले, जिला कोल्हापुर।

(क्षेत्र : 3432 चौरस फुट लैण्ड और 2664 चौरस फुट बिल्ड अप एरिया)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2382/83 जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सबरजिस्ट्रार, हातकणंगले के दफ्तर में लिखा है)

संतोष दत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-8-1984

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एक.-----

प्रायश्चित्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

निवेदन सं० पी० आर० न० 2858/II—अतः मुझे
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 414, है तथा जो महेसाणा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेसाणा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—226 GI/84

1. (1) श्री रसूल भाई नाथूभाई शेख
(2) श्री उस्मानभाई नाथूभाई शेख
(3) श्री भोखूभाई रसूलभाई शेख
(4) श्री अमीनासाई अ० शेख
(5) श्री रहमभाई आर शेख
(6) श्री मिखूभाई अ० शेख
(7) श्री सिकंदरभाई अ० शेख,
(8) श्री मुगलखान अ० शेख,
(9) श्री महेबूब अ० शेख
(10) श्री सबरसेन अ० शेख.
(11) श्री अमीरभाई उस्मानभाई शेख,
कस्बा, मस्जिदबाद, महेसाणा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ग्लोम दिलवर खां
अन्वर खां,
वेबपि। बहोलनबास,
महेसाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो महेसाणा में स्थित है जिसका सर्वे न०
414 है और कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 38 गुंठा है। सब रजि-
स्ट्रार महेसाणा में 3263 नंबर तारीख 2-12-83 को
रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1984

मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 17 जुलाई 1984

निदेश सं० पा० अर न० 2859/II—अंत मुस
जी० क० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 51 और 52 है तथा जो महेसाणा नगलपुर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अद्विकारा के कार्यालय महेसाणा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूमिका के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

1 श्री बाबू लाल नरोत्तमभाई ठाकुर
सोनाल सोसायटी
महेसाणा।
(2) श्री प्रह्लादभाई नरोत्तमभाई ठाकुर,
ठाकुरबाग मठी,
महेसाणा।

(अन्तरक)

1 (1) श्री गणुभाई प्रधवा पटेल
नागलपुरी
महेसाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो महेसाणा नगलपुर में स्थित है जिसका सर्वे न० 51 52 है, और कुल क्षेत्रफल 134 गुठ है सब रजिस्ट्रार महेसाणा में 3464 नंबर पर तारीख 31-12-1983 को रजिस्टर्ड का गई है।

जी० क० पंडया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रज-II अहमदाबाद

तारीख 17 7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिना : 17 जुलाई 1984

निदेश सं० पा० आ० नं० 2860/II आ ए. ए.
जी० के० पंढ्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० 172/1, 172/2 में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारों की
अधिकारों के अन्तर्गत, उक्त में स्थित है (और इसमें उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारों की अधि-
कारों के अन्तर्गत उजा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में
कमी करने या उससे बचने में बुद्धि का लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बुद्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री पटेल रामजीभाई जोगनारायण
उजा,
जि० महेशाणा।

(अन्तरक)

2 (1) श्री जयन्तलाल बालचंद्रदास पटेल
(2) श्री अमृतलाल बालचंद्रदास पटेल
(3) श्री नरोत्तमभाई बालचंद्रदास पटेल
(4) श्री ब्रिदुलभाई केशवभाई पटेल
(5) श्री पोपलाल भाईलाल पटेल
(6) श्री कुबेरभाई रामजीदास पटेल
(7) श्री मोमाभाई पोतांबरदास पटेल
उजा, जि० महेशाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो उजा, जि० महेशाणा में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 172/1, 172/2 है और कुल क्षेत्रफल 13050
चौ० मा० है। सब रजिस्ट्रार उजा में 1238 नंबर पर ता०
29-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंढ्या
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1984
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2861/II—अत.मुझे, जी० के०

पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है।

और जिसकी सं० 351, 1464 है तथा जो कड़ी में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहे कि था, रिप्लान में अधिनियम
के द्वारा,

ततः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पटेल मेघरभाई जोदनाराम,
शंकरपुरा,
कड़ी ।

(अन्तरक)

(2) श्री तेजेश्वर नगर की० श्री० हा० सोसायटी,
द्वारा अजलाल गटौर दर्जी,
कड़ी, जि० महसेणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो कड़ी में 351, 464/2 नंबर पर स्थित है जिसका
कुल क्षेत्रफल 8800 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार, कड़ी में 2389,
2390 नंबर पर ता० 17-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1984

मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2862/II—अतः मुझे, जी० के०
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 290—291 है तथा जो वापी०, ता० पारडी
जि० बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय सानसिंह सजरीया,
108, अरुणोदय बिल्डिंग,
उषा पार्क,
ओरीवल्ली,
वम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री परमानंद रतनशी सजराया,
103, अरुणोदय बिल्डिंग,
ओर वल्ली,
वम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्यायों में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वापी में स्थित है। सत्र रजिस्ट्रार, वापी में
1878 नंबर पर ता० 25-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या,

सशम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1984.

मोहर :

प्ररूप काई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2863/II—अतः मुझे, जी० के
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 541, 542 है तथा जो पारडी में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है 2---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमती सरोजबहन विनोदराय नायक,
किल्ला पारडी,
ता० पारडी
जि० वलसाड।

(अन्तरक)

(2) श्री सदनलाल दत्तलाल अग्रवाल,
किल्ला पारडी,
ता० पारडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो पारडी में स्थित। सब रजिस्ट्रार, पारडी में
1853 नंबर पर ता० 9-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1983.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2864/II—अतः मुझे, जी० के०
पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 502, 503 है तथा जो पारडी, जि० बलसा
में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुधा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृगिभा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छनियाभाई माधुभाई पटेल,
दयाराम भाजाभाई पटेल,
गाव—खाडकी,
ता० पारडी।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभुभाई नरथुभाई वेसाई,
ओपा कन्स्ट्रक्शन सिस्टम,
अंधेरी,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्सूफी

मिलकत जो पारडी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार पारडी में
1328, 1329 नंबर पर दिसम्बर, 1983 में रजिस्टर्ड की गई
है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख . 18-7-1984
मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2865/II—यतः, मुझे, जी० के०
पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 94 है तथा जो समा में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 22-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
बढ़ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमलाभहन चुनीभाई पटेल,
आदरण,
ता० बोरसव,
जि० खेड़ा ।

(अन्तरक)

(2) जयशक्ति कन्स्ट्रक्शन क०,
द्वारा श्री अनुभाई बी० पटेल,
पीज,
ता० नडोयाद, जि० खेड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो समा गांव में, सर्वे नं० 94 पर स्थित है जिसका
कुल क्षेत्रफल 5005 चौ० फुट है । सब-रजिस्ट्रार, बड़ोदा में
8856 नंबर पर ता० 22-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई
है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984

मोहर

प्ररूप आर्. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अमहदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2866/II—यतः मुझे, जी० के०

पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 94 है तथा जो समा में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्ग्राही में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तराग) और अन्तरिती (अन्तरिनीयों) के बीच गलत अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्यायार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तर्ग्राही में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22 —226 GI/84

(1) श्री मधुभाई अंबालाल पटेल,
भादरण,
ता० बोरमद ।

(अन्तरक)

(2) जयशक्ति कन्स्ट्रक्शन कं०,
द्वारा श्री अनुभाई बा० पटेल और अन्य,
पीज,
ता० नडोयाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो समा गांव में 94 नंबर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 5005 चौ० फुट है । सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8858 नंबर पर ता० 22-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जप० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2867/II—यतः, मुझे, जी० के०
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 94 है तथा जो समा में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 22 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भाग्यीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयन्ती लाल छोटा लाल पटेल,
भादरण, ता० सोरसद,
जि० खेड़ा ।

(अन्तरक)

(2) जयशक्ति कंस्ट्रक्शन क०,
द्वारा श्री अनुभाई बी० पटेल,
पांज,
तह० नडीयाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनसूची

जमीन जो समा गांव में 94 नम्बर पर स्थित है जिसका
कुल क्षेत्रफल 5005 चौ० फुट है । सब-जिस्ट्रार, बड़ौदा में
8857 नंबर पर ता० 22-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984.

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2868/II:—यतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 115/2 है तथा जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाउ/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) पोकर बिल्डर्स,
द्वारा करमसोभाई हीरजोभाई पटेल,
सहकार अपार्टमेंट,
सुभानपुरा,
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री केकोभाई होमा दरोगा,
सहकार अपार्टमेंट,
सुभानपुरा,
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो सहकार अपार्टमेंट में, बड़ौदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8413 नंबर पर ता० 5-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः मन्त्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात हूँ—

तारीख : 19-7-1984

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2869/II—यसः, मुखे, जी० के०
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 115/2 है तथा जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रार/करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पीकर बिल्डर्स,
द्वारा के० एच० पटेल,
सहकार अपार्टमेंट,
सुभानपुरा,
बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवंतभाई चिमनभाई पटेल,
सहकार अपार्टमेंट,
सुभानपुरा,
बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

फैट जो सहकार अपार्टमेंट, बड़ौदा में, सुभानपुरा में स्थित
है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8411 नंबर रस्ता० 5-12-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2870/II—यतः, मुझे, जं० के०
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 142 है तथा जो रावपुरा, बड़ौदा में स्थित है
(और इससे उपाखण्ड अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रार करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शान्तीलाल प्रभुदास शर्मा,
मोटी छांपवाड,
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीलाल भनवरमाल शाह,
रावपुरा,
नागरवाडा,
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो रावपुरा में स्थित है। जिसका सर्वे
नं० 142 है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8712 नंबर पर हा०
15-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984
मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2871/II—यतः, मुझे, पी०
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 647/4 है तथा जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारों के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रार/करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बावित्त
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुधाबहन बी० पटेल और अन्य,
10, प्रतापगंज,
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंसाबहन जितेंद्रभाई पटेल,
गजेरा,
ता० जंबुसर,
जि० बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित है, जिसका सर्वे नं०
647/4 है और कुल क्षेत्रफल 1400 बी० फुट है। सब-रजिस्ट्रार,
बड़ौदा में 9029 नंबर पर ता० 29-12-1983 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984

माहूड

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2872/II—यनः, मुझे, जं० के०
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 487/1, 487/2 है तथा जो चांदखेडा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकारों के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चक्रुभाई परशोत्तमदास नायक,
कालो,
ता० दसक्रोई,
जि० अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) अजेश्वरी को० ओ० सोसायटी,
द्वारा श्री अंबालाल गणेशदास पटेल,
होरालाल चाल,
असारवा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो चांदखेडा में 487/1, 487/2, सर्वे नंबर पर
स्थित है। सब-रजिस्ट्रार गांधीनगर में 1309 नंबर पर
17-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जं० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 21-7-1984

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत का राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निर्देश सं० पं० आर० नं० 2873/II--यतः, मुझे,
जो० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41-8, फ्लाट नं० ई है, तथा जो मजूरा,
सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन तारीख 7 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का निष्कासन या अन्तरण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
न अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती पुष्पाबहन मनहरलाल वर्मा,
नानपुरा, तिमलिया बाड,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती कमलादेवी जगदाशचन्द्र कासट,
2. श्रीमती शांतादेवी जेठमल कासट,
6/1129 भानुस्मृति,
हीवरपूरा,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा। या उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो मजूरा में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, सूरत
से 11122 नंबर पर ता० 7 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड
की गई है ।

जो० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक . 20-7-1984
मोहूर

प्रश्न काई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2874/II—यतः, मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13/214, आठवा विस्तार, है तथा जो
सूरत में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक-
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—226 GI/84

(1) 1. श्री शशीकांत ठाकोरवास कंसारा
2. श्री जीवनभाई ठाकोरवास कंसारा
मवीधरपुरा,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशचन्द्र शांतिलाल शाह,
गोपीपुरा
सूरत।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में विभा-
जित हैं।

अनुसूची

प्लॉट जो आठवा लाईन्स, सूरत में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार, सूरत में 10226 नंबर पर दिसम्बर 1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 20-7-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निर्देश सं० पी० आर० नं०-2875/II—अतः मूले.
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 1074, आठवा लाइन्स सूरत है तथा
जो फ्लैट नं० 102, सूरत में स्थित है (और इससे उपानुद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिन 9 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत रखी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेन्द्र मनहरलाल बखारीया
श्री मनहरलाल चुनौलाल बखारीया
105, अभिजात अपार्टमेंट
नानपुरा,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विहादेवी हंसराज दाबर
102 राधाकुण्ज अपार्टमेंट
आठवा लाइन्स
सूरत ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आठवा लाइन्स सूरत में स्थित है जिसका
कुल क्षेत्रफल 900 चौ० फुट है । सब रजिस्ट्रार सूरत में
11160 नंबर पर दिनांक 9 दिसम्बर 83 को रजिस्टर्ड
की गई है ।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक :— 20-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2876/II—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 118-119 और 120, है तथा जो
डुमास ता० चौराहा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारों के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक 12 दिसम्बर
83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० जे० जमनादास एण्ड कंपनी
नवान चंद्र रामनलाल चौखवाला,
नवापुरा लाडशेरी,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मै० सोव्यु लेन्ड कारपोरेशन
3-4138, नवापुरा
दालीया शेरी,
सूरत ।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो डुमास में स्थित है जिसका सर्वे नं० 118-
119 और 120 है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 11225
नंबर पर दिनांक 12-12-84 को रजिस्टर्ड कि गई है ।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84
मोहर :

प्रकाशक: टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, हैदराबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निदेश नं० पी० आर० नं० 2877/II—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिक्कास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नोड नं० 496, प्रिया अपार्टमेंट
में, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिका
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 14-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक में हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कटु होने के अन्तरक के
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बाध या किसी धन या अन्य जास्ति को
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) केकीन मनहर कुमार शेठ,
प्लीसेन्ट पार्क, पडेर रोड,
बम्बई 1

(अन्तरक)

(2) 1. बाबूभाई छगनलाल शेठ
26, मधम पडेर रोड, बम्बई
2. सुमनगौरी बाबूभाई शेठ,
अजन, जिला सूरत 1

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाध:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वार्ड नं० 496, प्रिया अपार्टमेंट में स्थित
है और प्लेट नं० 5B और कुल क्षेत्रफल 700 चौरस
फुट है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 11298 नम्बर पर तारीख
14-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 20 7-84

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2878/II—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 234 सब प्लॉट नं० 24 फाईनल
प्लॉट है। तथा जो नं० अथवा सूरत में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9/12/83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) विरनभाई गजर्तिश्वर मजूमदार,
महिला विद्यालय स्कूल के पास
गोपीपुर, सूरत

(अन्तरक)

(2) किन्नरी अपार्टमेंट को० ओ० हा० सोसायटी
3596 गोपीपुरा,
महिला विद्यालय स्कूल, गोपीपुर,
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो अथवा लाईन्स, सूरत में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 234, और सब प्लॉट नं० 24 है। सब रजिस्ट्रार
सूरत में 11172 नंबर, पर तारीख 9/12/83 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II अहमदाबाद।

तारीख : 20-7-84
मोहर

प्रकृष आइ. टी. एम. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निदेश सं० पी० आर० नं० 2679/2—अतः मुझे,
जी० के० पन्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 237, आध्वा लाईन्स, है तथा जो सूरत
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 9-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक अवधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री प्रवीणचन्द्र रघुनाथजी नायक,
गोपीपुरा, सन्धाधियाघाट सूरत।

(अन्तरक)

(2) किन्नरी अपार्टमेंट
चेयरमेन श्री हेमलता किशोरचंद कपाडीया
गोपीपुरा महिला विद्यालय
मेक्रेटरी श्री मनधुभाई गेलाभाई पारेख
बेगमपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिव की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में केन्द्र आ सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आध्वा लाईन्स सूरत में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 234, सब प्लॉट नं० 23, फाईनल प्लॉट नं०
78 है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 1173 नम्बर पर तारीख
9-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पन्डया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख 20-7-84.

मोहर :

प्रकाश बाई. डी. एन्. एच. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2880/II—अतः सूचे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1031, शीट नं० 35 है। तथा जो विमनगर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हेन्डलूम हाउस, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) फार्म नं० 37ईई के अधीन, दिनांक 12-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रविणा मूलशंकर मेहता
प्रविणविला, सरसवती रोड,
मन्ताका, बम्बई-400051।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हिराबन रत्नलाल शाह,
जवर-बालजीनोमध,
विषाखा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो विमनगर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 1031, और शीट नं० 35 है। 37ईई का फार्म जारी कार्यालय में 12/12/84 को पेश किया है।

जी० के० पंड्या

प्रथम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 21-7-84

मोहर ।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2881/II--अतः मुझे,
जी० के० पन्डया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 218-219 सुलतानबाद, उयास है तथा
जो चोरयासी जिला मुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

(1) मिर्जोरवार नवलसा कपाडिया और अन्य
गंधपुरा पार्सीवाड, मुरत। (अन्तरक)

(2) तैयाबी ईमदादभाई काचवाल।
पठानवाड, झापा बाजार,

(2) विशनु कुमार होरावाल डोरोवाल।
सुलतानबाद

(3) रमदा जेध हैदर मोटा, मुरत
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सुलतानबाद दुमास में स्थित है जिसका
नं० 218-219 है सब रजिस्ट्रार मुरत में 11352 नम्बर
पर दिसम्बर 83 है।

जी०के० पन्डया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-8-84

मोहर :

प्रस्य आई टी. एन. एस.-----

(1) ठाकोर पुरखोम वेद
ता० चार्यासी जिला सूरत।

(अन्तरज)

गणधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचनाश्रीधामाई बालाजीभाई
बाराकछा रोड सूरत।
गावर और अटार्नी
हरजीभाई रामजामाई पटेल।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० पी० आर० नं० 2882/II --अत मुझे,
जी० के० पंड्या(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक हैऔर जिसकी सं० 31 हिस्सा नं० 11 है तथा जो कनर गब
ता० चार्यासी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-12-83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है --स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृदुता
के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदुता
के लिए.जमान जो क्लार्कगाव में स्थित है मय रजिस्ट्रार, सूरत
में 11675 नंबर पर ता० 20-12-83 को रजिस्टर्ड
की गई है।

ज० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

तारीख 1-8-84

सह

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2883/II--अन० मृष्टे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 31, हिस्सा नं० 5 है तथा जो कलार गांव ता० चोरयामी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-83

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में बाधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निमित्त और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) टाकोर परपोतम वेद,
ता० चोरयामी जि० सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री दहि्याभाई टाकोरमो पटेल,
मैथदपुर,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कलार गांव में स्थित है जिसका सर्वे सं० 31 है (सब रजिस्ट्रार सूरत में 11676 नमर पर ता० 20-12-83 की रजिस्ट्री की गई है)

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 1-8-84
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 2884/II--अतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31 हिस्सा नं० 3 है तथा जो कलार
गाव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के बावजूद,
सूरत में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कभी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए,
बाद/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) ठाकोर पुरपानम वेद,
ता० चापसी जि० सूरत।

(अन्तरक)

(2) वल्लभभाई रावजीभाई पटेल
मैदपुरा,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमान जो कलारगाव में स्थित है सब-रजिस्ट्रार, सूरत
में 116777 नगर पर ता० 20-12-83 को रजिस्टर्ड
की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-II अहमदाबाद

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-8-84

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2865/II--अत, मुझे,
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31, हिस्सा नं० 9 है तथा जो कलार
गांव ता० चायसी जि० सूरत में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक
रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य गतिवस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) ठाकुर पुरषोत्तम वेद
ता० चायसी

(अन्तरक)

(2) खलभाई धरमजी
नागटशेरी भटीदरपुरा
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो कलारगाव सूरत में स्थित है जिसकी सं०
31, हिस्सा नं० 9 है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 11678
नम्बर पर ता० 19-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख 1-8-84

माहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्देश नं० पी० आर० 2886/II--अतः, मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० तं० 31, हिस्सा नं० 2, गलारगाव है
तथा जो जि० सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिप्राप्ति
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 29-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) ठाकुर पुरपोतम बेद
ता० चौर्यासी
जि० सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री इंगरजीभाई रामजीभाई पटेल
पाबर आफ अटर्नी-होल्डर हरजी भाई
रामजी भाई पटेल

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश,
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गलारगाव में स्थित है सब रजिस्ट्रार
सूरत में 11669 नं० पर ता० 29-12-83 को रजिस्टर्ड
की गई है।

जी० के० पंड्या
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 1-8-
मोहर

प्रकृष जाई. टी. एन. एल. -----

1 ठाकुर पुरपोतम वेद
ता० चौरासी जि० सूरत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) हरजिभाई रामजीभाई पटेल
सीधदपुर,
सूरत

(अन्तरित)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्चन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्देश सं० पी० आर० 2887/II-अतः, मुझे,
जी० के० पंड्याआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 11, हिस्सा नं० 1 कनरगाव है तथा
जो ता० चौरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिशारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या(ख) तब तो किसी आश या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों की
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो सक्षम
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बगुत्ती

मिन्नकन जो कनरगाव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार
सूरत में 11680 नम्बर पर 29-12-83 को रजिस्टर्ड
की गई हैजी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्चन रेज-II अहमदाबादतारीख : 1-8-84
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० 2888/II --अन०, मझे,
जी० के० पंडरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1933 नं० 2 प्लेट नं० 9 है तथा
जो मज्गा गेट, सूरत में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनु-
सूची में आगे पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिदा
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मे० जे० जे० इन्टरप्राइज
2/3728 नवमारी बाजार
मृदु मार्ग, सूरत

(अन्तरित)

(2) श्रीमति रमीलापरन डो गाली
डायर नं० 4/315,
नर्मदा प्राकट कालानी,
वडादा-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मज्गा में स्थित है। 3 ईई का फाम
जी० सी० 83 में यह कार्यालय में पेश किया गया है।

जी० के० पंडरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-84
सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० 2889/-II—अतः, मन्त्रे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 903, राजेश्वर अपार्टमेंट है तथा
जो गूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख दिनांक 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उपबोध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अभिज्ञ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव
में कमी करने या उससे बचने में मतिषा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिषा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेनम श्रीराम अपार्टमेंट

1/864 अथगर स्ट्रीट, गानपूर

गूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जीभारीबेन रामलाल मेहता

103 राजेश्वर अपार्टमेंट

गूरत

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मित्रका जो राजेश्वर अपार्टमेंट में स्थित है गूरत में
37ईई का फार्म पर कार्यालय में ता० 19-12-83 को
पेश की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राविशारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-8-84

मोहन :

प्रत्येक भाई की एक एक, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश नं० आर० पी० 2890/II—अंतः, मुम्बे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका पं० वाई नं० 2 नं० 1468, है
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिनियम तारीख 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसार किसी द्वारा प्रदत्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
25—226 GI/84

1 श्री नवीनचन्द्र मनसुखलाल
श्री रमेशचन्द्र मनसुखलाल
श्री विनोदचन्द्र मनसुखलाल
श्री नरेश मनसुखलाल
वाडी कलीथा, स्टोर मेरी,
सूरत

(अन्तरक)

2 श्रीमती ईश्वरमेनन

1. बाबुभाई भगनलाल

2. शिरीष बाबुभाई

3. श्री निलेश बाबुभाई

4. निता बाबुभाई

5. सुधा बाबुभाई

सम्राटपुरा, शिवदास झावेरी पोल,

सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो वाई नं० 2 नीचे नं० 1468, सूरत में
स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 1462 नं० पर नं०
21-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2. अहमदाबाद

तारीख : 3-8-84

मोहर :

प्रमाण नम्बर टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2891/II—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 57-58, 63 से 69, है तथा
जो सलपरसा में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सीलपरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) मै० डी० बी० सी० इन्टरप्राइसेस,
सीलवस्सा ।

(अन्तरक)

(2) मै० जी० के० फेब्रिक्स प्रा० लि०,
सीलवस्सा,
फ्लैट नं० 57-58,
इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जावेब:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के पाद
निबद्ध में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकियत जो सिलवस्सा में स्थित है । सब रजिस्ट्रार,
सिलवस्सा में 489 नं० पर तारीख 31-12-83 को
रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 3-8-1984
मोहर :

प्रकृप आई.टी.एच.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2892/II—अतः मुझे,
जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 3, नार्थ नं० 2885 डी है
तथा जो मूरत रिंग रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अधिकारी के कार्यालय, अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० अजन्ता शार्पिंग एण्ड टेक्सटाइल्स,
रिंग रोड,
मूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम निवास राम जीवन कासद,
पारदा,
जिला अहमद नगर,
(महाराष्ट्र स्टेट) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो अजन्ता शार्पिंग सेंटर एण्ड टेक्सटाइल्स
में स्थित है । 37 ईई का फार्म जो इस कार्यालय में
नवम्बर, 1983 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1-2, अहमदाबाद

तारीख : 3-8-1984

मोहर

प्रकरण भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2893/2—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 18/3-ए, 18/3-बी है तथा जो अदाग
ता० अंकलेश्वर, जिला भरुच में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 13-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंम अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नात् —

(1) महावीर आर्गेताइजर,
भाई लाल भाई रणछोड़ जी भाई पटेल,
कान्ति भाई नारणदाम पटेल,
नंदाडा,
ता० अंकलेश्वर ।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर भाई अंबालाल पटेल,
श्री कृष्ण को०—आपरेटिव हा० सोसाइटी
अंदाडा,
ता० अंकलेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित

अनुसूची

जमीन जो अंदाडा गांव में स्थित है जिसको सं० 18/
3-ए और 18/3-बी है । सब रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में
2792 नं० पर ता० 13-12-83 को रजिस्टर्ड की गई
है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2894/II—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है तथा जो ता० गणदेवी, जिला बलसाड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 14-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगिया भाई भाणाभाई पटेल,
देवसर,
ता० गणदेवी,
जिला बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अमित कुमार शिरीचन्द्र ।
2. श्री सुजीत कुमार शिरीचन्द्र ।
3. श्री पारुल कुमार शिरीचन्द्र ।
4. श्रीमती निशा बहन नतिन कुमार ।
5. श्रीमती प्रीति सरन नतिन कुमार ।
6. श्री प्रमेश कुमार नीतिन कुमार ।
7. श्री मोहन लाल कुबेर दास ।
8. श्री पारस नाथ कुबेर दास ।
9. श्री भगन लाल एच० ।
10. श्री बाबू भाई नाथूभाई ।
11. श्री कनुभाई आशा भाई ।
12. श्री वसन्त लाल पी० गांधी ।
13. श्री खुशालदास एम० चिली ।
14. श्री मोहन लाल कुमु भाई और अन्य,
जलीमोला,
गणदेवी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ-जहाँ के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जो धकवाड, ता० गणदेवी में स्थित है । सब
रजिस्ट्रार, गणदेवी में 1628 न० पर ता० 14-12-84 को
रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख 4-8-1984

मोहर :

रूप में जारी. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2895/2—अतः मुझे, जी०
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 62, फ्लॉट नं० 124 है तथा जो
ऊंचा मार्किट यार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ऊंचा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तु उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भव या अन्य जास्तिबों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वर लाल शंकर दास,
कृष्ण सिनेमा के पास,
ऊंचा,
जिला महेसाणा ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मणिलाल परशोत्तम दास, ऊंचा ।
2. श्री कांतिलाल छगन लाल, ऊंचा ।
3. श्री अरविन्दभाई शिवरामदास, ऊंचा ।
4. श्री विष्णुभाई मणिभाई, ऊंचा ।
5. श्री खोजाभाई काशीरामदास, ऊंचा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही यथेष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

आफिस गोडाउन का फ्लॉट नं० 124 जो उंचा मार्किट
यार्ड में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, ऊंचा में 1229 नं० पर
ता० 12-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2; अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1984
मोहर :

प्रथम भाई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2896/II—अतः मुझे, जी०
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सजम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7131, फ्लॉट नं० 125 है तथा जो उजा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उजा में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) पटेल हरगोबत भाई शंकर दास
गंज बाजार,
उजा ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हर्षदराय कानजी भाई ।
2. श्री पुष्पा बेम नटवर लाल शिवराम ।
125, गंज बाजार,
उजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-अ में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस—गोडाउन, जो उजा मार्केट यार्ड में स्थित है
जिसका फ्लोर नं० 125 है । सब रजिस्ट्रार, उजा में 1118
नं० पर ता० 26-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1984
मोहर :

प्रकाश आर्ट्स एंड एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2897/2—अन्त. मुझे,

जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6/10/102, प्लॉट नं० 76 है तथा जो उंजा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उंजा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 श्री पटेल गंगाधर भाई

रामदास (सधुका कुटुम्ब)।

2. श्री रणछोड भाई रामदास पटेल।

3. श्री ईश्वर दास रामदास पटेल।

उंजा, जिला महेसाणा।

(अन्तरक)

(2) पटेल हंसमुख लाल जयत राम

फ्लोर नं० 76

मार्केट यार्ड,

उंजा,

जिला महेसाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस/गोडाउन प्लॉट नं० 76 जो उंजा मार्केट यार्ड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, उंजा में 1234 नं० पर ता० 21-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

तारीख 7-8-1984

मोहर :

परम आर्डर टी. एन. एन.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2898/2—अत मुझे,

जी० के० पट्टण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमने पदमात्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि संचयन कर का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 503-1-2-7-8 प्लेट नं० 88 है तथा
जो मयाजी गंज, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 27-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और माने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, अपने दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच उसे अंतरण के लिए नये पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अधिक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तित्वों, अधिक्त ---

26—226 GI/84

(1) श्री कुन्दन लाल
श्रीमति कमु बहन सनमुख लाल,
संपत राव बालोनो,
बड़ोदा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बहन चन्दू सदारंगानी
अलकापुरी बंगला नं० 1 के सामने
अलकापुरी सोसाइटी,
बड़ोदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट जो निम्न अर्दाइमेंस बर्डाश में एस० नं० 503
पर स्थित है । सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में 8965 नं० पर
ता० 27-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० के० पट्टण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख 7-8-1984

मोहर :

प्रमुख बाई.टी.एम.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० तं० 2899/2-अतः मुझे,

जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु से अधिक है

और जिसकी सं० 503, प्लॉट नं० 88 है तथा जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री कुन्दन लाल
श्रीमती कमबेन सन्मुख लाल,
सम्पत राय कालोनी,
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोहिनाजी मलकानी
मार्फत :
निर्मला चम्पू सदारंगानी,
अलकापुरी के सामने,
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो निर्मल अपार्टमेंट बड़ौदा में स्थित है।
सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में स्थित 4173 नं० पर दिसम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1984
मोहर

प्रकृष्ट बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आर० नं० 2900/2—अतः सुमे,
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इलेक्शन अपार्टमेंट है तथा जो सुभाषपुरा,
वडोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वडोदा
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधो, तारीख 19-12-1983

को पञ्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापञ्चोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरिस्तिथी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए, आ/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री योगेश प्रवीण भाई पटेल,
एफ-2-सनदीप अपार्टमेंट,
आर० सी० दत्त रोड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभद्रा बेन रविन्द्र भाई श्रीमती
चित्रकूट बंगला,
आर० सी० दत्त रोड,
वडोदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पञ्चोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पञ्चोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट (इलेक्शन अपार्टमेंट) वडोदा में स्थित है। सब रजिस्ट्री,
वडोदा में 8779 नं० पर ता० 10-12-83 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक . 7-8-84

मोहर :

प्रकरण आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

निदेश सं० पी० आर० नं० 2901/2—अतः सूचे, जी०

के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 121 है तथा जो जी० आई० डी० सी० मकरपुरा, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-83

को पश्चात् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतर्तया) के बीच एक अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्र धुमार शिंगारी,
मै० क्रोमेटोग्राफी एण्ड इण्डस्ट्रीयल क०,
122, जी० आई० डी० सी०
इण्डस्ट्रीयल इस्टेट,
मकरपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) मै० क्रोमेटोग्राफ्ट एण्ड इण्डस्ट्रीयल क०
122, आई० डी० सी० इण्डस्ट्रीयल इस्टेट,
मकरपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पश्चात् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

फैक्टरी रोड, प्लॉट नं० 121, जी० आई० डी० सी०
मकरपुरा में स्थित है । 37 ईई० का फार्म यह कार्यालय में
30-12-83 को पेश किया गया है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1984

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2902/II--अतः मुझे,
जो० के० पंडया,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका सं० ट० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 159
है तथा जो आनंद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वयित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जिस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रसारक (अन्वयित) और अन्वयित
(अन्वयितियों) के बीच एम अन्वयन के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वयन लिखित
में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है—(क) प्रसारक को जिस प्रकार की बाधा उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत करने के अन्तर्गत के दायित्व
के कर्मा कर्म या उक्त करने में बाधा के लिए।
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) दर्शन बिरडस
स/श्री कान्तलाल छगनलाल गोहेल
कुण्ठा रोड,
आपंद

(अन्तरक)

(2) दर्शनपार्क को ओपरेटिव सोसायटी लि०
स/श्री० आर० एम० जाला,
आनंद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो आनंद में ट० पी० एस० नं० 3 एफ० पी०
नं० 159 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 3031 चौ०
मैटर्स है। सब रजिस्ट्रार आनंद में 4903, 4904, 4905,
4906, 4907 नंबर पर दिनांक 9 दिसम्बर 83 को रजिस्टर्ड
की गई है।जो० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाददिनांक : 7-8-84
मोहर :

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2903 /II—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो दांडी
वडोदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुरूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिभार के कार्यालय,
वडोदा में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 29 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल हे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
आर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमीता बीबी गुलाम हाजी नूरमोहम्मद
भोगलवाडा,
वडोदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कोटियाकनगर को० आपरेटिव हाऊसिंग
सोसायटी

म०/प्रो० फातालाल मोतीलाल
89 कोटियाकनगर, सुखिका वाडा,
वडोदा,
— श्रीबालाल सोभाभाई पंचाल,
वाडा, वडोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अर्जन जो वाडा वडोदा में टी० पी० एस० नं० 3,
एफ पी० नं० 4 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 9055,
9057, 9059, 9051, 9058, 9076 पर ता० दिसम्बर
83 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या,

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक:— 7-8-84

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आ० नं० 2904/II अतः सुमे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यमान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 863/2 है। तथा जो आणंद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अखिलेश के कार्यालय, आणंद में रजिस्ट्रार
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्ति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा एकत्र नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, निष्पत्ति में अन्तरण
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब में, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) धर्मजी चंद्रशेखर छोडामाई
नाना अडर्थ,
गोसाई फलया,
आणंद

(अन्तरक)

(2) डाह्याभाई फुलाभाई पटेल
अडाम,
ता० आणंद ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किया गया है ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो आणंद में 863/2 नंबर पर स्थित है जिसका
कुल क्षेत्रफल 2833 चौ० मी० है । सब रजिस्ट्रार आणंद में
5016 नम्बर पर दिनांक 19 दिसम्बर 83 को रजिस्टर्ड
की गई है ।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक 7-8-84

गोहर :

रूप. आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2905/II-अत. मुझे,
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 563, 564 है तथा जो बडौदा में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार की अधिधार के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयोज्य नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था विधान में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि:—

(1) मैं दिवंगत
134/136 नंबरों बाजार
बम्बई-400002

(अर्जुन)

(2) श्री चेदरमैन
बाम्बे शेरींग सेटर
आर० सी० सर्कल
बडौदा

(अर्जुन)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् तारीखों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सूटो स्टोरीयल बिल्डिंग, आर० सी० दत्त पार्क, बडौदा
में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बडौदा में 5836 नम्बर पर
दिनांक 1 दिसम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 7-8-84
मोहर :

प्रथम भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2906/II—अतः मुझे,
जो० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 504 है तथा जो नडोयाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नडोयाद में
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भारतीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दाखिल में कमी करने या उक्त वर्णन में वर्णित
को लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में मन्त्रि-
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27—226 GI/84

(1) 1. श्री परसोतमभाई बाघमोभाई पटेल
2. श्री बाबुभाई बाघमोभाई पटेल
लाखा पाड,
नडोयाद ।

(अन्तरक)

(2) 1. कनुभाई अंबालाल देसाई
2. श्रीमती निर्मलासदन कनुभाई देसाई
"गंगामीया"
कालेज रोड, नडोयाद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अमोन जो नडोयाद में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल
2 एक 2 गूँठा है और सं० नं० 503, 504 है । सब
रजिस्ट्रार, नडोयाद में 3949 नम्बर पर दिनांक 12 दिसम्बर
83 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जो० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज:II, अहमदाबाद

दिनांक . 7-8-84

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2907/II—अतः मुझे,
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 623, है। तथा जो बडौदा में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 26 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्वत्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती दीप्तीसरन जयसुखलाल भायापी
बी० 4 स्टलींग अपार्टमेंट
पत्तरोड़,
बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिपेन जयसुखलाल भायापी
स्टलींग अपार्टमेंट,
बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांस्टे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो स्टलींग अपार्टमेंट, बडौदा में स्थित है। सब
रजिस्ट्रार, बडौदा में 8922 नम्बर पर दिनांक 26
दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० के० पंडया,

सक्षम प्राधिकार।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक . 7-8-84

मोहर .

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3057—अतः मुझे,
जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन मकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट पालोडीम सीम सर्वे नं० 193,
194 है तथा जो स्मृती अपार्टमेंट, ग्रील्ड सचिवालय के
सामने आम्बवाडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
25 अप्रैल 83, (दिसम्बर 83 में मिला)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः :-

(1) सेजल कंस्ट्रक्शन कंपनी
भागोदार सतोश बाबूलाल
गौता बाग के नजदीक
सेठ जी० जी० रोड,
पालडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) नरेन्द्र पुरंजन धोलकीया
स्मृती अपार्टमेंट,
ग्रील्ड सचिवालय के सामने
आम्बवाडी,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के विषय
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई बाधोप-
-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो पालडी सीम सर्वे नं० 193 और 194 एफ०
पी० 328 स्मृती अपार्टमेंट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 5734 है ।

जी० के० पंडया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984

निवेश सं० पा० आर० नं० 3058—अतः मुझे,
जो० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जमोन वेजलपुर में सर्वे नं० 1157
प्लॉट नं० 27 है तथा जो सत्याग्रह छावनी सेक्टर 3
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधिन दिनांक 29 नवम्बर 83 (दिसम्बर
1983 को मिला)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अमृतलाल चुनोलाल पारेख
पोस्ट आफिस के नजदीक,
छायावाड, बलसाड,
जिला सूरत ।

(अन्तरक)

(2) बाबुभाई द्वारकादास शाह
ए-2, न्यू अमीतकुंज फ्लैट
पंचवटी लेन-2
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमोन जो सत्याग्रह छावनी, वेजलपुर सर्वे नं० 1157
सेक्टर नं० 3, प्लॉट नं० 27 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रार
नं० 16486 है ।

जो० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-84

मोहुर ५

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

निवेश नं० पी० आर० नं० 3059-23-1/84-85-अत.
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट वाइजम सर्वे नं० 326 है तथा जो
विजयनगर, फ्लैट नं०, 93-554, में स्थित है (और इससे
उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रारण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
3 दिसम्बर 83

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्र-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नात् :—

(1) श्री बालकृष्ण बापलभाई जावव
93-554, विजयनगर फ्लैट,
नारन पुरा,
अहमदाबाद-13

(अन्तरक)

(2) श्री मानेकलाल मोहनलाल पटेल
118, नारनपुरा ग्राम,
अहमदाबाद -13
नया सरनामा फ्लैट नं० 93-554,
विजयनगर फ्लैट,
नारनपुरा,
अहमदाबाद-13

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो विजयनगर नारनपुरा में स्थित है फ्लैट नं०
93-554 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 16694/
3-12-83 है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एम्.एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 84

निर्देश सं० पा० आ० 3060-23-I/84-85-अत मुं०
जो० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसका सं० प्लॉट जो टी.पी.एम. 20 एफ.पी. 290

1 है तथा जो न्यू गिरधरपार्क, आवावाडी अहमदाबाद
में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रारकी अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 5 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

(1) सरोजबेन नवीनभाई कामदार
1, गवर्नमेन्ट ऑफिसर्स सोसायटी,
सरदार पटेल इन्स्टीट्यूट के सामने
ड्राइप इन रोड
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता. एम.मता. रमेशचन्द्र पटेल
न्यू गिरधरपार्क सोसायटी,
ब्लॉक न० एफ/4,
अम्बा बाड़ी,
अहमदाबाद

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तगामी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में गिरा जा सकने।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो टी० पी० एस० 20 एफ० पी० 390/1 न्यू
गिरधरपार्क आवावाडी में स्थित है तथा रजिस्ट्रारकी रजि-
स्ट्रेशन नं० 15588/ दिनांक 5 दिसम्बर 83 है।

जो० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84

मोहर :

प्रमाण संख्या: टी. ए. १००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

सारल भाषा में

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 84

निदेश सं० पी० आर० नं० 3061-23-1/85—अन० मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट जो कोवरण में, टी० पी० एम० 20 एफ० पी० 390/1, है तथा जो न्यू गोन्धरपार्क सोसायटी आवावाडी अहमदाबाद, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन 1 अक्टूबर 83 (दिसम्बर 83 में मिला)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पदमाब्दरकुमार हुबेरसींग
मृदुल पार्क सोसायटी,
आवावाडी,
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हनुमन्त रमानान शाह
फ्लैट नं० 1, न्यू गोन्धरपार्क सोसायटी,
आवावाडी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गत में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो न्यू गोन्धरपार्क आवावाडी टी० पी० एम० 20 एफ० पी० 390/1 पर स्थित है तथा सब रजिस्ट्रेशन नं० 13816 है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3062/23-1/84-85---अतः

मुझे, जो० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट जो पालडों सर्वे नं० 56-1 है तथा जो एफ पी० नं० 192, टी० पी० एस० 22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकृता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के बज्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नयनाबेन चंद्रकान्त जवेरी
बस स्टाप कोर्नर,
नारायणनगर, पालडों,
अहमदाबाद -7

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अश्वदाबेन किरनकुमार शाह
मुगम अपार्टमेंट,
बासना,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जिसका सर्वे नं० 56-1 और एफ पी० 192 है जो पालडों में स्थित है तथा रजिस्ट्रारकृता रजिस्ट्रेशन नं० 4124/ दिनांक 8 दिसम्बर 1983 है।

जो० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84

माहुर :

प्ररूप जाई. टी. एम. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 84

निदेश नं० पी० आर० नं० 3063—अतः मुझे, जी०
के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो टी० पी० एस० 21 वासना में
है। तथा जो एफ पी० 635 एस० पी० नं० 2
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 15 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा या कम की करने या उसमें वृद्धि में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उल्लेख (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रायजीभाई शंकरभाई पटेल,
शिवकुंज फोर्मशीयल कोलेज के पीछे,
बैंक ऑफ इन्डिया स्टाफ सोसायटी,
नवरंग पुर,
अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) पटेल आशाभाई दाबचभाई
कर्ता चन्द्रकान्त आशाभाई पटेल
टैगोर रोड, आनंद
जिला खेडा
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो वासना सीम में स्थित है जिसका टी० पी०
एस 21, एफ पी० 635 एस० पी० नं० 2 है तथा जिसका
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17324/दिनांक 15 दिसम्बर
1983 को है।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक :- 17-7-84
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3064—अतः मुझे, जी०
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट जो समीर अपार्टमेंट में है तथा जो
फ्लैट नं० 8, आजाद सोसायटी आवावाडी, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहम-
दाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन दिनांक 13 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यक्तिगत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्षिक या
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसंधान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्रीमती हेमलताबेन रमनलाल पटेल
ए-2, समीर अपार्टमेंट,
आजाद सोसायटी, आवावाडी,
अहमदाबाद-15

(अन्तरक)

(2) कुमारी यामीनी भुपेन्द्र गांधी
फ्लैट नं० 8, समीर अपार्टमेंट,
आजाद सोसायटी, आवावाडी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो आवावाडी आजाद सोसायटी में स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17168 दिनांक 23 दिसम्बर
1983 है ।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84
मोहर :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 84

निदेश नं० पी० आर० नं० 3065—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० खेती की जमीन सर्वे नं० 30 है तथा जो गांव दोलतपरा, जिला जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक 13 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भीखाभाई काबाभाई योशीया
श्रीमती रंभाबेन काबाभाई पोणीया
सगीर जशमत काबाभाई
समीर गोयाल काबाभाई
मुख्त्यार—श्रीमती रंभाबेन काबाभाई
गांव दोलतपरा
जिला जुनागढ़

(अन्तरक)

(2) खेतीवाड़ी उत्पन्न बजार समीती
चैयरमैन श्री भीखाभाई चनाभाई
बनजारी चोक
जुनागढ़ ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मुषी

खेती की जमीन जिसका सर्वे नं० 30 गांव दोलतपरा जिला जुनागढ़ में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 2609 और 2610 दिनांक 13 दिसम्बर 1983 है ।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ।

दिनांक :- 19-7-84

मोहर :-

प्ररूप भाई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निदेश नं० पी० आर० नं० 3066—अत. मुझे जी०
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मील्कन पेलेस रोड फोर्ट के नजदीक
है तथा जो गोडल जिला राजकोट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोडल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 दिसम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
नास्तविक रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारिष्ठ में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंगरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सरलाबेन नौतमलाल गुल
श्रीमती हीनाबेन नौतमलाल
श्री रोहीत कुमार नौतमलाल
श्री नीलोक कुमार नौतमलाल
पेलेस रोड,
गोडल

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र भाई रायजीभाई फरकर
पेलेस रोड कोर्ट के नजदीक,
गोडल, जिला राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान मील्कन जो पेलेस रोड, कोर्ट के नजदीक गोडल
जिला राजकोट में स्थित है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद।

दिनांक 20-7-84

मोहर -

प्ररूप आई. टी. एन. एर. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3067—अतः मुझे, जी०
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
15,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 1750 पैकी 1586-43
वर्ग यार्ड है। तथा जो बड़वान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़वान में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 23 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०में दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित प्र वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रवदन लाल शंकर त्रिवेदी
श्रीमती प्रेमीलाबेन लाल शंकर त्रिवेदी
शुक्लका दहेला, बाधेश्वरी,
बड़वान,
जिला सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री दीनेश भाई जयंतीलाल शाह
2. बालाबेन जयंतीलाल शाह
3. ज्योतिबेन महेन्द्र शक्ल
4. जी० एन० सोनी
5. इन्दुमतीबेन रमेशचन्द्र शाह
6. नीतीनकुमार अंबालाल शाह
7. माधवलाल प्रभुदास
8. हंसमुखलाल दलमुखधारी
9. रमेशचन्द्र शाह
10. अरवींदर कुमार चीमनलाल
शाह पुरोहित एण्ड कंपनी
महेता मारकेट
सुरेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बामुखी

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 1586-43
वर्ग यार्ड है जो बड़वान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है।

जी० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

मोहर

प्ररूप अर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निहश सं० पी० आर नं० 3068—अतः मुझे, जी०
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जकी सं० जमीन सर्वे नं० 1750 पैकी 1784-75
वर्ग याई है तथा जो बडवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडवान में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 8 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. केशवलाल प्रभाशंकर त्रीवेदी
2. प्रवीनकुमार केशवलाल त्रीवेदी
3. अरवीव कुमार केशवलाल त्रीवेदी
4. मनहर लाल उर्फ मनुप्रसाद के० त्रीवेदी
5. जनकराय केशवलाल त्रीवेदी
बंगला नं० 8-बी शक्ति कोलोनी,
मुलाभाई पार्क,
गीता मंदिर रोड
अहमदाबाद (अन्तरक)

- (2) श्री दीनेश जयंतीलाल शाह
2. बालाबेन जयंतीलाल शाह
3. ज्योती बेन महेन्द्र कुमार रावल
4. जी० एन० सोनी
5. इन्दुमतीबेन रमेशचन्द्र शाह
6. नीतीन कुमार अंबालाल शाह
7. माधवलाल प्रभुवास
8. हसमुखलाल दलमुखभाई
9. रमेश चन्द्र दीपचंद शाह
10. अरवींद कुमार श्रीमनलाल
शाह पुरोहीत एण्ड कंपनी
महेत्ता मार्केट
सुरेन्द्र नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् साक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 1784—75
वर्ग याई है जो बडवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3069—अतः मुझे, जी०
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 1750 पैकी 892-37
बर्ग यार्ड है तथा जो वडवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वडवान में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
8 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किशोर कुमार परसोत्तम त्रीवेदी
श्री कीर्तिकुमार परसोत्तम त्रीवेदी
तारा बेन परसोत्तम त्रीवेदी
श्रीव कृष्णा सोमायटी. ओफिस
मंजलपुरा,
बडोदरा (बडीडा)

(अन्तरक)

(2) 1. बालाबेन जयंतीलाल शाह
2. ज्योतिबेन महेन्द्र कुमार रावल
3. जी० एन० मोनी
4. इन्दुमती बेन रमेशचंद्र शाह
5. नीलीन कुमार अंबालाल शाह
6. माधवलाल प्रभुदास
7. हसमुखलाल दलखुसभाई
8. रमेश चंद्र दीप चंद शाह
9. अरवींद कुमार चीमनलाल
10. दीनेशभाई जयतीलाल शाह
शाह पुणेहीत एण्ड कंपनी
महला मार्केट,
सुरेन्द्र नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 892.37 बर्ग
यार्ड है जो वडवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3070—अतः मुझे, जी०
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी
892-37 वर्ग यार्ड है तथा जो वडवान जिला सुरेन्द्रनगर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वडवान
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 23 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
बोह/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री प्रधुमन जयंतीलाल त्रीवेदी
कनैयालाल जयंतीलाल त्रीवेदी
नटवर लाल जयंतीलाल त्रीवेदी
कालू महेता की पोल,
बान्धेश्वरी नजदीक,
वडवान, जिला सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश भाई जयंतीलाल शाह
और अन्य

पी० आर० नं० 3069 के अन्तरिती मुजब
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 892-37 वर्ग
यार्ड है तथा वडवान, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

मोहर :

प्रकरण बाध. बी. एच. एच.

**बाधक अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

भाषाविशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 3071—अतः मुझे जी०

के० पंड्या

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 58-4 वर्ग यार्ड तथा जो पुराना बिल्डिंग, भूपेन्द्र रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक व पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में अधिकारी के लिए; और/वा

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता में जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

जब जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
29—226 GI/84

(1) जे० पी० चोटाई एच० यू० एफ० के कर्ता और अवयस्क के मुख्तियार श्रीमती चद्रमनी जे० चोटाई एम० एम० महेता एच० यू० एफ० के मनेजर और अवयस्क के मुख्तियार श्रीमती जीलावती सी० चोटाई राम कृष्ण नगर, राज कोट

(अन्तरक)

(2) श्री एल एच० लखानी ए० एल० लखानी बी० एल० लखानी एल० एल० लखानी बी० एल० लखानी श्रीमती गुनवंतीबेन एल० लखानी श्रीमती प्रमीलाबेन ए० लखानी मंगला रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किया जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 58 4 वर्ग यार्ड और पुराना बिल्डिंग जो भूपेन्द्र रोड राजकोट में स्थित है।

जी० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

दिनांक 20-7-84

सोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइल बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3072/23-1/84-85--

अतः मुझे, जी० के० पंडया

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग टो पी० पी० एस०-3 एफ० पी०-124, एस० पी० नं० 1 है तथा जो सुराषनगर को० ओ० सोमायटी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संधिभा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संधिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रसमुखलाल परषोतम दास शाह
1, सुराषनगर को० जी० सोसायटी
स्पेस्टीक सुपर मारकीट के पॉष्ठे
आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री भालचन्द्र रतीवाल मोदी
कर्ता भालचन्द्र आर० मोदी
(एच० यु० एफ०) ए०-17
छटा माल, रायल अपार्टमेंट,
खानपुर अहमदाबाद।
नया सरनाम—श्री भालचन्द्र
रतीवाल मोदी 1,
सुराषनगर को० ओ० सोसायटी,
स्पेस्टीक सुपर मारकीट के पॉष्ठे
आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो टी० पी० एस०-3 एफ० पी० 124, एस० पी० नं० 1 सुराषनगर सोसायटी में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रीकर्ता विक्रोखन नं० 18212/27-12-1983 है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहुर :

प्रथम भाग टी एन. इ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3073/23-1/84-85--

अतः मुझे जो० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट जो टी० पी० एस० 19 पर है तथा जो एफ० पी० 487 सब-प्लॉट नं० 26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इन्द्राबेन के० एगडा
डी०-2, सनराइज शोपिंग सेंटर,
ड्राइव-इन सिनेमा के सामने
मनमनगर रोड़ अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाशचन्द्र शुभकरन सुरेखा
श्रीमती किरनबेन कैलाशचन्द्र सुरेखा
11, अरुणेश सोमायटी,
सेट सेवीयर्स हाई स्कूल रोड़,
नारनपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जो टी० पी० एस० 19, एफ० पी० 487 सब-प्लॉट नं० 26, प्लेट नं० 5 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1857/30-12-1983 है ।

जो० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3074/23-1/84-85--

अतः मुझे, जो० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका नं० फ्लैट आम्बडी सेंटलाइट रोड है तथा जो
पारुल फ्लैट अहमदाबाद में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अन्तर्गत तारीख 26-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल के
गन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) शांताबेन परशोतमभाई पटेल
4, नदामगर सोसायटी,
बापूनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) छगनभाई शेलुभाई कर्कराया
एच०-11, पारुल फ्लैट्स,
सेंटलाइट रोड अंबावाड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो अम्बावपाडी सेंटलाइट रोड पारुल फ्लैट में स्थित
है तथा रजिस्ट्रार रजिस्ट्रेशन नं० 18146/26-12-1983
है।

जो० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख . 23-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3075/23-I/84-85---

अतः मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग जो शाहपुर 2 सर्वे नं० 3296/7/1 है तथा जो पारसकुंज सोसायटी खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच गंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मासहित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हिम्मतलाल मोहनलाल शाह
7, पारसकुंज सोसायटी,
खानपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री राजनाकान्त रमनाकलाल पारडीया
मनसुखलाल देवसीभाई बडनागरी
हाथीखाना नयापास अहमदाबाद
नया सरनामा—7, पारसकुंज
सोसायटी, खानपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

बिल्डिंग जो पारसकुंज सोसायटी खानपुर, शाहपुर-II में स्थित है तथा रजिस्ट्रारकी रजिस्ट्रेशन नं० 1822/28-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहर :

प्रकट नार्ड, टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर निरीक्षक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निर्देश सं० पो० आर० नं० 3076/23-I/84-85--

अतः मुझे, जी० के० पड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट शेखपुर, खानपुर, प्लॉट नं० 4 है तथा
जो नवरंगपुरा, टी० पी० एस० नं० 19, सर्वे नं० 177-2
से स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूचा में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नग्न पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तिया-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार ईश्वरदास,
88, न्यू क्लोथ मार्केट,
रायपुर दरवाजा बाहर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल जरा भाई अमीन
शोभाबेन अतुल अमीन
26, फ़िरन सोसायटी,
रायपुर दरवाजा बाहर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

ब्यौतीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जन्सूची

फ्लैट जो टी० पी० एस० 19 शेखपुर-खानपुर सीमा
सर्वे नं० 177-2 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रार रजिस्ट्रेशन
नं० 14429/37-जी० दिसम्बर 1983 में लिखा है ।

जी० के० पड्या

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख - 23-7-1984

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निवेश म० पी० आर० न० 3077/23-1/84-85--

अन० मुझे, जो० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी स० प्लेट वाइज सीमा में टी० पी० एस०-29 है तथा जो एफ० पी० 305 (पार्ट) अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उक्त करने में द्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पी० ए० न० 17702/19-12-1983 का प्रावधान या किया जाना प्राप्ति या स्थिति में परिवर्तन के लिए;

अन० अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :-

(1) लक्ष्मी नेपान्द्रम जोटवानी
श्वेत बिहार मोसायटी,
श्रावणथोल, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2() श्री जगदाशकुमार जमतमले भालुकाना
एम०-67/401, जीवन साधना
फो० ओ० ए० मोसायटी लिमिटेड
प्रगतिनगर, नारनपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लेट जो टी० पी० एस० 29 एफ० पी० 305 (पार्ट)
वाउन सीमा में स्थित है तथा रजिस्ट्रार रजिस्ट्रेशन नं०
17702/19-12-1983 है

जो० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख 23-7-1984

मोहर :-

प्रत्यक्ष आर्द्ध टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० आर० पी० नं० 3078/23-I/84-85---

अतः मुझे, जो के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट वाइज में सीमा सर्वे नं० 725, 306
है तथा जो ब्लॉक नं० 75 टी० पी० एस० 29 अहमदाबाद
से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 22-12-1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भाग या अन्य वास्तव्यों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) कुकुब्जराय भुरापाई पारीख
29, यशकुंज सोसायटी,
खन्ना पार्क के सामने,
घाटलेडीया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) वासुदेवकुमार भुरालाल बाहेनी
37, ग्लू क्लाय मारकीट,
रायपुर दरवाजा बाहर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असोहस्ताक्षरी के पाम
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के द्वारा 20-क में परिभाषित है
बड़ी अर्थ लाग, जो उस अर्थवाच में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो टी० पी० एस० 29 वाइज सीमा सर्वे नं०
325-3 ब्लॉक नं० 75 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 17878/22-12-1983 है ।

जो० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984
मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० आर० पी० नं० 3079/23-I/84-85--

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट बाइज सीमा सर्वे नं० 325 है तथा
जो 306 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता था/होता था, टिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
30 —226 GJ/84

(1) बलवंत सिंह एन० गुप्ता
ब्लाक नं० 14, रूम नं० 109
बॉम्बे हाउसिंग कालोनी,
सरसपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) लीलावती बेन शंकरलाल शाह
75/445, विजयनगर फ्लैट,
नारनपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट जो बाइज सीमा सर्वे नं० 326-305 पर स्थित
है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18284/28-12-
1983 है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

सहूर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निवेश सं० आर० पी० नं० 3080/23-1/84-85--

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट शेखपुर, खानपुर नवरंगपुरा सीमा, है तथा जो सं नं० 177/2 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मन्त्रिधा के लिए;

(1) श्री केवल किशोरनदास
एस० बी० आर० फ्लैट्स,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तःकरण)

(2) सवातावेन वृन्दापन थोथर
श्रीमती दमावेन रश्मीकान्त पोपट
10, जय सुकेतु फ्लैट, नवरंगपुरा
न्यू मारकोट के सामने,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट जो शेखपुर, खानपुर नवरंगपुरा सीमा में स्थित है
सं० नं० 17712 तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 13461/
28-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 23-7-84
मोहर :-

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3081/23-I/84-85---

अतः मुझे, जी० के० पड़या।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जमीन टी० पी० एम० 21, वासना एफ०
पी० 578, 579 है तथा जो 604, 605 तपोवन को० ओ०
सोसायटी सब-प्लॉट न० 20 में स्थित है) और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
27-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कान्तीलाल दलसुखभाई शाह
1077 फ्यूर वोलिंग,
रामनगर साबरमती,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानती मेधजीभाई पटेल
श्रीमती पुष्पा भगवानती पटेल
10, सीमा सोसायटी,
ब्राइव-रन-रोड,
मेमनगर, अहमदाबाद।
नया पता 20, तपोवन
को० ओ० सोसायटी
मानेकबाग सोसायटी के नजदीक,
वासना रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन टी० पी० एम० स० 21, एफ० पी० 578,
579, 604, 605, के तपोवन को० ओ० सोसायटी सब
प्लॉट 20 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18176/
27-12-1983 है।

जी० के० पड़या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 23-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3082/23-1/84-85

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट टी० पी० एस० 20, एफ० पी० 286 मंजना सोसायटी है तथा जो एल० डी० इंजीनियरिंग होस्टल के पीछे, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
शासक के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एस० चौधरी
ए०-4, मंजना सोसायटी,
एल० डी० इंजीनियरिंग
कालेज होस्टल के पीछे,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) रसमुखलाल बाबुभाई राजदेव
निरंजन बाबुभाई राजदेव
भरत बाबुभाई राजदेव
अनिल बाबुभाई राजदेव
ए०-4, मंजना सोसायटी,
एल० डी० इंजीनियरिंग
होस्टल के पीछे,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो टी० पी० एस० 20 एफ० पी० 286 एल० डी० इंजीनियरिंग होस्टल के पीछे, मंजना सोसायटी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17901 है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3083/23-I/84-85—
अतः, मुझे, जी० के० पंडया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट टी० पी० एस० 29 वाइन सीमा
है तथा जो सर्वे-नं० 290, 267, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-12-1983

यदि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दलपतराम भानुशंकर जोशी
विश्रामनगर को० ओ० सोसायटी,
मेमनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) कमलाबेन नरपतलाल
कोकीलाबेन नटवरलाल
आडिट अक्लोरन को० ओ० सोसायटी .
वाइज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट ओ वाइज सीमा सर्वे नं० 290-67 पर स्थित
है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18191/26-12-1983
है ।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहर ;

प्ररूप जारी टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3084/23-1/84-85---

अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मेदार सं० बिल्डिंग टो० पी० एम०-3 है तथा जो
एफ० पी० 124 सब प्लॉट 20 अहमदाबाद में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (1) रामपनजी आर० काबरा,
20, सुभाषनगर को० अपार्टमेंट
सोसाइटी,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद-9।

(अन्तरक)

- (2) फैमिलिटीज शोप एण्ड आफिसेस,
ओनर्स एसोसिएशन,
बी-9-6,
ह्लाइट अपार्टमेंट,
शाही बाग, दफनाला,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्थ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल्ड में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

बिल्डिंग जो टी० पी० एम० नं० 3, एफ० पी० नं०
124 सब प्लॉट 20 अहमदाबाद में स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18246/तारीख 28-12-83
है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० प० आ० नं० 3085/1/23/84-85--अतः
मुझे जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस टी० पी० एस० एस० 3, एफ० पी०
नं० 131, तीसरी मंजिल है तथा जो एच० के० हाऊस,
आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-83

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रतिभाबेन यू० भट्ट,
पारुन, अशोक वाडी,
पंचवटी, एलोम ब्रिज
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद मनी भाई मित्र
(एच० यू० एफ०) और
महेन्द्र चवभुज मर्चेन्ट
(एच० यू० एम०),
6, तीसरी मंजिल,
एच० के० हाऊस, आश्रम रोड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सगन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख सं. 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस जो एच० के० हाऊस, आश्रम रोड, तीसरी मंजिल
टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० 131 पर स्थित
तथा 37 ईई० तारीख 29-12-83 को फाइल किया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3086/23/1/84-85—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्लिंग टो० पी० एम० 21, एफ० पी०
144—145 सब प्लॉट 48 है तथा जो शीत वन
को० आपरेटिव सोसाइटी, भद्रपुर, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 31-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजनो कांत रतिलाल पटेल,
48, शीत वन को० आपरेटिव सोसाइटी,
अम्बावाड़ी भुदरपुरा,
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन चंपक लाल शाह,
श्री चम्पक लाल छगन लाल शाह,
48, शीत वन सोसाइटी,
भुदरपुरा गांव,
अम्बावाड़ी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को या सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया
गया है।

अनुसूची

बिल्लिंग जो टी० पी० एम० 21, एफ० पी०
144—145 एम० पी० 48, शीतवन को० आपरेटिव
सोसाइटी, भुदरपुरा, गाम अम्बावाड़ी, अहमदाबाद में स्थित
है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 18671 तारीख 31-12-1983
है

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 23-7-1984

मोहर :

प्रमुख भारती टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3087/23-I/84-85—

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग ठाकुर पार्क सोसायटी है तथा जो टी० पी० एस०-6, एफ० पी० नं० 207+208 प्लॉट नं० 2, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम्मे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एम्मे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सुरेश भाई चन्द्रप्रसाद ठाकुर
2, ठाकुर पार्क सोसायटी,
सरखेज रोड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुकुल प्रवेश नंदा
सी०/507 कोठापाला अपार्टमेंट
प्रीतमनगर, अहमदाबाद ।
नया पता 2, ठाकुर पार्क
को० ओ० सोसायटी,
सरखेज रोड,
पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो टी० पी० एस० 6 एफ० पी० 207+208 एफ० पी० नं० 2; ठाकुर पार्क को० ओ० सोसायटी पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1763/19-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 23-7-1984

साहचर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3088/23-I/84-85—

अन: मुझे, जी० के पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग महवा नूतननगर योजना-2 है
तथा जो प्लॉट नं० 349 मिटी सर्वे नं० 1573 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के लिए भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
का, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कीदारमेन बलीमोहमद बदामी
रोशनगानु कीदारमेन बदामी
गरजिंग अपार्टमेंट,
डी०-16 जुहू बीच
बम्बई-49 ।

(अन्तरक)

(2) श्री दोसा मन्गुशालान चोरचन्द
(एच० यू० एफ०)
दोसी इधीचन्द (एच० यू० एफ०)
नूतन नगर योजना नं० 1,
प्लॉट नं० 349
महवा, जिला भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो महवा नूतननगर योजना-1 प्लॉट नं०
349 मिटी सर्वे नं० 1573 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 1783/8-12-1983 है

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I अहमदाबाद

तारीख 24-7-1984
मोहर

प्रथम भाग टी एन एन -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन संचना

प्रथम भाग टी एन एन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जून 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3089/23-I/84-85---

अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें
हमके पत्राचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

गौर जिसकी म० जमीन खभालिया वार्ड नं० 5/11 है तथा
जो जमीन 608 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय खभालिया जिला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
16-12-1983

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथास्थित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) (1) श्री जयनीलाल लीलाधर
(2) चंचललाल लीलाधर
(3) रिजमबेन लीलाधर
श्रीराम कलावड गड,
नदा सोसायटी के नजदीक
राजकोट । (अन्तरक)
- (2) पीतलदाम वृजदाम
प्रभुदास वृजदान
भगवानदास वृजदान
हरीश वृजदान
कनैयालाल वृजदास
बजार, सलाया,
जिला जामनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो खभालिया वार्ड नं० 5/11 पर स्थित है
तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1879/16-12-1983
है ।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 24-7-1984
मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बारह बरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3090/23-1/84-85—

अतः मुझे, जी० के० पंडया,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो सर्वे नं० 334 पैकी है तथा जो जमीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुज में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मेसर्स ग्रामर इन्डस्ट्रीज

जादवजी नगर,

भुज (कच्छ)

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश आर० मरोलीया

दमयंती बेन एम० मरोलीया,

171, पुष्पक अपार्टमेंट,

31, अरुटा माउन्ट रोड,

बम्बई।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 334 भुज में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 2297/15-12-1983 है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 25-7-1984

संज्ञक

प्रूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3091/23-1/84-85—

प्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन वस्त्रपुर सीम सर्वे नं० 118, 122, 123 है तथा जो 126, 128 एफ० पी० 110 सब प्लॉट नं० 13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अनुसूच्याबेन दिनेशकुमार जवेरी
24, मनाली अपार्टमेंट
वस्त्रपुर रोड,
ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) सुरम्य को० ओ० सोसायटी
के० ओ० श्री एस० पी० व्यास
अर्वन के० डिजीजन,
रिजर्व बैंक आफ इण्डिया
ला गज्जर चेम्बर्स,
आश्रमरोड, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो वस्त्रपुर में स्थित है जिसका रेवेन्यू सर्वे नं० 119, 122, 124, 126 वही जमीन एफ० पी० 110 सब प्लॉट नं० 13 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18168/26-12-1983 है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 27-7-1984

मोहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3092/23-1/84-85---

श्रुतः मुझे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन वामना सीम टी० पी० एस० 21 है तथा जो एफ० पी० 635 सब प्लॉट नं० 5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1983

को पूर्ववर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीति (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अलग अलग में सूविधा के लिए, जोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जी० मीनाबेन वीयनिभाई शाह
स्वैयरविहार फ्लैट,
डी० विक्रम माराभाई रोड,
आशावाड़ी, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पटेल एण्ड शाह बिल्डर्स
दयान निवास,
सुविधा शोपिंग सेंटर के सामने
पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरित)

यह सूचना जारी करके पूर्ववर्तित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरावधिकी क्रियाओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो टी० पी० एस० एफ० पी० 635 सब प्लॉट नं० 404 वर्ग यार्ड जमीन है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17213/13-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-7-1984

मोहर :

प्रकाशक का नाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 31 जुलाई 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3093/23-1/84-85—

अतः मन्त्र, जी० के० पडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका मूल्य बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० पिमावर रेलवे स्टेशन के सर्वे माइड जमीन का क्षेत्रफल है तथा जो 18496 वर्ग यार्ड बिल्डिंग और रोड कुआर ओरल मील, बीमाकदर जिला जुनागढ़ में स्थित है (और वसने उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीमापहर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्त्र यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उत्तम बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) भागीदार मेसर्स फिनाओरल मिल्स

- (1) पटेल लड, परवन
- (2) पटेल गनीलाल मानजी
- (3) पटेल रमण मानजी
- (4) पटेल नीलेशकुमार मानजी
- (5) पटेल वसंतराम जैराम
- (6) पटेल नारद जैराम
- (7) पटेल मंगलनाथ वसंतराम

के० ओ० मेसर्स कृष्णा ओरल मिल्स
रेलवे स्टेशन के पीछे,
बीसावदर,
जिला जुनागढ़

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गायत्री ट्रेडिंग कंपनी

- पेटी और उनके भागीदार
- (1) पटेल मंगलनाथ वसंतराम
 - (2) पटेल नाथलाल जादवभाई
 - (3) पटेल भीमलाल गोरधनदास
 - (4) पटेल दामोदरदास देवदासभाई
- कृष्णा ओरल मिल्स कपाउ-ड
रेलवे स्टेशन के पीछे,
बीसावदर,
जिला जुनागढ़ ।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पश्चात् संपत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति व अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी माहोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 10 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यावस्थाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीसावदर रेलवे स्टेशन के पूर्व माइड में जमीन का क्षेत्रफल 18496 वर्ग यार्ड बिल्डिंग और रोड जिन पर मशीनरी जो "कृष्णा ओरल मिल्स" नाम से प्रचलित है तथा बीमादादर जिला जुनागढ़ में स्थित है ।

जी० के० पडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख 31-7-1984

मोहर

प्रत्यक्ष आर्द्र टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3094-अर्जन रेंज-I/23-I/84-
85—यतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन प्लॉट सर्वे नं० 37 ब्लॉक नं०
10, सनच नं० 360/96 है तथा जो 612 वर्ग यार्ड,
पुराना हाउस मांगनाथ रोड, जुनागढ़ में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छगनलाल ठाकरशीभाई

अमृतलाल ठाकरशीभाई

बालुलाल ठाकरशीभाई

श्रीमती दूधीबेन राजाभाई

श्री राजाभाई ठाकरशीभाई दूधवाला

दूधवाला शोप,

मांगनाथ रोड,

जुनागढ़

(अन्तरक)

(2) श्री मगनलाल करसन धार

रामजीभाई मावजी जावव

फे० श्री० मेसर्स गोकुल टिम्बरम

मांगनाथ रोड,

जुनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जमीन का जिसका सर्वे नं० 37, ब्लॉक नं० 10
सनच नं० 360/96 क्षेत्रफल 612 वर्ग यार्ड है और पुराना
हाउस मांगनाथ रोड जुनागढ़ में स्थित है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 31 -7-1984

मोहर :

प्रकृष बाई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश न० पा० आर० न० 3095/23-1/84-85—

अन मुझे, जो० के० पड़या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० बिल्डिंग सर्वे न० 457 प्लॉट न० 7बी
है तथा जो महिला कालेज के पीछे न्यू गुलाबनगर राजकोट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाय के कार्यालय, गोडल
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 9-12-1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिब में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था किन्तु था विधान में सविधा,
के लिए

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

32—226 GI/84

(1) श्री दिनेशकुमार परशोतमभाई टोंक
नौमला मुख्य रोड
राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) चिमनलाल गुलाबचन्द भाई बालानी
बालानी निवास,
नागर शरी,
गोडल, (सौराष्ट्र)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

बिल्डिंग जिसका सर्वे न० 457 प्लॉट न० 7-बी०
'मोठाडिया दवार' महिला कालेज के पीछे गुलाबनगर राज-
कोट में स्थित है ।

जो० के० पड़या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 31-7-1984

मोहर

प्रथम भाग. डी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश नं० जो० आर० नं० 3096/23-1/84-85—

अतः मुझे जो० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 4, बाल्मीकी आश्रम है तथा
जो मालविया नगर के नजदीक गोंडल रोड़, राजकोट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट
में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधिन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निहित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उलट कर देने में बाधा के बिना;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयमुखलाल अर्जनभाई पदगामा
5, शक्तिनगर राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जे० लखानी
28, करनधरा शयडा फिडिंग,
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4, बाल्मीकी आश्रम, मालविया नगर नजदीक
गोंडल रोड़, राजकोट ।

जो० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 31-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3097/23-1/84-85--

अतः मुझे, पी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मालकिन जागनाथ प्लाट शेरी नं०
26 है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-
कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रारकी अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) शान्ताबेन होरालाल हीरानी
के० ओ० राजा पाल एन्ड ओरल मिल
बलो जिला यावातमल
(महाराष्ट्र)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन मोहनलाल धकान
बोणावदर, जिना जुनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान मालकिन जो जागनाथ प्लाट शेरी नं० 26,
राजकोट में स्थित है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 31-7-1984

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3098/23-1/84-85--

अतः मुझे, जे० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16-बी० नूतन सर्वोदय सोसायटी है तथा जो कलावड रोड (सर्वे नं० 443) राजकोट में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्प में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार: में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हंसाबेन नटवरलाल देशाई
नूतननगर, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) अमरबेन हरजीवनदास सानी
विनोदभाई हरजीवनदास सोनी
बाबुलनाथ मन्दिर के नजदीक
गोरी छाथा स्टैन्ड,
चोपाटी, बम्बई-6 ।

(अन्तरिती)

(3) श्री कान्तीलाल हरीलाल रानपरा
प्लॉट नं० 16-बी०, नूतन नगर सर्वोदय सोसायटी
कलावड रोड, राजकोट ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जरूरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए बावत किया जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16-बी, नूतन नगर सर्वोदय सोसायटी
कलावड रोड (सर्वे नं० 443) राजकोट ।

जे० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 31-7-1984

मोहर :

प्रकाशित: टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3099/23-1/84-85---

अतः मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संजमीन 269.60 वर्ग यार्ड और घर है तथा जो भूपेन्द्र रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुआ किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जे० पी० चोटाई एच० यु० एफ० अवयस्क के मुख्तार केतन जयंतीलाल

(2) श्रीमती चन्द्रमती जे० चोटाई

(3) श्री एम० एम० मेहता

अवयस्क के मुख्तार परमेश

(4) श्रीमती गुनवंती एल० लखानी

रामकृष्णनगर, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० एच० लखानी

श्री ए० एल० लखानी

श्री बी० एल० लखानी

श्रीएल० एल० लखानी

श्री जी० एल० लखानी

श्री बी० एल० लखानी और अन्य

राजकोट ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 276-60 वर्ग यार्ड है जो भूपेन्द्र रोड राजकोट में घर स्थित है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1984

मोहर :

प्रकृष्य आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3100/23-I/84-85--

अतः भुझे, जी के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो टी० पी० एस०-3 एफ०
पी० 751, सब प्लॉट नं० 2 है तथा जो एलीसब्रिज छडावड
सीम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 13-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भानजीमाई करसनभाई जावव
ला कॉलेज के नजदीक,
एलिसब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) गीतिलछाया प्लेट ओनर्स
सुरेशकुमार जयतीलाल शाह
आंबावाड़ी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो छडावड एलीसब्रिज टी० पी० एस०-3
एफ० पी० 751 एम० पी० नं० 2 पर स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17172/13-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-8-1984

माहुर

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3101/23-I/84-85—
अतः मुझे, जी० के० पंड्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० टी० पी० एम०-3 एफ० पी० 84 है
तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 37ईई तारीख 20-12-83
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च-
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री मुकेश नटवरलाल ठक्कार
प्रभा नालोती, उस्मानपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) कमल एस्टेट कारपोरेशन
10 हरसिध चैम्बर्स
आश्वमरोड, अहमदाबाद
मेसर्स विरनी प्लेट ओनर्स एसोसिएशन
33, नेमीताथ नगर सोमायटी
एस० एम० रोड, आशावाड़ी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टी० पी० एम० 3, एफ० पी० 84 नव
प्लॉट नं० 6 पर स्थित है तथा 37ईई दिनांक 20-12-83
को फाइल किया है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-8-1984
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3102/23-I/84-85—अत.

मुझे, जो० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन टी० पी० एस० 15 एफ० पी० 27 एस०
पी० नं० 3 है तथा जो मोजे वाडज सीम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-12-83,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) 1. श्रीमती शकुंतलाबेन नानुभार्थ भुपतराय
सौराष्ट्र सोसायटी,
एलीसब्रॉज, अहमदाबाद
2. श्री शान्तीलाल चन्नुलाल शाह
नपा-वाडज, पुरुषोत्तमनगर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

- (2) गणोपार्क को० ओ० सोसायटी
आर्गेनाइजर-पुजीशम शिवराम मटेल
नपा-वाडज बस स्टेण्ड के सामने
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो वाडज टी० पी० एस० 15 एफ० पी० 27 सब
प्लॉट नं० 3 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17586/
17-12-83 है ।

जो० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3103/23-I/84-85---

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अमीन टी० पी० एस० 15 एफ० पी० 27 एस० पी० नं० 5 ए है। तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-12-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नैपाधभाई नानुभाई महेता
मौराट्ट सोसायटी,
एलीसबाज, अहमदाबाद।
मंजियनी ट्रस्ट
श्री सी० जे० शाह
शांती गदन एस्टेट,
दोनबाई टावर सामने
मिर्जापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री देवाभाई चेलाभाई भरवाड़
बाबला, तालुका घोलका,
जिला—अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो वाडज में स्थित है टी० पी० एस० नं० 15 एफ० पी० 27 एस० पी० 5 ए तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17595/17-12-83 है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1984

गोहर :

वर्षाव नोट. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निर्देश सं० पा. आर० नं० 3104/23-1/84-85--

अन: मूले, ज० के० पड्या.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें सम्मेलन पत्राचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विधान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनका सं० मानन्द माम में जमान है तथा जो सर्वे नं० 1648-1649 में स्थित है (श्रीर हमने उपायध्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कार्ता अधिपार के कार्यालय, मानन्द में 37-जा दिसम्बर 1983 में रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक 31-3-1983

क प्रवर्तन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्तव्य प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उसमें अचानक में लीपवा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विना जाना चाहिए था, विधान में सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिन :--

(1) श्री: वलदेवभाई केवलदाम पटेल
मानन्द, जिला-अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) उमाया पार्क कॉ० श्री० मोमायट
नेयरमैन श्री: दणरथभाई वलदेवभाई पटेल
मानन्द जिला-अहमदाबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मानन्द माम में जमीन जिसका सर्वे नं० 1648-1649 है तथा रजिस्ट्रकार्ता रजिस्ट्रेशन नं० 762/83, फॉर्म नं० 37 जा दिसम्बर 1983 में मिला ।

ज० के० पड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की;

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3105/23-1/84-85-अतः

मुझे, ज० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट क्रोसेट/ए. विल्डिंग फ्लैट नं० 1002 10वां मंजला है तथा जो रेंज कॉम्प के सामने राजकोट रोड नं० 15, ग० टा० एम० नं० 1010 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिशासक के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, दिनांक 37ईई, 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक में शायद से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जे० एम० वारपोंरेणन
48, इन्द्रनाथयन रोड,
सान्ताक्रुज (वेस्ट) बम्बई—54 ।

(अंतरक)

(2) श्रीमता साकरबेन बेजाभाई रावालिया
साकरबाले 21-ए,
नालन्दा सोमायटा,
कलावाड रोड, राजकोट ।

(अंतरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश किंवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहण या पाब लिखित में विग्राह्य हो सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृतजी

फ्लैट जो राजकोट में स्थित है क्रोसेट विल्डिंग ए. 10वां मंजला, फ्लैट नं० 1002, 37ईई 11-11-83 को फाइल किया है ।

ज० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1984

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3106/23-1/84-85—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शोप नं० 1, 2 और 3 क्रिसेंट 'ए' विल्डिंग में, सी० एस० नं० 1010 है तथा जो बोर्ड नं० 15 सर्वे नं० 402/21 और 404/28, रेस कोर्स, राजकोट, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37ईई फाइनल किया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-10-83,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जे० एस० कारपोरेशन
48 इन्द्रनारायन रोड,
सान्ताक्रुज (वेस्ट)
बोम्बे—54

(अन्तरक)

(2) मेसर्स उद्योग भारती
चावड़ी गेट, गोडल,
जिला—राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

शोप नं० 1, 2 और 3 क्रिसेंट-ए विल्डिंग में सी० एस० नं० 1010, बोर्ड नं० 15, सर्वे नं० 404/21 और 404/28 रेस कोर्स राजकोट ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 1-8-1984
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3107/23-1/84-85—अतः
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० ग्रांप नं० 4 क्रिसेट ए बिल्डिंग में, सी० एस०
नं० 1010, वॉर्ड नं० 15, सर्वे नं० 404/21 और
404/28 है तथा जो रेस कोर्स, राजकोट में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37ईई/28-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) मेसर्स जे० डब्ल्यू० कारपोरेशन
48, इन्द्रमारायन रोड,
सान्ताक्रुज वेस्ट,
बोम्बे—54 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोंकिला धीरजलाल टक्कर
562, तक्षशिला सोसायटी
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्रांप नं० 4, क्रिसेट 'ए' बिल्डिंग में जिसका सी० एस० नं०
1010, वॉर्ड नं० 15, सर्वे नं० 404/21 और 404/28 है,
रेसकोर्स राजकोट में स्थित है ।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-84
साहू ।

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 3108/23-I/84-85---अन

मुझे, जी० के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग टो० पी० एस०-29 एफ० पी० 127, टेनामेट 3738 है तथा जी० जे०यर्स कां० ओ० सोसायटी, अकुर सोसायटी नजदाक नारनपुरा अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकार के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक 30-12-83, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सतोषबेन मखनलाल बघारा
भारतभूषण ताराचन्द बसारा
3, दोपाका सोसायटी
शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पानागेन रतबछोडभाई पटेल
कौशाकभाई बबाभाई पटेल
ब० न० 37-38, जे०यर्स कां० ओ० सोसायटी
(हरयार्क टेनामेट)
अकुर सोसायटी नजदाक
नारनपुरा, अहमदाबाद—13 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

महसूची

बिल्डिंग जी० जे०यर्स कां० ओ० सोसायटी में स्थित है जिसका टो० पी० एस० 29, एफ० पी० 127 ब० न० 37-38 है तथा रजिस्ट्रार कर्ता रजिस्ट्रेशन न० 18578/30-12-83 है ।

जी० के० पडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 3-8-84
मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पान्तानाल चिमनलाल पारेख
गांधानगर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अर्थात् मजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3109/23-1/84-85—अत
मुझे, जी० के० पडया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
269-घ के अधीन मसम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक हैश्री जिसकी स० बिल्डिंग जोधपुर मसम मे सर्वे नं० 255, 256,
विश्वकर्मा है। तथा जो बिहार मोमायटी बगला नं० 17 ए,
अहमदाबाद मे स्थित है (श्री इसमें उपावद्ध अनुसूच मे श्री
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारका अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रारक अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30-12-1983,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिगितियों) के बीच इसमें अन्तरण के लिए नग पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए कर का

अनुसूची

(ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिएअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --(2) श्री नटरंगलाल केशवलाल पटेल
17-ए, विश्वकर्मा बिहार का० श्री० मोमायटी,
मेटेलाइट रोड, जोधपुर
अहमदाबाद।

(अन्तरिगित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।बिल्डिंग जोधपुर टेकरा पर स्थित है जिसका सर्वे नं० 255,
256, विश्वकर्मा बिहार मोमायटी, 17-ए है तथा रजिस्ट्रारका
रजिस्ट्रेशन नं० 17864/30-12-83 है।

जे० के० पडया

मसम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर-1, अहमदाबाद

दिनांक 3-8-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 3110/23-I/84-85—अतः
मुझे, जी० के० पंड्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० वीजोल में मकान सर्वे न० 312/2, घनपालेश्वर
है। तथा जो को० ओ० सोसायटी बंगलान० 36 में स्थित है (और
इससे उपाश्रित अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-12-83
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हममुखभाई नागजीभाई पटेल
36, घनपालेश्वर को० ओ० सोसायटी
गटवा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिलकुमार रमनभाई पटेल
गांव—पलान, तालुका नंदोयाद
जिला—खेड़ा।

नया पता—36, घनपालेश्वर को० ओ० सोसायटी,
गटवा, वीजोल,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्रिटिश वीजोल में जिसका सर्वे न० 312/2, 36 घनपालेश्वर
को० ओ० सोसायटी तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 18662/
31-12-83 है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 3-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर न० 3111/23-1/84-85—अन
मुझे, जो० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वासना में जमीन टी० पी० एस० 22 एफ० पी०
359 है। तथा जो सर्वे नं० 408 पैकी एस० पी० नं० 11, नन्द
गोपी को० ओ० सोसायटी में स्थित है और इन्से उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
359 है। तथा जो सर्वे नं० 408 पैकी एस० पी० नं० 11, नन्द
गोपी को० ओ० सोसायटी में स्थित है और इन्से उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मनुभाई शंभुगिरी गोस्वामी
बं० नं० 12, नन्द गोपी सोसायटी,
वासना, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री डाकोरभाई घेलाभाई चंचाल
5, नन्द गोपी सोसायटी,
बामडोर होटल के पीछे,
वासना, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वासना में जमीन जिसका टी० पी० एस० 22 एफ० पी० 359
सर्वे नं० 408 एस० पी० 11 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं०
17823/21-12-83 है।

जो० के पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 3-8-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3112/20-I/84-85 अतः मुझे,

जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० राजपुर हीरपुर में मिल्कत सर्वे नं० 290/2 है। तथा जो टी० पी० एस०-2, ए० पी० 144 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्ताबेन शंकरचन्द पटेल
उपेन्द्र शंकरचन्द पटेल
124, मकरीबाद, रायपुर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) प्रमुख धर्मलोक एपार्टमेंट
ओनर्स एसोसिएशन
भैरवनाथ रोड, मनीनगर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जो टी० पी० एस०-2, सर्वे नं० 290/2, एफ० पी० 144, पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18439/29-12-83 है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 6-8-1984

मोहर :

अरूप भार्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 3113/23-1/84-85-

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिकत बडवा में है। तथा जो सर्वे नं० 290
प्लॉट 3-4, पैकी 950 वर्ग यार्ड जमीन में स्थित है (और इससे
उपायध्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-12-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लोकेन्द्र सिंह जी चन्द्रजीत सिंह जी
गोहिल (एच० यू० एफ०)
मंगल महल,
भावनगर।

(अन्तरक)

(2) ज्युबिली होस्टेल प्राइवेट लिमिटेड,
एम्बेसी सेन्ट्र,
नरीमान पोइन्ट,
बम्बई—400023।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो भावनगर बाडवा में स्थित है जिसका सर्वे नं०
290 पैकी 3-4 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3581/
3-12-83 है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 6-8-1984

मोहर :

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1984

निवेश सं० पी० आर० सं० 3114/23-1/84-85---अत.

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलित, टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 126 है। तथा जो सब-प्लॉट नं० 11, 1/2 बीन पहुँचणी क्रिया शेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्लेख करने में बाधना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्र हरीनारायण भट्ट

गणेश गली,

मनीनगर चार रास्ता,

मनीनगर, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) कलीद अपार्टमेंट विकास मंडल,

के/ओ नरेशचन्द्र मनीलाल सरपीदाम

के० सरपीदास एण्ड कम्पनी,

मानिक चौक ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलित जो टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 126, सब-प्लॉट नं० 11 पैकी 1/2 बीन पहुँचणी कीया रोड़ तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18260/28-12-83 है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 6-8-1984

माहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3115/23-1/84-85—अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग शानदीय सोसायटी में है तथा जो धालंडी
टी० पी० एम० 6 एफ० पी 222-223-8 अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 37 'जी'
दिसम्बर, 1983 में मिला।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरांक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाम्ताधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भानुमतीबेन मधुबाई पटेल
आर० बी० महेता रोड,
2, कैला निवास,
घाटकोपर (ईस्ट)
बम्बई—77

(अन्तरक)

(2) सद्गुनाबेन प्रवीनकुमार शाह
खुशाल प्रवीनकुमार शाह
आशिष प्रवीनकुमार शाह
शानदीय सोसायटी,
पालडी, अहमदाबाद —7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो पालडी टी० पी० एम० 6 सर्वे नं० 254 एफ०
पी० 222, 223-8, एफ० पी० नं० 4 पर स्थित है तथा रजिस्ट्री-
कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 7304/16-5-83 37'जी' दिसम्बर,
1983 में मिला है।

जी. के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 6-8-1984

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3116/23-I/84-85—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेड नं० 193, 194, 195, कंडली में स्थित है तथा जो फ्री ट्रेड जोन, गांधीधाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज (कच्छ) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेखों से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पोण्डस एक्स पोर्ट लिमिटेड
26, कमाण्डर-इन-चीफ रोड,
मद्रास—600105 ।

(अन्तरक)

(2) पोण्डस (इण्डिया) लिमिटेड
26, कमाण्डर-इन-चीफ रोड,
मद्रास—600105

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेड नं० 193, 194, 195 जो कंडला फ्री ट्रेड जोन गांधीधाम में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 20/84 (एस० नं० मद्रास सर्कल) 37 'जी' दिसम्बर 1983 में मिला ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 8-8-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सञ्चाल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3117/23-1/84-85—यतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलकत टी० पी० एस० 6 एफ० पी० 229 से 232, 236 है तथा जो एस० पी० नं० 7, महालक्ष्मी सोसायटी पालडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-12-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभूतियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रवीनचन्द्र गोविन्दलाल पटेल
त्रिमूर्ति फ्लैट्स (डुप्लेस)
इन्क्लाव सोसायटी के नजदीक
गुलबार्ड टेकरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव रमनलाल
महेश कुमार रमनलाल
'वासुकुंज'
ग्राशापुरी मंडरीके नजदीक,
मावलपुर, एलीसब्रीज,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरत करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टी० पी० एस० 6, एफ० पी० 229 से 232 और सब प्लॉट नं० 7, महालक्ष्मी सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18535/30-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 10-8-1984

मोहर :

रूप आई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० ए०सी० 17/रैंज-4/कल/1984-85--अतः,

मुझे, शंकर के० व्यानाजी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो दिनहाटा में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोचबिहार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरज सिंह,
महदुल साहा,
किरण सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल,
मलिलाल मारावणी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—एक सिनेमा कुटी, जमीन का साथ मकान।

पता—मौजा तथा थाना—दिनहाटा, जिला—कोचबिहार
विल सं० 1983 का 8751।

शंकर के० व्यानाजी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज 4/कलकत्ता

तारीख : 13-8-1984

मोहूर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th July 1984

No. A. 32013/1/83-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 27th April, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission as Senior Engineer (Group 'A') in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period from 1-7-1984 to 31-7-1984 or until further orders whichever is earlier.

2. The said appointment of Shri Pradeep Mehta as Senior Engineer is consequent upon the approval of the Union Public Service Commission.

3. This appointment is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment, seniority, etc., in the post.

The 19th July 1984

No. A. 35014/2/80-Admn.II(i).—In continuation of this office notification of even number dated 18th June, 1984, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur, Junior Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 16-7-1984 to 31-8-1984 or till the regular appointment is made whichever is earlier.

No. A. 35014/2/80-Admn.II(ii).—In continuation of this office notification of even number dated 18th June, 1984, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers to the ex-cadre posts of Accounts Officers in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 16-7-1984 to 31-8-1984 or till the regular appointments are made whichever is earlier.

S. No., Name and Designation

1. Shri Sudarshan Kumar, Section Officer (CSS cadre)
2. Shri V. C. Kajla, Section Officers (CSS cadre)
3. Shri A. K. Sharma, Section Officer (CSS cadre)

2. The above mentioned officers will be on deputation to the ex-cadre posts of Accounts Officers and their pay will continue to be regulated in terms of the instruction contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure O. M. No. F.1(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

The 28th July 1984

No. A-32013/7/84-Adm-I.—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-84 the President is pleased to appoint the following permanent Grade I officers the CSS as Deputy Secretaries in the Office of the Union Public Service Commission on regular/ad-hoc basis as under :—

Sl. No.	Name of officer	Date of appointment/period
1.	Shri B. S. Jagopota	(i) 5-4-84 to 1-5-84 on ad-hoc basis (ii) From 2-5-84 on regular basis.
2.	Shri L.B. Sinate	On ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 20-6-84 or until further orders, whichever is earlier.

M. P. JAIN

Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

New Delhi, the 31st July 1984

No. P. 1583/Admn.II.—Consequent upon his selection to the post of Assistant Editor in the Encyclopaedia of Indian Literature Unit of the Sahitya Akademi on foreign service terms and his acceptance to the said post, Sh. M. L. Varadpande, permanent Research Assistant (Language) and at present working as Research Officer on ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission is hereby

relieved of his duties in the Commission's office w.e.f. the afternoon of the 31st July, 1984.

Sh. Varadpande is hereby directed to report for duty to the Secretary, Sahitya Akademi, New Delhi.

SUHAS BANERJEE

Under Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 4th August 1984

No. A. 32014/1/82-Admn.II.—In continuation of this notification of even number dated 20th December, 1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. Ramakrishnan, Senior Investigator, National Building Organisation to the post Junior Research Officer (Research of Analysis) in the Commission's office on transfer on deputation for a further period 3 months w.e.f. 11-7-1984 to 10-10-1984 or until further orders whichever is earlier.

2. This extension of the deputation period is with the approval of Chairman, Union Public Service Commission as the Head of the Department.

3. The pay of Shri S. Ramakrishnan will continue to be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O.M. No. F. 1(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-1975.

VJAY BHALLA

Section Officer (Admn. II)

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th August 1984

No. 2/22/83-Admn.—In supersession of this Commission's Notification of even number dated 21st May, 1984, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Brahm Dutt, a permanent Section Officer in the Central Vigilance Commission as Under Secretary in the Commission in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1200-1600/- with effect from the forenoon of 31st July, 1984, until further orders.

The 14th August 1984

No. 2/1/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant in the Central Vigilance Commission as Section Officer in any officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650 (700)-1200/- with effect from 31-7-84 to 28-10-84 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA

Under Secy. (Admn.)

For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th August 1984

No. A-19021/6/81-Ad.V.—The services of Shri P. K. B. Chakravorty, IPS (MH-1971) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GPO Bombay Branch on repatriation are placed at the disposal of Govt. of Maharashtra with effect from the afternoon of 2nd August, 1984.

No. A-19014/8/84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Puri, Deputy Superintendent of Police, CBI, New Delhi as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation on purely ad-hoc basis for a period of six months with effect from the forenoon of 31st July, 1984 against vacancy falling in deputationist quota.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E)

CBI

**DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 27th July 1984

No. E-32015(4)/78/84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. N. L. Bhatnagar, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit PTPP Parichha with effect from the forenoon of 23rd June 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

The 13th August 1984

No. E-31013(2)/2/82-GA.I.—The President is pleased to promote Shri T. K. Choudhary to officiate in the rank of Assistant Commandant on regular basis with effect from the forenoon on 11 October, 1983.

No. E-31013(2)/6/84-GA.I.—The President is pleased to promote the following officers (Assistant Commandants—(ad-hoc) to officiate in the rank of Assistant Commandant on regular basis with effect from 28-7-1984, without prejudice to the claim of other Assistant Commandants—ad-hoc/Inspectors (Executive), whose orders of regularisation/promotion to the rank of Assistant Commandant are being issued separately. Orders regarding inter-se seniority of these officers will be issued in due course.

1. Shri Kashmir Singh
2. Shri R. C. Sharma
3. Shri C. S. Saini
4. Shri Sudarshan Singh Pathanjan
5. Shri M. K. Roy
6. Shri B. K. Jha
7. Shri M. G. Dass
8. Shri A. V. Nambudaripad
9. Shri J. M. Pillai
10. Shri R. N. Banerjee
11. Shri J. K. Pahari
12. Shri Risal Singh
13. Shri A. Palaniappan
14. Shri A. K. Ghosh
15. Shri M. C. Biswas
16. Shri S. C. Roy
17. Shri S. L. Nagarkar
18. Shri D. K. Patil
19. Shri Bal Kishan
20. Shri K. K. Singh
21. Shri Samuel Sampson
22. Shri A. S. Shekhavat
23. Shri Ishwar Singh
24. Shri Vinay Singh
25. Shri G. H. Swamy
26. Shri Unnithan Chandran
27. Shri G. S. Reen
28. Shri S. C. Mehra
29. Shri R. P. Chadha
30. Shri N. K. Talwar
31. Shri J. Ouseph
32. Shri D. S. Lamba
33. Shri J. P. Thakur
34. Shri Bital Singh
35. Shri M. L. Grover
36. Shri V. B. Rao Magadam
37. Shri K. P. Dinakaran
38. Shri Uttam Singh
39. Shri N. R. Rao

40. Shri S. R. Deb
41. Shri P. Choudhary
42. Shri N. K. Banerjee
43. Shri S. K. Mondal
44. Shri I. R. Uppal
45. Shri S. K. Dutta
46. Shri S. K. Pal
47. Shri Y. P. S. Balyan
48. Shri R. B. Sharma
49. Shri Bairagi Ram
50. Shri D. B. Raj

The 16th August 1984

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri R. B. Sreekumar, IPS (Guj : 71) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit VSSC Thumba with effect from the forenoon of 3rd July 1984.

No. E-32015(4)/75/84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Y. P. S. Balyan, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit Bank Note Press, Dewas with effect from the forenoon of 14th July 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which, ever is earlier.

S. ANANDARAM
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 21st August 1984

No. 10/35/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. R. R. Tripathi, Map Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Registrar General (Map) in the same office, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 23rd July, 1984, until further orders.

2. The headquarters of Dr. Tripathi will be at New Delhi.

No. 10/26/83-Ad.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators who are at present working as indicated against their names, to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 24th July, 1984, until further orders :—

S. No.	Name of Officer	Present design and office in which working
S/Shri		
1.	A.V. Vallinathan	Assistant Director (DE) (On deputation, <i>ad-hoc</i> basis) Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras.
2.	S.S. Bahri	Assistant Director of Census Operations (Technical) (<i>Ad-hoc</i>) O/O the Registrar General, India, New Delhi.
3.	M.N. Sarkar	Assistant Director of Census Operations (Technical) (<i>Ad-hoc</i>), Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta.

V. S. VERMA,
Registrar General, India

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi, the 18th August 1984

No. Admn./O.O. No. 192.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri R. N. Sharma a permanent Audit Officer of this office will be retiring from the service

of the Government of India with effect from the afternoon of 31-8-1984. His date of birth is 1st September, 1926.

(Sd.) ILLLEGIBLE
Deputy Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
KERALA

Trivandrum, the 13th August 1984

No. A.G. Audit/Entt & Cash/1/10-3/84-85.—The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala retired from service on superannuation on the dates mentioned against each.

(1) Shri P. Madhavan Nair 31-7-1984 AN

(2) Shri A. Chandrasekharan 31-7-1984 AN

Shri T. L. Varky, Audit Officer retired voluntarily from Government service on 1-7-1984 F.N.

V. LAKSHMINARAYANAN
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
ORISSA

Bhubaneswar, the 30th May 1984

No. Admn-I(Au)-17-2-1-(P&T)/1186.—The Accountant General (Audit) Orissa, Bhubaneswar has been pleased to promote the Section Officers (Audit) as per enclosure to officiate as Asstt. Audit Officer in the scale of Rs. 630-30-740-35-880-EB-40-1040 in Group 'B' of General Central services with effect from the dates noted against each until further orders.

ANNEXURE

LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED TO
OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS.

Sl. No.	Name of A.A.Os.	Date of joining on promotion
	S/Shri	
1.	K.C. Patjoshi	1-3-1984
2.	M.A. Ahad	Do.
3.	S.S. Prakash Rao	Do.
4.	M.N. Kashinath	Do.
5.	M.C. Dey	Do.
6.	V.V. Rama Rao	Do.
7.	D. Suryanarayan	Do.
8.	M.S.N. Murty	Do.
9.	N. Suryanarayana	Do.
10.	P.C. Samanata	Do.
11.	H. Khemka	Do.
12.	A.K. Mukherjee	Do.
13.	G.S.N. Murty	Do.
14.	N. P. Patra	Do.
15.	S.K.C. Sahu	Do.
16.	R.K. Das	Do.
17.	B.S. Sastry	Do.
18.	S.S. Mishra-II	Do.
19.	B.S. N. Murty	Do.

Sl. No.	Name of A. A. Os.	Date of joining on promotion
	S/Shri	
20.	T.S. Prakash Rao	1-3-1984
21.	B.N. Murty	Do.
22.	J.M. Mein	Do.
23.	N. K. Mahapatra	Do.
24.	B.S. Narayana	Do.
25.	M. Bhaskar Rao	Do.
26.	K. Natarajan	Do.
27.	M. M. Swamy	Do.
28.	B.M. Das	Do.
29.	T.S.R. Murty	Do.
30.	R.A.R. Sharma	Do.
31.	M. Ramana Rao	Do.
32.	D.V.N. Murty	Do.
33.	S. Bhattacharya	Do.
34.	K.D. Mandal	Do.
35.	S.S. Debprukayast	Do.
36.	S. Ch. Das	Do.
37.	R.C. Mahanty	Do.
38.	B.C. Misra	Do.
39.	S. L. Mistri	Do.
40.	P. Ahanta Rao	Do.
41.	P.C. Dash	Do.
42.	B. P. Swain	Do.
43.	K. Raja Rao-I	Do.
44.	K. Raja Rao-II	Do.
45.	J.N. Panigrahi	Do.
46.	P. Venkat Rao	Do.
47.	K. Mukunda Rao	Do.
48.	N.S. Prakash Rao	Do.
49.	G.V.N. Subba Rao	Do.
50.	J. Rama Rao	Do.
51.	A.K. Nanda	Do.
52.	S. Raghava Rao	Do.
53.	R. K. Singh	Do.
54.	S. Bhubanswar Rao	Do.
55.	R.S. Dash	Do.
56.	S. Patnaik	Do.
57.	T.V. Rama Swamy	Do.
58.	U. Padhi	Do.
59.	K.C. Acharya	Do.
60.	P. Dash	Do.
61.	G. Mahapatra	Do.
62.	B.M. Tripathy	Do.
63.	A. Ray	Do.
64.	V.V.R.J. Rao	Do.
65.	R.B. Lal	Do.
66.	B.B. Dash	Do.
67.	A. K. Dash	Do.
68.	S.V. Raju	Do.
69.	N.G. Maitra	Do.
70.	L.M. Panda	Do.
71.	S.K. Mahanty	Do.
72.	K.C. Dey	Do.
73.	D.N. Das	Do.
74.	N. Desh-II	Do.
75.	C.K. Murty	Do.
76.	K.C. Sahoo	Do.
77.	B. Pradhan	Do.
78.	B. Mohanty	Do.
79.	S.K.H. Rahman	Do.
80.	A. Mohanty	Do.
81.	P. K. Rao Naidu	Do.
82.	D. Pahan	Do.
83.	M. Panda	Do.
84.	G.N. Mohapatra	Do.
85.	J.B. Basu	Do.
86.	M. Sarwar	Do.
87.	P. K. Bhutia	Do.
88.	S.C. Misra	Do.
89.	G.J. Nehru	Do.
90.	A.N. Giri	Do.
91.	S. Panda	Do.

Sl. No.	Name of A.A.Os.	Date of joining on promotion	Sl. No.	Name of A.A.Os.	Date of joining on promotion
S/Shri					
92.	B.K. Chowdhury	1-3-84	159.	Chakradhar Boral	1-3-84 (F.N.)
93.	M. Kameswar Rao-II	Do.	160.	J. Vithal Rao	Do.
94.	A. K. Roy	Do.	161.	Md. Samshul Haq	Do.
95.	K.C. Nandi	Do.	162.	K.S. Rao	Do.
96.	B.C. Patnaik	Do.	163.	Braja Kishore Das	Do.
97.	B. Hota	Do.	164.	Sashi Sekhar Mohatra	Do.
98.	K. Prabhakar Rao	Do.	165.	Radha Krishna Wattnaik	Do.
99.	J.N. Das	Do.	166.	G. Narayana Sastri	Do.
100.	G.C. Mohapatra	Do.	167.	Prabir Kumar Sahu	Do.
101.	S.K. Das	Do.	168.	Balshabh Mohanty	11-4-84
102.	J.T. Rao	Do.	169.	Kali Charan Watnaik	1-5-84
103.	S.K. Mohanty	Do.	170.	Duryadhan Sahu	1-5-84
104.	S. Bhagirathi	Do.	171.	S.C. Rama	2-4-84
105.	R. Champati	Do.			
106.	T.R. Biswas	Do.			
107.	A.C. Behera	Do.			
108.	G.A. Sitaramaiah	Do.			
109.	M. Kameswar Rao-I	Do.			
110.	S. Mohanty	Do.			
111.	R.C. Jena	Do.			
112.	B.C. Das	Do.			
113.	B.C. Mandal	Do.			
114.	N.N. Das	Do.			
115.	A.K. Das-I	Do.			
116.	L. K. Panda	Do.			
117.	N. Sahoo	Do.			
118.	M.S. Sutar	Do.			
119.	J.V. Krishna Rao	Do.			
120.	J. Mahapatra	Do.			
121.	N. Bala	Do.			
122.	R. Paramanik	Do.			
123.	R.K. Sahoo	Do.			
124.	N. Rout	Do.			
125.	A. Saho	Do.			
126.	B. Chakravarty	Do.			
127.	M. Ananda Rao	Do.			
128.	G.N. Murty-II	Do.			
129.	K.C. Mohapatra	Do.			
130.	B.B. Patnaik	Do.			
131.	H. K. Swain	Do.			
132.	M. Krishna Murty	Do.			
133.	T. Nageswar Rao	Do.			
134.	R. P. Sarkar	Do.			
135.	Y.V.R. Patra	3-4-84			
136.	A.K. Pal	19-3-84 (F.N.)			
137.	A.V. Narasimham	31-3-84 (A.N.)			
138.	B. Sanyasi Rao	31-3-84 (A.N.)			
139.	D. Chattopadhyay	2-4-84 (F.N.)			
140.	S.B. Behera	31-3-84 (A.N.)			
141.	A.K. Mohanty	31-3-84 (A.N.)			
142.	A.K. Sengupta	31-3-84 (A.N.)			
143.	V. Satyanarayana-II	2-4-84 (F.N.)			
144.	Banajidhar Naik	1-3-84			
145.	Biswanath Ghosh	Do.			
146.	S. Sudarsan Rao	Do.			
147.	V.V. Ramana Rao	Do.			
148.	P.C. Moitra	Do.			
149.	N. K. Behera	Do.			
150.	C.S.P. Rao	Do.			
151.	G. S. C. Bose	Do.			
152.	K.R.K. Sastry	12-3-84 (F.N.)			
153.	Dinabandhu Mohapatra	13-3-84			
154.	Mani Mukherjee	1-3-83 (F.N.)			
155.	Lokanath Mohapatra	Do.			
156.	H. Y. Dora	Do.			
157.	G. Kodeswar Rao	Do.			
158.	Biswanath Misra	Do.			

No. Admn-I (Au)-17-2-1(P&T)/1187.—The Accountant General has been pleased to promote the Section Officers (Audit) as per annexure who are working out of the regular line on deputation/Foreign Service to officiate as Assistant Audit Officer in Group 'B' of General Central Services in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 under next Below Rule with effect from 1-3-1984 until further orders.

ANNEXURE

List of Section Officers (Audit) who have got proforma promotion N.B.R. with effect from 1-3-84.

S. No.	Name
S/Shri	
1.	S. Ch. Mukherjee
2.	A. S. N. Murthy,
3.	R. K. Roy
4.	S. K. Roychowdhury
5.	S. M. Das
6.	Chandra Mohan Patnaik
7.	B. K. Das Gupta
8.	Saroj Kr. Bhattacharya
9.	A. K. Sengupta
10.	Paramananda Rath
11.	Sarat Sudhakar Patnaik
12.	M. Satyanarayana
13.	V. B. Raju
14.	K. V. S. S. P. Rao
15.	L. R. Sastry
16.	P. Appa Rao
17.	K. S. R. Murthy Patnaik
18.	B. J. Ganguly
19.	Md. Elias Khan
20.	D. S. Sastry
21.	V. Vithal Rao
22.	N. C. Biswal
23.	Satya Prasad Mukherjee
24.	Charu Charan Mohanty
25.	Virendra Kr. Pal
26.	Sanjit Kumar Bhattacharya
27.	Braja Kishore Mohanty
28.	G. Chittaranjan
29.	P. S. N. Murty
30.	B. A. Suryanarayana
31.	G. V. Rao-I
32.	P. Rama Rao-I
33.	D. S. N. Murty
34.	Miss Sadhana Das

35. Santosh Kr. Mukherjee
36. Kamal Lochan Das
37. P. R. Rajgopalan
38. Duryadhan Bhol
39. Kishore Mohan Parida
40. D. V. Ramana Murty
41. Narayana Ch. Samanta
42. Bijay Krishna Basu
43. Dilip Kumar Roy
44. Jagadish Ch. Das
45. V. Ramakrishna
46. A. Vijayadwaja Rao
47. G. R. N. Sastry
48. Chanchalaesh Bhattacharya
49. G. R. S. Rao-I
50. Dipak Kumar Roy-I
51. S. G. Pal
52. R. G. K. Nair
53. Aurun Ch. Bhatta
54. V. S. Rao-I
55. S. Bhattacharya
56. D. P. Karmarker
57. Talasidas Mandal
58. R. V. J. Das
59. D. G. K. Murty
60. Samarendra Nath Sethi
61. Chandrakanta Pal
62. Gopal Das Banerjee
63. Dasarathi Mahapatra
64. B. B. Ghatak
65. K. S. Krishna Murty
66. G. L. V. K. Murty
67. Ratis Munkhopadhyaya
68. E. H. Rao
69. K. S. Swamy
70. B. S. Das
71. G. C. Mishra-II
72. Jayadev Sahu
73. G. C. Rath
74. I. V. Ratanam
75. M. Ratho
76. S. R. Guhar
77. Pitabas Pani
78. Sanatan Sahu
79. Ch. S. Rao
80. Adir Dasgupta
81. S. K. Ghosal
82. P. K. Mohanty
83. M. Basu
84. Makhan Lal Dhar
85. Nirmalendu Roy
86. Padmanav Mahapatra
87. L. N. Jagdev
88. R. S. R. A. Sarma
89. H. N. Bisoi
90. P. K. Mishra, II
91. S. K. Basu
92. Nitai Chand Sahar
93. Priyanath Mazumdar

S. S. MANN
Senior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I U.P.

Allahabad, the 8th August 1984

No. Admn./A.G.(Audit)-I/13-7/519.—Following Audit Officers, on attaining age or superannuation, have retired from

Government service with effect from 31st July, 1984
(A.N.) :—

1. Shri Har Krishan Lal from the Office of the Accountant General (Audit)-II, U. P.
2. Shri Ram Beni Prasad Tewari from the Office of the Accountant General (Audit)-II, U. P.
3. Shri Shyam Lal Srivastava-II from the Office of the Accountant General (Audit)-I, U. P.

B. K. CHATTOPADHAY
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, TAMIL NADU AND PONDICHERRY

Madras, the 8th August 1984

No. AG(Audit)/AdmnI/G.B/84-85/209.—Smt. C. S. Jagadambal (Date of Birth 12-9-1928), Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit) I, Tamil Nadu and Pondicherry, Madras, expired on 24-7-1984.

M. V. SWAMINATHAN
Accountant General (Audit)-I
Tamil Nadu & Pondicherry
Madras

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171 004, the 1st September 1984

No. 23/3/84-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 increased by eleven points to reach 585 (five hundred eighty five), for the month of July, 1984. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of July, 1984 works out to 711 (seven hundred eleven).

A. S. BHARADWAJ
Director, Labour Bureau

(DEPARTMENT OF LABOUR) OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL)

New Delhi, the 23rd July 1984

No. Adm. I/4(12)/84(1) —Sh. B. Pandey, U.D.C. Office of the R.L.C (C) Dhanbad has been appointed to officiate as LEO (C) Vijaya-wada w.e.f. 3-1-84 (FN).

- | | | |
|-----|-----|---|
| Do. | (2) | —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Deepak Jain, assumed charge of the Office of the LEO (C) Bhilwara camp at New Delhi on 21-1-84 (AN). |
| Do. | (3) | —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation Sh. Babu Lal, assumed charge of the Office of the LEO (C) Jalandhar camp at New Delhi on 21-1-84 (AN). |
| Do. | (4) | —On attaining the age of a superannuation, Sh. K.D. Srivastava relinquished charge of the Office of the LEO(C) Kanpur on 31-1-84 (AN). |
| Do. | (5) | —On attaining the age of superannuation, Sh. Sunder Lal relinquished charge of the Office of the LEO (C) Narnatpur on 31-1-84 (AN). |
| Do. | (6) | —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Radhakrishan Meena, assumed charge of the Office of the LEO(C) Rajkot camp at New Delhi on 28-1-84 (AN). |

No. Adm. I/4(12)/84(7) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Lalit Kumar Sharma, assumed charge of the Office of the LEO(C) Ajmer Camp at New Delhi on 30-1-84 (FN).

Do. (8) — On transfer Sh. J. Venkataraman relinquished charge of the Office of the LEO (C) Mangalore on 27-12-83 (AN) and assumed charge in the same capacity at Port Blair on 22-2-84 (FN) after availing leave etc.

Do. (9) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Sudarshan Parcek, assumed charge of the Office of the LEO(C) Jodhpur camp at Ajmer on 15-2-84 (FN).

Do. (10) — On reversion to the post of U.D.C., Sh. R.S. Ojha relinquished charge of the Office of the LEO (C) Ajmer on 30-1-84 (FN).

Do. (11) — On reversion to the post of U.D.C., Sh. T. P. Rajwar relinquished charge of the Office of the LEO (C) Chandigarh on 31-1-84 (FN).

Do. (12) — On reversion to the post of U.D.C., Sh. R.S. Agarwal relinquished charge of the Office of the LEO (C) Jodhpur on 15-2-84 (FN).

Do. (13) — On transfer from Allahabad Sh. H.R. Kureel assumed charge of the Office of the LEO (C) Kanpur on 14-2-84 (AN).

Do. (14) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Manohar Lal, assumed charge of the Office of the LEO (C) Chandigarh on 31-1-84 (FN).

Do. (15) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Anand Kumar assumed charge of the Office of LEO (C) Allahabad on 15-2-84 (FN) camp at Kanpur.

Do. (16) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. V. Suryanarayana assumed charge of the Office of LEO (C) Hyderabad on 5-3-84 (FN).

Do. (17) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Pirthi Singh, assumed charge of the Office of LEO (C) Bikaner on 29-2-84 (FN) camp at Dhanbad.

Do. (18) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Narendra Singh Panwar, assumed charge of the Office of the LEO (C) Jharla at Dhanbad on 16-3-84 (FN).

Do. (19) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Raghunath Singh, assumed charge of the Office of the LEO (C) Ranchi on 12-3-84 (FN) camp at Dhanbad.

Do. (20) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Satish Kumar Vashisht, assumed charge of the Office of the LEO(C) Asansol on 12-3-84 (FN).

Do. (21) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. K. Gopi Krishna assumed charge of the Office of the LEO(C) Guntakal on 26-3-84 (AN) camp at Hyderabad.

No. Adm. I/4(12)/ 84(22) — On her appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Kum. Vasdevi Abchandani assumed charge of the Office of LEO (C) Jabalpur on 16-3-84 (FN).

Do. (23) — On reversion to the post of U.D.C., Sh. N. Ganapathy relinquished charge of the Office of LEO (C) Guntakal on 26-3-84 (AN).

Do. (24) — On attaining the age of superannuation, Sh. L.N. Sinha, relinquished charge of the Office of the LEO (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on 31-3-84 (AN).

Do. (25) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. P. S. Phogat assumed charge of the Office of LEO (C) Neamatpur on 29-3-84 (FN) camp at Asansol.

Do. (26) — On his appointment as ALC (C) Sh. B.R.S. Reddy relinquished charge of the Office of LEO (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on 9-4-84 (FN).

Do. (27) — On his appointment as L. O. (C.P.) Sh. V. Murali relinquished charge of the Office of the LEO (C) Hyderabad on 6-1-84 (AN).

Do. (28) — On her appointment as L. O. (C.P.) Smt. G. Vijayalakshmi relinquished charge of the Office of the LEO (C) Hyderabad on 16-1-84 (AN).

Do. (29) — On reversion to the post of U.D.C. Sh. S. K. Dutta relinquished charge of Office of the LEO (C) Calcutta on 31-1-84 (AN).

Do. (30) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. P. K. Vashishta assumed charge of the Office of the LEO (C) Hazaribagh on 7-4-84 (FN) camp at Dhanbad.

Do. (31) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. R.V. Kulkarni assumed charge of the Office of LEO (C) Bhopal on 2-4-84 (FN) camp at Jabalpur.

Do. (32) — On transfer Sh. M.R. Dash relinquished charge of the Office of the LEO(C) Gauhati on 31-3-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Barbil on 19-4-84 (FN).

Do. (33) — On his voluntary retirement Shri M. Rama Rao relinquished charge of the Office of LEO (C) Hyderabad on 31-3-1984 (AN).

Do. (34) — On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in the organisation, Sh. K. Kandasamy assumed charge of the Office of LEO (C) Trichy on 4-4-84 (FN) camp at Madras.

Do. (35) — On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. P. K. Jadia assumed charge of the Office of LEO (C) Bagmatiara on 16-4-84 (FN) camp at Dhanbad.

- No. Adm.I/4(12)/84(36)—On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. M. L. Verma assumed charge of the Office of LEO(C) Tejpur on 16-4-84 (AN) camp at Gauhati.
- Do. (37) —On reversion to the post of U.D.C. Sh. S.B. Choudhury-II relinquished charge of the Office of LEO (C) Tejpur on 17-4-84 (FN).
- Do. (38) —On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. V.B. Pandey assumed charge of the Office of LEO (C) at CLC's Hqrs., New Delhi on 30-4-84 (AN).
- Do. (39) —On transfer Sh. A.B. Basu relinquished the charge of the Office of LEO (C) Delhi-II on 30-4-84 (FN) and assumed charge in the same capacity at CLC's Hqrs., New Delhi on 30-4-84 (FN).
- Do. (40) —On transfer Sh. S.N. Panda relinquished charge of the Office of LEO(C) Barbil on 18-4-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Gauhati on 3-5-84 (FN).
- Do. (41) —On reversion to the post of U.D.C., Sh. K. Narayanan relinquished charge of the Office of LEO (C) Trichy on 3-4-84 (AN).
- Do. (42) —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Gyanendra Singh assumed charge of the Office of LEO (C) Bombay on 23-4-84 (AN).
- Do. (43) —On his appointment as ALC(C) Sh. S.N. Pathak relinquished charge of the Office of LEO (C) Dhanbad on 24-4-84 (AN).
- Do. (44) —On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. M. Jagannadha Rao assumed charge of the Office of LEO (C) Hyderabad on 26-4-84 (FN).
- Do. (45) —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. S. K. Jha assumed charge of the Office of LEO (C) Dhanbad on 30-4-84 (FN).
- Do. (46) —On his appointment as ALC (C), Sh. B.S. Duggal relinquished charge of the Office LEO (C) Chirimiri on 30-4-84 (FN).
- Do. (47) —On attaining the age of superannuation, Sh. C.R. Saha relinquished charge of the Office of LEO (C) Calcutta on 30-4-84 (AN).
- Do. (48) —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. L.J. Bobade assumed charge of the Office of LFO (C) Mangalore on 3-5-84 (FN) camp at Bangalore.
- Do. (49) —On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation,

Sh. Amar Kant assumed charge of the Office of LEO (C) Chandigarh on 2-5-84 (FN).

- No. A dm. I/4(12)/84(50)—On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Roop Chand assumed charge of the Office of LEO (C) Simla on 2-5-84 (FN) camp at Chandigarh.
- Do. (51) —On his appointment by the CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. A. K. Kapoor assumed charge of the Office of LEO (C) Delhi-I on 30-4-84 (FN) camp at Kanpur.
- Do. (52) —On transfer Sh. Manohar Lal, relinquished charge of the Office of LEO (C) Chandigarh on 30-4-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Dehradun on 11-5-84 (FN).
- Do. (53) —On reversion to the post of U.D.C., Sh. N. Mariappam relinquished charge of the Office of LEO (C) Madras on 4-5-84 (AN).
- Do. (54) —On his appointment by the CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. S. Saroj Kumar assumed charge of the Office of the LEO(C) Madras on 7-5-84 (FN).
- Do. (55) —On reversion to the post of U.D.C. Sh. Shaik Bashoor Ahmed relinquished charge of the Office of LEO(C) Mancherial on 28-5-84 (FN).
- Do. (56) —On his appointment by the CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. M. Sivaramakrishna assumed charge of the Office of LEO (C) Mancherial at Hyderabad on 28-5-84 (F.N.).
- Do. (57) —On attaining the age of Superannuation, Sh. R. V. Powale relinquished charge of the Office of LEO (C)-I Bombay on 31-5-84 (AN).
- Do. (58) —On reversion to the post of U.D.C., Sh. R. N. Dwivedi relinquished charge of the Office of the LEO (C) Agartala on 27-4-84 (AN).

M. L. MEHTA,
Administrative Officer.

MINISTRY OF COMMERCE
DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 17th August 1984

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri K. K. Das, Inspector (Technical) Grade-I in this office in the scale of Rs. 550-900/- as Assistant Director (Jute Technology)—a Group "B" Gazetted post in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- in an officiating capacity in this office with effect from 12th December, 1983 (FN) until further orders.

No. Jute(A)147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri D. K. Dutta, Assistant Director (Jute Technology) in this office in the scale of Rs. 650-1200/- as Assistant Director (Jute Manufactures)—a Group "A" Gazetted post in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity in this office with effect from 12th December, 1983 (F/N) until further orders.

D. K. GOSWAMI
Executive Officer
for Jute Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st August 1984

No. 1(38)2/83-EDP.—The Govt. of India hereby appoints Prof. H. N. Pathak, formerly Professor, Indian Institute of Management, Ahmedabad, to be a Member of the National Entrepreneurship Development Board in addition to the existing Members with immediate effect and for the term of the existing board.

S. K. PURKAYASTHA
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPENSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th August 1984

No. A-1/2(440).—Shri P. C. Verugheze, Superintendent in the office of Director of Inspection, Bombay, is appointed to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the same office in the leave vacancy of Shri E. I. Devassy, AD (Admn.) (Gr. II) with effect from the forenoon of 2-7-1984.

The 13th August 1984

No. A-1/1(1189).—The President is pleased to appoint Shri R. C. Garg and N. Roy, Senior Economic Investigators in D.G.S.&D. to officiate as Assistant Director (Statistics) (Grade IV of Indian Statistical Service) in this Directorate General purely on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 27th July, 1984, for a period of two months or till regular officers become available, whichever is earlier.

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 14th August 1984

No. EI-2(3)/75.—The undersigned hereby appoints Shri Kartick Dutta, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office with effect from 13-8-1984 (FN) on ad-hoc basis against leave vacancy until further orders.

D. K. GHOSH
Iron & Steel Controller.

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 13th August 1984

No. 5650B/A-19012(Press-OP-SR)/75-19A.—Shri Sujit Roy, Press Operator, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Press Operator in the Geological Sur-

vay of India on resignation with effect from the afternoon of 30-6-1983.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General, GSI.

DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 14th August 1984

No. 10/5/84-M.—In exercise of the power conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, Jagat Pati Joshi, Additional Director General, hereby direct that the Archaeological area of Red Fort, Delhi will remain closed to visitors on 14th August, 1984 and upto 1200 hrs on 15th August, 1984.

JAGAT PATI JOSHI
Addl. Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 16th August 1984

No. F.8-9/83-Estt.—In supersession of this Deptt.'s Notification of even number dated 14th June 1984, Shri Shoorvir Singh, Temporary Asstt. Chemist (Gr. 1) is appointed as Scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in officiating capacity with effect from 28-6-1984 (FN) until further orders.

The appointment of Sh. Shoorvir Singh as Scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal is without prejudice to the claim of his senior Sh. B. L. Razdan, A permanent Asstt. Chemist (Gr. I) and presently on deputation to the Sultanate of Oman, Muscat, to the post of Scientific Officer in the Department.

R. K. PERTI
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-110001, the 23rd July 1984

No. 17/7/84-S. IV.—Consequent upon their promotion, the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc capacity at different offices of AIR/Doordarshan from the date shown against each :—

Sl. No.	Name	Station	Date of joining
	S/Shri		
1.	C. Dayanand Reddy	LPTV, Nizamabad	25-04-84 (FN)
2.	Gajinder Singh	LPTV, Sriganaganagar	30-4-84 (FN)
3.	C.K. Dash	CE(EZ), AIR, Calcutta	18-5-84 (FN)
4.	J.L. Narayana	LPT, Karimnagar	29-5-84 (FN)
5.	N.A. Siddiqui	CE(NZ), AIR, Delhi	31-5-84 (FN)
6.	Rishi Ram	AIR, Najibabad	6-6-84 (FN)
7.	P. Mazumdar	UDK, New Delhi	7-6-84 (FN)
8.	R.S. Rai	CE(NZ), AIR, Delhi	6-6-84 (FN)

1	2	3	4
9.	N. Kannan	CE(SZ), AIR, Madras	7-6-84 (FN)
10.	C.P. Singh	AIR, Delhi	11-6-84 (FN)
11.	K. Narayanan	CE(SZ), AIR, Madras	11-6-84 (AN)
12.	S.K. Sengupta	AIR, Aizawl	11-6-84 (FN)
13.	G.S. Patil	LPTV, MC, Belgaum	12-6-84 (AN)
14.	P. Pandia Raj	LPTV Kurnool	16-6-84 (FN)
15.	M.R. Bhumback	DDK, New Delhi	20-6-84 (FN)
16.	A.S. Toor	AIR, New Delhi	20-6-84 (FN)
17.	L. Balan	LPTV, Gadag, Botgeri	22-6-84 (FN)
18.	Baldev Kasturia	CE(R&D), AIR New Delhi	29-6-84 (FN)
19.	M. L. Yadav	LPTV, Jodhpur	27-6-84 (FN)

The 2nd August, 1984

No. 3/61/83-S.III/IV—Consequent upon their promotion, the under mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the Post of Assistant Engineer in ad-hoc capacity at different offices of All India Radio/Dooderdshan Kendras from the date as mentioned against each:—

S. No.	Name	Station where posted	date of joining
	S/Shri		
1.	Chingra Lal Goel	MC, DDK, Bhilwara	13-6-84 (FN)
2.	Shashi Pal	AIR, Rewa	30-4-84 (FN)
3.	M.A. Modak	TVRC, Pune	24-3-84 (FN)
4.	B. Patnaik	TVRC, Bhubaneswar	7-5-84 (FN)
5.	R.K. Nayar	O/O CE (NZ) AIR, New Delhi	10-4-84 (FN)
6.	L.R. Jayaraman	LPTV, MC, Hospet	22-3-84 (FN)
7.	Prem Sadarangani	MC, Nasik	25-4-84 (FN)
8.	B. Srinivasan	AIR, Cuddapah	4-5-84 (FN)
9.	Ganga Singh	HPT, AIR, Aligarh	17-4-84 (FN)
10.	S.C. Raina	DDK, Srinagar,	25-1-84 (FN)
11.	Tom K. Joshi	TVRC, Imphal	21-3-84 (FN)
12.	A.R. Puranik	M.C Akola	20-2-84 (FN)

MARKS. N. ELIAS
Deputy Director of Administration (E),
for Director General.

New Delhi-1, the August 1984

No. 4(58)84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Prasanna Mohanty as Programme Executive, All India Radio, Simla in a temporary capacity with effect from 27th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 21st August 1984

No. 4(10)84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. M. Krishna Kumari as Programme Executive at All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from 5th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(12)84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. Y. R. Dave as Programme Executive at All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 26th July, 1984, and until further orders, in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(53)84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Kailash Chander Verma as Programme Executive, All India Radio, Rohtak in a temporary capacity with effect from 4th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(59)84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. C. Sadar as Programme Executive at All India Radio, Gulbarga in a temporary capacity with effect from 12th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(70)84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Anand Vasant Rao Patil as Programme Executive at CBS, AIR, Bangalore in a temporary capacity with effect from 12th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Admn.
for Director General.

New Delhi, the 17th August 1984

No. 32/184-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. V. P. Pathak, Field Reporter, AIR, Pune to officiate as Extension Officer, AIR, Nagpur with effect from 27th July 1984.

2. Sh. Pathak assumed charge of the post of Extension Officer at AIR, Nagpur on the same date.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 30th July 1984

No. A-12026/184-Fst I.—Shri N. V. V. Chalapathy, Resident Audit Officer in the Office of Accountant General (Audit), Orissa has been appointed, on deputation as Accounts Officer in the Films Division, Bombay w.e.f. the forenoon of 25th July, 1984.

The 9th August 1984

No. 5/24/69-Fst I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, competent authority hereby appoints Shri D. T. Rokade Permanent Background Artist in the Films Division Office at Bombay to officiate as Layout Artist in the same office with effect from the forenoon of as 3rd July 1984. He will draw pay of Rs. 960/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. A-19012/1/82-Est.I.—Shri Bej Nath Officiating Cameraman in the Films Division, New Delhi has been appointed to officiate as Newsreel Officer on ad-hoc basis in the Films Division at Srinagar on a pay of Rs. 840/- per month in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 23rd July, 1984 until further orders.

The 14th August 1984

No. A-19012/7/82-Est.I.—Shri Sunder Singh, officiating Cameraman in the Film Division New Delhi has been appointed to officiate as Newsreel Officer on ad-hoc basis in the Films Division at Chandigarh on a pay of Rs. 840/- per month in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 5th August, 1984 until further orders.

N. N. SHARMA,
Administrative Officer
for Dir. of Admn.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 11th June, 1984

No. A-12011/6/82-Exh. (A)—the Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint the following Exhibition Assistants to officiate as Field Exhibition Officers in a purely temporary capacity on adhoc basis, at the units of the Directorate shown against each with effect from the date shown against each :

Sl. No.	Name	From	Unit	Date
	S/Shri			
1.	L. Venkataramanappa	Bangalore	Madras	23-4-84
2.	Data Ram	Simla	Hyderabad	30-4-84
3.	S.K. Ray	Agartala	Calcutta	2-5-84
4.	Tek Chand	New Delhi	Lucknow	17-4-84
5.	S. Ganguly	New Delhi	Itanagar	9-5-84
6.	S.C. Bhambhani	Lucknow	Jabalpur	4-5-84
7.	Dayal Bhatnagar	New Delhi	New Delhi	10-4-84

G.P. BHATTI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th August 1984

No. A.12020/2/80-Admn.I(N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kum. R. B. Porh to the post of Superintendent, Lady Reading Health School, Delhi, with effect from the forenoon of 12th March, 1984 on a regular temporary basis.

T. S. RAO,
Dy. Dir. Admn. (CGHS-I)

New Delhi, the 16th August 1984

No. A.12025/7/83-(AIH&PH).PH(SDL).—On attaining the age of superannuation Sh. S. Suba Rao Professor of Sanitary Engineering in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1984.

The 21st August 1984

No. A.12025/8/82-(CRI)Admn.I/EPI.—The President is pleased to appoint Shri Ramesh Chander to the post of Deputy Assistant Director (Non-Medical) at the Central

Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of 16th March, 1984, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12025/8/82-(CRI)Admn.I/EPL.—The President is pleased to appoint Shri Dinesh Kumar to the post of Deputy Assistant Director (Non-Medical) at the Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of 19th June, 1984 in a temporary capacity and until further orders.

NARAIN SINGH,
Dy. Dir. Admn. (N)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 16th August 1984

No. A.19025/17/84-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. N. Ramachandran, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 30-7-84 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

J. KRISHNA,
Dir. of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 7th August 1984

Ref. No. PA/80(10)/82-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Tilak Raj Handa, permanent Assistant Security Officer and officiating Asstt. Security Officer and (SG) in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July, 1. 1984 until further orders.

The 9th August 1984

Ref. No. PA/80(10)/82-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri S. H. Mahamulkar, permanent Assistant Security Officer and officiating Assistant Security Officer (SG) in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1984 until further orders.

B. C. PAL,
Dy. Estt. Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahar, the 18th August 1984

No. NAPP/Rectt/12(3)/84/S/1138.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri Vijay Pal Singh, an officiating Assistant Security Officer to officiate as Security Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 20, 1984 until further orders.

R. K. BALI,
Administrative Officer

(DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-400 001, the 10th August, 1984

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm.[2149].—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. N. S. Nair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-6-84 (FN) to 27-7-84 (AN) in the

same Directorate vice Shri I. Ramkrishnan, Assistant Purchase Officer granted leave,

P. GOPALAN,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th August, 1984

No. A.-32014/2/83-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants at present working as Assistant Communication Officers on *ad-hoc* basis to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the 31st December, 1983 and until further orders :—

- | Sl. No. | Name |
|---------|-------------------|
| 1. | Shri B. C. Biswas |
| 2. | Shri G. Titus |
| 3. | Shri C. R. Kutty |

O. P. AGGARWAL,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 14th August, 1984

No. A. 32014/1/84-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Superintendents to officiate as Administrative Officers on an *ad-hoc* basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, at the stations given below, for a period of 6 months with effect from the dates noted against them :—

S. No.	Name	Date of Appointment as Admn. Officer (ad-hoc)	Station of posting as Admn. Officer (ad-hoc)
1.	M.D. Sharma	5-7-84	O/o the Regional Director, Delhi
2.	M.L. Bhasin	14-6-84	O/o the Regional Director, Delhi
3.	S.K. Saha	29-6-84	O/o the Regional Director, Madras.

B. BHAUMIK
Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 13th August 1984

No. 1/158/84-Est.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri P. R. G. Menon, Officiating Superintendent, OCS, Headquarters Office, Bombay as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the same office with effect from the forenoon of the 30th July, 1984 and until further orders.

R. K. THAKKAR,
Dy. Director (Admn)
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th August 1984

No. 9/84.—In pursuance of Ministry of Finance, Department of Revenue's letter F. No. A-60011/10/84-Ad. II-B dated 20-7-84 and Directorate's Order of even number dated

31-7-84, Shri R. C. Gupta, Inspecting Officer, Gr. 'B' (Retired) assumed charge of the post of Inspecting Officer, Gr. 'B' in this Directorate w.e.f. 1-8-1984 (FN) on his re-employment in the same grade for a period of one year w.e.f. 1-8-1984.

No. 10/84.—On his retirement on superannuation, Shri R. C. Gupta, relinquished charge of the post of Inspecting Officer, Gr. 'B' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 31-7-1984 (AN).

A. C. SALDANHA,
Director of Inspection.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 10th August 1984

No. 22/4/83-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri H. R. Mehta, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer to the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 12th July, 1984, until further orders.

B. M. LAL,
Under Secretary

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 14th August 1984

No. A.-12033/1/76-Adm.'B'.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Bahl, permanent Assistant Director of Estates (Accounts), in the Directorate of Estates as Deputy Director of Estates (Rents) in the Directorate of Estates on regular basis with effect from the 13th July, 1984 (AN) until further orders.

VEENA BRAHMA,
Deputy Director of Estates (E).

MINISTRY OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta, the 16th August 1984

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri S. K. Deb, Assistant of Central secretariat Service in the Department of Supply as Assistant Director (Administration), Grade-II in the National Test House, Bombay Branch, Bombay on deputation basis w.e.f. 11-6-1984 (F/N).

G. C. DAS,
Assistant Director (Administration)
for Director, General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS, COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of the Ritz Hotels (Madras) Ltd.

Madras-600006, the 4th August 1984

No. DN/2267/560(3)/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The Ritz Hotels (Madras) Ltd. unless, cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE

Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the Matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Marble Finance Private Limited*

Gwalior-474009, the 8th August 1984

No. 1119/PS/CF/3804.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s MARBLE FINANCE PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. KARMAKAR,
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Alis Press & Printers Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 27458/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Al's Press Printers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Technocrat Publications Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 28848/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Technocrat Publications Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Achates Consultancy & Services Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30718/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Achates Consultancy & Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mini Pumps & Equipments Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 29197/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mini Pumps & Equipments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Associated Motor & Electrical Works Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 24447/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Associated Motor & Electrical Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Prize Chit & Savings Company Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 36377/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name Prize Chit & Savings Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Apex Sea Food Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30543/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of Companies Act, 1956, that the name of Apex Sea Food Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Air Compressor Pneumatic Tools (India) Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30300/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Air Compressor Pneumatic Tools (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
General Savings & Chit Fund Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30193/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of General Savings & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Joseph Herberts & Company Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 24972/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Joseph Herberts & Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tangail Weaving Corporation Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 25236/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tangail Weaving Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Geotechnique (India) Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 29348/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Geotechnique (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Golden Slipper Club Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 14306/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Golden Slipper Club Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Contai Motor Workers' Transport & Industries Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 21599/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Contai Motor Workers' Transport & Industries Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bose & Sons Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 9044/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bose & Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Commercial Publishers Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 23425/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Commercial Publishers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bovic Fibre Glass Plastics Private Limited*

Calcutta, the 13th August 1984

No. 27326/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bovic Fibre Glass Plastics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANERJEE
Assistant Registrar Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Electro Chemicals & Industries Limited*

Bangalore-9, the 16th August 1984

No. 2344/560/84-85.—Notice hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Electro Chemicals & Industries Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Technical and Management Consultants Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2798/Liq./560(3)/8732/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Technical and Management Consultants Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*in the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of S. Pitchu Iyer and Sons Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 1034/Liq./560(3)/8734/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of S. Pitchu Iyer and Sons Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Najoma Graphics Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2627/Liq./560(3)/8736/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Najoma Graphics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Aroor Industries Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 69/Liq./560(3)/8738/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Aroor Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Arcot Labs Private Limited*

Cochin 682 011, the 17th August 1984

No. 2809/Liq./560(5)/8740/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Arcot Labs Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Hima Chits Trades Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2239/Liq./560(5)/8742/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Hima Chits and Trades Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Sree Vihar Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 1953/Liq./560(5)/8759/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sree Vihar Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter
of Cheeran and Company Private Limited*

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2802/Liq./560(5)/8757/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Cheeran and Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M. Peres and Company Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 726|Liq.560(3)|8728|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M Peres and Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Registrar of Companies
Kerala

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 10th August 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri N. C. Chaturvedi permanent Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who was continued to officiate on ad-hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a period of 3

months with effect from 16th May, 1984 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)|1984, dated 27th July, 1984, is now appointed, on his being selected by the Union Public Service Commission for the same post, to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 10th August, 1984 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|-, until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 10th August, 1984.

The 13th August 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri R. Ramakrishnan, an officiating Superintendent in the Income-tax Appellate Tribunal, at present on deputation in the public interest to the Customs Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal as Assistant Registrar in the said Tribunal, which post is hereby certified for the purpose of the second proviso to F.R. 30(1), to be outside the ordinary line, is granted pro forma promotion as Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal in the pay-scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|-(against promotion quota) with effect from the forenoon of 29th May, 1984, until further orders.

T. D. SUGLA
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1984

Ref No AC-17/ACQNR-IV/CAL/84-85—Whereas, I, SANKAR K BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D S R, Cooch Behar on 26 12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Suraj Devi Singha
W/o Shri Pannalal Singha of Dinhat Town
Dist Cooch Behar
Shri Maydul Lal Saha
of Dinhat Town, Cooch Behar
Smt Kanan Devi Singha
of Rangpur, Road, Dinhat, Cooch-Bihar
(Transferor)

(2) Sri Ram Lal Saraogi
Sri Motilal Saraogi
Jalpaiguri Town
Dist Jalpaiguri
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land One Cinema House, Land with structures
Address : Mouja & PS Dinhat, Dist Cooch-Bihar
Deed No 8751 of 1983

SANKAR K. BANERJEE
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date 13 8 1984
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Karam Devi
W/o Shri Dewan Chand,
R/O 2A/93B, Lajpat Nagar,
New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitender Kumar
S/o Shri Shayam Sunder,
R/o 3G/73, N. I. T., Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
D. L. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref No BGR/181/83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop Plot No. 576, Type 'B' (35 Sq Yds) situated at Nehru Park, Faridabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ballabgarh in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop plot No. 576, Type 'B' (35 Sq. Wds.), Nehru Park, Faridabad and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 9999 dated 9-12-1983 with Sub-Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-8-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Karam Devi W/o Shri Dewan Chand,
R/o 2A/91B Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Bhurat Kumar S/o Shri Shayam Sunder,
R/o 3G 79, N. I. T., Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
D. L. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :-(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. BGR 182 83-84 —Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 577, Type 'B' (35 Sq. Yds.), situated at Nehru
Ground, Faridabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer
at Ballabgarh in December 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :-

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :-

37--226 G1,84

THE SCHEDULE

Property being shop plot No. 577, Type 'B' (35 Sq. Yds.)
situated at Nehru Ground, Faridabad and more fully de-
scribed in the sale deed registered at No. 10000 dated 9-12-83
with Sub Registrar, Ballabgarh,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-8-1984,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
D. L. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref No BGR/185/83-84—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Plot No. 22, Block J (500 Sq. Yds.) situated at DLF, Model Town, Sector No. 10 (SIH), Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Sunjeep Singh Baf
S/o Lt. Col. Rajender Singh,
House No. 186A, Sector No. 16A, Chandigarh
through Lt. Col. Ranjender Singh,
S/o S. Lal Singh, P/o H. No. 186A, Sector No. 16A,
Chandigarh (U. T.)

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Gupta
W/o Shri Jai Prakash Gupta,
R/o 118A, Ashutosh Mukherjee Road,
Calcutta-700 025

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 22, Block J, 500 Sq. Yds. D.L.F. Model Town, Sector No. 10 (SIH), Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 10264 dated 15.12.1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-8-1984.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR/186/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 19B, Block-J (500 Sq. Yds) situated at D. L. F. Model Town, Sector No. 10 (Vill. Sihi), Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shail Bala
W/o Dr. Jagdish Chandra,
House No. 563, Sector No. 22, Housing Board Colony, Faridabad through Shri Om Prakash Grover S/o Shri Jetha Nand, R/o H. No. 170, M.I.G. (B), Sector No. 10, Housing Board Colony, Faridabad.

(Transferor)

- (2) Shri Shashi Bhushan Gupta
S/o Late Shri Nathu Ram Gupta,
R/o 1823, Nai Basti, Rewari (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 19B, Block J (area 500 Sq. Yds.) situated at DLF Model Town, Sector No. 10 (Vill. Sihi), Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 10265 dated 15-12-1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-8-1984,
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Sheela Thakur
W/o Shri Basant Thakur,
R/o P-25, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Gupta Construction Co.,
G-3, Deepali, 92-Nehru Place, New Delhi-110019
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
D. T. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR/194/83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 10A (area 881 Sq. Yds.) situated at DLF Indus-
trial Estate No. 1 Mewla Maharajpur (Faridabad)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Ballabgarh in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 10A (881 Sq. Yds.), DLF Indus-
trial Estate No. 1, Mewla Maharajpur, D/Faridabad and
more fully described in the sale deed registered at No
10844 dated 30-12-1983 with S.R. Ballabgarh

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 8-8-1984
Sent

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,ACQUISITION RANGE,
D. L. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR/197/83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bunglow Plot No. 3E/20, N. I. T., Faridabad (1/2 part of plot) situated at N.I.T., Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridabad for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Pyari Chawla
W/o Dr. G. S. Chawla.
R/o 37, Pirthvi Raj Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Santosh Hans
W/o Shri Jagdish Hans,
R/o 3-G, 56, N.I.T., Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 3E-20 (1/2 part) situated at N.I.T. Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 10864 dated 30-12-83 with Sub Registrar, Hallabgarh

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-8-1984
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
D. L. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. HSR/118/83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 24 Kanal 4 Marlas situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Guraya Ram
S/o Shri Sewa Ram;
2. Shri Hari Chand,
3. Sh. Girdhari Lal
4. Shri Krishan Kumar S/o Shri Guraya Ram,
R/o B-XVIII, 430-Mohalla Dogran, Hissar.
(Transferor)
- (2) The Mahabir Co-operative House Building Society Ltd., Hissar c/o Shri Raj Narain Chaturvedi, Secretary-cum-Cashier and Shri Dalbir Singh Phogat, President, 45, Patel Nagar, Hissar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 24 Kanal 4 Marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No 3648 dated 12-12-83 with Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
D.L.F. COLONY
ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1984

Ref. No. HSR/118/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 179 (Ground floor of East part) situated at New Grain Market, Nai Mandi Township, Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar on Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Savani Devi
Wd/o Shri Ishwar Chander,
V & P. O. Gorakhpur,
Teh. Fatehabad,
Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Munshi Ram
S/o Shri Girdhari Lal,
V&PO Saharwa, Tehsil &
Dist. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 179 (Ground Floor of East Part) New Grain Market, Nai Mandi Township, Hissar and more fully described in the sale deed registered at No. 3593 dated 8-12-1983 with Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
D.I.F. COLONY
ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. HSR/120/83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Shop No. 179 (Complete part of 1st Floor & West part of
Ground Floor) situated at New Grain Market, Hissar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering
Officer at Hissar in December, 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi
Wd/o Shri Ishwar Chant
Aggarwal, R/o Gorakhpur,
Feh. Faridabad,
Dist. Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Munshi Ram
S/o Sh. Girdhari Lal,
Shop No. 179, New Anaj Mandi, Hissar
Village Address Village & P.O. Saharawa,
T/D-Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 179 (Complete part of 1st Floor
and West Part at Ground Floor), New Grain Market Hissar
and as more mentioned in the sale deed registered at No.
3682 dated 15-12-1983 with Sub-Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 7th August 1984

Ref. No. HSR/126/83-84—Whereas, I,
R. K. BHAYANAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingIndl. Plot No. 45, Area 60'x150' situated at Industrial Deve-
lopment Colony, Delhi Road, Hissar.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in
Officer at Hissar in December, 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue for this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
38—226 GI/84

(1) Shri Racha Krishan Agarwal
S/o Shri Hari Ram,
R/o Opposite Sushila Bhavan, Mandi Road,
Hissar

(Transferor)

(2) Shri Phool Chand
S/o Shri Kandan Lal,
C/o M/s. Haryana Nut Boli Industries,
45, Industrial Development Colony,
Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot No. 45, Industrial Deve-
lopment Colony, Delhi Road, Hissar and more fully described
in the Hissar and more fully described in the sale deed re-
gistered at No. 3858 dated 27-12-1983 with Sub-Registrar,
Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK
D I F COLONY

Rohtak the 8th August 1984

Ref No SPT/66/83-84 —Whereas I
R K BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Industrial Shed-area 120'x150' & Agri land 9571 Sq Yds (15 K 15 Ms) situated at Vill Ferozpur Khadar Rail T/D Sonepat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1 Svs S K Choudhary & Kirpal Singh Chaudhary
S/o Natha Singh
2 Sh Thakar Singh
S/o Karam Singh,
3 Surinder Pal Singh S/o Thakar Singh
4 S Kuldip Singh S/o Santhokh Singh et
M/s Bharat National Industrial Corporation
B 6 Mayapuri, Phase-II, New Delhi

(Transferor)

- (2) M/s Corol Chemicals Pvt.,
1008 Akish Deep Building Barakhamba Road
New Delhi C/o Shri Viney Kumar Bhuwana,
Director

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being Industrial Shed and Agri land (area 9571 Sq Yds) Village Ferozpur, Khadar Rai T/D, Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No 4596 dated 13.12.1983 with Sub Registrar, Sonepat

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 8-8-1984
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ROHTAK
DLF COLONY**

Rohtak, the 7th August 1984

Ref No KNL 84/83-84—Whereas, I,

R. K BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Shop No 182 situated at Shashti Anaj Mandi, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) Shri Anil Kumar
S/o Shri Sant Ram
S/o Shri Pyare Lal,
R/o 1344, MC 2E, Khatrian Muhalla,
Karnal

(Transferor)

- (2) Shri Dwarka Dass
S/o Shri Niranjan Lal
S/o Shri Suraj Mal,
R/o Village Pundrka, Tehsil & Distt Karnal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being Shop No 182 situated at Shashti Anaj Mandi, Karnal and more fully described in the sale deed registered at No 5012 dated 9-12-1983 with Sub Registrar, Karnal

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 7.8.1984
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK
D.I.F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. UDR[92]83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No.Land 4 Kanals situated at 799-B, Laxmi Garden, Yamuna-
nagar,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jagadhari in December, 1983.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, the following
persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sarita Rani
W/o Shri Ajit Kumar
2. Smt. Urmila Rani
W/o Shri Dalip Kumar.
R/o 799-B, Laxmi Garden, Yamunanagar.
(Transferor)
- (2) Shri Shanti Sarup
S/o Shri Shiv Ram,
R/o Shanti Niwas,
Railway Road,
Yamunanagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 20 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Explanatory :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 4 kanals, 199-B, Laxmi Garden Yamu-
nagar and more fully described in the sale deed registered
at No. 5590 dated 29-12-1983 with Sub Registrar, Jagadhari.R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, RohtakDate : 10-8-1984.
Sd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. I. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. AMB/81/83-84. —Whereas I R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 100 (area 400 sq. yds.) situated at Ajit Nagar, Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arjun Lal Kalra s/o Shri Pokhar Dass,
Village Nanyola, Distt. Ambala. (Transferor)
- (2) (i) Cap. Ranjeet Singh s/o Sh. Joginder Singh;
(ii) Smt. Neelam w/o Cap. Ranjeet Singh,
R/o 100-C, Ajit Nagar, Ambala Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 100, Ajit Nagar, Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5450 dated 12-12-1983 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-8 1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. I. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. AMB/80/83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 situated at Baldev Nagar Camp, Ambala City (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Jiwan Ram s/o Nathu Ram;
(ii) Shri Ram Niwas s/o Shri Surjan Ram,
R/o Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

- (2) Shri Kartar Singh s/o Shri Kirpal Singh,
1/o 2181, Nai Abadi Baldev Nagar Camp,
Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 11 situated at Baldev Nagar, Ambala City and more fully described in the sale deed registered at No. 5416 dated 8-12-83 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. AMB/82/83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Nos. 1, 2, 36 & 31 Dayal Bagh Colony situated at Mahesh Nagar, Ambala Cantt (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devindera Nath Mukherjee s/o
Shri Nagendera Nath Mukharjee,
r/o 36-37, Dayal Bagh Colony,
Mahesh Nagar, Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Nand Lal Trusty & others c/o
The World Renewal Spiritual Trust, Bombay c/o
36-37, Dayal Bagh Colony, Mahesh Nagar,
Ambala Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House Nos. 1, 2, 36 & 31, Dayal Bagh Colony situated at Mahesh Nagar, Ambala Cantt and more fully described in the sale deed registered at No. 5487 dated 12-12-1983 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref No AMB/84/83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 96 & 96A, B.I. Mess Road, Ambala Cantt situated at Ambala Cantt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri P. A. Rosha,
(ii) Ajit Rosha,
(iii) Ravi Rosha &
(iv) Ashok Rosha
sons of Shri J. P. Rosha, Resident of
82-Mansfield Road, Ambala.
(Transferor)

- (2) Shri L. D. Gupta, Karta of HUF Lachhman Dass & Sons c/o M/s Raj Nath Asharfi Lal Tarpolin Division Show Room No. 18, Sector 7, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 96 & 96A situated at B. I. Mess Road, Ambala Cantt and more fully described in the sale deed registered at No. 5527 dated 14-12-1983 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 168/Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land and building at Anupparpalayam situated at Coimbatore District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5184/83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—226 G1/84

- (1) Mrs. Rajalakshmi, w/o Srikandan,
Mrs. Sarada, w/o Nagaraj Rao
Mrs. Gowri, w/o Subbarao,
8/4 Abdul Raheem Road,
Redfield, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Sri A. V. Govindarajan, s/o
Sri Velusamynaidu, and Mrs. Sarojini Govindarajan
11/13, Kalingarayar St., Ramnagar,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Anupparpalayam, Coimbatore Town
Doc No 5183/83 5184/83, Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 299/Dec. 83/R. H.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant land at Aruppupalayam Village situated at Ranganathapuram (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 4442/83 on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri I. C. Vidyasankar, son of T. K. Chandra Mouli alias T. K. C. Mouli, Rajaji St., Ramnagar, Coimbatore. (in his capacity as the sole executor and Trustee of the last will and Testament of T. K. Chandramouli alias T. K. C. Mouli.

(Transferor)

(2) M/s. Mouli & Sons Engineers (P.) Ltd., Pvt. Ltd. (Rajaji St., Ramnagar, Coimbatore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Aruppupalayam Village, Ranganathapuram, Coimbatore. Doc. No. 4442/83 Coimbatore

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, II, Madras-600 006

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri T. C. Mani, s/o T. V. Chacko,
University Teacher, Zaria, Nigeria,
West Africa, By power Agent Mr. M. C. Ittycheria.
(Transferor)

(2) Mr. Gunvantrai M. Doshi,
Pravinchandra M. Doshi, sons of
Mr. Mafa lal Naranjee Doshi,
Sengupta St., Ramnagar,
Coimbatore-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 293/Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land and building at Senganor Village situated at Senganor Village Survey Nos. 375, 394, 395 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 4439/83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Senganoor Village Survey No. 375, 394, 395, Gundhipuram.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 309/Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property specified in the schedule to document No. 2441/83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore Doc. No. Doc. No. 2441/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Premier Fertilisers Ltd.,
Pachayankuppan, Cuddalore-607 003.

(Transferor)

(2) M/s. Indag Products (P) Ltd.,
29, Police Commissioner Office Road,
Madras-600 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property specified in the Schedule to document No. 2441/83, Cuddalore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref No 282 Dec 83/R II—Whereas, I Mrs M SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Vacant land at No. 2, Peria Palli St, situated at Raja Annamalaiapuram Madras 600 028 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc No 1596/83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Mrs Jaya Mary Ammal, w/o R. Maria Joseph,
Mr Iruthiyaraj, s/o R. Maria Joseph,
Mr Maria Joseph, s/o Rathna Naicker,
25, Peria Palli St, Raja Annamalaiapuram,
Madras-28

(Transferor)

(2) Mr R. Ekambaram, s/o P. Ramalingam,
No 22, Periyar Salai Vanniya Teynampet
Madras-18

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant land at 2, Peria Palli St, Raja Annamalaiapuram,
Madras 28 Doc No 1596/83/Mylapore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

MRS M SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras 600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date 9-8-1984
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 233/Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 9, Land and Building at Linga Gounder St., situated at Thiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Thiruppur Doc. No. 2063/83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

- (1) Mrs. Angammal, w/o Ponnuswamy Naicker,
9, Linga Gounder St., Thiruppur. (Transferor)
- (2) Sri P. Selvaraj, s/o Ponnuswamy,
45, Sakthi Road,
Veerappan Sathiram, Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 14th Ward, Linga Gounder, Thiruppur Town. Doc. No. 2063/83. Thiruppur.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 1511 Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Kumarapalayam Village, situated at Coimbatore District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore. Doc. No. 100/84 on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. P. Maruthachalam, s/o M. S. Palaniappa Mudaliar, 189, Rajaveedhi, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Sri K. C. Aaumugham
Sri A. Paattiappan,
307/5, Jothiramalinganagar,
Ramanathapuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kumarapalayam Village, Coimbatore.
Doc No 100/84 Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date : 9-8-1984
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 380/Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, 1st Cross St., Raja Annamalaipuram, situated at Madras-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Triplicane Doc. No. 1578/83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sivabagyam Annal,
K. Rajathi and Kammozhi,
14, 1st Cross St., Raja Annamalaipuram,
Madras-28.

(Transferor)

- (2) Sri K. R. Ranganathan, 7, Ramachandra Road,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, 1st Cross St., Raja Annamalaipuram, Madras. (Doc. No. 1578/83) Triplicane.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, II, Madras-600 006

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 281/Dec. 83/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Desikachari Road, Alwarpet, Madras situated at Madras-600 004,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1599/83) on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) M/s. T. K. N. Private Limited, rep. by its Managing Director, Sri T. K. Narasimhan, 9, Lady Desikacheri Road, Alwarpet, Madras-4. (Transferor)
- (2) Sri S. Ganeshchand and N. Rajaram, No. 8, Sir Desikachari Road, Alwarpet, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Alwarpet, Mylapore, Doc. No. 1599/83]Mylapore

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—226 GI/84

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

400/Dec. 83/R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL, Competent Authority under Section 269B of the Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,000/- and bearing Survey No. 10, in Parameswari Nagar, Urur Village, Adyar, Madras, is fully described in the Schedule annexed hereto), transferred

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras, Doc. No. 3490/83 on December 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Dr. Kalpana Ramakrishnan, rep. by her Power of Attorney Agent P. Kandaswamy, No. 82, Second Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Banumathi Arabinthoo, No. 3-C, Fifth St., Padmanabha Nagar, Second Street, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land—Plot No. 10, in Parameswari Nagar, Urur Village Adyar, Madras.
Doc. No. 3490/83/Saidapet.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, II Madras-600 006

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 269/Dec.83/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land at Sulur Village, Coimbatore District.
Situated at Coimbatore District
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Sulur. Doc. No. 1616/83 on December 1983
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri Jagannathan,
S/o Venkatarayulu Naidu
Nairanjankumar
S/o Jagannathan,
Anandakumar,
C/o Jagannathan,
1/237B, Pollachi Road,
Coimbatore-7.

(Transferor)

(2) Smt. K. Padmvathi,
W/o K. V. Kuppuswamy,
242B, Trichy Road,
Sulur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sulur Village, Coimbatore District Doc. No. 1616/
83, Sulur.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 14th August 1984

Ref. No. 41/Jan/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Village No. 16, (Vilpatti) Kodaikanal, Madurai Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 21/84) on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Viswanathan Director
M/s Pond's Exports Ltd.
26 Commander-in Chief Road,
Madras-105.

(Transferor)

- (2) Shri V. Narayanan
Chairman and Managing Director
M/s Pond's (India) Ltd.
26 Commander-in Chief Road,
Madras-105.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Village No. 16 (Vilpatti) Kodaikanal, Madurai Dt. (Doc. No. 21/84)

PREMA MALINI VASAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 14-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 1/Dec/83.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 273 & R. S. No. 61 Vembakkam Village, situated at Chingleput D.t. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1 Madras North (Doc. No. 4126/83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Zip Industries (P) Ltd.,
118 Broadway, 1st Floor,
Madras.

(Transferor)

- (2) Aero Fashion Fasteners (P) Ltd.,
118 Broadway, 1st Floor,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (Site) at No. 273 Vembakkam village, Chingleput D.t. (Doc. No. 4126/83)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 2|Dec|83.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL, M.A.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 398|4, T. S. No. 64|1
situated at Puliur Village, Egmore, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at JSR Madras North I (Doc. No. 4207|83) on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Bakklammal,
W/o Shri Nataraji Mudaliar,
101 A. P. Road,
Madras-112.

(Transferor)

(2) Shri V. Chinnadurai,
S/o Shri Venkatasamy,
No. 22 II main Rd.
Trust puram,
Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site (house) survey No. 398|4, T. S. No. 64|1, at
Puliur Village, Egmore, Madras. (Doc. No. 4207|83)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 91/Dec/83.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
67 II Cross St.,
situated at Mylapore, Madras-4.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Madras Central (Doc. No. 368/83) on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri P. K. Soundararajan,
S/o Sri A. Krishnachar,
6, II Cross Street,
Madras-18.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Subramaniam,
S/o Sri Seshadri
13 Padmavathiar Road,
Jaypore Nagar,
Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6 Second Cross St., Mylapore,
Madras-4. (Doc. No. 368/83)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 94/Dcc/84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
3 New No. 3 Seethamma Extension
situated at IV Cross St., Madras-18,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Madras Central (Doc. No. 340/83) on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely:—

(1) Shri V. M. Mohammed yousuff,
14 A Mannady St.,
Madras-1.

(Transferor)

(2) P. N. P. T. Baheer,
19, Tlatha Muthiappan Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3 Seethamma Extension IV Cross
Street, Madras-18. (Doc. No. 340/83)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM TINS

- (1) Smt. R. Lakshmi Ammal,
No. 5 Mowbrays First Cross Street,
Sri Ram Nagar,
Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri T. Sornam
No. 5 Mowbrays First Cross Street,
Sri Ram Nagar,
Alwarpet,
Madras-18

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. 96/Dec/83.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
5 Mowbrays First Cross Street,
situated at Sri Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras Central (Doc. No. 334/83) on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41-226 GI/84

THE SCHEDULE

Land & Building at 5 Mowbrays First Cross Street,
(Front Portion only) Sri Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18. (Doc No. 334/83)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date : 12-7-1984
Seal

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 97 Dec/83.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
241 Mowbrys Road, Madras-18.
situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Office at
Madras Central (Doc. No. 9149/83) on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Sri R. S. Rajasekaran,
S/o Late R. S. Hanumuga Rajeswara Sethupathi,
Raja of Ramand,
241 Mowbray's Road,
Alwarpet,
Madras-18.
(Transferor)

(2) Sri V. Venkataraman
S/o Sri V. Vaithiananthasamy Iyer,
3,28th St., Thillai Ganga Nagar,
Nanganallur,
Madras-18.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPRESSIONS :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at 241 Mowbrays Road, Madras-18.
(Doc. No. 9149/83)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri P. K. Rajasekaran,
No. 5, State Bank Old Colony,
Tambaram West,
Madras-45.

(Transferor)

(2) Shri S. Anandavelu,
Gandhipuram. 1,
Rajamundry. 3

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th July 1984

Ref. Nof. 150/Dec 8/3/R.II.—Whereas, I,
M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot 61, T. S. 7/2, Adyar Village
situated at Adyar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras South Doc. No. 46/84 on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kotturpuram, Adyar Village. (Doc. No. 46/84)

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th July 1984

Ref. No. 124/Dec/83.—Whereas, I, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 174 Eldams Rd., Teynampet, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 406/83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dilip Kumar & Others,
5 II main road,
C. I. T. Colony,
Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri M. Abu Backer
87 Luz Church Road,
Mylapore,
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground at door No. 174, Eldams Rd., Madras-4, (Doc. No. 460/83)

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-7-1984
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/140/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 8 situated at Sector 33-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Madan Lal
S/o Sh. Lal Chand R/o
H. No. 1414 Sector 34-C Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Rani
W/o Sh. Des Raj and
Smt. Rekha Rani
W/o Sh. Subhash Chander
R/o Vill. Billi Mar (Nasere Ke)
Teh. Guru Harsahai
Distt. Ferozepur,
Punjab. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8 Sector 33-A Chandigarh.
(The Property as mentioned in the sale deed No. 1071 of Dec 1983 of the Registering Authority Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/130/83-84.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 1563
situated at Sector 34-D, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sh. Ashok Bansal,
MD M/s Model Builders Pvt. Ltd;
17/10A Chandigarh, J. P.
attorney of Major Vijayargia.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Singh and
Gurbachan Kaur R/o
1563 Sector 34-D,
Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1563 Sector 34-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1010
of Dec 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/124/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. $\frac{1}{2}$ share of H. No. 27 situated at Sector 27A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Magha Singh
through attorney
Sh. Ajay Sangari R/o
412, Sector 22 A.
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Khushi Ram Gupta,
Ex. M.L.A., Village Thathal
Via Amb, Distt. Una (H.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of H. No. 27 Sector 27 A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 980 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August 1984

Ref. No LDH/183 & 193/83-84.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H No B-X-1101/1

situated at Gurdev Nagar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kulwant Kaur
W/o Sh. Kartar Singh R/o
1090/4 Gurdev Nagar
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Trishana Devi &
Sh. Abhey Kumar Jain R/o
7-C, Sarabha Nagar
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. B-X-1101/1 Gurdev Nagar Ludhiana,
(The property as mentioned in the sale deed No. 10966 & 10804 of Dec. 1983 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
In paying Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date . 14-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/123/83/84—Whereas I
JOGINDER SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and being
Plot No. 300
situated at 33 A, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Chandigarh in Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property is there-
fore exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—
42—226 GI/84

(1) Sh. Guljar Singh,
S/o Sh. Hazara Singh R/o
10 Sector 19-A,
Chandigarh

(Transferor)

(2) Sh. Ram Saran Dass
S/o Sh. Dhul Chind R/o
H. No. 212 Sector 18 A
Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXV of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 300 Sector 33-A Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 979 of
Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 13-8-1984
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. LDH/187 & 222A/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B-23-66/3A situated at Textile Colony Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1983 & Jan. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Murari Parsad
S/o Naval Kishore
through Joginder Singh
S/o Partap Singh
R/o B-8-566, New Mohalla
Ludhiana

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Mohan Bhardwaj
S/o Gurbarkash R/o
3/4 Textile Colony,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-23-66/3A, Textile Colony Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 10882 of Dec. 1983 and 11990 of Jan. 1984 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/138/83-84—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 9, Sector 33-A
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Satish Kumar
S/o Sh. Hari Parkash R/o
Vill. Mohana Distt. Kurukshetra. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Bakhshish Kaur
W/o Sh. Dhandev
Vill. and P.O. Kanech Distt.
Ludhiana,
2. Gurcharan Kaur
W/o Capt. Ranjit Singh
Vill. Patarsi Khurd
Teh. Sihand. (Transferee)
- (3) Sh. K. Bhaskaran R/o
H. No. 9 Sector 33-A
Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 9, Sector 33-A Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1062 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LudhianaDate : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Col. Harsaran Singh,
10/2, Army Hospital,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Mukhinder Singh Dhillon
S/o S. Waryam Singh
R/o H. No. 1040 Sector 36-C
Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/135/83-84.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot No. 1730 Sector 33-D
situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Chandigarh in Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

*(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1730 Sector 33-D Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1047
of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana the 13th August 1984

Ref No CHD/122 83 84 —Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

share Plot No 2 P Street H New No 214 situated at Sector 11-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

(1) Sh Khushi Ram Gupta
Ex. M.L.A.
S/o Neki Ram
R/o Vill Thathal Vin Amb Distt Una (H.P.)
(Transferor)

(2) Sh Sund Bhasin
S/o Sh Rajinder Kumar R/o
H No 126 Sector 16 A
Chandigarh
(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (i) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Share of Plot No 2 P Street H New No 214 Sector 11 A Chandigarh
(The property as mentioned in the sale deed No 371 of Dec 1983 of the Registering Authority Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 13 8 1984
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. UNA/1183-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 32 Kanal situated at Vill. Basal, Una (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Una in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mahant Sugreeva Nand Chela
Mahant Alma Nand Chela
Mahant Prama Nand R/o
Deia Bawa Rudhira Nand
Vill. Nari
Thana Teh. Una. (H.P.)
(Transferor)
- (2) M/s Himachal Khand Udyog Pvt. Ltd.
Nai Singh Mandir,
Village & Post Office Basal
Distt. Una. (H.P.)
through Sh. Satya Parkash Director,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanal Vill. Basal, Teh. Una. (H.P.)
(The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of Dec. 1983 of the Registering Authority Una.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

(1) Smt. Sohna Devi
W/o Sh. Ram Kumar
R/o 2381 Sector 23-C,
Chandigarh

(Transferor)

(2) Sh. Balwant Singh
S/o Sh. Dilip Singh
R/o H. No. 2381 Sector 23-C,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) Major Gill,
R/o H. No. 2381 Sector 23-C,
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires late;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. CHD/134/83-84 —Whereas, 1,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 2381

situated Sector 23-C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering officer
at Chandigarh in Dec. 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 2381 Sector 23-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1043 of
Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range LudhianaDate 13-8-1984
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th August 1984

Ref. No. LDH/158 & 159/83-84 —Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B.I. 809/4 situated at Prem Nagar, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer : and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Dault Ram
S/o Sh. Ganda Ram R/o
House No. B.I. 809/4, Prem Nagar,
Kundanpuri,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Pratibha Rani
W/o Sh. Kuldeep Kumar &
2. Smt. Meena
W/o Sh. Ajay Kumar
R/o House No. B. 4 202, Purana Bazar,
Chowk Dr. Bimla Syal,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B.I. 809/4, Prem Nagar, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed Nos. 10356 and 10349 of December, 1983 of Sub Registrar, Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

(1) Sh. Ranjit Singh Dhillon
S/o Sh. Arur Singh R/o
H. No. 664 Phase I,
Mohali.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Krishna Wanti W/o Sh. Bhagwan Dass
2. Sh. Pardeep Kumar S/o Sh. Bhagwan Dass
3. Smt. Asha Rani W/o Sh. Pardeep Kumar R/o
SCF. 7, Sector 18-D
Chandigarh

(Transferee)

(3) Friends Photographer, SCF No. 4
Sector 23-C,
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Ref. No. CHD/125/83-84.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
(Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

SCF. No. 4
situated at Sector 23-C, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

SCF. No. 4, Sector 23-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 990 of
Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
persons, namely:—

43—226 GI/84

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD/133/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3272 situated at Sector 35-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. P. S. Dhillon
S/o Sh. Amar Singh R/o
No. 1, Lal Devi Bldg
Near Sadar Police Station,
Amritsar,
through S. P. A. Sh. Joginder Lal Kumar
H. No. 3272 Sector 35-D,
Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi
W/o Sh. Joginder Lal Kumar R/o
3272 Sector 35-D,
Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Sh. Anya Kumar
2. Sh. Dev Dutt Sharma R/o
3272 Sector 35-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3272, Sector 35-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1028 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. LDH/251 to 256/83-84.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-19/94 near Govt. College for Women situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Smt. Sivtri Devi Urf Shanti Devi
Wd/o Brahma Nand
R/o 1101/7 Tagore Nagar Ludhiana,
2. Smt. Bably Urf Radha
D/o Barhma Nand
3. Smt. Sita Urf Sivta
D/o Barhma Nand
4. Smt. Suda Urf Poonam
D/o Barhma Nand
5. Sh. Ravinder Kumar
6. Sh. Subash Kumar
Ss/o Barhma Nand
R/o 1101/7 Tagore Nagar,
Ludhiana.

(Transferors)

- (2) Sh. Subash Kumar Jain
S/o Telu Ram Jain R/o
B-1V-213, Wait Ganj,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-19/94, near Govt. College for Women, Ludhiana.
(The Property as mentioned in the sale deed No. 12633, 12634, 12635, 12636, 12637, 12638 of Jan 1984 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. SML/11/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot bearing Khasra No. 59/A, measuring 480 sq. yds. and 8 sq. ft.

situated at Lakkar Bazar, Shimla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimla in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Puran Chand,
Krishan Chand,
Gokal Chand and
Gopal Dass
Village & P.O. Pragpur,
Distt. Kangra.

(Transferor)

(2) Sh. Rajiv Kumar
S/o Mohan Lal
R/o Sukh Sagar Building,
Sanjauli Shimla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Khasra No. 59/A measuring 480 sq. yds. and 8 sq. ft. Lakkar Bazar, Shimla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 785 of Dec. 1983 of the Registering Authority Shimla.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH/209/83-84.--Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5th share in H. No. B. 12. 337, situated at Shahpur Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Sh. Jagdish Singh Tuli S/o S. Hazur Singh through attorney Smt. Parkash Kaur Tuli R/o B. 12. 337, Shahpur Road, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Tarsen Lal S/o Sh. Arjan Dass R/o House No. B.12.337, Shahpur Road, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in H.No.B.337, Shahpur Road, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 11450 of 12/83 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH.228/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share of House No. B-L 12337 situated at Shahpur Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Kuljit Singh Tuli S/o S. Hazur Singh, through Smt. Parkash Kaur, mother, R/o B.12.337, Shahpur Road Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Meena unari W/o Sh. Tarsem Lal R/o House No.B.12.337, Shahpur Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of H.No.B.12.337, Shahpur Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12071 of Jan., 1984 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-8-1984
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Satvinder Singh Tuli W/o Hazur Singh,
R/o 8.12.337, Shahpur Road, Ludhiana.
(through attorney Smt. Parkash Kaur, mother).
(Transferor)
- (2) Shri Tarsem Lal S/o Sh. Arjan Dass,
R/o H.B 12 337, Shahpur Road, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH/488/83-84—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th share in House No. B.12.337
situated at Shahpur Road Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in December, 1983

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in H.No.B.12.337, Shahpur Road, Ludhiana
(The property as mentioned in the sale deed No 1086 of
12/83 of Sub Registrar, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Parkash Kaur wd/o S. Hazur Singh Tuli to
B-12 337, Shahpur Road Ludhiana
(Transferor)
- (2) Sh. Arjan Dass s/o Sh. Romak Ram to
B-12 337, Shahpur Road Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH/229/83-84.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
1/5th share of House No. B 12.337
situated at Shahpur Road Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ludhiana in January 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12072
of Jan 1984 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August 1984

Ref. No. LDH/210/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5th share in House No. B.12.337 situated at Shahpur Road Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ludhiana in December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
44—226 GI/84

- (1) Inderjit Kaur Tuli D/o S. Hazur Singh Tuli r/o H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana. (Transferor)
(2) Smt. Parsini Devi w/o Sh. Arjan Dass r/o H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11451 of Dec 1983 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. AP. No. 5548.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Gopal Singh R/o Kothi Kapoor Property dealers, Adarsh Nagar, near Foot Bal Chowk, Jalandhar, Mukhtiar Khas of Gopal Singh s/o Sunder Dass. (Transferor)
- (2) Shri Balwant Singh Teji s/o Bagh Singh r/o 9, Guru Nank Nagar near Model Town, Jalandhar (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property portion Kothi No. 9 situated in Guru Nanak Nagar Jalandhar and persons as mentioned in the registered Authority sale deed No. 5683 of Dec. 1983 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 9-9-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5549.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmal Kaur wife of Mohinder Singh
r/o Kothi Capoor Property dealer, Adarsh Nagar,
near Footbal Chowk Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Harjit Singh s/o Balwant Singh Teji
R/o 9-Guru Nanak Nagar near Model Town,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property portion Kothi No. 9 situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 5939 of January 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 9-8-84
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5550.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transferor,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
ing persons namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Gopal Singh R/o
Kothi Capoor Property dealer, Adarsh Nagar near
Footbal Chowk, Jalandhar.
(Transferee)
- (2) Shrimati Mukhtiar Kaur D/o Bhagat Singh r/o
9-Guru Nanak Nagar, near Model Town, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter,

THE SCHEDULE

Property portion Kothi No. 9 Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6094 of January, '84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 9-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5559.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar in Dec 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Pal Singh s/o Bhagat Singh r/o V.
Wariana tehsil Jalandhar. (Transferor)
(2) Shri Aytar Singh, Iqbal Singh, Jaswinder
Singh & Sarbjit Singh Ss/o Gurbax Singh r/o V.
Wariana Teh. Jalandhar. (Transferee)
(3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
(4) any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 8 K 8 Mls. situated in V. Wariana
and persons as mentioned in the registered sale deed No.
5798 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 10-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5560.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Sahai s/o Kishan Chand r/o 649-Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh s/o Charan Singh i/o Kholewala Distt. Kapurthala. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No 636 (9 M-27 S. ft) situated in Mota Singh Nagar Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5753 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 10-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5561.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) ~~Shrimati Nirula Dabar~~ W/o Maharaj Krishan R/o House No. 113, Harbans Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (2) Shri Ram Chand s/o Machi Ram r/o 113, Harbans Nagar near Adarsh Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 113, Harbanse Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5317 of December 83 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 10-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5562.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naresh Kumar s/o Ram Kishan r/o 113, Harbans Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal, Subash Chander ss/o Sh. Ram Chand r/o 113, Harbans Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 113 situated in Harbans Nagar Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6247 of January, 84 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 10-8-1984

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5563.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:
45--226 GI/84

(1) Shri Ranjit Singh
s/o Joginder Singh Sandhu
self and Mukhtiar-am of
Pritam Kaur
w/o Joginder Singh
r/o 226-L, Model Town,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdit Singh
s/o Jawala Singh
r/o V. Pheruman
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 113 of 226-L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5584 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5564.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Jalandhar on Feb. 1984
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shri Ranjit Singh
s/o Joginder Singh Sandhu
self and Mukhtiar-am of
Pritam Kaur
wd/o Joginder Singh
and Inderjit Singh Sandhu
S/o Maj. Joginder Singh
r/o C-100, Ajit Nagar, Ambala Cantt.
(Transferor)
- (2) Shri Sukhdev Singh Mann
s/o Gurdit Singh
r/o V. & P.O. Pheruman,
Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/3 of 226-L, Model Town, Jalandhar and persons
as mentioned in the registered sale deed 6554 of February,
1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A P No. 5565.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Ranjit Singh
self and Mukhtiar-am of
Smt. Pritam Kaur
w/o Joginder Singh
r/o 226-L, Model Town,
Jalandhar,
and Capt. G. S Sandhu
s/o Maj Joginder Singh Sandhu. (Transferor)
- (2) Shrimati Paramjit Kaur
d/o Kundan Singh,
r/o Fauji Colony,
Bajpur Distt. Nainital (U.P.). (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/3 of 226-L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned at the registered sale deed No. 6572 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5566.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Om Parkash Sharma
s/o Salig Ram,
r/o Canal Colony,
Qr. No. S-3,
Kapurthala Road,
Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Mastan Singh
s/o Sadhu Singh
c/o Jaswant Singh,
r/o 32, Guru Nank Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5567 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. 5567.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said 'Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)
office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
at Jalandhar on December, 1983.
for an apparent consideration and which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Mahan Singh
s/o Bhagat Singh,
r/o 661-L, Model Town,
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Arora
s/o Prem Chhnd,
r/o 491-R, Model Town,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 11 Mls. 123 Sq. ft situated at Green Model
Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered
sale deed No. 566 3 of December, 83 of the Registering
Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5568.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
(income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar in Jan. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Mahan Singh
s/o Bhagat Singh,
r/o 661-L, Model Town,
Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Asha Rani
wife of Prem Chand,
r/o 491-R, Model Town,
Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 11 Mls. 123 Sq. ft. situated at Green Model
Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered
sale deed No. 5855 of January, 84 of the Registering Aut-
hority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5569—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the Office of the Registering Officer
at Jalandhar on December, 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Pritpal Singh
s/o Major Kirpal Singh
Mukhtiar-am of
Maharaja Sukhjit Singh
Sahib Bahadur of Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shrimati Gurdip Kaur
w/o Satwant Singh Bains,
r/o Mahilpur tehsil Garhshanker,
Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Property portion Kothi situated in Baradari, Jalandhar and
persons as mentioned in the registered sale deed No. 5665 of
December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-8-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref No A P No 5572—Whereas, I,
J L GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 25 000/- and bearing
No as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer
at Jalandhar on December 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing person namely :—

- (1) Shri Piara Singh
s/o Mehanga Singh and
Karamjit Singh,
Harvinder Singh,
Harpal Singh
s/o Piara Singh,
110 E-32, Industrial area,
Jalandhar

(Transferor)

- (2) Shrimati Santosh Kumari
w/o Shambu Nath,
r/o WA 166, Chowk Sudan,
Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 73 Mls 9 S ft situated at Balandpur road
Byc pass, Jalandhar and persons as mentioned in the register-
ed sale deed No 5608 of December, 83 of the Registering
Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date 14 8 84
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5573.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

46—226 GI/84

(1) Shri Ram Singh
s/o Vir Singh,
r/o EA-186 Qazi Mohalla,
Gali Telian,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh
s/o Vir Singh,
r/o EA-186 Qazi Mohalla,
Gali Telian,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 of House No. EA-186 Kazi Mohalla, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5494 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5574.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tarsem Lal
s/o Sibba Ram,
r/o Boota Mandi, Jalandhar
Mukhtiar Khas of Ram Chand
s/o Garib Chand,
r/o House No. 12, New Ambedkar,
Nakodar Road, Jalandhar,
Mukhtiar-ani of Mohan Kaur
d/o Mehanga Singh and Kulwant Singh
s/o Rakha Singh,
5 Carlyle Garden, South Hall.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash
s/o Bhagat Ram,
r/o Boota Mandi,
Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Rameshwar Colony, near Abad Pura, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5/75 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-84
Seal :

FORM 11NS

- (1) Smt. Sheela Devi Wd/o Ram Parasad,
Pahlad Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5571.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Nem Chand S/o Ghulla Ram,
R/o Nai Abadi, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4158 of December, 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5570.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sheela Devi Wd/o Ram Harasad,
Vinod Kumar, Jwahar Lal Ss/o Ram Parasad,
R/o Moh. Prahlad Nagai, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Smt. Sualakshua Jain W/o Vijay Kumar,
Nai Abadi, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 3987 of December 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5575.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara
No. as per schedule situated at Phagwara
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Amerik Singh S/o Mahya,
R/o Banga Road, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Lahamber Singh,
R/o Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2139 of December, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5576.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarik Singh S/o Mahya,
R/o R/o Mehli gato, Phagwara. (Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Lahamber Singh.
R/o Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2277 of January 1984 of the Registering Authority of Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5577.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amarik Singh S/o Mahya,
R/o Banga Road, Phagwara. (Transferor)
- (2) Smt Mohinder Kaur W/o Lahmber Singh,
R/o Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2499 of February, 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5578.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amerik Singh S/o Mahya,
R/o Melhi Gate Phagwara
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Lahmber Singh,
R/o Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2683 of March, 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5583.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Indrawanti w/o Hukam Chand r/o 53 Rajinder Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar Sharma s/o Ram Labhaya, R/o EN-181, Chowk Qade Shah, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 5345 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-8-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,

TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR/84-85/68.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kundan Chand s/o Shri Narain Dass,
Cooper Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s Shakti Woollen Mills,
Batala Road, Amritsar,
through Shri Ramesh Kumar partner. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 533 sq. yds., situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10416, dated 5-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-8-1984.
Seal:

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/69.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingAgricultural land situated at Vill. Bharoli Klan, Pathankot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at S. R. Pathankot on December, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Nanak Chand, Sunder Singh,
-
- s/o Shri Maru Ram, r/o Vill. Bharoli Klan,
-
- Teh. Pathankot, District Gurdaspur, (Transferor)
-
- (2) Hindustan Bottle Store,
-
- Gurdaspur Road, Pathankot. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
-
- (Person in occupation of the property)
-
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to
-
- be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 kanals, and 2 marlas, situated
at Bharoli Klan, Teh. Pathankot, District Gurdaspur, as
mentioned in Sale Deed No. 2627, dated 16-12-1983 of Regis-
tering Authority, Pathankot.B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspector of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Inspecting Assistant

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 4-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/70.—Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Purn Kaur wd./o Shri Harbhajan Singh, r/o 31, Punjab Roadways Colony, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Parkash Kaur wd./o Shri Surinder Singh, r/o 20, Mohindra House Colony, Court Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th portion of property situated at Court Road, Amritsar as mentioned in Sale Deed No. 11134, dated 23-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/71.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingOne property situated at Court Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officerat S. R. Amritsar on February, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Purn Kaur wd./o Shri Harbhajan Singh,
r/o 31, Punjab Roadways Colony, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Kuldish Kaur wd./o Shri Nain Singh,
r/o Phagwara Satnampura through Shri Ravinderpal
Singh s/o Shri Surinder Singh, 20 Monindra House
Colony, Court Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

4th portion of property situated at Court Road, Amritsar,
as mentioned in sale Deed No. 12934, dated 10-2-1984 of
Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/72.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Purn Kaur wd./o Shri Harbhajan Singh, r/o 31, Punjab Roadways Colony, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Parkash Kaur wd./o Shri Surinder Singh, r/o 20, Mohindra House Colony, Court Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st portion of property situated at Court Road, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 11835 dated 11-4-1984 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/73.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Puran Kaur wd./o Shri Harbhajan Singh,
r/o 31, Punjab Roadways Colony, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Ravinderpal Singh s/o Shri Surinder Singh,
r/o 20, Mohindra House Colony, Court Road,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st portion of property situated at Court Road, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 12202, dated 20-1-1984 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-7-1984,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/74.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Guru Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Lal s/o Shri Salig Ram,
Katra Ahluwalia, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal Seth s/o Shri Bishan Dass Seth,
Katra Bhai Sant Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any,
Shri Bishan Dass Seth, Rs. 75/- p. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 portion of property, situated at Guru Bazar, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 10633, dated 8-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-8-1984.
Seal

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/75.—Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Guru Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at S. R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48—226GT/84

- (1) Shri Ram Lal s/o Shri Salig Ram,
Katra Ahluwalia, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Pran Nath s/o Shri Bishan Dass Sedh,
Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
Shri Bishan Dass Seth. Rs. 75/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion of property situated at Guru Bazar, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 10877, dated 16-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-8-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR/84-85/76.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neelam Kanta w/o Shri Vijay Kumar, r/o Sharifpura, through Shri Rajinder Kumar, s/o Shri Sadhu Ram, r/o Sharifpura, and Shri Surjit Chand s/o Shri Kishan Chand, r/o Tehsilpura, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Mehra s/o Shri Jai Ram Dass Mehra r/o Mohindra Colony, Court Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Majitha Road, near Lye Hospital Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 10920, dated 19-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE—3 CHANDER PURI,

TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR/84-85/77.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.One plot of land situated at Majitha Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on December, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Neelam Kanta w/o Shri Vijay Kumar,
r/o Shariffpura, through Shri Rajinder Kumar,
s/o Shri Jahu Ram, r/o Harifpura, and Shri Sujit
Chand s/o Shri Kishan Chand, r/o Tehsilpur,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Mehra s/o Shri Jai Ram Das
Mehra r/o Mohindra Colony, Court Road, Amritsar
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, situated at Majitha Road, near Eye Hospital,
Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 11360, dated
28-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR/84-85/78.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. one property situated at Katra Khazana, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been, or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Bhim Sen s/o Shri Chuni Lal,
r/o Kucha Bagh Choudhary,
Katra Khazana, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Shri Hari Kishan,
r/o Gurdwara Guru Ke Mahal,
Gali Bhabrian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

1 portion of property situated at Bagh Choudhary, Katra
Khazana, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 11350,
dated 28-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-8-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR/84-85/79.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one property situated at Katra Khazana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sureshta Mahajan W/o Shri Bhim Sen,
r/o Kucha Bagh Choudhary,
Katra Khazana, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Sunita Soni w/o Shri Raj Kumar,
r/o Gurdwara Guru Ke Mahal,
Gali Bhabrian, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 portion of property situated at Bagh Choudhary, Katra Khazana, Amritsar, as mentioned in a Sale Deed No. 11349, dated 28-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-8-1984.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR/84-85/80.—Whereas, I.

B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Gilwali Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sudershan Kumari w/o Shri Monohar Lal,
r/o Shaktinagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sunil Das s/o Shri Englishbhan Seth,
r/o Chowk Chintpurni, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 portion of property situated at Inside Gilwali Gate, mentioned in Sale Deed No. 11235, dated 26-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-8-1984.
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Sudershan Kumari w/o Sh. Monohar Lal, r/o Shaktinagar, Amritsar.

(Transferee)

(2) Sh. Sunit Dass s/o Shri Englishbhan Seth, r/o Chowk Chintpurni, Amritsar.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR[84-85]81.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

One property situated at Gilwali Gate, Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 portion of the property situated at Inside Gilwali Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11168 dt. 23-12-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
AmritsarDate : 3-8-84
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

40—216GI/84

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR/84-85/82.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property situated at Partap Nagar, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harbans Kaur w/o Sh. Balwant Singh, 488, East Mohan Nagar, Amritsar. Now 96, Hakikat Nagar, Patiala.
(Transferor)
- (2) Sh. Chatter Singh s/o Sh. Gajinder Singh, 1, New Partap Nagar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Partap Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10986, dated 20-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31-7-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

34 CHANDR PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR/84-85/83.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Rakshikargah, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

49—226GT/84

(1) Sh. Jarnail Singh s/o Shri Labh Singh, r/o Vill. Nangli, Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Kumar s/o Sh. Chiman Lal, 63, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 800 sq. yds., situated at Rakshikargah on Bye-pass, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11462 dt. 30-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31-7-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR/84-85/84.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kanwarjit Singh s/o Shri Surjan Singh r/o Chowk Baba Sahib, through Smt. Charanjit Kaur w/o Sh. Tarlochan Singh, 445, Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Singh s/o Sh. Balwant Singh, 524, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person^s whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 40 sq. yds., at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11407 dt. 24-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31-7-84
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR/84-85/85.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Shakti Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kanhaya Lal s/o Sh. Ram Chand, r/o Bazar Lakar Mandi, Dhab Wasti Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Madan Lal s/o Shri Krishan Chand, r/o Farik No. 1, Nimak Mandi, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One property situated at Shakti Nagar, Amritsar, as mentioned in Exchange deed No. 11432 dated 30-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 6-8-84

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/86.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Railway Link Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chanan Singh S/o Sh. Vadbawa Singh,
54 Railway Link Road,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Hardeep Singh S/o Sh. Sunder Dass,
134 Pakki Gali, Gopal Nagar,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenant as under:
M/s. Hans Pharma. Rs. 1,150/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Railway Link Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10600 dt. 8-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 6-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/87.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. A plot of Land situated at Saido Lal, Baba Bakala,
Amritsar.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer
at S. R. Baba Bakala on Dec., 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of(1) Sh. Narinder Singh S/o Sh. Dharam Singh,
r/o Bhinder, Teh : Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Sagar S/o Shri Chuni Lal,
Gali Calcattian, Katra Sufaid,
House No. 3790, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 over land & tenants if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);One plot of land measuring one kanal, situated at Saido
Lal, Teh : Baba Bakala, Distt. Amritsar, as mentioned in
sale deed No. 2639 dt. 23-12-83 of registering authority, Baba
Bakala.B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—Date : 6-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/88.—Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Saido Lal Baba Bakala, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Baba Bakala on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Narinder Singh S/o Sh. Dharam Singh,
r/o Bhinder, Teh: Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Sagar S/o Shri Chuni Lal,
Gali Calcattian, Katra Sufaid,
House No. 3790, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring one kanal, 6 marlas situated at Saido Lal, Teh: Baba Bakala, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2639 dt. 23-12-83 of registering authority, Baba Bakala.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar.

Date: 6-8-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/89.—Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One property situated at G. T. Road, Khalsa College, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on Dec., 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Shiv Kaur W/o Sh. Tulsa Singh,
r/o Kot Khalsa Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Nirmal Jeet Singh
S/o Sh. Sujan Singh, 644/288 & 649/689
Kot Khalsa, Opp. Khalsa College, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 over leaf & tenant if any
(Person in occupation of the property)
- (4) any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated on G. T. Road, Near Khalsa College, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11372 dt. 28-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/90.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at G. T. Road, Khalsa College, Amritsar, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kuldip Kaur do. Sh. Jula Singh, through Smt. Sh. Kaur do. Sh. Jula Singh, 1,0 Kot Khalsa, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Nirmal Jeet Singh, S/o Sh. Sujan Singh, 644/288 & 649/689 Kot Khalsa, Opp. Khalsa College, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated on G. T. Road, Near Khalsa College, Amritsar, as mentioned in sale deed No 11824 dt. 9-1-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 3-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/91.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at G. T. Road, Khalsa College, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

50—226GI/84

(1) Smt. Paramjit Kaur d/o Sh. Tulsa Singh, through Smt. Shiv Kaur wd/o Sh. Tulsa Singh r/o Kot Khalsa, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kashmir Kaur w/o Sh. Nirmal Jeet Singh, r/o Rasulpura, Teh : Jhabal. Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in 2 occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated on G. T. Road. Near Khalsa Collage, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11373 dt. 28-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 6-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR/84-85/92.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at G. T. Road, Khalsa College, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Jan., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sudarshan Kaur d/o Sh. Tulsa Singh, r/o Kot Khalsa, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Nirmaljeet Singh, S/o Sh. Surjan Singh, r/o Rasulpur, Teh. Jhabal, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in 2 occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th portion of property situated on G. T. Road, Near Khalsa College, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11832 dated 9-1-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-8-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

PUNE.

Pune, the 9th August, 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6, Pandurang Wadi, Dombivali (East) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Suresh Laxman Damle,
Vimal Smruti, Padurang Wadi, Dombivali(E)
Dist. Thane
(Transferor)
- (2) Shri Shrikrishna V. Ketkar,
Vimal Smruti, 1st floor,
Pandurang Wadi, Dombivali (East)
Dist. Thane
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, first floor, New building R. S. No. 57, H. No. 57, H. No. 1A (Pt) of village Gajbandhan Patharli off. Manpada Rd., Pandurangwadi, Dombivali, (East) Dist. Thane.

(Area-58.89 sq. meters)

(Property as described in the agreement so tale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3710/83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Date 9-8-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 27th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3rd floor, Bapu Apartments, CTS No. 688, Nana peth Arvind Industrial Estate, at situated at Pune Navghar, Vasai Road, (East) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Vijaya Ramesh Tawde,
138, Rasta Peth, Pune-411 011.
(Transferor)
- (1) Shri Hareesh Kotumal Mirwani (Minor),
and Gatha Shri Kotumal Gianchande Mirwani,
688, Nana Peth, Pune-411 002.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement so tale registered in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3282/83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 27-7-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Makwana Construction Co. (S.S.W.)
Divine Terrace, 911-914, Syngogue Street,
Pune camp-Pune.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Anandram Shelot,
26, Nana peth, Poona-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.—Whereas, I;
SANTOSH DATTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. gr. floor, Neelkanth Apt., Rasta peth, Pune-11
situated at Pune
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of
the registering officer at
IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, 'Neelkanth' apartment, 60,
Rasta peth, Pune-411 011.
(Area-380 sq. ft.)

(Property as described in the agreement so tale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
document No. 2347/83-48 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24-8-1984
Seal :

FORM FINS- - - -

(1) Mr. Roop Builders,
Tembhi Nake Thane 400601

(Transferor)

(2) Mrs. Deepali Robin Das,
Quarter No. C-10
Ordnance Estate Ambarnath,
P.O. O.E. Ambarnath Dist Thane .

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 25th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/717/37EE/84-85.—Whereas, I,
SANTOSH DATTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and

No. Flat No. 404, 4th floor, Jiwan Dharmas Apt. Mouje
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Kopri situated at Dist. Thane

IAC, Acqn. Range, Pune on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, S. No 81 & 90 Mouje Kopri Village
Then (Dist) (Area-51.65 sq. meters)

(Area-51-65 sq. meters)

(Property as described in the agreement so tale registre
in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune und
document No. 4007/83-84 in the month om Mar 1984,

SANTOSH DATTA
Competent Autho
Inspection Assistant Commissioner
Income-
Acquisition Range, Pc

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Deepti Construction Co.,
Radha Sadan, 2nd floor,
Tilak Road Ghatkopar (E)
Bombay-400 077

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Anita Srivastava,
Deptt. of Mathematics,
St. Xavier's college,
Bombay-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/C A-5/37LE 84-85—Whereas, I,
SANTOSH DATTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat No. 105, S. No. 291, H. No. 3 Vvankatesh Darshan
P. Deen Dayal road Dombivali (W)
situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Registering officer at
IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, S. No. 291, H. No. 3, Vyanatesh Darshan,
P. Deendayal Road, Dombivali (W), Thane.
(Area-82.48 sq. meters)

(Property as described in the agreement so tale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
document No. 4226/37EE in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority/
Inspection Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 28-7-1984
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th August 1984

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37 G/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Survey No. 273, H. No. 1 of Thakurli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) at Dist. Thane S. R. Kalynn on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Suganti R. Potnis,
C/o. M/s. S. Aswini Kumar, Advocate,
4-A Karim Chambers, Fort Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. Raiguru Co-operative Housing society Ltd.,
Jaihind colony, Dombivli,
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land alongwith plinth at survey No. 273, H. No. 1 Thakurli, Dist. Thane.
(Area-465.50 sq. meters.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub Registrar, Kalyan under document No. 2591/83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 27-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune, the 27th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19, S. No. 26, Mouje Kothrud, Pune city (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) situated at Pune

IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
51—226GJ/84

- (1) M/s Saj Enterprises,
704, Pulachi wadi Deccan Gymkhana,
Pune-411 004.

(Transferor)

- (2) Shri Raghunath Ukhadu Garole,
16, Milan Zenith Staff Colony
KHOPOLI. Dist. Raigad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, out of survey No. 26, Mouje Kothrud, Dist. Pune.

(Area-680 sq. ft.)

(Property as described in the agreement so tale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2607/83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 27-7-1984
Seal,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 26th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/758/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11, Prabhav Co-operative Housing Society, 469-A Salisbury Park Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) at IAC. Acqn. Range, Pune Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jitendra Nathulal Shah,
Shankar Co-operative Housing society,
Plot No. 23, 427/C Gultekadi, Pune-37.
(Transferor)
- (2) Mrs. Nirmalabai
W/o Jethanand Lulla
21/22/23, Rotax River View,
Juna Tofkhana, Shivajinagar,
Pune-411 004.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11 Prabhav Co-operative Housing society, 469-A Salisbury park, Pune.

(Area-950 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3069/83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 26-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1154/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 1 to 5 S. No. 55 and 56, village Achole, Tal. Vasai, situated at Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary,
Tanapada, Gokhivare,
Tal. Vasai, Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Shri Vasanji Dharshi Dedhia,
7/8, New Prabha Kutir co-housing society,
Ganesh Gally,
Lalbaug, Bombay-400 012. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 1 to 5 under S. No. 55 & 56, village Achole, Tal. Vasai Dist. Thane.

(Area-2915 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1619/83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1155/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25(000)- and bearing Plot No. 6 to 11, S. No. No. 55 & 56 village Achole, Tal. Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary,
Tanapada, Gokhivare,
Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Transferor)
- (2) Shri Keshavji Dharshi Dedhia,
Gulam Husain Building,
3rd floor, Room No. 26,
Lalbaug, Bombay-400 012.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 55 and 56 of village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area-2756 sq. mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the S. R. Vasai, under document No. 1620/83 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1156/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing N.A. Plots Nost. 24 to 27, S. No. 55 & 56, village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary,
Tanapada, Gokhivare,
Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Girish Dharod,
'Sita Parvati'
3rd floor, Telang Road,
Matunga, Bombay-400 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 24 to 27, S. No. 55 and 56 Achole village, Tal. Vasai. Dist. Thane.

(Area-2848 sq. meters.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub. Registrar, Vasai under document No. 1623/83 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1157/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 18 to 23, S. No. 55 and 56, village Achole, Tal. Vasai, situated at Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary,
Tanapada, Gokhivare,
Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

- (2) Shri Bharat Kumar Vasanji Dedhia,
2/3, Old Popatlal Building,
Ranade Road,
Dadar (W. Railway.)
Bombay-400 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 18 to 23, Survey No. 55 & 56 village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area-2475 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1622/83- in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Pune

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary,
Tanapada, Gokhivare,
Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tarun Kumar Dedhia,
251, Dr. SS. Rao Road,
Parsi Advari Chawl,
Lalbaug, Bombay-400 012.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 8th August 1984

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1158/37G/84-85.—Whereas, I,
SANTOSH DATTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot 12 to 17, S. No. 55 & 56, village Achole, Tal.
Vasai
situated at Dist. Thane.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at S. R. Vasai on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 12 to 17, S. No. 55 & 56 Village Achole,
Tal Vasai, Dist. Thane.

(Area-2962 sq. mets.)

(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Vasai under document No.
1621 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1159/84-85.—Whereas, I, **SANTOSH DATTA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. NA. Plot Nos. 28 to 33, S. No. 55 & 56, Village Achole, Tal. Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harish Chandra Vithal Chaudhary,
Tandapada,
Gokhivare,
Tal. Vasai,
Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Girish Shivji Dharod,
Sita Parvatit Niwas,
3rd floor, Telang Road,
Matunga,
Bombay-400 019.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

N. Plot Nos. 28 to 33, S. No. 55 and 56 Village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane (Area-3141 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1624/83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Thane

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/84-85—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at C.S. No. 8331/1A & 8332/1B, Railway Lines situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Solapur in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
52—226GI/84

(1) Smt. Gomitmal Jadomal Rajani & Others,
at Navjeevan society,
Block No. 2,
Solapur.

(Transferor)

(2) Shri Atun Vyankatrao Jadhav,
At Tugaon,
Dist. Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at city solapur within the solapur Municipal area, Railway lines, Municipal No. 77A, C.S. No. 8331/1A & 8332/1A Area-1521 sq. ft. & 945 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, solapur under document No. 3660/83 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 2-8-1984

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE]759/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 408, Plot No. 53, Sector-17, Vashi situated at New Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. G. Shitut,
Chief Promoter of the proposed
Co-operative Housing society Ltd.,
51/1194, Kannawar Nagar,
Bombay-400 083.

(Transferor)

(2) Shri Shaikh Gows Mohammed
C/o. Shaikh Haider,
Ramabal colony,
Near Chembur Rly Station,
Bombay-400 089.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408 Plot No. 53, Sector-17, Vashi, New Bombay. (Area 52.24 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No 3989/37EE in the month of Jan., 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 19-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bansal & Co.,
6, Aundh Road,
Poona-411 003.

(Transferor)

(2) Mr. Clement Manuel D'silva,
481, Moldina Road,
Kirkc,
Poona-411 003.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/760/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, 6 Aundh Road, Bopodi situated at Poona. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor 6 Aundh Road, Survey No. 46-D1/1/1A-1 C.T.S. No. 2043, 2046, 2050 Pune-3. (Area 626 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2798 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1161|84-85.—Whereas, I, **SANTOSH DATTA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 546/A and 546/B, Mahabaleshwar, Tal. Warananagar, Dist. Satara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay in January, 1984, fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Laxmibai Dattatray Rege,
Bungalow on Plot No. 546B,
Malcam peth,
Mahabaleshwar,
Dist. Satara.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prakash V. Phadnis,
2. Shri Digambar S. Salvi,
3. Shri B. R. Anand and
4. Shri P. M. Rege,
partners of M/s. Shilpa Constructions,
A/3, Union House,
Soonawal Agiary Marg,
Mahim, Bombay-400 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 546-A and 546-B, Mahabaleshwar, Tal. Warananagar, Dist. Satara. (Area 1936.40 sq. mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 238 in the month of January, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 28-7-1984
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1162/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 23/3, 23/32, Plot Nos. 2, 3, 4, 5, 6, 7, Agar-Takli situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shivling Vishwanath Khadade,
Agar-Takli,
Gandhi Nagar,
Nasik.

(Transferor)

- (2) The Chairman,
Aradhan Co-operative Housing society,
C/o, L.I.C. of India,
Jeevan Prakash,
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. Nos. 23/31, 23/32 plot Nos. 2, 3, 4, 5, 6, 7, Agar-takli, Nasik. (Area 1934.79 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 4837/83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 2-8-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE[1163]84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at S. No. 83, Hissa No. 10 of Achole village, situated at Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kalubai Nago Chaudhari and others
(8) Achole,
Tal. Vasai,
Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Mahadev Bhaskar Vartak and others,
(8) At Tharkhad,
Tal. Vasai,
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 83, Hissa 8 (Part) Achole village Tal. (Area 10 gunthas i.s. 1210 sq. yards).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 288 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1164/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 83, Hissa No. 7 (Part) Achole village, Tal. Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kalubai Nago Chaudhari and others
(8) village Achole,
Tal. Vasai,
Dist. Thane

(Transferor)

- (2) Shri Mahadev Bhaskar Vartak and others
(8) At Tarkhand,
Tal. Vasai,
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at survey No. 83, Hissa No. 7 (Part of Achole village Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 10 gunthas.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 619/83 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 8-8-1984
Seal,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1165/84-85.—Whereas, I, **SANTOSH DATTA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No 83, Hissa No. 7 (Part) Achole village, Tal. Vasai situated at Dist. Thane. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kalubai Naga Chaudhari and others
(8) village Achole,
Tal. Vasai,
Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Shri Mahadev Bhaskar Vartak and others
(8) At Tarkhan,
Tal. Vasai,
Dist. Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 83, Hissa No 8 (Part of Achole Vasai, Dist. Thane. (Area 10 gunthas).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 287 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 8-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/748/74-75.—Whereas, I, **SANTOSH DATTA**, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd floor, south side rare wing of Sai Kunj 569 Narayan peth, situated at Pune, (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

53 -226GT/84

- (1) M/s. Kamal Builders (Poona),
Sai Kunj,
569 Narayan peth,
Pune-30.

(Transferor)

- (2) Mrs. Vandana Arun Kulkarni,
'Gurukrupa' Vijaynagar colony,
Bombay Pune Road,
Vadgaon-Maval.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, south side rare wing of Sai Kunj 569 Narayan peth, Pune-30. (Area 633 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2276/83-84 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 25-7-1984
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA 5[37FF/749]74-75 —Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, Rare side Sai Kunj, 569 Narayan peth, situated at Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn Range, on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) M's Kamal Builders (Poona),
Sai Kunj,
569 Narayan peth,
Pune-411030

(Transferor)

(2) Shri Bhavan Vasant Mahajan,
212, Kasbe peth,
Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Rare side south east corner of Sai Kunj 569, Narayan peth, Pune-30. (Area 451.625 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2293/83 84 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 25-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/750/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 106, 3rd floor, Ekant Apartment, Near Kamla Nehru Park, situated at Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acqn. Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harshad Kantilal Vassa,
23, Banganga Cross Lane,
Walkeshwar,
Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) Shri Fancy Kantilal Vassa,
23, Banganga Cross Lane,
Walkeshwar,
Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 3rd floor, Ekant Apartment, Ekant Co-operative Housing society Ltd., Near Kamla Nehru Park, Pune-411 004. (Area 1180 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2556/83-84 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/751/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 2, Dhanalaxmi Apartment, C.T.S. No. 3025/6 S. No. 93 A-1, Bhamburda situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. K. M. Gunjal Family through M/s. Hindustan Builders, 836, Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Transferor)

- (2) Mrs. Anuradha Ashok Gokhale and Mr. Ashok Kashinath Gokhale, 15, Abhijit Society, College Lane, Dadar, Bombay-400 028.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Dhanalaxmi Apartments at C.T.S. No. 3025/6 S. No. 93-A-1 Bhamburda, Pune. (Area 885 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2193 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 27-7-1984
Seal ;

FORM ITNS—

- (1) Shri Haribhau N. Dimble,
Shri Dattu N. Dimble,
Shri Shankar N. Dimble,
Shri Krishna S. Dimble,
Shri Maruti S. Dimble,
Karla, Tal. Maval
Dist. Poona.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

- (2) 1. Shri Bhimsain W. Nangia,
2. Mrs. Kanta Bhimsain Nangia,
3. Shri Indrasain Bhimsain Nangia,
4. Mrs. Punam I. Nangia,
5. Shri Chandrasain B. Nangia,
6. Mrs. Renu C. Nangia,
Kalpana Building,
Plot No. 546 TPS III,
33rd Road Khau,
Bombay-52.

(Transferee)

Pune, the 26th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE]752[84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Non-Agril. land at S. No. 140, Hissa No. 2, Karla Tal. Maval situated at Dist. Pune. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Non-Agril. land at Bearing S. No. 140 Hissa No. 2, Karla, Tal. Maval, Dist. Pune. Area 1 H-80.6 R).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3093/83-84 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/753/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, Geeta Apartment, Nagar Rd., situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person namely:—

(1) Shri K. D. Oswal (HUF)
51, New Timber Market,
Poona-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Promila S. Aggarwal,
Geeta Apartment, Flat No. 1,
Nagar Rd., Poona-6
(Yeravada)

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Geeta Apartment, Nagar Road, Pune.
(Area-1090 Sq. ft)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3110/83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Date : 2-8-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Pune, 24th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/754/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Kalpana Apt., 388 Bhavani peth situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pari Dharamdas Nanwani—now Known as Smt. Roma Kirshinchand Samtani, Kumar corner, Convent Street, Pune-1. (Transferor)
- (2) Smt. Iyoti Parsam Wadhvani Shri Parsam Mangammal Wadhvani, Shash Apartment, 161/4, Moledina Road, Pune-411001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Flat No. 202, 2nd floor, Kalpana Apartment, 388, Bhavani Peth, Pune-2.
(Area-517 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 2708/83-84 in the month of Jan.1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune.

Date : 24-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th July 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/755/84-85.—Whereas I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office premises 1st floor, Gandhi complex, Kelkar Road, situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Bhavin Enterprises
217, Narayan Peth,
Pune - 400 001

(Transferor)

(2) M/s. Dosoversha Trust,
92-A, Shantinagar,
98, Nepean sea Road,
Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises on 1st floor, Gandhi Complex, Kelkar Rd. Poona.

(Area-4336 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2348 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Date : 24-7-1983.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/756/84-85—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3, May flower Apt., 1155-A Saifee street, Camp situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Beharav and Rath.
Construction House,
796/189-B Bhandarkar Institute Rd.,
Pune-411 004

(Transferor)

- (2) Shri Shabbu Taherbhai Limadiwala
1678, Shukrawar peth, Nehru Chowk,
Near Fish Market,
Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, May flower Apartments, 1155-A Saifee street, Camp-Pune.

(Area-114 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No 2436 83 84 in the month of December, 1983)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

54—226 GI/84

Date : 28-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th August 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1169/13-8-84/37G/460/84-85.—
Whereas, I,
SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land & Bldg. & Machinery at R. S. No. 240, plot No. 4, Tal. Hatkangale, Rukadi village, situated at Kolhapur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Hatkangale, on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of LAY income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. P. Patil
at & post Rukdi,
Tal. Hatkangale,
Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Appasaheb
P. Patil,
At Tasur,
Tal. Shinol,
Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building and Machinery at R. S. No. 240, Plot No. 4, At Rukdi, Tal. Hatkangale, Dist. Kolhapur.
(Area-3432 sq. ft. land & 2664 sq. ft. Built-up area)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Hatkangale under document No. 2382/83 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Date : 13-8-1984.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2858 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 414 situated at Mehsana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 2-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Rasulbhai Nathubhai Seta
2. Usmanbhai Nathubhai Seta
3. Bhikhabhai Rasulbhai Seta
4. Aminaben Asrafbhai
5. Rahimbhai Rasulbhai Seta
6. Bhikhubhai Asrafbhai Seta
7. Sikandarbhai Asrafbhai Seta
8. Mugalkhan Asrafbhai
9. Mehboobkhan Asrafbhai
10. Sabirhussein Asrafbhai
11. Anubhai Usmanbhai Asrafbhai

Kasba—Masjidvadi,
Mehsana.

Transferor(s)

- (2) Belim Dildarkhan Anvarkhan
- Babivada—Bahelimvas
- Mehsana.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mehsana—Nagalpur R.S. No. 414 adin. Acre.1
Guntha 38. Document for transfer property regd. with S.R.
Mehsana under No. 3263 Dt. 2-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009 the 17th July 1984

Ret No P R No 2859 Acq 23/II/84 85—Whereas I,
G K PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

RS No 51, 52 situated at Mehsana—Nagarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) 1 Shri Babulal Narottambhai Thakar
Sonal Socy
Mehsana
2 Prahladbhai Narottambhai Thakar
Thakar no Madh
Mehsana

(Transferor)

- (2) Shri Shambhubhai
Parbhuvu Patel
Nagarpur,
Mehsana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Mehsana—Nagarpur s/n RS No 51, 52 adm total 134 gunthas Document for transfer of property regd with S R Mehsana under No 3464 Date 31-12-1983

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Dated 17 7 1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Patel Ramjibhai Joitaram
Unjha
Dist. : Mehsana

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/Shri

- (2) 1. Patel Jayantilal Balchanddas
2. Patel Amratlal
3. Patel Narottambhai Balchanddas
4. Patel Vithalbhai Kachradas
5. Patel Popalal Madhavlal
6. Patel Kuberbhai Ramji Das
7. Patel Somabhai Pitambardas
Unjha Dist. : Mehsana.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ret. No. P.R. No. 2860 Acq.23,II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 172/1, 172/2 situated at Unjha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Unjha on 29-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;¹
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land at Unjha R.S. No. 172/1, 172/2 adm. 13050 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. 1238 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2861 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingR.S. No. 351, 1464 situated at Kadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Officer at Kadi on 17-12-1983.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Patel Becharbhai Joitaram
Shakkarpura,
Kadi—Dist : Mehsana.

Transferor(s)

(2) Shree Tejeshvarnagar Co. op. Socy.,
C/o Vrajlal Gatordas Darji
Kadi,
Dist : Mehsana.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kadi R.S. No. 351, 464/2 adm. total 8800 sq. mtr.
Document for transfer of property regd. with S.R. Kadi under
No. 2389, 2390, Dt : 17-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 17-7-1984.

Seal :

FORM JINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1984

Ref No. P R No 2862 Acq 23/II/84-85—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing
S. No. 290+291, situated at Vapi—Tal : Pardi Dist : Valsad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Pardi on 15-12-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Vijay Sham Singh Bajarla,
103, Arunodaya Bldg.
Rita-B Usha Park,
Chandavarkar Road, Porivoli,
Bombay.

(Transferor)

(2) Parmanand Ratanshi Bajarla
103, Arunodaya Bldg.
Rita-B Harsha Park
Porivoli—Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the date of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Vapi The document is regd. at
S R. Vapi vide No 1878 Dt : 15-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date 18-7-1984,
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2863 Acq 23 II 84-85—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingS No. 541 and 542 Pardi situated at Pardi Kasba Tal : Pardi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on
9-12-1983.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Sarojben Vilasrao Dalk
At Kulla Pardi
Tal : Pardi Dist : Vadod

Transferor(s)

(2) Shri Mandanlal Datulal Agarwal
At Kulla Pardi
Tal : Pardi Dist : Bulsar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Pardi The Document is regd.
at S.R. Pardi vide No. 1853 Dt : 9-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 18th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2864 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 502+503 situated at Pardi Dist. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on Dec. 83. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
55—226 GI/84

- (1) Chhaniyabhai Madhubhai Patel
V. K. Dayaram Bhanabhai Patel
at Village Khadaki
Tal. Pardi, (Transferor)
- (2) Prabhubhai Nathubhai Desai
Director of Ova Con Construction
System (Gujarat) Bombay Andheri (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Pardi, The document is regd. at S. R. Pardi vide No. 1328 & 1329 Dec. 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-7-1984
Seal :

FORM ITNS

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2865 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 94 situated at Sama (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 22-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Kamlaben Chunibhai Patel
Bhadran,
Tal. Borsad
Dist. Kaira. (Transferor)
- (2) Jay Shakti Construction Company,
C/o Shri Anupbhai Bhailalbhai Patel & O/s,
Pij,
Tal. Nadiad
Dist. Kaira. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sama R. S. No. 94 adm. 5005 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8856 Dt. 22-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2866 Acq.28/U/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 94 situated at Sama
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Baroda on 22-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration thereof by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act.
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Shri Madhubhai Ambalal Patel,
Bhadran,
Tal. Borsad
Dist. Kaira. | (Transferor) |
| (2) Jay Shakti Construction Co.
C/o Anubhai Bhailalbhai Patel & Ors.
Pij
Tal. Nadiad
Dist. Kaira. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Sama R. S. No. 94 adm. 5005, sq. ft. Document
for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No.
8858 Dt. 22-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2867 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No 94 situated at Sama
(and morefully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Jayantibhai Chhotabhai Patel
Bhadaran,
Tal. Borsad
Dist. Kaira,

(Transferor)

(2) Jay Shakti Construction Co.
C/o Anupbhai Bhailalbhai Patel & Ors.
Pij
Tal. Nadiad
Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at Sama R. S. No. 94 adm. 5005 sq. ft. Document
for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No.
8857 Dt. 22-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref No P R No 2868 Acq 23/II/84-85 —Whereas, I, G K PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No 115/2 situated at Baroda-Subhanpura (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Baroda on 5-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Pokar Builders
C/o Karamsibhai Hirjibhai Patel
Sahkar Apartment
Subhanpura,
Baroda
(Transferor)
- (2) Shri Kekibhai Homi Daroga
Sahkar Apartment,
Subhanpura,
Baroda
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sahkar Aptt Baroda Document for transfer of property regd with S R Baroda under No 8413 Dt 5-12-83

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 19-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2869 Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 115-2 situated at Baroda Subhanpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 5-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pokar Builders
C/o Karamsibhai Hirjibhai Patel
Sahkar Apartment
Subhanpura,
Baroda.

(Transferor)

(1) Shri Jashvantbhai Chimanbhai Patel
Sahkar Apartment,
Subhanpura,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sahkar Aptt. at Subhanpura, Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8411 Dt. 5-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2870 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 142 situated at Raopura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 15-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shantilal Prabhudas Sharma & Ors,
Moti Chhipvad,
Baroda.

(Transferors)

- (2) Shri Laxmilal Bhanvarlal Shah,
Raopura,
Nagarvada Main Road,
Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. at Raopura S. No. 142. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8712/15-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date . 19-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2871 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sayajiganj
S. No. 647/4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Sudhaben. V. Patel & Ors.
10, Pratapganj
Baroda,

(Transferor)

(2) Smt. Hansaben Jitendrabhai Patel,
Gajera,
Tal. Jambusar
Dist. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at Baroda Sayajiganj S. No. 647/4 adm. 1400 sq. ft.
Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda,
under No. 9029 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P.R. No. 2872 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 487/1, 487/2 situated at Chandkheda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—226 GI/84

- (1) Chandubhai Parshottam Nayak
Kali
Tal. Daskroi,
Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Vrajeshvari Co.op. Socy. (Proposed)
C/o Ambalal Ganeshdas Patel,
Hiralal Chawl,
Near Mali Kuva,
Asarwa,
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chandkheda S No. 487/1 and 487/2. Document for transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1309 Dt. 17-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 21-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2873 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 41-8 Plot No. E.
situated at Majura Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Pushaben Manharlal Vashi
Nanpura Timalia Vad,
Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kamladevi Jagdishchandra Kasat
2. Shantadevi Jethamal Kasat
6/1129 Bhanu Smruti Mahidharpura
Daliya Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is situated at Majura. It is registered at S.R. Surat vide No. 11122 Dt. 7-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2874 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
R. S.No. 13/214
situated at Athwa Vistar in Virat Aptt. Flat
No. 604 Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Surat on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property, by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Shashikant Thakordas Kansara
2. Jivanbhai
At Mahidharpura,
Jade Khadi
Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Prakashchandra Shantilal Shah,
Gopipura,
Kazinu Medan,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The Flat is in Athwa Lines Vistar. The document is
regd. at S.R. Surat vide No. 10226 Dec 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2875 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1704 Athwa Lines situated in Radha Krishna Aptt. Flat No. 102 Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rajendra Manharlal Vakharia
Manharlal Chunnilal Vakharia
105, Abhijat Aptt.,
Nanpura,
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Vihadevi Hansraj Dawer
102, Radhakrishna Aptt.
Athwa Lines,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines Radhakrishna Aptt. adm. 900 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 11160 Dt. 9-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2876 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 118-119 & 120 situated at Dumas Sultanabad Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 12-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s J. Jamnadas & Co.
Prop. Navinchandra Ramanlal Chokhawala
At Navapura Lad Sheri,
Surat.

(Transferor)

(2) M/s Sivyu Land Corporation
At 3-4138 Navapura Daliya Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Dumas. R. S. No. 118-119 and 120. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11225 Dt. 12-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2877 Acq.23/II/84-85.—Whereas, 1. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 1 Nondh No. 496 paiki situated at Priya Aptt. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-12-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kekan Manharkumar Sheth,
Pleasant Park,
Pedar Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Babubhai Chhoganlal Sheth
26, Madam Padar Road,
Bombay.

2. Sumangauri Babubhai Sheth,
at Ajan Dist.
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No. 496 paiki Priya Aptt. Flat No. 5B. adm. 700 sq. ft. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11298 Dt. 14-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P. R. No. 2878.Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 234 sub Plot No. 24 F. P. No. T. P. Scheme situated at Athwa Vistar Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Virenbhai Ganpati Shankar Majmudar,
Near Mahila Vidhyalaya School,
Gopipura, Surat. (Transferors)
- (2) Kinbhay Aptt. Co. op. Hsg. Socy.
R. G. No. 3596 Gopipura
Near Mahila Vidhyalaya School,
Chairman Hemalataben. Ishorohand Kapadia,
Gopipura. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Vistar R. S. No. 234 S. P. No. 24. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11172 dt. 9-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P. R. No. 2879 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 234 situated at Athwa Lines, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Pravinchandra Ragunathji Naik
At Gopipura Sangadiavad,
Surat.

(Transferors)

- (2) Kinnary Aptt. Flats Co-op. Hsg. Socy.,
Chairman Hemlata Kishorchand Kapadia
Gopipura Mahila Vidhyalaya
Secretary: Mangubhai Gelabhai Parekh
Begampura,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines R. S. No. 234 Sub Plot No. 23 FP No. 78. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11173 Dt. 9-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P. R. No. 2880 Acq.23/II 84-85 —Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 1031 Sheet No. 35 situated at Visnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in form No. 37EE in the office of the undersigned at Ahmedabad on 12-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
57—226 GJ/84

(1) Mrs. Pravina Mulshankar Mehta,
Pravin Villa
Saraswati Road,
Santacruz (W),
Bombay-400 054.

(Transferees)

(2) Mrs. Hiraben Ratilal Shah,
Jhavan Valjino Madh
Visnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Visnagar C. S. No. 1301 Sheet No. 35. Document for transfer of property regd. with the undersigned through form No. 37EE Dt. 12-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 21-7-1984.
Seal

FORM INS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2881.Acq.23/II/84-85 -Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.No. 218-219 situated at Sultanabad-Dumas-Tal : Choriyasi
Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Surat on Dec., 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Minotvara Navalsha Kapadia
Tanyus Navalsha Kapadia
Saiyadpura Parsivad,
Surat.

(Transferors)

(2) 1. Taibi Imdadbhaj Kachala
Dipadi Pathanwad, Zampa Bazar,
2. Vishnukumar Hiralal Dorwala
Sultanabad,
3. Rasida Z. Haider Mota,
Nurpura Khadi, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sultanabad Dumas No. 218-
219. The transaction is regd. at S. R. Surat vide No. 11352
Dec. 83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Dated : 1-8-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Rel. No. P. R. No. 2882 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 31 Hissa No. 11 situated at Katargam Tal:
Chorvati Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Surat on
20-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhakor Parsottam
at Ved Tal : Chorvashi,
Dist. Surat

(Transferors)

(2) Bhakhabhai Valjibhai
Varachha Road Surat,
Power of Attorney Holder
Habibha Hamjibhai Patel.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Katargam. The document is regd. at
S. R. Surat Vide No. 11675 Dt. 20-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2883.Acq.23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 31 Hissa No. 5 situated at Katargam Tal : Choryasi Dist. Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Thakor Patsottam
at Ved Tal : Choryashi,
Dist. Surat.

(Transferors)

- (2) Dahyabhai Thakershi Patel
Saiyed Pura—Surat.
Power of Attorney Holder
Harjibhai Ramjibhai Patel.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam S. No. 31. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11676 Dt, 20-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 1-8-1984
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2884.Acq.23||I||84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 31 Hissa No. 3, situated at Katargam Tal : Choryashi Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 20-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Thakor Parsottam
at Ved Tal : Choryashi,
Dist. Surat.
- (2) Vallabhbhai Ravjibhai Patel,
Saiyedpura—Surat
Power of Attorney
Vallabhbhai Ravjibhai Patel.
Surat.

(Transferors)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as **are defined in Chapter XXA of the said Act,** shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11677 Dt. 20-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2885 Acq.23[II]84-85—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 31 Hissa No. 9, situated at Katargam Tal :
Choryashi Dist. Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Surat on 29-12-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Bhakor Parsottam
at Ved Tal : Choryashi,
Dist. Surat.

(Transferees)

- (2) Ravjibhai Dharamshi,
Nagar Sheri Mahidarpura
Power of Attorney Holder
Harjibhai Ravjibhai Patel

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service or notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam S. No. 31, Hissa No.
9. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11678
Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 1-8-1984
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2886 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing
S. No. 31 Hissa No. 9, situated at Katargam Tal :
Choryashi Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Surat on 29-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Bhakar Parsottam
at Ved Tal : Choryashi,
Dist. Surat.

(Transferors)

- (2) Durgeshibhai Ramjibhai Patel
Sayad Pura—Surat.
Power of Attorney Holder,
Harjibhai Ramjibhai Patel.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam. The document is regd.
at S. R. Surat vide No. 11669 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1984

Ref No P R No 2887 Acq 23/11/84-85 —Whereas, I, G K PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No 31 Hissa No 9, situated at Katagam Tal Choryashi Dist Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thakor Parsottam
at Ved Tal Choryashi,
Dist Surat

(Transferees)

(2) Sarjibhai Ramjibhai Patel,
Saiyadpura, Surat

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Katagam. The document is registered at S R Surat vide No 11680 Dt 29 12-1983

G K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 1 8 1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2888 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I.
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 1933 Nondh No. 2 at Majura Gate Flat No. 9
2nd Floor, Majura Gate, Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
form No. 37EE is filed in the office of the undersigned
in Dec. 1983....
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

58—226 GH/84

- (1) Mja. J J Enterprise
-
- 2/3728 Navsari Bazar,
-
- Main Road, Surat. 395 002

(Transferors)

- (2) Smt. Ramilaben, D. Mali
-
- Block No. IV/315 Category IV
-
- Narmada Project Colony,
-
- Near Chhani Jakat Naka,
-
- Baroda 390 002.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Majura Gate Form No. 37EF
is filed in the office of the undersigned in December, 1983.G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.Date . 1-8-1984
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1984

Ref. No. P. R. 2889 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269D of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 903 at Rajeshwar Aptt. Naupura Athugar
Street Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
and form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) M/s. Shree Ram Aptt. Co.op. Hsg. Ltd.
1/864 Athugar Street
Naupura-Surat

(Transferor)

- (2) Smt. Jimmatiben Ramanlal Mehta,
903, Rajeshwar Aptt.
Naupura-Athugar Street,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Rajeshwar Aptt. Form No.
37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec.
1983.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 3-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1984

Ref No. P. R. No 2890 Acq 23/11/84-85 —Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Wd. No 2 Nondh No. 4468 situated at Sagrampura Shivdas Zaveri's Pole-Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 21-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Induben W/o Babubhai Maganlal
2. Shirish Babubhai
Minor Dhaval Shirish
3. Nilesh Babubhai
4. Nita Babubhai
5. Sudha
Sagrampura Shivdas Zaveri's Pole, Surat.
(Transferor)

(2) 1. Navinchandra Mansukhlal
2. Rameshchandra Mansukhlal
3. Vinodchandra Mansukhlal
4. Nareshchandra Mansukhlal
Vadi Falia, Store Sheri Surat
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward-2 Nondh No. 4468. The document is regd. as S. R. Surat vide No. 11462 Dt : 21-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 3-8-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) D.V.C. Enterprise
Silvasa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009(2) Beekay Fabrics Pvt. Ltd.
Ind. Estate D & N.H.
Plot No. 57-58-63 to 69
Silvasa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 31st August 1984

Rel. No. P. R. 2891 Acq. 23^{II}/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 57-58, 63 to 69 Ind. Estate D & N.H. Silvasa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silvasa on 31-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Silvasa. The document is regd. at S. R. Silvasa vide No. 489 Dt : 31-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1984

Ref. No. P. R. 2892 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 3 Nondh No. 2885-D office No. 618 situated at Ajanta Shopping and Textile Arcade Surat Ring Road, Surat Form No. 37EE submitted (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), in the office of the undersigned in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) M/s Ajanta Shopping & Textile Arcade,
Ring Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Ramnivas Ramjivan Kasad
At P.O. Parda Dist : Ahmednagar
Maharashtra State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ajanta Shopping And Textile Arcade. 37EE is filed in Nov. 83 in the office of the undersigned.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 3-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-389 009, the 4th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2893 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 18/3A and 18/3B situated at
village : Andada Tal: Ankleshwar Dist: Bharuch
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ankleshwar on 13-12-1983
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mahavir Organisers,
Partner: Bhailalbhai Ranchhodhai Patel
Kantibhai Narandas Patel
At P. O. Andada. Tal: Ankleshwar.
(Transferor)

(2) Ishverbhai Ambalal Patel
President of Shri Krishna Co. op. Hsg. Socy.
At Andada
Tal: Ankleshwar Dist: Bharuch.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Andada S. No. 18/3A and 18/3B.
The document is regd. at S. R. Ankleshwar vldc No. 2797
Dt : 13-12-83.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 4-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhangiyabhai Bhanabhai Patel
At Devsar Tal: Gandevi
Dist : Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2894 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. S. No. 37 paiki situated at Dhawda Tal: Gandevi Dist:
Valsad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at Gandevi on 14-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S/Shri

- (2) 1. Amitkumar Shirishchandra.
2. Sujitkumar Shirishchandra.
3. Parulkumar Shirishchandra.
4. Nishaben Nitinchandra
5. Pritiben Nitinchandra
6. Priteshkumar Nitinchandra
7. Patel Mohanlal Kuberbbhai
8. Patel Parsottam Kuberbbhai
9. Patel Kanubhai Ashabhai
10. Gandhi Maganlal. H.
11. Gandhi Babubhai Nathubhai
12. Gandhi Vasantlal. P.
13. Mistri Khushaldas. M.
14. Patel Mohanlal Sukhubhai & Ors.
Bilimora Tal : Gandevi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at village Dhakwad Tal: Gandevi. The
document is regd. at S. R. Gandevi vide No. 1628 Dt: 14-12-
1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 4-8-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Ishverlal Shankardas
Nr. Krishna Cinema,
Unjha Dist. Mehsana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. 2895 Acq. 23II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. C.S. No. 62 Plot No. 124 Unjha Market yard.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Unjha on 12-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (2) 1. Manilal Parshottamdas
Bahar Madh. Unjha.
2. Kantilal Chhaganlal Nr. Cadechi Mata, Unjha
3. Arvindbhai Shivramdas, Nr. Rusan Chora, Unjha
4. Vishnubhai Manilal, Bahar Madh. Unjha.
5. Khodabhai Kashiramdas, Uma Socy. Unjha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office-Godown at Plot No. 124, Unjha Market Yard Docu-
ment for transfer of property regd. with S. R. Unjha under
No. 1229/12-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Patel Hargovanbhai Shankardas
Gani Bazar,
Unjha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Harshadrai Kanjibhai
2. Pushpaben Natvarlal Shivram 125, Ganj Bazar,
Unjha

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Re. No. F. R. 2896 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDAYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C.S. No. 7131 Plot No. 125 Unjha
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Unjha on 26-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office-Godown at Unjha Market Yard Plot No. 125. Docu-
ment for transfer of property regd. with S.R. Unjha under
No. 1118/26-12-1983.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

59—226 GI/84

Date : 7-8-1984
Seal

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2897 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Muni. C.S. No. 6/10/102 Plot No. 76 Unjha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Unjha on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Patel Shankerbhai Ramdas HUF
C/o Navinbhai Shankerbhai Patel
2. Ranehhodhbhai Ramdas Patel
3. Ishverbhai Ramdas Patel,
Unjha Dist : Mehsana. ..

(Transferor)

- (2) Patel Hasmukhlal Joitaram,
Plot No. 76, Market Yard,
Unjha Dist : Mehsana. ..

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office/Godown at Plot No. 76 of Unjha Market Yard.
Document for transfer of property regd. with S.R. Unjha
under No. 4284 Dt: 21-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. 2898 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 503-1-2-7-8 Plot No. 88, Sayajiganj Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 27-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kundanlal
Smt. Kamuben Sanmukhlal
Sampatrao Colony,
R. C. Datt Road,
Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Chandu Sadarangani
Opp: Alkapuri Bunglow No. 1
Alkapuri Socy,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nirmal Aptt. Baroda S. No. 503. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8906 Dt: 27-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. 2899 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. S. No. 503 Plot No. 88,
Sayaji Ganj Baroda.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908,
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Baroda on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Kundanlal
Smt. Kamuben Sanmukhlal
Sampatrao Colony,
R. C. Dutta Road, Baroda. (Transferor)

(2) Mrs. Rohinaji Malkani
C/o Nirmala Chandu Sadarangani
Opp: I. Alkapuri,
Alkapuri Socy. Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nirmal Aptt. Baroda. Document for transfer for
property regd. with S. R. Baroda under No. 4173 Dt: Dec.
1983.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2900/Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ilesh Aptt. Subhanpura, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (2) Mr. Yogesh Pravinbhai Patel
F. 2. Sandeep Aptt.
R. C. Dutta Road, Baroda-390 005. (Transferor)
- (2) Mrs. Subhadraaben Ravindrabhai Amin,
'Chitrakut Bungalow'
R. C. Dutta Road, Baroda-390 005. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat Ilesh Aptt. Baroda, Document for transfer at property regd. with S. R. Baroda under No. 8779/19-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 3-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Re. No. P. R. 2901 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing Plot No. 121
(and morefully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred in the office of the undersigned Ahmeda-
bad as per 37EE form read on 30-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Mahendra Kumar Singari
Prop: of M/s Chrometography & Instruments Co.
122, C.I.D.C. Industrial Estate, Makarpura,
Baroda.
(Transferor)
- (2) M/s Chrometograph & Instruments Co.
122, GIDC Industrial Estate,
Makarpura, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Shed on Plot No. 121 of GIDC Makarpura
Document of agreement to transfer of the property read or
per form 37EE on 30-12-1983 with the undersigned.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380009

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Darshan Builders,
C/o Kantilal Chhaganlal Gohel
Krishna Road, Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Darshan Park,
Co. op. hsg. Socy. (Proposed),
c/o R. M. Zala, Anand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th August 1984

Ref. No. R.N. No. 2902 Acq.23/II/84-85 Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D at
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the Im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No TPS.3 FP. 159 Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Anand in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires late;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. 3 FP No. 159 adm. total 3031
sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S. R.
Anand under Nos. 4903, 4904, 4905, 4906, 4907 Dt
Dt. 9-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th August 1984

Ref. No. P.R No. 2903 Acq.23/II/84-85—Whereas, I, **G. K. PANDYA**, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS.3 F.P. 48 Vadi Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 29-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Aminabibi Gulam,
Haji Noormahmod,
Baroda
(Transferor)
- (2) Shree Kotiyarnagar
Co.op. Hsg. Socy.
C/o Kantilal Motilal
89, Kotyark Nagar Socy.,
Vadi—Baroda.
2. Ambalal Somabhai Panchal
93, Motyarnagar Socy
Vadi—Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vadi TPS.3FP 4adm. total land area 5177 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under Nos. 9055, 9057, 9059, 9054, 9058, 9076 Dt. Dec. 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-II,
AHMEDABAD

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2904 Acq.23/II/84-85--Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 863/2 Anand, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

60—226 GI/84

(1) Smt. Chanchalben Chhotabhai Patel & Irs.,
Nana-Adadh Gossai Palla
Anand.

(Transferor)

(2) Shri Dahyabhai Fulabhai
Patel & Ors,
Near Parabdi, Adas, Tal: Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand R. S. No. 863/2 adm. 2833 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S. R. Anand under No. 5016 Dt: 19-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-II
AHMEDABAD

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th August 1984

Ref. No. R.R.No. 2905 Acq.23/II/84-85—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the ~~Competent~~ Authority under Section 269B of the ~~Income-tax~~ Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 563, 564 Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Nirman
134/136, Zaveri Bazar,
Bombay-400002

(Transferor)

- (2) The Chairman,
Bombay Shopping Centre Premises
Co op. Socy. Ltd.
R. C. Circle,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Multistoreyed bldg. at R. C. Circle, Baroda document for which was regd. with S.R. Baroda under No. 5886 Dt : 1-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-II
AHMEDABAD

Date : 7-8-1984
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2906[Acq. 23]II[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No. 504 Nadiad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Parshottambhai Waghjibhai Patel
2. Shri Babubhai Vaghjibhai Patel
Lakha Vad, Nadiad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanubhai Ambalal Desai
2. Smt. Nirmalaben Kanubhai Desai & Ors.,
'Ganga Maiya'
College Road,
Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad adm. A-2 G.2 at S. Nos. 503, 504, Document for transfer of property regd. with S.R. Nadiad under No. 3949, 3949, Dt: 12-12-83.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AHMEDABAD

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2907/Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
R.S. No. 623 situated at Baroda
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Baroda on 26-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Diptiben Jaysukhlal Bhayani,
B-4, Sterling Aptt.,
R. C. Dutt Road, Baroda.

(Transferors)

- (2) Shreeyut Dipan Jaysukhlal Bhayani,
B. 4, Sterling Aptt.,
R. C. Dutt Road
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sterling Aptt. Baroda. Document for transfer of
regd. with S.R. Baroda under No. 8922 dated 26-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-8-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sejal Construction Co.,
Partner : Satish Babulal,
Near Gita Bag, Sheth C. G. Road,
Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Narendra Pujanjan Dholakia,
Smruti Apartment,
Opp. Old Sachivalaya,
Ambawadi,
Ahmedabad-15.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3057/Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat at Paldi Seem S. No. 193+194 at Smruti Apartment Opp. Old Sachivalaya Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-4-1984 (Regd. in December, 1983) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Paldi Seem S. No. 193+194 FP 328 at Smruti Apartment Regd. vide R. No. 5734.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3058/Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority, under Section 369D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at Vejalpur S. No. 1157 Satyagrah Chhavani Sector-3, Plot No. 27 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as er deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-11-1983 (Regd. in December 1983) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Amrutlal Chunilal Parekh.
Near Post Office,
Chhipawad, Bulsar,
District Surat.

(Transferor)

- (2) Babubhai Dwarkadas Shah.
A-2, New Amitkunj Flat,
Panchvati Lane-2.
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Satyagrah Chhavani Vejalpur S. No. 1157, Sector No. 3, Plot No. 27 Regd. No. 16486.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Balkrishna Bavalbhai Jadav,
93-554 Vijayanagar Flat,
Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

(2) Maneklal Mohanlal Patel,
118, Naranpura gam, Ahmedabad-13,
Now at Flat No. 93-554,
Vijayanagar Flat,
Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3059/Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

Flat at Wadaj S. No. 326 Vijay Nagar, Flat No. 93-554
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Ahmedabad on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;—

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Vijaynagar, Naranpura Flat No. 93-554 Regd. vide
R. No. 16694, dated 3-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-7-1984,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3060/Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat at T.P.S. 20 F.P. 390/1, New Girdhar Park, Ambawadi Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarojben Navinbhal Kamdar,
1, Govt. Officer's Socy.,
Opp. Sardar Patel Institute,
Drive-in-Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Hasumati Ramesh Chandra Patel,
New Girdhar Park Socy., Block No. F/4,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 20 F.P. 390/1 at New Girdhar Park, Ambawadi, Regd. vide R. No. 15558, dated 5-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-7-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Padmindarkumari Harbising
Mrudul Park Socy., Ambawadi,
Ahmedabad-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hasumati Ramanlal Shah,
Flat No. B/9, Nef Girdhar Park Socy.,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P. R. No. 3061 Acq. 23/II84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat at Kochrab T.P.S. 20 F. P. 390/1, New Girdhar Park
Socv., Ambawadi, Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 1-10-1983 (recd. in December 1983)
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at New Girdhar park, Ambawadi. T.P.S. 20, F.P.
390/1 Regd. vide R. No. 13816,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
61—226 GI/84

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3062 Acq. 23/1/84-85. —Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat at Paldi S. No. 56-1 FP No. 192 T.P.S. 22
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Ahmedabad on 8-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Smt. Nayanaben Chandrakant Zaveri,
Bus Stop Corner,
Narayan Nagar, Paldi, Ahmedabad-7. (Transferor)
- (2) Smt. Arvindaben Kirankumar Shah,
Sugam Appartment,
Vasana, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at S. No. 56-1 & FP 192 at Paldi Regd. vide R. No.
4124, dated 8-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-7-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3063 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at T.P.S. 21 Vasana F.P. 635 S.P. No. 2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ravjibhai Shankarbhai Patel,
"Shivkunj" Behind Commerce College,
Bank of India Staff Socy.,
Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Patel Ashabhai Babarbhahi,
Karta Chandrakant Ashabhai Patel,
Tagor Road, Anand,
District Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasana Seem T.P.S. 21 F.P. 635 S.P. No. 2 Regd vide R. No. 17324, dated 15-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-7-1984.
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3064 Acq. 23/E/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat at Samir Apartment, Flat No. 8 Azad Socy., Ambawadi
Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Ahmedabad on 13-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Hemlataben Ramanlal Pátel,
A-2, Samir Apartment,
Azad Socy., Ambawadi,
Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Miss Yamini Bhupendra Gandhi,
Flat No. 8, Samir Apartment,
Azad Socy., Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Ambawadi Azad Socy., Regd. vide R. No. 17168
dated 23-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 17-7-1984
Sd/-

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-800 009, 19th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3065 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. land at S. No. 30 village Dolatpura, District Junagadh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Junagadh on 13-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been fully stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Shri Bhikhabhai Kababhai Poshia.
2. Smt. Rambhaben Kababhai Poshia,
3. Minor Jashmat Kababhai,
Minor Gopal Kababhai,
by Guardian Smt. Rambhaben Kababhai
All at village Dolatpara,
District Junagadh.

(Transferor)

- (2) Khetiwadi Utpan Bazar Samiti,
Chairman Shri Bhikhabhai Chanabhai,
Vanzarichawk at Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at S. No. 30 at village Dolatpura District Juna-
gadh Regd. vide R. No. 2609 & 2610, dated 13-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-7-1984.
Seal .

FORM ITN

- (1) 1. Smt. Sarlaben Nautamlal Shukla,
2. Smt. Hinaben Nautamlal Shukla,
3. Rohitkumar Nautamlal Shukla,
4. Shri Trilokkumar Nautamlal Shukla,

at Palace Road, Gondal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Devendrabhai Ravjibhai Karkar,

Palace Road, Near Court,
Gondal, District Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3066 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property, Palace Road near Court Gondal, District Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gondal on 17-12-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Palace Road, Near Court, Gondal, Distt. Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-7-1984.
Sd/-

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Indravadan Lalshankar Trivedi.
2. Smt. Premilaben Lalshankar Trivedi.
In Shukla Dehla
Waghewari, Wadhwan
District Surendranagar

(Transferor)

- (2) S/Shri
1. Dineshbhai Jayantilal Shah
2. Balaben Jayantilal Shah.
3. Jyotiben Mahendrakumar Rawal
4. G. N. Soni,
5. Indumatiben Rameshchandra Shah.
6. Nitinkumar Ambalal Shah.
7. Madhavlal Prabhudas,
8. Hasmukhlal Dalsukhbhai,
9. Rameshchandra Dipchand Shah.
10. Arvindkumar Chimanlal,
All: Shah Purohit & Co.,
Mehta Market,
Surendranagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3067 Acq 23/J/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 1750 paiki 1586-43 sq. yds. at Wadhwan District Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhwan on 23-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land S. No. 1750 paiki Sq. yd. 1586-43 at Wadhwan Distt. Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-7-1984.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3068 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Land S. No. 1750 paiki 1784-75 sq. yd. at Wadhwan District Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Keshavlal Prabhaskar Trivedi,
2. Shri Praymumar Keshavlal Trivedi,
3. Shri Arvindkumar Keshavlal Trivedi,
4. Shri Manharlal alias Manuprasad K. Trivedi,
5. Shri Janakrai Keshavlal Trivedi,
@ Bungalow No. 8-B
Shakti Colony, Bhulabhai Park,
Gita Mandir Road, Ahmedabad-22.

(Transferor)

- (2) S/Shri
1. Dinesh Jayantilal Shah,
2. Balaben Jayantilal Shah,
3. Jyotiben Mahendrakumar Rawal,
4. G. N. Soni,
5. Indumatiben Rameshchandra Shah,
6. Nitinkumar Ambalal Shah,
7. Madhavlal Prabhudas,
8. Hasmukhlal Dalsukhbhai,
9. Rameshchandra Dipchand Shah,
10. Arvindkumar Chimanlal,
All : Shah Purohit & Co.,
Mehta Market,
Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 1750 paik Sq. yd. 1784.75 at Wadhwan Distt. Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-7-1984,
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Kishorkumar Parshottam Trivedi.
2. Shri Kirtikumar Parshottam Trivedi.
3. Taraben Parshottam Trivedi.
- at Shiv Krupa Socy. Office
- Manjalpur Vadodara (Baroda).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3069 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, **G. K. PANDYA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 1750 paiki 982-37 sq. yd. at Wadhwan Dist : Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 8-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Balaben Jayantilal Shah.
2. Jyotiben Mahendrakumar Rawal.
3. G. N. Soni,
4. Indumatiben Rameshchandra Shah.
5. Nitinkumar Ambalal Shah,
6. Madhavlal Prabhudas,
7. Hasmukhlal Dalsukhbhai,
8. Rameshchandra Dipchand Shah,
9. Arvindkumar Chimanlal,
10. Dineshbhai Jayantilal Shah,
- All Shah Purohit & Co.,
- Mehta Market,
- Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

62--226GI/84

Land S. No. 1750 paiki sq. yd. 982-37 at Wadhwan District Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20-7-1984.
Seal :

THE SCHEDULE

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3070 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Land S. No. 1750 paiki 892-37 sq. yd. at wadhwan
Dist. Surendranagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Wadhwan on 23-12-1983.
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Pradhyuman Jayantilal Trivedi
2. Shri Kansiyalal Jayantilal Trivedi
3. Shri Nawajlal Jayantilal Trivedi Kalu
Mehta's Pole,
Near Wagheswari
Wadhwan Dist : Surendranagar.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Dineshbhai Jayantilal Shah
2. Balaben Jayantilal Shah
3. Jyotiaben Mahendrakumar Rawal
4. G. N. Soni
5. Indumatiben Rameshchandra Shah
6. Nitin Kumar Ambhalal Shah
7. Madhavlal Prabhudas
8. Hasmukhlal Dalsukhbhai
9. Rameshchandra Dipchand Shah
10. Arvindkumar Chimanlal
All at Shah Purohit & Co
Mehta Market,
Surendranagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land S. No. 1750 paiki sq. yd. 892.37 at Wadhwan Dist :
Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3071/Acq 23/184-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land adm 58-4 sq. yd. and old Bldg. thereon at Bhupendra Road, situated at Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ~~namely~~—

- (1) 1. Shri J. P. Chotai—Karta of HUF and guardian of Minor.
2. Smt. Chandramani J. Chotai
3. Shri M. M. Mehta—Manager of HUF and guardian of minors.
4. Smt. Lilavati, C. Chotai
Ram Krishna Nagar,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri L. H. Lakhani
2. Shri A. L. Lakhani
3. Shri B. L. Lakhani
4. Shri L. L. Lakhani
5. Shri V. L. Lakhani
6. Smt. Gunvantiben. L. Lakhani
7. Smt. Premilaben. A. Lakhani
Mangla Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 58-4 sq. yd. & old Bldg. thereon at Bhupendra Rd. Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-7-1984.
Seal :

FORM ITNS_____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3072Acq.23]I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. at T.P.S. 3 F.P. 1 at Subash Nagar Co.op Socy. A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad, on 27-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the reduction or avoidance of the tax liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. Hasnukhlal Parshottamdas Shah
1, Suhash Nagar Co. op. Socy.
Behind Swastik Super Market,
Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mr. Balchandra Ratilal Mody,
Karta of Bhalchandra.
R. Mody, HUF
A-17, 6th Floor, Royal Aptt.
Khanpur, A'bad.
New Address : Shri Bhalchandra Ratilal Mody,
1, Suhas Nagar Co. Op. Socy.
Behind Swastik Super Market,
Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at 1 P.S. & F.P. 124 S.P. No. 1 Subash Nagar Socy.
Rtgd. No 18212 Dt 27-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 23-7-1984.
Seal :

FORM No. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3073 Acq.23||84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat at T.P.S. 19 F.P. 487, Sub Plot No. 26
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
A'bad on 30-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Indiraben. K. Hegada
D-2, Sunrise Shopping Centre,
Opp : Drive-in-Cinema,
Memnagar Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kailashchandra Subhakaran Sureka
2. Smt. Kiranben Kailashchandra Sureka
11, Arunesh Socy,
St. Xaviers High School Road,
Naranpura-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 19 F.P. 487 Sub Plot No. 26 Flat No. 5 regd.
vide R. No. 1857 Dt : 30-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24rd July 1984

Ref. No. P. R. No. 3074 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat at Ambawadi Satelight Road, Parul Flats, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shantaben Parshottambhai Patel,
4, Nanda Nagar Socy.
Bapunagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chhaganbhai Shambhubhai Kathiria,
H. 11, Parul Flats,
Satelight Road,
Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Ambawadi Satelight Road, Parul Flat, Regd. vide R. No. 18146 Dt : 26-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3075Acq.23/I/84-85.—Whereas, I.
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Bldg. at Shahpur II S. No. 3296/7/1 Paraskunj Socy. Khan-
pur, A'bad,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering
Officer at A'bad on 28-12-1983.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Himatlal Mohanlal Shah,
7, Paraskunj Socy.
Khanpur,
Ahmedabad-7.

(Transferee)

- (2) 1. Ramnikant Ramniklal Patadia
2. Mansukhlal Devshibhai Vadnagarl
Hathikhana, Navawas, A'bad.
New Address : 7, Paraskunj Socy.
Khanpur Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
'are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Paraskunj Socy. Khanpur Shahpur II, regd. vide
R. No 1822 Dt : 28-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3076Acq.23[I]84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat at Shaikhpur-Khanpur Navrangpura T.P.S. 19 S. N. O. 177-2 Plot No. 4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

officer at A'bad on 37G regd. in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajkumar Ishardas
88, New Cloth Market
Old Rajpur Gate
Ahmedabad

(Transferor)

(2) Atul Jashbhai Amin
Sobhaben Atul Amin
26, Kiran Socy.
Old Shapur Gate,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 19 Shaikhpur-Khanpur seem S. No. 177-2.
Regd. vide R No 14479G read in December, 1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref No P R No 3077Acq 23/1184-85—Whereas, I,
G K PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Rajendra Vardhman Plot No 4 situated at Roop Ngr, Delhi
and bearing
Flat at Wadaj Seem TPS 29 FP 305 (Part)-A'bad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at IAC Acqn Range, Pune on Dec 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—
63 226 G/184

(1) Miss Laxmi Newwalandram Totwani
Swast Vihar Socy
Panjara Pole,
Ahmedabad-15

(Transferor)

(2) Shri Jagdishkumar Jhamatmal Malukani
M-67/401 Jeevan Sadhana Co Op Hsg Socy Ltd
Pragatmagar,
Nalanpura,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS 29 FP 305 (Part) Wadaj seem regd vide
R No 17702 Dt 19-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date - 23-7-1984
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3078-Acq 23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act)have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
Flat at Wadaj Seem S. No. 725-306 Block No. 75 TPS.29-
A'bad(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)in the office of the
Registering officer at
A'bad on 22-12-1983,for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mukundhar Bhurabhai Parikh
29, Yashkunj Socy.
Opp : Rana Park, Ghatlodia,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vasudev Kumar Bhuralal Baheti
37, New Cloth Market,
Out side Raipur Gate,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS. 29 Wadaj Seem S. No. 325-3 of Block No. 75
regd. vide R. No. 17876 Dt : 22-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3079Acq.23 [I]84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat at Wadaj Seem S. No. 325 306 A'bad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at A'bad on 28-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Balvantsing.
N. Gupta
Block No. 14,
Room No. 109
Bombay Hsg. Colony,
Saraspur,
Ahmedabad.

Transferor(s)

- (2) Lilavatiben Shankarlal Shah,
75/445, Vijay Nagar Flats,
Naranpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Wadaj Seem S. No. 326-305 Regd. vide R. No.
18284 Dt : 28-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380/009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3080Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Shaikhpur-Khanpur Navrangpura Seem. S. No. 177/2 situated at A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 28-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; or
 (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Kaval Krishnacharandas
 S.B.I. Flats,
 Navrangpura,
 Ahmedabad-9.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Savitaben Vrandavan Popat.
 2. Smt. Dakshaben Rashmikant Popat
 10, Jay Suketu Flat, Opp : Navrangpura
 Municipal Market,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Shaikhpur-Khanpur Navrangpura Seem S. No. 177/2
 Regd. vide R. No. 13461 Dt : 28-12-1983.

G. K. PANDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 32rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3081Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the competent authority under Section 262B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land & building Land at T.P.S. 21 Vasana F.P. 578, 579, 604, 605 at Tapovan Co. Op. Socy. Sub Plot No. 20, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar (Doc. No. 4164/83) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kantilal Dalsukhbhai Shah,
1077, Kapoor Building,
Ramnagar,
Sabarmati,
Ahmedabad

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bhagwanji Meghjiibhai Patel
2. Smt. Pushpa Bhagwanji Patel
10, Seema Socy. Drive-in-Road,
Memnagar, Ahmedabad.
New Address : 20, Tapovan Co. Op. Socy.
Nr. Manekbag Socy.
Vasana Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at TPS. 21 F.P. 578, 579-604, 605 at Tapovan Co. Op. Socy. Sub Plot 20 regd. vide R. No. 18176 Dt : 27-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984.
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/703/37EE/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at TPS, 20 F.P. 286 at Mantrana Socy. Behind L.D. Eng. Hostel Ahmedabad-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 37G read. in Dec. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. S. S. Chaudhry,
A. 4 Mantrana Socy.
Behind L.D. Eng. Hostel,
Navrangpura, A'bad-9.

(Transferor)

(2) 1. Hasmukhlal Babubhai Rajdev
2. Niranjan Babubhai Rajdev
3. Bharat Babubhai Rajdev
4. Anil Babubhai Rajdev
A-4 Mantrana Socy.
Behind L.D. Eng. Hostel
Navrangpura,
Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS, 20 F.P. 286, Behind L.D. Eng. Hostel,
Mantrana Socy. Regd. vide R. No. 17901.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3083 Acq. 23/1/84-85.—Whereas I,
G. K. PANDYA,

being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat at TPS 29, Wadaj Seem S No. 290-267,
situated at Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Ahmedabad on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Dalpatram Bhanushankar Joshi,
Vishram Nagar Co.op. Socy.
Menagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Kamlaben Natvarlal
2. Kokilaben Natvarlal,
Audit Employee's Co.op Socy.
Wadaj,
Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Wadaj Seem, S. No. 290-67 regd. vide R. No.
18191 Dt. 26-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984
Sd/-

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref No. P.R. No. 3084 Acq. 23/1/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. at TPS 3 E.P. 124 Sub Plot 20, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramdhanji P. Kataria
20, Sushash Nandan Co-op Socy.,
Navrangpura
Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Facilities Shops and Offices
Owners Association
B-9-6 Elite Apartment
Shahibaug, Dabnala,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at TPS. 3 E.P. 124 Sub Plot 20 Ahmedabad regd.,
vide R. No. 18246 dt 28-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3085 Acq. 23/7/84-85—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office at TPS 3 F.P. 131, 3rd floor, H. K. House, Ashram Road, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad at (37EE filed on 29-12-83) on 6-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
64--226GI[84

- (1) Smt. Pratimaben U. Bhat, Parul, Ashokwadi, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

- (2) Vinod Manibhai Mitra (HUF) & Mahendra Chaturbhuj Merchant (HUF), 6, 2nd Floor, H.K. House, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office at H.K. House Ashram Road, 3rd Floor, TPS 3, F.P. 131, 37E filed on 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-7-1984
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3086 Acq. 23/1/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bldg. at TPS 21 F.P. 144-145 Sub. Plot 48, Shitvan Co.op. Socy. Bhuderpura, Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons named:

- (1) Shri Rajnikant Ratilal Patel,
48, Shitvan Co.op. Socy
Ambawadi, Bhuderpura,
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Shuidaben Champaklal Shah,
2. Shri Champaklal Chhaganlal Shah,
48, Shitvan Socy, Bhuderpura gam,
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at TPS 21 F.P. 144-145 S.I. 48 at Shitvan Co-op. Socy. Bhuderpura gam. Ambawadi, Ahmedabad regd. vide 18671 dt 31-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-7-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3087 Acq. 23/7/84-85.—Whereas I, **G. K. PANDYA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. at Thakor Park Socy TPS 6 F.P. No. 207+208 Plot No. 2 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sureshbhai Induprasad Thakore,
2, Thakor Park Socy,
Sarkhej Road,
Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Smt. Mukul Praveesh Nanda
C/507, Kothawala Apt.
Pritamnagar, Ahmedabad-6
New Address :
2, Thakor Park Co.op Socy,
Sarkhej Road, Paldam,
Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at TPS 6 F.P. 207—208 FP No. 2 at Thakor Park Co.op. Socy. Paldam Ahmedabad regd vide R. No. 1763 dt. 19-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3088 Acq. 23/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. at Mahuva Nutan Nagar Yojna-2 Plot No. 349 City S. No. 1573 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mahuva on 8-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Fidahussein Valimohmed Eudami
Roshanbanu Fidahussein Badami
Rising Aptt.
D. 16, Juhu Beach,
Bombay-49.

(Transferor)

(1) Doshi Mansukhlal Virchand HUF
(2) Doshi Hathichand Virchand HUF
Nutan Nagar Yojna No. 1,
Plot No. 349,
Mahuva,
Dist : Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Mahuva Nutan Nagar Yojna 1, Plot No. 349, City S. No. 1573 regd. vide R. No. 1783 Dt : 8-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 24-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3089 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and at Khambhaliya Ward No. 5/11 having land 608 sq. yd. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khambhaliya Dist. Jamnagar on 16-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Jayantilal Liladhar
2. Champaklal Laladhar
3. Ujamben Liladhar
'Shree Ram' Kalavad Road,
Near Nandu Socq.
Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Vithaldas Vrajdas
2. Prabhudas Vrajdas
3. Bhagwandas Vrajdas
4. Harish Vrajdas
5. Kanaiyalal Vrajdas
Bazar, Salaya,
Dist : Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khambhaliya Ward No. 5/11 regd. vide R. No. 1879 Dt: 16-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 24-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3090 Acq.23/1/84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at S. No. 334 paiki Land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 15-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s Amar Industries
Jadavji Nagar,
Bhuj (Kutch).

(Transferor)

(2) (1) Mukesh R. Marolia
(2) Damyantiben M. Marolia
171, Pushpak Apartment,
31, Ultra Mount Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 334 at Bhuj regd. vide R. No. 2297 Dt. 15-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 25-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3091 Acq 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1 and at Vastrapur seem S No 118, 122-123 126, 128 F. P. 110 S. P. No. 13 has been transfereed (and morefully described in the schedule annexed hereto) under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 26-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ansuyaben Dimeshkumar Zaveri
24, Manali Apartment
Vastrapur Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Suramaya Co.op. Socy.
C/o Shri S. P. Vyas,
Urban Bank Division,
Reserve Bank of India,
La Gajjar Chambers,
Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vastrapur R. S. No. 119, 122, 124, 126 paiki land F.P. 110 S.P. No. 13 regd. vide R. No. 18188 Dt: 26-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 27-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3092 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and at Vasana Seem T.P.S. 21 F.P. 635 Sub Plot No. 5 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 13-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Meenaben Bipul'aji Shah
Opp. Swair Vihar Flat,
Dr. Vikram Sarabhai Road,
Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s Patel & Shah Builders
Dayal Nivas,
Opp: Suvidha Shopping Centre,
Paldi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.P.S. 21 F.P. 635 S.P. No. 5 404 sq. yd. land
regd R. No. 17213 Dt: 13-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 27-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3093 Acq 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. On East side of Vishvadar Rly. Station Land adm. 18496 sq. yd. and Building and shed on it and machinery called 'Krishna Oil Mill at Vishavadar Dist: Junagadh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vishavadar on 27-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Partners of M/s Krishna Oil Mills
 1. Shri Patel Latha Parbat
 2. Shri Patel Ratilal Manji
 3. Shri Patel Ramesh Manji
 4. Shri Patel Nilesbkumar Manji
 5. Shri Patel Vashram Jeram
 6. Shri Patel Jadav Jeram
 7. Shri Patel Maganlal Vashram
 All @ C/o M/s Krushna Oil Mills Compound, Behind Rly. Station Vishvadar, Dist. Junagadh. (Transferor)
- (2) M/s Gayatri Trading Co. Firm and its partners:—
 1. Patel Maganlal Vashram
 2. Patel Nathalal Jadavbhai
 3. Patel Bhikkhalal Gordhandas
 4. Patel Damodardas Devdasbhai
 All—Krishna Oil Mill Compound, Behind Rly. Station, Vishvadar Dist: Junagadh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

On East side of Vishvadar Rly. station Land adm. 18496 sq. yd. and bldg. and shed on it and machinery called 'Krishna Oil Mills, at Vishvadar Dist: Junagadh.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3094 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot of land bearing S. No. 37 Block No. 10 Sanad
No. 360/96 adm. 612 sq. yd. and old house thereon at
Mangnath Road—Junagadh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Junagadh on 30-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Chhaganlal Thakarshibhai
2. Shri Amrutlal Thakarshibhai
4. Smt. Dudhiben Rajabhai
All @ Shri Rajabhai Thakarshibhai Dudhwala
Dudhwala Shop,
Mangnath Road,
Junagadh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Maganlal Karshan Vartu
2. Shri Ravjibhai Mavji Jadav
C/o M/s Gokul Timbers
Mangnath Road,
Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 37 Block No. 10 Sanad No.
360/96 adm. 612 sq. yd. and old house thereon at Mangnath
Rd, Junagadh.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3095-Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building on S. No. 457 Plot No. 7 B Behind Mahila College & New Gulab Nagar—Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gondal on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dinesh Kumar Parshottambhai Tank
Nirmala Main Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Chimanlal Gulabchandbhai Valani
Now at Valani Niwas
Nagar Sheri,
Gondal (Saurashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. on S. No. 457 plot No. 7-B 'Pithadia Dwar' Behind Mahila College and New Gulab Nagar, Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS ———**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1,
2ND FLOOR,HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref No. P. R. No. 3096 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 4 Valmiki Ashram Near Malviya Nagar-Gondal Road, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaysukhlal Arjanbhai Vadgama
5, Bhakti Nagar,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri S. J. Lakhani
28, Karanpara,
Raj Thatha Building,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4 Valmiki Ashram Near Malaviya Nagar, Gondal Road, Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shantaben Hiralal Hirani
C/o Raja Dal & Oil Mill
at Vali Dist : Yavatmal
Maharashtra.

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Mohanlal Dhakan
at Vishvadar
Dist. Junagarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,
2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3097 Acq. 23/I/84-84.—Whereas I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House property at Jagnath Plot Sheri No. 26-Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Rajkot on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Jagnath Plot Sheri No. 26 - Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1,
2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3098 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 16-B Nutan Sarvodaya Socy. Kalavad Road (S. No. 443) Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hansaben Natwarlal Desai
Nutan Nagar,
Rajkot. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Amarben Harjivandas Soni
2. Shri Vinodbhai Harjivandas Soni
at Near Babul Nath Temple,
Giri Chhaya Stand,
Chopati, Bombay-6. (Transferee)
- (3) Shri Kantilal Harilal Ranpara
Plot No. 16B Nutan Sarvodaya Socy.
Kalavad Road, Rajkot.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16B-Nutan Sarvodaya Socy. Kalavad Road (S. No. 443) Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3099 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bhupendra Road at Rajkot—Land adm. 269.60 sq. yd. and House thereon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri J. P. Chotai-Karta of HUF
1A. and Guardina of Minors ketan Jayantilal
2. Smt. Chandramani, J. Chotai
3. Shri M. M. Mehta Indl. & Guardian of
3A Minors. Dharmesh.
4. Smt. Gunvanti. L. Lakhani
at Ramkrishna Nagar, Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri L. H. Lakhani
2. Shri A. L. Lakhani
3. Shri B. L. Lakhani
4. Shri G. L. Lakhani
5. Shri V. L. Lakhani & others
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 276-60 sq. yd. adm. House thereon at Bhupendra Rd. Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 31-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1984

Ref. No. P. R/ No. 3100 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at T. S. 3 F. P. 751 Sub Plot No. 2 Ellisbridge, Chadawada seem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhanjibhai Karsanbhai Jadav,
Near Law College,
Ellisbridge,
Ahmedabad, ..

(Transferor)

(2) Shital Chhaya Flat owners Association,
Sureshkumar Jayantilal Shah,
Ambawadi,
Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chadawada - Ellisbridge T.P.S. 3 F.P. 751. S.P. No. 2 regd. vide R. No. 17172 Dt : 13-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mukesh Natvarlal Thakkar
Prabha Colony, Usmanpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,
2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

(2) Kamal Estate Corporation,
10, Harisiddha Chambers,
Ashram Road,
Ahmedabad,
M/s. Virl Flat Owner's Association.
Ambawadi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 1st August 1984

Ref No. P. R. No. 3101 Acq. 23|I|84-85.—Whereas I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Rs. 25,000/- and bearing No.

T. P. S. 3 F. P. 84 Usmanpura,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Rajkot on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 3 F.P. 84 Sub Plot No. 6 37 EE filed
on 20-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3102 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at T.P.S. 15 F.P. 27 SP No. 3, Moje Wadaj Seem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shakuntalaben Nanubhai Bhupatray
Saurashtra Society,
Ellisbridge, Ahmedabad.
2. Shantilal Chandulal Shah,
Nawa-Wadaj, Purshottam Nagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shashi Park Co. op. Society,
Organisor. Pujiram Shivram Patel,
Opp : Nava-Vadaj Bus Stand.
Ahmedabad

(Transferee)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Wadaj T.P.S. 15 F.P. 27. Sub-Plot No. 3 Land Regd. vide R. No. 17586 Dt 17-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3103 Acq.23/I/84-85.—Whereas, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at T.P.S 15 F.P. 27 S.P. No. 5A at Wadaj, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Naishadbhai Nanubhai Mehta,
Saurashtra Socy.
Ellisbridge, Ahmedabad,
2. Sanjivani Trust
Shri C. J. Shah,
Shanti Sadan Estate,
Opp : Mirzapur Dinbai Tower.
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Devibhai Chelabhai Bharwad,
Balva, Tal : Dholka
Dist : Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Wadaj T.P.S. 15 FP 27 S.P. 5A Regd. vide No. 17595 Dt. 17-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3104 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Sanand Seem S. No 1648-1649

has been transferred under the

(16 of 1983) in the office of the registering officer at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Sanand 37G recd. in Dec. 1983 on 31-3-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Baldevbhai Kevaldas Patel,
Sanand,
Dist : Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Uma Park Co.op. Socy.
Chairman
Dashrathbhai Baldevbhai Patel,
Sanand,
Dist : Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sanand Seem. S. No. 1648-1649 regd. vide R. No.
762/83 37G recd. in December, 1983.

G. K. PANDYA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No.3105 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Crescent/A Bldg. Flat No. 1002 10th Floor Opp : Race Course Rajkot ward No. 15 CTS. No. 1010 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1983) in the office of the registering officer at Rajkot 37EE filed on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) J. S. Corporation,
48, Indranarayan Road,
Santa Cruz (West)
Bombay-54.

(Transferor)

(2) Mrs. Sakarben Vejabhai Ravalia
Sakar Ville, 21-A, Nalanda Socy.
Kalawad Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rajkot Cr. Crescent, Bldg. A, 10th Floor, Flat No. 1002. 37EE filed on 11-11-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3106 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingShop No. 1, 2 & 3 in Crescent 'A' Bldg. C.S. No. 1010 Wd.
No. 15 S. No. 402/21 & 404/28, Race Course, Rajkot(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Ahmedabad 37EE filed on 24-10-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. J. S. Corporation,
48, Indranarayan Road,
Santacruz (West),
Bombay-54.

(Transferor)

(2) M/s. Udyog Bharati
Chawdi Gate,
Gondal Dist : Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 1, 2 & 3 in Crescent-A Bldg. C.S. No. 1010 Wd.
No. 15, S. No. 404/21 and 404/28 Race Course, Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. J. S. Corporation,
48, Indranarayan Road,
Santa Cruz, West,
Bombay-54.

(Transferor)

(2) Mrs. Kokila Dhirajlal Thakkar,
562, Taxashila Socy,
Rajkot.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 3107 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Chop No. 4 in Crescent A Bldg. C.S. No. 1010
Ward No. 15 S. No. 404/21 and 404/28 Face Course,
Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Form No. 37 EE filed on 28-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4 in Crescent 'A' Bldg. C. S. No. 1010 Wd.
No. 15. S. No. 404/21 and 404/28 Race Course, Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ref. No. P.R. No. 3108 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Bldg. at TPS. 29 F.P. 127 Tenament
37-38 Xavier's Co-op. Socy. Nr. Ankur Socy.
Naranpura A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Regis-
tering Officer
at A'bad on 30-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Santoshben Makhanlal Bhandara
2. Bharatbhushan Tarachand Bandhara
3. Deepakaa Socy.
Shahibap, A'bad.

(Transferor)

- (2) 1. Peenaben Ranchhodbhai Patel
2. Kaushikbhai Babubhai Patel
B. No. 37-38, Xavier's Co. op. Socy.
Near Ankur Socy.
Naranpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Xavier's Co. op. Socy. T. P. . 24 F. P. 127-B.
No. 37-38 R. No. 78578 Dt. 30-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 3-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kantilal Chimanlal Parekh,
Gandhinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ref. No. P.R. No. 3109 Acq.23[I]84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Bldg. at Jodhpur seem S. No. 255-256

Vishva Karma Vihar Socy. B. No. 17A

A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
at A'bad on 30-12-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

67- 226GT'84

- (2) Shri Natwarlal Keshavlal Patel
17A, Vishva Karma Vihar Co. op. Socy.
Satalight Road,
Jodhpur,
A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Jodhpur seem No. 255, 256 at Vishva Karma
Vihar Socy. 17A regd. vide R. No. 17864 Dt. 30-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 31st August 1984

Ret. No. P.R. No. 3110 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
Bldg. at Vinzol S. No. 312/2 at Dhan Papeshwar Co. op
Socv. B. No. 36
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
trar at A'bad on 31-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Hasmukhbhai Nagjibhai Patel,
36, Dhanpapeshwar Co. op. Socy.
Valva,
A'bad. (Transferor)
- (2) Anilkumar Ramanbhai Patel,
Village Palana
Tal. Nadiad
Dist. Kaira.
New Address : 36, Dhanpapeshwar Co. op. Socy.
Valva Vinzol,
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Vinzol S. No. 312/2, 36, Dhanpapeshwar Co. op.
Socv. Regd. vide R. No. 1866 Dt. 31-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 3-8-1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AHMEDABAD 380 009.

Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ref. No. P.R. No. 31111 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Land and Vasana TPS. 22 F.P. 359 S. No. 408 Paiki S. P. No. 11 at Nand Gopi Co.op. Socy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 21-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manugiri Shambhugiri Goswami
B. No 12 Nand Gopi Socy
Vasana
A'bad

(Transferor)

(2) Shri Thakorbbhai Chelabbhai Panchal
5 Nand Gopi Socy
Vasana
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasana TPS. 22 F.P. 359 S. No. 408 SP 11 regd. vide R. No. 17823 Dt. 21-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3112 Acq|23|84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Property at Rajpur Hirpur S. No. 290|2
T.P.S. 2 F.P. 144.
A'bad.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at A'bad on 29-12-83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) 1. Smt. Shantaben Sankalchand Patel
2. Upendra Sankalchand Patel
124, Makari Vad,
Raipur,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) President,
Dharmalok Aptt. Owners Association,
Bhairavnath Road,
Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 2 S. No. 290|2 F.P. 144, Regd. No.
18439 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Lokendrasinghi Chandrajitsinghi Gohil, HUF
Mangal Mahal,
Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jubilee Hostels Pvt. Ltd.
Ambassay Cente,
Nariman Point,
Bombay-400 023.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3113 Acq.23[I|84-85]—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Property at Vadva S. No. 290 Plot 3 4 paiki 950 sq. yd. land
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
as per deed registered under the Indian Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at A'bad on 2-12-1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Bhavnagar Vadva S. No. 290. paiki 3-4 regd.
vide R. No. 3581 Dt. 2-12-1983.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3114 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Property at TPS 4 F.P. No. 126 Sub Plot No. 11 1/2 undivided share. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 28-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ramchandra Harinagar Bhatt,
Ganesh Gali,
Maninagar Char Rasta
Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kalind Aptt. Vikas Mandal
C/o Nareshchandra Mahilal Sakhidas
K. Sakhidas & Co.
Nanek Chowk,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS 4 F. P. No. 126 Sub Plot No. 11 paiki
1 2 undivided property regd. vide R.No. 18260 Dt. 28-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8 1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3115 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. at Gyandeep Socy. Paldi IPS. 6 F.P. 222-223—8 A'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 37G recd. in Dec. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhanumatiben Madhubhai Patel,
R. B. Mehta Road,
2, Kailash Nivas,
Ghatkopar (East)
Bombay-77.

(Transferor)

(2) 1. Sadgunaben Pravinkumar Shah
2. Kaushal Pravinkumar Shah
3. Rshish Pravinkumar Shah
Gyandeep Socy. Paldi,
Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Paldi IPS. 6 S. No. 254 FP. 222, 223-8 S.P. No. 4 Regd. vide R. No. 7304 Dt. 16-5-83 37G recd. in. Dec. 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3116 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shed No. 193, 194, 195 situated at Kandla Free Trade Zone, Gandhidham, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj (Kutch) on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pond's Export Limited,
26, Commander-in-Chief Road,
Madras-600 105.

(Transferor)

(2) Pond's (India) Limited,
26, Commander-in-Chief Road,
Madras-600 105.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sheds at No. 193, 194, 195 situated in Kandla registered zone, Gandhidham regd. vide R. No. 20/84 (S. No. Madras Circle) 37G recd. in Dec. 1983)

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 8-8-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th August 1984

Ref. No. P.R. No 3117 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at TPS 6 F.P. 229 to 232 of 236, S.P. No. 7 at Mahalaxmi Socy. Paldi, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 30-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pravinchandra Govindlal Patel
Trimurti Flats (Duplex)
Near Inklab Socy.
Gulbai Tekra,
Ahmedabad

(Transferor)

(2) 1. Vasudev Ramanlal
2. Maheshkumar Ramanlal
'Vasukunj'
Near Ashapuri Mandir,
Madalpur, Ellisbridge,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS. 6 F.P. 229 to 232 and Sub Plot No. 7 at Mahalaxmi Socy. Paldi A'bad Regd. vide R. No. 18535/30-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-8-1984
Seal :

